विद्या परं दैवतम्

IIM

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

5वीं वार्षिक प्रतिवेदन 2019-2020

Indian Institute of Management Visakhapatnam

5th Annual Report 2019-20

विद्या परं दैवतम्

IIM
भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

5वीं वार्षिक प्रतिवेदन 2019-2020

विषय-वस्तु

अध्यक्ष की ओर से संदेश		2
निदेशक की ओर से संदेश		3
1.	शासी निकाय	4
2.	कार्यक्रम	6
3.	कार्यकारी शिक्षा	15
4.	संकाय	16
5.	शोध एवं प्रकाशन	17
6.	उद्यमशीलता	18
7.	अवसरंचना	21
8.	पूर्व-छात्र गतिविधियाँ	22
9.	नीति और पहल	23
10.	कार्मिक और प्रशासन	24
11.	वित्तीय स्थिति	25
12.	वितरण	26
13.	निदेशक की रिपोर्ट	38
14.	लेखा विवरण	52

अध्यक्ष की ओर से संदेश

हरि एस. भरतिया

प्रिय हितधारक और संरक्षण गण,

संस्थान ने तेजी से प्रगति के पथ आगे बढ़ते हुए कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की है। संस्थान की विभिन्न पहलों पर अच्छी तरह से कार्य किया जा रहा है और एक विचारशील गवर्नर मंडल द्वारा समर्थित किया जा रहा है।

संस्थान को कई मायनों में विशिष्ट और कई मोर्चों पर प्रथम प्रस्तावक के रूप में स्वीकार किया गया है, जो अपने जैसे संस्थानों के समूह में अच्छी पहचान बनाए हुए है। निदेशक और उनके शिक्षण और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की टीम आईआईएमवी को एक उत्कृष्ट संस्थान के रूप में बनाने में उनके प्रयासों के लिए बधाई के पात्र हैं।

संस्थान प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान में कार्यक्रमों के एक समूह के साथ, जो युवा और साथ ही अनुभवी उम्मीदवारों की जरूरतों को पूरा करता है, संस्थान विषय-क्षेत्र-संबंधी सामग्री और समकालीन अभ्यास के सही मिश्रण के साथ प्रबंधकीय प्रतिभा के निर्माण में अतिरिक्त संस्थान को संचालित कर रहे हैं।

छात्र और संकाय के समूह में क्षेत्रीय संतुलन और समावेशिता के साथ, संस्थान सही अर्थों और भावना में विविधता और राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए उभरा है।

संस्थान का स्थायी परिसर, 2022 तक व्यवसाय के लिए पूरी तरह से तैयार होने की उम्मीद है, जो वैश्विक मानकों के परिवेश और सौंदर्यशास्त्र के साथ एक भविष्य दृढ़, ऊर्जा-कुशल और जल-सकारात्मक परिसर होगा। यह परिकल्पना की गई है कि परिसर एक प्रसिद्ध मील का पत्थर साबित होगा।

केंद्र और राज्य सरकारें संस्थान के सुचारू कामकाज में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। हम संस्थान के प्रभावशाली विकास के लिए उनके द्वारा प्रदान की जा रही स्वायत्तता और उत्साहजनक समर्थन के लिए उनके आभारी हैं।

मैं आशावादी हूं, संस्थान ने पिछले पांच वर्षों में सरकार, व्यवसाय और समाज में जो सद्भावना अर्जित की है, यह भविष्य में अच्छी स्थिति में होगी, क्योंकि मैं यह उद्देश्य की ईमानदारी और प्रतिबद्धता की गहरी भावना के साथ आईआईएम अधिनियम 2017 में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करता है।

Hari S. Bhartia

हरि एस भरतिया
अध्यक्ष, गवर्नर मंडल
आईआईएम विशाखपट्टणम

तिथि: 05 **जुलाई**. 2021

निदेशक की ओर से संदेश

प्रो. एम. चंद्रशेखर

प्रिय महोदय / महोदया,

संस्थान ने तेजी से आगे बढ़ना जारी रखा है और अपने प्रसिद्ध गवर्नर मंडल के कुशल मार्गदर्शन में संचालन के पांचवें वर्ष में उन्नति को पूरा किया है। नीति से लाभ- और शिक्षा मंत्रालय (एमओई) से वित्तीय सहायता; भारत सरकार (जीओआई); साथ ही वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति (एफआईएसी) और भवन एवं निर्माण समिति (बीडब्ल्यूसी) से बुद्धिमान परामर्शदाता और सक्षम सलाह, संस्थान ने पैमाने और दायरे में अपनी गतिविधि प्रोफ़ाइल का काफी विस्तार किया है।

वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल हैं: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित और मिश्रित शिक्षण मोड में डिजिटल शासन और प्रबंधन में एक विशेष एमबीए प्रोग्राम की शुरू करना; अनुभवी पेशेवरों के लिए पीजी कार्यक्रम शुरू करना (एमबीए - शाम); पीएचडी कार्यक्रम शुरू करना; एमओई, भारत सरकार की राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू) द्वारा प्रशासित टीईक्यूआईपी (तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम) की योजना के तहत सरकारी और सहायता प्राप्त संस्थानों से इंजीनियरिंग संकाय के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों (पीडीटी) की एक श्रृंखला शुरू करना।

संस्थान सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के लिए कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों (ईईपी) के लिए एक मांग के बाद स्त्रोत के रूप में उभरा। परिणामस्वरूप, संस्थान के आंतरिक संसाधन उत्पादन में 77 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो वित्त वर्ष 19 में लगभग 10.0 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 20 में लगभग 17.0 करोड़ रुपये हो गई।

संस्थान की एक और अनूठी उपलब्धि एमईआईटीवाई, भारत सरकार के तहत एक टीआईडीई (प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और उद्यमिता का विकास) केंद्र स्थापित करना है। ऊष्मानियंत्रक स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन और भुगतान प्रणाली आदि जैसे सामाजिक-आर्थिक प्रासंगिकता के क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाले स्टार्ट-अप को बौद्धिक, ढांचागत, संस्थागत, वित्तीय, प्रबंधकीय, सलाह और ज्ञान-सहायता प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है।

संस्थान ने दिसंबर 2019 में संचालन अनुसंधान और निर्णय विज्ञान 2019 (आईसीओआरडीएस) पर एक प्रतिष्ठित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पहली बार) आयोजित किया, जिसमें शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, चिकित्सकों और छात्रों की व्यापक भागीदारी देखी गई।

बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर, संस्थान ने परिसर-निर्माण के लिए वास्तुकारों और परियोजना प्रबंधन सलाहकारों की नियुक्ति के संबंध में कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की है। एक उपयुक्त निर्माण एजेंसी की पहचान के लिए निविदा प्रक्रिया उन्नत चरण में पहुंच गई है।

संस्थान ने वर्ष के दौरान प्रभावशाली शैक्षणिक और अनुसंधान साख के साथ सात संकाय सदस्यों की भर्ती की, जिनके पास शिक्षण और उद्योग के अनुभव का एक समृद्ध मिश्रण है। इ इसने संकाय के सदस्यों की संख्या को 20 तक पहुंचा दिया। संकाय ने क्षमता, प्रतिबद्धता और अच्छी नागरिकता का प्रदर्शन करते हुए शिक्षण, अनुसंधान और संस्थान निर्माण के लिए समग्र रूप से योगदान देना जारी रखा।

शिक्षण को रोचक, आकर्षक और इसलिए प्रभावशाली बनाने के लिए संकाय नवीन शिक्षण विधियों को अपना रहा है। अधिकतम परिणाम गर्मियों और अंतिम प्लेसमेंट में परिलक्षित होते हैं जिन्होंने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए।

संकाय द्वारा अनुसंधान भी उच्च कोटि का रहा है। विशेष उल्लेख के योग्य एक परियोजना है जिसका शीर्षक है "विशेष रूप से कोविड-19 की भविष्यवाणी और नियंत्रण की ओर; और सामान्य रूप से कोई भी महामारी'। संस्थान ने भारत के विभिन्न राज्यों / जिलों में कोरोनावायरस महामारी की भविष्यवाणी के लिए एक डैशबोर्ड विकसित किया, जो कई मायनों में एक अनूठा प्रयास था और इसकी सराहना की गई थी।

एक निर्धारित समय सीमा के भीतर शीर्ष बिजनेस स्कूलों में गिने जाने के लिए एक रणनीति तैयार करने की दृष्टि से, संस्थान ने एक संरचित दृष्टि अभ्यास शुरू किया, जो बोर्ड की एक उप-समिति द्वारा निर्देशित था।

अंत में, यह गर्व की बात है कि संस्थान के परिवार का प्रत्येक सदस्य संस्थान के अच्छे कामकाज में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वे संस्थान के विकास और विकास की दिशा में अच्छे परिणाम दे रहे हैं, आईआईएम अधिनियम, 2017 में निहित उत्कृष्टता के मानकों की उपलब्धि में सहायता कर रहे हैं।

अंत में सफलता से चिह्नित एक और वर्ष के लिए, संस्थान की प्रगति में उनके निरंतर संरक्षण और भागीदारी के लिए, सभी हितधारकों के लिए आभार देय है।

प्रोफेसर एम. चंद्रशेखर
निदेशक, आईआईएम विशाखपट्टणम
तिथि: 05 **जुलाई**.2021

1. शासी निकाय (प्रकाशन की तारीख तक अद्यतन किया गया)

1.1 शासी मंडल

अध्यक्ष

हरि एस भरतिया

सह-अध्यक्ष और संस्थापक, जुबिलेंट भरतिया ग्रुप

सदस्य

नीता प्रसाद, आईआईएस संयुक्त सचिव (प्रबंधन, आईसीसी एंड पॉलिसी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सतीश चंद्रा, आईएएस विशेष मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, आन्ध्र प्रदेश सरकार
उमा सुधींद्र सुरक्षा रणनीतिकार और संस्थापक और प्रबंधन साझेदार गो मैजिक ट्रेल्स; को-फाउंडर, एम एव्री वुमन	प्रसाद दहापुते प्रबंध निदेशक द वरहाद ग्रुप
सतीश रेड्डी अध्यक्ष डॉ रेड्डीज लेबोरेटरीज	नौशाद डी फोर्ब्स सह अध्यक्ष फोर्ब्स मार्शल ग्रुप ऑफ कंपनीज
जी रघुराम पूर्व निदेशक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बैंगलोर	राजीव कपूर, आईएएस (सेवानिवृत्त) भारत सरकार के पूर्व सचिव और पूर्व निदेशक, एलबीएसएनएए
मालविका हरिता प्रतिष्ठित एलुमना, आईआईएम बैंगलोर संस्थापक, ब्रंड सर्कल	अमीता चटर्जी मैनेजिंग ट्रस्टी, एकम फाउंडेशन मुंबई
बी श्रीरंगाचार्युलु एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएमए	दीपिका गुप्ता असिस्टेंट प्रोफेसर, आईआईएमवी

एम चंद्रशेखर

निर्देशक

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टणम

कलीम वी खान, बोर्ड सचिव, आईआईएम विशाखापट्टणम

1.2 भवन एवं निर्माण समिति

अध्यक्ष

सतीश रेड्डी

अध्यक्ष डॉ रेड्डीज लैब्स एंड मेंबर (बीओजी), आईआईएम विशाखापट्टणम

सदस्य

लिजी फिलिप प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग और डीन (योजना), आईआईटी मद्रास	राजीव मिश्रा प्रिंसिपल, सर जे जे स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर मुंबई विश्वविद्यालय
वी नागदेवरा पूर्व प्रोफेसर, डीन और अध्यक्ष, भवन समिति; आईआईएम बैंगलोर	पी. कोटेश्वर राव, आईएएस महानगर आयुक्त, विशाखापट्टणम महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण

एम चंद्रशेखर निदेशक, आईआईएम विशाखापट्टनम	अमित बरन चक्रवर्ती असिस्टेंट प्रोफेसर, आईआईएम विशाखापट्टणम
साईकृष्ण राजू प्रमुख (परियोजनाएं), आईआईएम विशाखापट्टणम (सदस्य-संयोजक)	आमंत्रितः सुशांत बालिगा (पूर्व में: अपर महानिदेशक, सीपीडब्ल्यूडी) सलाहकार (भवन और निर्माण), आईआईएम विशाखापट्टणम प्रोफेसर. बी. श्रीरंगचार्युलु, आईआईएम विशाखापट्टणम

1.3 वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति

अध्यक्ष

अमीता चटर्जी

मैनेजिंग ट्रस्टी, एकम फाउंडेशन मुंबई एंड मेंबर (बीओजी), आईआईएम विशाखापट्टणम

सदस्य

दर्शन एम डबराल संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	पद्मिनी श्रीनिवासन एसोसिएट प्रोफेसर (वित्त और लेखा) आईआईएम बैंगलोर
ए राधा कृष्ण वित्तीय नियंत्रक एवं कंपनी सचिव बार्कलेज शेयर्ड सर्विसेज	श्रीनिवास कुमार अलामुरु, आईए एंड एएस (सेवानिवृत्त) पूर्व महालेखाकार (ए एंड ई) आन्ध्र प्रदेश
प्रसाद दहापुते प्रबंध निदेशक वरहाद ग्रुप	एम चंद्रशेखर निर्देशक आईआईएम विशाखापट्टणम
दीपिका गुप्ता मुख्य लेखा परीक्षा कार्यकारी आईआईएम विशाखापट्टणम	नंदिता गुंडला अधीक्षक (वित्त एवं लेखा) आईआईएम विशाखापट्टनम (सदस्य-संयोजक)

उगवर्नर मंडल, भवन और निर्माण समिति और वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति की बैठकों का विवरण **विवरण 1** में संलग्न है।

2. कार्यक्रम

अवलोकन

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापत्तनम वर्तमान में चार लंबी अवधि के कार्यक्रम की पेशकश करते है - प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी), पीएचडी कार्यक्रम, अनुभवी पेशेवर के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीईएक्स) और डिजिटल शासन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) -डीजीएम)।

2.1 पीएचडी कार्यक्रम

अपने कार्यक्रमों के विषयों के अलावा, आईआईएम विशाखापट्टणम ने पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया। यह एक शोध-गहन चिकित्सक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य अनुसंधान में उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण प्रदान करना है।

पीएचडी कार्यक्रम के पहले बैच का उद्घाटन 24 जून, 2019 को हुआ था। कार्यक्रम में कुल 3 छात्रों को प्रवेश दिया गया था।

2.1.1 अकादमिक

विशेषज्ञता के क्षेत्र

पीएचडी कार्यक्रम विशेषज्ञता के दो क्षेत्रों यानी वित्त और लेखा (1 छात्र) और उत्पादन और संचालन प्रबंधन (2 छात्र) के साथ शुरू हुआ।

पीएचडी कार्यक्रम की संरचना

कार्यक्रम में दो चरण शामिल हैं, अर्थात, कोर्सवर्क और थीसिस।

चरण 1 - कोर्सवर्क

यह चरण पीएचडी कार्यक्रम के पहले दो वर्षों को शामिल करता है। इस चरण में शोध और स्वतंत्र अध्ययन शामिल है। पहले चरण के सफल समापन के लिए दूसरे अकादमिक वर्ष के अंत में व्यापक परीक्षा (लिखित और मौखिक) उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

चरण 2 - थीसिस कार्य

चरण 1 के पूरा होने पर, छात्र एक थीसिस प्रस्ताव और एक अंतिम थीसिस-मूल्यांकन और उत्तर से मिलकर थीसिस का काम शुरू करते हैं।

2.1.2 संस्थागत समर्थन

संस्थान पर्याप्त वित्तीय और ढांचागत सहायता प्रदान करता है। बेहतरीन स्थिति में पीएचडी कार्यक्रम के छात्रों को पहले वर्ष में 30,000 रुपये प्रति माह का वजीफा मिलेगा, जिसमें ट्यूशन फीस माफी के अलावा अधिकतम पांच साल तक 10% वार्षिक वृद्धि होगी।

छात्रों को उपलब्ध अन्य वित्तीय सहायता में शामिल हैं:

- 75,000 रुपये का आकस्मिक अनुदान (वर्ष 1 में) और 25,000 रुपये (सालाना 2 से वर्ष तक)
- कैंपस से बाहर परिवार के साथ रहने वाले परिवारों वाले छात्रों के लिए एचआरए, मासिक 7,500 रुपये या समकक्ष किराया।
- स्वीकृत पत्रों के लिए 3,00,000 रुपये तक का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अनुदान और 60,000 रुपये तक का राष्ट्रीय सम्मेलन अनुदान।

2.2 अनुभवी पेशेवरों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीईएक्स)

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री के पुरस्कार के लिए अनुभवी पेशेवरों (पीजीपीईएक्स) के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम एक गैर-आवासीय सप्ताहांत कार्यक्रम है। यह विशाखापट्टणम शहर में और उसके आसपास स्थित अनुभवी पेशेवरों के लिए नया ज्ञान और कौशल हासिल करने और अपने करियर को आगे बढ़ाने का एक उत्कृष्ट अवसर है।

कार्यक्रम का व्यापक लक्ष्य प्रतिभागियों को पेशेवर संवृद्धि और विकास के लिए उनकी प्रबंधकीय दक्षताओं और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने में मदद करना है; और उस उन्नत शिक्षा के माध्यम से, अपने संगठनों में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान करना है।

आईआईएम विशाखापट्टणम के बारे में - पीजीपीईएक्स (एमबीए) कार्यक्रम

(a) पीजीपीईएक्स एमबीए डिग्री के पुरस्कार के लिए अग्रणी

(b) 2-वर्षीय (गैर-आवासीय) सप्ताहांत कार्यक्रम

(c) कक्षाएं शुक्रवार शाम और सप्ताहांत पर आयोजित की जाती हैं

(d) मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम पैक (25 पाठ्यक्रम)

(e) कैपस्टोन परियोजना

(f) आईआईएम विशाखापत्तनम पूर्व छात्र स्थिति

पहले बैच का उद्घाटन 19 अक्टूबर, 2019 को हुआ। पीजीपीईएक्स 2019-21 बैच में 24 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

2.2.1 अकादमिक

आईआईएमवी के पाठ्यक्रम को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के सम्मुख बेंचमार्क किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करते हुए गतिशील शैक्षणिक प्रथाओं के आधार पर सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाए। कोर्स का पाठ्यक्रम में लगातार सुधार करने के लिए उचित महत्व जुड़ा हुआ है, जो विशिष्ट संकाय के मार्गदर्शन में छात्रों के एक असाधारण पूल को गतिशील व्यावसायिक लीडर में बदलने और बदलने में मदद करता है।

व्याख्यान, कक्षा चर्चा, केस-अध्ययन, व्यक्तिगत और समूह परियोजनाओं, टर्म पेपर, रोल प्ले, व्यवसाय (सिमुलेशन) गेम आदि के संयोजन के माध्यम से पाठ्यक्रम वितरित और मूल्यांकन किया जाता है, विभिन्न शिक्षाविदों, उद्योगपतियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा अतिथि व्याख्यान भी छात्र अनुभव को समृद्ध करते हैं।

2.3 डिजिटल शासन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-डीजीएम)

डिजिटल गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट (पीजीपी-डीजीएम) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जिसके कारण मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री का पुरस्कार 2019 में भारत सरकार (जीओई) के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तत्वावधान में शुरू किया गया था।

यह अनुकूलित कार्यक्रम प्रतिभागियों में डिजिटल-प्रबंधन क्षमताओं को बढ़ाने की दृष्टि से तैयार किया गया है। यह परिकल्पना की गई है कि स्नातक करने वाले उम्मीदवार डिजिटल इंडिया के पदचिह्न और प्रभाव को और अधिक व्यापक और गहन रूप से उत्प्रेरित करेंगे, जिससे अंतिम उपयोगकर्ताओं को सेवाओं के वितरण में मात्रात्मक और गुणात्मक परिवर्तन में योगदान मिलेगा। पीजीपी-डीजीएम के पहले बैच की कक्षाएं जनवरी 2020 में शुरू हुई थीं।

2.3.1 अकादमिक

कार्यक्रम दो वर्षों में 4 सेमेस्टर में की अवधि में है। यह पारंपरिक और वर्चुअल क्लास-रूम मोड के विवेकपूर्ण संयोजन के साथ एक मिश्रित-लर्निंग मॉडल है। यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक संस्थानों द्वारा पेश किए जा रहे ऐसे (ऑन-लाइन) कार्यक्रमों के महत्व और बढ़ती प्रवृत्ति के अनुरूप है। पाठ्यक्रम-वितरण का मिश्रित-मोड काम करने वाले पेशेवरों की बाधाओं को समय की विस्तारित अवधि के लिए काम से दूर रखने के बारे में बताता है, आमतौर पर यह पूरी तरह से परिसर, आवासीय कार्यक्रमों द्वारा आवश्यक होता है।

कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए एक लंबे अवधि और सक्रिय सीखने के अनुभव के लिए डिज़ाइन किया गया है। चयनित उम्मीदवारों को एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान/विश्वविद्यालय में लगभग 2 सप्ताह के 'घरेलू घटक' के साथ-साथ 'अंतर्राष्ट्रीय घटक' को पूरा करने की आवश्यकता होगी।

इसके अलावा, प्रतिभागियों को व्यावहारिक महत्व की एक कैपस्टोन परियोजना को करना होगा, जिसमें डिजिटल शासन और प्रबंधन क्षेत्र में कार्यान्वयन की संभावना होगी।

2019-21 के बैच में कुल 26 छात्रों को पीजीपी-डीजीएम कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया था।

2.4 प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)

प्रमुख दो वर्षीय पूर्णकालिक आवासीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जो मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री के लिए अग्रणी है, छात्रों को तेजी से जटिल और गतिशील वैश्विक परिदृश्य में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार किया गया है। दो वर्षों के बीच ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के साथ एक वर्ष में तीन पदों पर फैला यह कार्यक्रम वैचारिक और विश्लेषणात्मक तर्क की नींव रखता है और छात्रों को कारोबारी माहौल की गतिशीलता में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

2.4.1 अकादमिक

एमबीए के पाठ्यक्रम को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के सम्मुख बेंचमार्क किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करते हुए गतिशील शैक्षणिक प्रथाओं के आधार पर सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाए। कोर्स का पाठ्यक्रम तैयार करने पर उचित जोर दिया जाता है जो प्रभावशाली अकादमिक और शोध साख के साथ संकाय के मार्गदर्शन में छात्रों के एक असाधारण पूल को गतिशील व्यावसायिक लीडर में पोषित करने और बदलने में मदद करता है। विभिन्न प्रसिद्ध अकादमी के शिक्षाविदों, उद्योगपतियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के अतिथि व्याख्यान भी छात्र-अनुभव को समृद्ध करते हैं।

व्याख्यान, कक्षा चर्चा, केस स्टडी, व्यक्तिगत और समूह परियोजनाओं, टर्म पेपर, रोल प्ले, बिजनेस (सिमुलेशन) गेम्स आदि के संयोजन के माध्यम से पाठ्यक्रम वितरित और मूल्यांकन किया जाता है।

2019-21 के पीजीपी बैच में कुल 125 छात्रों को प्रवेश दिया गया था। कक्षा प्रोफ़ाइल का एक स्नैपशॉट बताता है कि 13 अनुसूचित जाति के छात्र, 45 महिला छात्र, कार्य अनुभव वाले 64 छात्र और इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले 71 छात्र थे।

2019-20 के दौरान, 44 वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की पेशकश की गई। पाठ्यक्रमों की सूची **विवरण 2** में संलग्न है।

2.4.2 अंतर्राष्ट्रीय तन्मयता कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय तन्मयता कार्यक्रम छात्रों को उभरती/उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में वैकल्पिक पाठ्यक्रम 'अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए व्यापार योजना' के एक भाग के रूप में, छात्र व्यापार और उद्योग पर विशेष ध्यान देने के साथ व्याख्यान में भाग लेते हैं। इसके अलावा, सिंगापुर, श्रीलंका और दुबई की अपनी अध्ययन यात्रा के दौरान उन्होंने स्थानीय चुनौतियों और अवसरों से खुद को परिचित किया। इस यात्रा का आयोजन अक्टूबर 2019 (पीजीपी - सिंगापुर और श्रीलंका) और नवंबर 2019 (पीजीसीईपी - दुबई) में सात दिनों के लिए टर्म ब्रेक के दौरान किया गया था। यह पूरी तरह से संस्थान द्वारा वित्त पोषित है। इस यात्रा में शिक्षाविदों और उद्योग के साथ बातचीत, ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा और अन्य शिक्षा-संबंधी गतिविधियां भी शामिल थीं। दौरे से लौटने पर, प्रत्येक छात्र ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की और प्रमुख शिक्षाओं पर एक प्रस्तुति दी।

2.4.3 निदेशक की मेरिट सूची

पहले वर्ष के अंत में शैक्षणिक प्रदर्शन (संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत) के आधार पर बैच में शीर्ष 5s छात्रों को निदेशक की मेरिट सूची में शामिल किया गया है। निदेशक मेरिट सूची के लिए पीजीपी 2019-21 के सात छात्रों का चयन किया गया। प्रत्येक छात्र 10,000 रुपये के पुस्तक अनुदान और योग्यता प्रमाण पत्र के लिए पात्र है।

2.4.4 मेरिट प्रमाणपत्र

जिन छात्रों को अकादमिक प्रदर्शन (टर्म जीपीए) के आधार पर टर्म के अंत में प्रथम श्रेणी 1, 2 और 3 का स्थान दिया गया है, उन्हें मेरिट प्रमाणपत्र सूची में शामिल किया गया है। पीजीपी 2019-21 के प्रत्येक सत्र के सात छात्रों को मेरिट प्रमाणपत्र के लिए चुना गया है। प्रत्येक छात्र 6000 रुपये का पुस्तक अनुदान और योग्यता प्रमाण-पत्र पाने का पात्र है।

2.4.5 वित्तीय सहायता

संस्थान वित्तीय सहायता की आवश्यकता वाले छात्रों को सहायता प्रदान करता है। वित्तीय सहायता नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी छात्र वित्तीय कारणों से संस्थान में शिक्षा से वंचित न रहे। सभी छात्र जिनकी वार्षिक घरेलू आय 6,00,000 रुपये से कम है, वे आवेदन करने के पात्र हैं। वित्तीय समस्याओं से जूझ रहे अन्य छात्रों पर भी ध्यान दिया जाता है।

वित्तीय सहायता समिति पुरस्कार विजेताओं की संख्या और सहायता की राशी तय करने के लिए दो चरणों वाली प्रक्रिया अपनाती है। पहले चरण में, आवेदकों का दो मानदंडों पर मूल्यांकन किया जाता है - आय (पारिवारिक आय अ आईआईएमवी में शामिल होने से पहले व्यक्तिगत आय) और बकाया ऋण (बशर्ते उन्हें विशिष्ट उपभोग के लिए नहीं लिया गया हो)। इस रेटिंग के आधार पर उन्हें संकाय पैनल के साथ व्यक्तिगत बातचीत के लिए बुलाया जाता है।

इन बातचीत के दौरान, संकाय पैनल आवेदकों के रैंक क्रम पर पहुंचने के लिए प्रत्येक आवेदक की तरलता, ऋण योग्यता और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करता है। इन मापदंडों के भारित औसत अंकों के आधार पर, आवेदकों को समिति की सिफारिशों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के दौरान, 7 छात्रों को कार्यक्रम शुल्क और जीवनयापन सहायता के रूप में वित्तीय सहायता के रूप में 42.15 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई थी।

लाभार्थियों का विवरण नीचे संलग्न है:

वित्तीय सहायता 2019-20			
श्रेणी	**छात्रों द्वारा किए गए आवेदन**	**मंजूर किए गए आवेदन**	**स्वीकृत राशि**
ईडब्ल्यूएस	4	2	42,15,000 रुपये
सामान्य	3	0	
क्रीमी लेयर ओबीसी	5	3	
अनुसूचित जाति	0	0	
अनुसूचित जनजाति	2	2	
डीएपी	0	0	
कुल	14	7	

2.4.6 डिग्री के पुरस्कार

चौथा वार्षिक दीक्षांत समारोह 28 मार्च 2020 को आयोजित होने वाला था। कोविड-19 महामारी के तेजी से फैलने और परिणामस्वरूप लॉकडाउन के कारण, संस्थान ने दीक्षांत समारोह को स्थगित कर दिया। संस्थान ने स्नातक छात्रों को तत्काल अनंतिम प्रमाण पत्र प्रदान किया; और अगले वार्षिक

दीक्षांत समारोह में डिग्री/प्रमाणपत्र प्रदान करने का निर्णय लिया।

डिग्री का अनुदानः पीजीपी 2018-20:

पीजीपी 2018-20 बैच के 101 छात्र एमबीए डिग्री प्राप्त करने के पात्र हैं।

अकादमिक विशिष्टताओं का अनुदानः पीजीपी 2018-20

a) 2018-20 बैच के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए) में प्रथम रैंक हासिल करने के लिए आईआईएम विशाखापट्टणम स्वर्ण पदक का पुरस्कार, सुश्री मानसी गुप्ता (रोल नंबर 1810084) को दिया जाता है;

b) 2018-20 बैच के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए) में दूसरी रैंक हासिल करने के लिए आईआईएम विशाखापट्टणम स्वर्ण पदक का पुरस्कार, सुश्री रितुपर्णा बनर्जी (रोल नंबर 1810039) को दिया जाता है;

c) 2018-20 बैच के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए) में लड़कियों के बीच पहली रैंक हासिल करने के लिए वाणी रो मेमोरियल गोल्ड मेडल का पुरस्कार, सुश्री मानसी गुप्ता (रोल नंबर 1810084) को दिया जाता हैः

d) 2018-20 बैच के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए) में सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड प्रदर्शन स्वर्ण पदक का पुरस्कार, सुश्री रितुपर्णा बनर्जी (रोल नंबरः 1810039) को दिया जाता है, अकादमिक, सह और पाठ्येतर गतिविधियों में पीजीपी कार्यक्रम के दौरान समग्र प्रदर्शन के समग्र मूल्यांकन के आधार पर पुरस्कार दिया जाता है।

पीजी प्रमाणपत्रों का अनुदानः पीजीसीईपी 2018-19

पीजीसीईपी 2018-19 बैच के बत्तीस छात्र व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पात्र हैं।

अकादमिक विशिष्टताः पीजीसीईपी 2018-19

a) सुश्री प्रेरणा बैद (रोल नंबर 1831021) को पीजीसीईपी 2018 बैच के अनुभवी पेशेवरों के लिए व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम में प्रथम रैंक हासिल करने के लिए आईआईएम विशाखापट्टणम स्वर्ण पदक का पुरस्कार दिया जाता है;

b) पीजीसीईपी 2018 बैच के अनुभवी पेशेवरों के लिए बिजनेस मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम में दूसरी रैंक हासिल करने के लिए आईआईएम विशाखापट्टणम स्वर्ण पदक का पुरस्कार श्री हरि अनेपु (रोल नंबर 1831011) को पुरस्कार दिया जाता है

2.4.7 नियुक्तियाँ

कार्यालय कैरियर विकास सेवा (सीडीएस) ने छात्र नियोजन समिति के समन्वय से वर्ष के दौरान ग्रीष्मकालीन और अंतिम प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान की।

2.4.8 ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप - पीजीपी 2019-21

पांचवें बैच (2019-21 की पीजीपी कक्षा) के लिए समर प्लेसमेंट सीजन का समापन शीर्ष कंपनियों के साथ सभी प्रतिभागी छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप की पेशकश के साथ हुआ। सभी 121 छात्रों को समर इंटर्नशिप ऑफर मिला, जिसमें 2.0 लाख रुपये का ऑफर सबसे ज्यादा था। शीर्ष 10s का औसत ऑफर 1,25,500 रुपये है और शीर्ष चतुर्थक 98,482 रुपये है, जबकि पूरे बैच का औसत 51,726 रुपये रहा, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए।

ऑफ़र का क्षेत्र-वार प्रसार इस प्रकार हैः दूसरों के बीच में बीएफएसआई (28%), आईटी/आईटीईएस (25%), परामर्श (9%), ई-कॉमर्स (6%), टेलीकॉम (5%), फिनटेक (3%)।

अग्रणी परामर्श फर्म डेलॉइट ने छात्रों को उनकी सलाहकार भूमिका के लिए भर्ती किया। एचडीएफसी बैंक, यस बैंक, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, आदित्य बिड़ला कैपिटल, बजाज कैपिटल, और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और सिडबी जैसे बीएफएसआई क्षेत्र हैं, जिन्होंने वित्त, निवेश बैंकिंग, ग्राहक संबंध प्रबंधन, थोक विपणन, निम्नांकन और व्यापार विकास में भूमिकाएं प्रदान कीं। बहुराष्ट्रीय समूह बॉश, एलएंडटी और अदानी समूह ने सामान्य प्रबंधन, बिक्री, विपणन, मानव संसाधन और उत्पाद प्रबंधन में भूमिकाओं की पेशकश की। ओप्पो मोबाइल ने भुगतान और उत्पाद विकास के क्षेत्रों में भूमिकाएँ प्रदान कीं।

2.4.9 अंतिम प्लेसमेंट - पीजीपी 2018-20

संस्थान देश में एक शीर्ष बिजनेस स्कूल होने की अपनी उम्मीद पर खरा उतरा और अपने प्रमुख पीजीपी (एमबीए) प्रोग्राम (2018-20 बैच) के स्नातक बैच के लिए एक बार फिर से एक पूर्ण शतक के साथ अपना अंतिम प्लेसमेंट पूरा किया। मौसमी प्रतिकूलताओं और अतीत के सफल रिकॉर्ड बनाते हुए, संस्थान के छात्रों ने न केवल उद्योग के नेताओं के साथ विशिष्ट भूमिकाएं हासिल कीं, बल्कि समृद्ध प्रोफ़ाइल भूमिकाओं

और जीते गए पैकेजों में एक नया रिकॉर्ड बनाने के लिए एक कदम और आगे बढ़े। इस प्रकार संस्थान और उसके छात्रों की बेजोड़ ताकत एक बार फिर पूरे प्रदर्शन में थी।

उच्चतम वेतन	: 27.00 रूपये लाख प्रति वर्ष
शीर्ष 25% का वेतन	: 18.67 रूपये लाख प्रति वर्ष
शीर्ष 25% का वेतन	: 15.73 रूपये लाख प्रति वर्ष
औसत वेतन	: 13.08 रूपये लाख प्रति वर्ष
औसत वेतन	: 12.00 रूपये लाख प्रति वर्ष
भाग लेने वाली कंपनियों की कुल संख्या	: 75
नए भर्तीकर्ता	: 40
छात्रों को दी गई नौकारियां	: 100%

संस्थान हमेशा अपने नियोक्ताओं के समर्थन और संरक्षण को महत्व देता है और उन अवसरों के लिए जो वे छात्रों को प्रदान करते हैं। संस्थान को उन संबंधों पर गर्व है जो वह अपने सम्मानित नियोक्ताओं के साथ साझा करता है और साल दर साल सद्भावना के निर्माण की दिशा में सक्रिय रूप से काम करता है। यह साल अलग नहीं रहा। संस्थान ने न केवल पिछले वर्ष की तुलना में अधिक भर्ती करने वालों को लाने का प्रबंधन किया, बल्कि छात्रों को दी जा रही भूमिकाओं के संदर्भ में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार भी किया। रोलिंग आधार पर आयोजित, प्लेसमेंट सीज़न में 75 से अधिक कंपनियों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया और कई अपनी कंपनी के ऑफर दिए। एमेजॉन, आनंद राठी, ब्रउजर स्टॉक, क्रॉम्पटन, डेल्हीवेरी, फ्रैंकलिन टेम्पलटन, जीएमआर ग्रुप, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, केपीएमजी, एमफैसिस, म्यूसिग्मा, राम ग्रुप, द क्वारी, टीवीएस मोटर्स, अल्ट्राटेक, विप्रो कॉरपोरेट जगत में प्रमुख रिक्रूटर्स में गिना जाते थे। इंफोसिस, फिटजी और अमारा राजा जैसी फर्मों ने भी इस प्रक्रिया में भाग लिया।

छात्रों को दी जाने वाली अधिकांश भूमिकाएँ आईटी / आईटीईएस क्षेत्र से थीं, जिसमें भूमिकाओं की कुल पाई का 39% शामिल थी, इसके बाद बीएफएसआई (16%) का स्थान था। अन्य क्षेत्रों की भूमिकाओं में विनिर्माण (6%), एडटेक (6%), इन्फ्रास्ट्रक्चर (6%), लॉजिस्टिक्स (5%), ऑटोमोबाइल (4%) शामिल हैं। फंक्शन-वाइज ब्रेकअप को देखते हुए, जिस क्षेत्र में वर्चस्व था, वह बिक्री और विपणन था, जो कुल भूमिकाओं का 40% था, इसके बाद संचालन (17s), रणनीति (9%), वित्त (9%), परामर्श (8%) का स्थान था और एनालिटिक्स (7%) थे।

2.4.10 छात्रों की उपलब्धियां

1. वेमुरी केसी, गणदीप अप्पारी और श्रवण कुमार कंसीलियम - आईआईएम काशीपुर में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट बने।
2. वैभव कुमार और अनुभव चतुर्वेदी वॉलस्ट्रीट चैलेंज - बिट्स पिलानी में विजेता बने।
3. मोहित जी, राहुल प्रसाद और भारती गोयल एंट्री-प्रेन्योरशिप-आईआईएम नागपुर में उपविजेता रहे।
4. जॉयदीप दत्ता और अभिषेक कुमार आईआईएम रायपुर द्वारा परिवेशक-2019 में राष्ट्रीय विजेता बने।
5. सयाली बैटल, बैभव कुमार और अनुभव चतुर्वेदी केजे सोमैया और विपनन - आईएफएमआर में नेशनल फाइनलिस्ट बने।

6. जॉयदीप दत्ता और अभिषेक कुमार ब्लैककॉफ़र इनसाइट्स 8.0, थिंकटैंक स्पेशल एडिशन में राष्ट्रीय विजेता बने।

7. श्री साई गणेश, लक्ष्मी प्रिया एसजे और सुतेश के कंसल्टिंग जार - आईआईएम त्रिची में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट बने।

8. जॉयदीप दत्ता ने वर्ल्ड क्वांट चैलेंज एलएलसी में कांस्य स्तर हासिल किया।

9. जॉयदीप दत्ता क्रेडिट सुइस एचओएलटी वैल्यूएशन चैलेंज 2019 के 'इन्वेस्टमेंट पिच' दौर में आगे बढ़े।

10. महिमा चौहान मानव संसाधन लेख लेखन प्रतियोगिता - आईआईएम उदयपुर कथान की विजेता बनीं।

11. तनवीर सिंह बेस्ट इंटर्न ऑफ द ईयर - बुकिंगजीनि बने।

12. तनवीर सिंह वेलिंगकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा लेख लेखन प्रतियोगिता - संवाद में विजेता बने।

13. आयकर विभाग, विशाखापत्तनम द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में सत्य श्रव्य और अनुभव चतुर्वेदी विजेता रहे।

14. राहुल प्रसाद, आदिश भंडारी, देबदीप नंदा और रोहित रस्तोगी ने सीएफए स्तर -1 पास किया।

15. जॉयदीप दत्ता और अनवर अदनान, मैनेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित दत्तांश 2019 (डेटा एनालिटिक्स प्रतियोगिता) के लिए राष्ट्रीय फाइनलिस्ट के रूप में उभरे हैं।

16. अरिजीत घोष, बैभव कुमार सिंह और सयाली बटले आईएमएलईएपी'19 कार्यशाला के लिए चुने गए और सीमेंस आईएमएलईएपी प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय फाइनलिस्ट के रूप में उभरे।

17. वर्चुअल रिसर्च सेंटर एलएलसी द्वारा आयोजित प्रसिद्ध वर्ल्ड क्वांट चैलेंज 2019 में जॉयदीप दत्ता को सिल्वर सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।

18. पीजीपी की 6 छात्र टीमें झ्यशवंती पी, स्वेता एस, चैतन्य बीट, झ्रोहन पानसरे, नमिता सिंह, सूरज जेम्सट, झ्अरिजीत घोष, जॉयदीप दत्ता, उत्तर अदनानट, झ्दर्शन शुक्ला, हर्षित अग्रवाल, रूखसार चौधरीट , झ्ब्रीजी सूर्य साई, हरीश मोहन, गोविंदजी आनंदजीट और झ्स्वेता साबू, शुभम गुप्ता, सर्वेश पाटीदारट वी गार्ड बिग आइडिया कॉन्टेस्ट में नेशनल फाइनलिस्ट बने।

19. रामा नायडू, प्रत्यूषा और शैवलिनी और किशोर एस, डेनेल विंस्टन जे और हरिहरन एस की दो पीजीपी छात्र टीमें अल्ट्राटेक नेक्स्ट इवेंट में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट बनीं।

20. निष्ठा कथूरिया, वैशाली चंदानी, और सुमित चौधरी आईआईएम अहमदाबाद में आगाज इवेंट में विजेता बने।

21. संयुक्ता साही और वेदांत भालेराव आईआईएम अहमदाबाद में एचआरमोनी इवेंट में विजेता बने

22. नोवार्टिस बायो कैंप के लिए हरीश मोहन और अनूप जी नायर का चयन हुआ।

23. अभिषेक कुमार वर्चुसा बिजनेस सिफर के विजेता बने।

24. प्रेक्षा पालीवाल, जॉयदीप दत्ता और रितुपर्णा बनर्जी एजीएस कैंपस कनेक्ट में राष्ट्रीय उपविजेता रहीं।

25. विद्यासागर, बीजी सूर्य साईं और अर्पित पुरोहित एल एंड टी आउटथिंक प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट के रूप में उभरे।

26. अभिजीत सिंह, दिव्या गुप्ता और शिविका सिन्हा टीवीएस क्रेडिट एपिक चैलेंज में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट के रूप में उभरे।

27. अनवर अदनान और अरिजीत घोष बर्जर पेंट्स लिमिटेड द्वारा बर्जर इनोविजन में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट के रूप में उभरे।

28. आदिश भंडारी, रोहित रस्तोगी, जी. मोहित, दिव्यांशु शेखर और कार्तिक सुब्रमण्यम सीएफए संस्थान प्रतियोगिता में जोनल फाइनलिस्ट बने।

29. बिप्लव, दिव्यांशु शेखर और कार्तिक सुब्रमण्यम, आईआईएम इंदौर मुंबई कैंपस में वैल्यूमीटर इवेंट में विजेता के रूप में उभरे।

30. तरुण चिंताम इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा 'यूनो वाई सेरो' चैलेंज में उपविजेता बनकर उभरे।

31. कंचन कृष्ण, वाणी खुराना और रूपल भट्ट इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा कॉन्सिलियम - केस स्टडी चैलेंज में उपविजेता बनकर उभरे

32. सौम्य स्नेह और देबदीप नंदा एमसीएक्स आईपीएफ कॉमक्वेस्ट 2020 में राष्ट्रीय विजेता के रूप में उभरे।

33. पीजीपी के तीन छात्रः कंचन कृष्ण, सागर मुखर्जी और वाणी खुराना केपीएमजी आइडिया चैलेंज 2020 में राष्ट्रीय फाइनलिस्ट के रूप में उभरे।

34. आईआईएम-वी टीम में से एक (टीम मैट्रिक्स- गिरिजा शंकर डे, अर्शी सेनापति, हिलाल मोहम्मद, दक्षिता भगत, सचू एस, पीजीपी के जसकीरत सिंह बिंद्रा) उबर-ट्रांजिट 2020 के राष्ट्रीय फाइनलिस्ट के रूप में उभरे।

35. आईआईएम-वी टीम की दो टीमें (टीम-1: रूपल भट्ट, नेहा अब्रहम, आरजू जायसवाल, सौम्य स्नेह, रवि आनंद और के भार्गव) और (टीम-2: सागर मुखर्जी, गिरिजा डे, हिमांशु यादव, अर्पित पुरोहित, विराज त्रिवेदी और

लोहित जीएस) ने उबर लाइव प्रोजेक्ट में पहला और दूसरा स्थान हासिल किया।

36. टीम वाइकिंग - दीपिका दत्ता, अनुभव चतुर्वेदी और पीजीपी के बैभव कुमार सिंह, आईआईएम रोहतक द्वारा आयोजित क्लेप्सीड्रा के उपविजेता के रूप में उभरे।

37. आईआईएम रोहतक द्वारा आयोजित मार्केटिंग एस में रुखसार चौधरी, दर्शन शुक्ला और आशुतोष कुमार सिंह ने दूसरा स्थान हासिल किया।

38. आईआईएम सिरमौर द्वारा आयोजित सिएरा स्पेस क्विज में हर्षित अग्रवाल विजेता के रूप में उभरे।

39. पीजीपी की इतिशा त्यागी, कनव मेहरा और अनूप नायर ने एसबीआई बैंक द्वारा आयोजित न्यूमेरो योनो क्विज के जोनल स्तर पर जीत हासिल की और उन्हें राष्ट्रीय फाइनल के लिए चुना गया है।

40. एसबीआई बैंक द्वारा आयोजित न्यूमेरो योनो क्विज में पीजीपी के सागर मुखर्जी, अक्षय वालेटे और नमित छतबर ने तीसरा स्थान हासिल किया।

41. आईआईटी खड़गपुर द्वारा आयोजित लीडर्स चैलेंज (पूर्वोदय) में पीजीपी की गिरिजा शंकर डे और रुखसार चौधरी ने पहला स्थान हासिल किया।

42. आईआईएम नागपुर द्वारा आयोजित प्रभाव केस स्टडी प्रतियोगिता में दर्शन शुक्ला और रुखसार चौधरी सेकंड रनर अप के रूप में उभरे।

43. स्भवन मोइदा, अनुज सुनेजा और पीजीपी के दृष्टि मेहता एक्सएलआरआई ट्रायथलॉन में सेकेंड रनर अप रहे।

44. पीजीपी के हर्षित अग्रवाल ने गोक्रैकिट चैलेंज 6 और चैलेंज 7 में पहला स्थान हासिल किया।

45. पीजीपी की रुखसार चौधरी ने स्फिंक्स-आर्टिकल राइटिंग प्रतियोगिता 2020 और आईआईएम लखनऊ द्वारा आयोजित टेल्स एंड म्यूजिकः पोएट्री/सॉनेट राइटिंग में पहला स्थान हासिल किया।

46. पीजीपी के आर्यन अग्रवाल, शुभम गुप्ता और अंकुर आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित रनिटी-कॉन्फ्लुएंसिया के विजेता के रूप में उभरे।

47. गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित गेट सेट एनालिसिस 2020 में टीम आरजे - जसक्रित सिंह बिंद्रा और पीजीपी के रुचित सोनी ने पहला स्थान हासिल किया।

2.4.11 विभिन्न छात्र क्लबों द्वारा आयोजित गतिविधियां

हृदयः

संस्थान का मानव संसाधन प्रमुख कार्यक्रम हृदय 4.0 है। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के व्यवस्थापक समन्वयक प्रोफेसर दीपिका गुप्ता के उद्घाटन भाषण के साथ हुई, जिसके बाद वक्ताओं द्वारा मोमबत्ती-प्रकाश समारोह का आयोजन किया गया। कॉन्क्लेव की थीम 'स्ट्रेटेजिक एचआरएमः अलाइन इट राइट' थी। मुख्य वक्ता श्री प्रदीप चावड़ा, निदेशक एचआर इंडिया, सोडेक्सो ने 'गियरिंग अप फॉर गिग मावेरिक्स' विषय की शुरुआत की और इस विषय पर अपनी अंतर्दृष्टि प्रदान की और उसके बाद उसी पर एक पैनल चर्चा की।

पैनल 1 में पैनलिस्टों में निम्न लोग शामिल हैंः

- श्री राजेश लेले, महाप्रबंधक ई-एचआर प्रोजेक्ट्स, टाटा मोटर्स
- श्री कॉलिन मेंडेस, महाप्रबंधक और प्रमुख, मानव संसाधन और प्रशासन, वोल्टास बेको
- श्री क्षितिज भुसारी, उप महाप्रबंधक, शिंडलर विश्वविद्यालय, शिंडलर इंडिया
- श्री अनिल कुमार मिश्रा, सीएचआरओ मैजिकब्रिक्स।
- पैनल जिसे आईआईएम विशाखपट्टणम के प्रो. बिसाखा मजूमदार द्वारा संचालित किया गया था, इसने गिग इकॉनमी की उत्पत्ति और इसकी पारदर्शी उपस्थिति और विकास के पीछे के कारणों को छुआ।

श्री राजेश लेले, महाप्रबंधक ई-एचआर प्रोजेक्ट्स, टाटा मोट र्स द्वारा 'सोशल मीडिया - एचआर का एक उन्मादी' पर मुख्य भाषण दिया गया था। उन्होंने बताया कि कैसे सोशल मीडिया ने सूचना अधिग्रहण, सीखने, विकास और कर्मचारी जुड़ाव प्रक्रिया को बढ़ाया है और भर्ती करने वालों और भर्ती करने वालों दोनों के लिए सोशल मीडिया के लाभ और प्रतिबंधों का वर्णन किया है।

दूसरा पैनल चर्चा 'सोशल मीडियाः ए फ्रेनमी ऑफ एचआर' पर थी। पैनलिस्टों में शामिल थेः

- श्री श्रीधर सारथी, वरिष्ठ वीपी- एचआर, टाटा कैपिटल
- सुश्री श्रुति जायसवाल, प्रमुखः प्रतिभा और विकास, रिफाइनिटिव
- श्री योगेश कुमार शर्मा, निदेशक, स्केलऑन टेक्नोलॉजीज इंक

- श्री अंकुश अरोड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रमुख, ग्रोफर्स।
- पैनल का संचालन रश्मि मंशरमणि, सीएचआरओ, द वेव ग्रुप द्वारा किया गया।

वृद्धि

संस्थान के पहले वार्षिक व्यापार सम्मेलन, वृद्धि की मेजबानी उद्योगों के 18 सम्मानित व्यापारिक नेताओं के पूरक के साथ की गई थी ताकि छात्रों को समझाया जा सके और उन्हें कॉर्पोरेट व्यापार में उनके भविष्य के लिए तैयार होने में मदद मिल सके।

मार्कडज़ - संस्थान के मार्केटिंग क्लब ने उप-विषय 'ग्राहक प्रसन्नता अवधारण और ग्राहक आजीवन मूल्य के लिए अल्ट ीमेटम' के साथ एक सम्मेलन का आयोजन किया।

- श्री गौरव शितक, वीपी प्रमुख - डिजिटल मार्केटि ंग, शेयरखान ने वीयूसीए (अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता) की दुनिया में बदलते विपणन गतिशीलता के बारे में बताया। उन्होंने उन कारणों को भी समझाया कि क्यों व्यापार, ब्रांड और व्यवहार को संरेखित करने की आवश्यकता है।
- डॉ अन्विता प्रभाकर, पूर्व वीपी - मार्केटिंग, आदित्य बिड़ला ग्रुप ने मार्केटिंग के मैकेनिक्स पर ग्राहक, सामग्री और रणनीति के साथ 3 प्रमुख चीजों के रूप में अपने अनुभवों को साझा किया। सामग्री को नए बज़ शब्द के रूप में संदर्भित करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे उद्योगों के साथ विपणन भिन्न होता है। उन्होंने बिजनेस और ब्रंड वैल्यू चेन में प्रमुख लोगों के रूप में प्रभावशाली लोगों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कॉर्पोरेट जगत के यांत्रिकी के बारे में भी बात की और छात्रों को अपने करियर में उत्कृष्ट ता प्राप्त करने के लिए कुछ प्रमुख रणनीतियां पेश कीं।

प्राक्रिया - संस्थान के संचालन क्लब ने 'आपूर्ति श्रृंखला पुनर्परिभाषित' उप-विषय के साथ वृद्धि 1.0 का आयोजन किया।

- कैप्टन आदित्य सिंह, वीपी - सप्लाई चेन ऑपरेशंस, डेल्हीवरी ने ऑप्टिमाइजेशन और इन्वेंट्री मेंटेनेंस की समस्याओं और इन्वेंट्री को ऑप्टिमाइज़ करने के तरीकों के बारे में बात की। उन्होंने उन 3 चीजों की व्याख्या की, जिनका एक अप्रचलन इन्वेंट्री सामना कर सकती है, अर्थात, प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता और वेग।

संस्थान के कंसल्टिंग क्लब ने वृद्धि 1.0 में 'परिवर्तनशील वैश्विक अर्थव्यवस्था में रणनीति और चैनलिंग विकास' उप-विषय के साथ अपने प्रमुख कार्यक्रम कंफ्लक्स का आयोजन किया।

- श्री राहुल मुखर्जी, उपाध्यक्ष - एक्सेंचर इंटरएक्टिव ऑपरेशंस, ने आधुनिक युग में विभिन्न प्रकार के नवाचारों और उनके निहितार्थों के बारे में बात की। उन्होंने बिजनेस मॉडल कैनवस को नियोजित करके व्यवधान के संदर्भ में विभिन्न कंपनियों के हस्तक्षेप के क्षेत्रों को भी संबोधित किया और बताया कि नए व्यवसाय को नया करने और स्केल करने के दौरान मौजूदा व्यवसाय को बदलने से सफलता कैसे मिलती है।
- श्री आशीष गोयल, सीएफओ - इंटेलेरो ने बताया कि कैसे वैश्वीकरण, आउटसोर्सिंग और डिजिटलीकरण हमारे जीवन को दिन-ब-दिन आसान बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे एयरबीएनबी, टेस्ला, उबर और वीवर्क जैसे बाधाकारी व्यवसाय बाजार और प्रतिस्पर्धी व्यवसायों के लिए आवश्यक कौशल को बदल रहे हैं और कैसे फॉर्च्यून 500 कंपनियां अपने विकास के मार्ग में व्यवधान का लाभ उठा रही हैं।
- श्री अंकुर सेठ, निदेशक - पीडब्ल्यूसी इंडिया, ने भारत में अस्थिरता और एक अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास को कैसे नियंत्रित किया जाए, इस बारे में बात की। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया और उन्हें किसी भी मंदी को नए व्यवसायों के अवसर के रूप में देखने और नई दुनिया को आकार देने में मदद करने की सलाह दी। उन्होंने भविष्य में एआई और मशीन लर्निंग के महत्व पर जोर दिया और अनुमान लगाया कि 2030 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद 15.7 अरब डॉलर के बराबर होगा जो इसे सबसे बड़ा व्यावसायिक अवसर बना देगा।
- श्री मंतोष रॉय, वीपी और प्रमुख - रिटेल ऑपरेशंस, **ग़न्त्त्इ.ड़दृ** ने फिजिटल या ओमनीचैनल दृष्टिकोण के बारे में बात की और कैसे बोट्स ग्राहकों के समूह को बनाए रखने और अपडेट करके आइटम चुनने में ग्राहकों की सुविधा प्रदान करेंगे। वर्तमान परिदृश्य में ग्राहक और उसकी गतिविधियों पर नज़र रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने एमवीपी (न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद) और ग्राहकों की जरूरतों को सुनकर कैसे अनुकूलित किया जाए, इस बारे में बात की।
- थॉट लीडरशिप श्रृंखला के एक भाग के रूप में, मिस

डेफ वर्ल्ड 2019, सुश्री विदिशा बलियान ने सभा को संबोधित किया और अपनी जीवन के संघर्ष के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को साहसी बनने की सलाह दी और उन्हें अपनी क्षमताओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

संस्थान के ईपीआईसी (एंटरप्रेन्योरियल पैशन एंड इनोवेशन क्लब) ने अपने प्रमुख शिखर सम्मेलन एक्सोरदिया का आयोजन वृद्धि 1.0 में उप-विषय 'ग्लोबल स्लोडाउन की स्थिति में उद्यमिता बनाम इंट्राप्रेन्योरशिप' के साथ किया। मुख्य भाषण निम्न लोगों द्वारा दिया गया था:

- श्री वरुण श्रीधर, सीईओ, ओप्पो इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज।

बाद में दिए गए उप-विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसमें पैनलिस्ट शामिल थे:

- संकेत शेठ, संस्थापक और एमडी, एलिक्सिया टेक
- अंकित अग्रवाल, संस्थापक और सीईओ, डेयर2कंपलीट
- पवनजीत सिंह, रणनीति सलाहकार, पूर्व-मैकडॉनल्ड्स
- सुहास दत्ता, संस्थापक, 3नयन।

संस्थान के वित्त और अर्थशास्त्र क्लब ने 'बैंकिंग और नियामक सुधार: आर्थिक विकास और पुनरुद्धार की आवश्यकता' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया:

- श्री निमेश कंपानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कोटक महिंद्रा बैंक
- श्री नवीन राजदेव
- पैनलिस्ट के रूप में श्री सारंग भूटाडा निदेशक, क्रिसिल।

इस उत्तेजक पैनल चर्चा में, प्रमुख बैंकिंग सुधार, बढ़ते एनपीए की समस्या और यूएस-चीन व्यापार युद्ध के लहर प्रभाव पर चर्चा की गई। मुख्य आकर्षण एमएसएमई तरलता की कमी और कॉर्पोरेट कर कटौती के प्रभाव थे। पैनल ने पीएसयू विलय के सकारात्मक प्रभाव को भी छुआ।

नेतृत्व श्रृंखला

संस्थान ने 7 मार्च 2020 को लीडरशिप सीरीज के अपने पहले संस्करण की मेजबानी की, जहां सम्मानित बिजनेस लीडर्स ने छात्रों को नेतृत्व के मुद्दों पर प्रबुद्ध किया। कार्यक्रम की शुरुआत 'खुदरा क्षेत्र में व्यवधान' विषय पर एक पैनल चर्चा के साथ हुई - खुदरा का बदलता परिदृश्य उपभोक्ता व्यवहार और बाजार की गतिशीलता को कैसे प्रभावित करता है। पैनलिस्टों ने उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं पर चर्चा की कि कैसे खुदरा विपणन ग्राहक अनुभव को बढ़ाने के लिए प्रेरित है, डिजिटल तकनीक जो खुदरा स्थान को प्रभावित कर रही है, और अगले पांच वर्षों में खुदरा के विकास के लिए भविष्यवाणियां। पैनल ने इस बात पर भी ध्यान दिया कि कैसे ब्रंड विभिन्न स्तरों पर ग्राहकों के साथ जुड़ रहे हैं और बाद के खरीद व्यवहार को प्रभावित कर रहे हैं, और दक्षता सुनिश्चित करते हुए आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता को कैसे प्रभावित किया जाए।

पैनलिस्टों में थे:

- श्री. ग्रीन सोल एर्गोनॉमिक्स के संस्थापक रवि खुशवानी ने खुदरा क्षेत्र में चुनौतियों के बारे में बात की और आसान ग्राहक अधिग्रहण के लिए उत्पादों की रचनात्मक सूची बनाना कितना महत्वपूर्ण है।
- श्री. सुभाजीत मजूमदार, निदेशक, केपीएमजी ने संबोधित किया कि बुनियादी ढांचे की चुनौतियों के बावजूद भारत में ऑनलाइन रिटेल कैसे सफल है। उन्होंने खुदरा व्यापार चलाने में आपूर्ति श्रृंखला जोखिम मूल्यांकन के महत्व पर भी जोर दिया।
- श्री. हिमांशु सिरोही, लीड, डिजिटल मार्केटिंग, जेएलएल इंडिया ने इस बारे में बात की कि कैसे ई-कॉमर्स दिग्गज ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए डेटा का उपयोग करते हैं और उपभोक्ता की गतिशील जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न उत्पादों के साथ आने के लिए अनुसंधान और विकास में बड़ी राशि का निवेश करते हैं। उन्होंने आपूर्ति श्रृंखला में मूल्य वितरित करने के तरीके के बारे में भी जानकारी प्रदान की।

पैनलिस्टों ने अपनी समापन टिप्पणी के साथ चर्चा समाप्त की। तत्पश्चात संस्थान के निदेशक प्रोफेसर एम. चंद्रशेखर ने अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का समापन उनके एक प्रेरक भाषण के साथ हुआ, जिसमें छात्रों को अपने करियर में तेजी लाने के लिए ज्ञान और अनुभव हासिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

3. कार्यकारी शिक्षा

संस्थान के पास विभिन्न प्रकार के कस्टम- और खुले-कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम पेश करने की महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं। जैसा कि आईआईएम अधिनियम 2017 में निहित है, संस्थान के उद्देश्य, *अन्य बातों के साथ,* उन नेताओं को शिक्षित और समर्थन करना है जो निजी, सार्वजनिक और सामाजिक क्षेत्रों में मौजूदा और उभरते उद्यमों के पेशेवर प्रबंधकों, उद्यमियों और प्रबंधकों के रूप में योगदान कर सकते हैं; उच्च गुणवत्ता की प्रबंधन शिक्षा प्रदान करना और ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों के साथ-साथ अंतःविषय अध्ययन को बढ़ावा देना; सामाजिक और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों का समर्थन और विकास करना; शैक्षिक कार्यक्रमों और संकायों को विकसित करने के लिए जो शिक्षा, शिक्षण और सीखने के कारण को सभी विषयों में आगे बढ़ाते हैं। इस अवधि के दौरान आयोजित कुछ कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी –III के तहत पीडीटी	जुलाई 15-19, 2019	37
2	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी -III के तहत पीडीटी	अगस्त 26-30, 2019	33
3	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी -III के तहत पीडीटी	दिसंबर 09-13, 2019	32
4	शिक्षण प्रक्रियाओं को बदलना: राष्ट्रीय व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, श्रीलंका के वरिष्ठ संकाय और निदेशकों के लिए शिक्षण और सीखने के लिए प्रभावी कोचिंग	जनवरी 3-4, 2020	75
5	सीबीएसई के लिए स्कूल के प्रधानाध्यापकों के लिए नेतृत्व प्रयोगशाला	जनवरी 27-31, 2020	26
6	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए नेतृत्व कार्यक्रम	फ़रवरी 5-7, 2020	29
7	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी -III के तहत पीडीटी	मार्च 02-06, 2020	25
8	हिंदुस्तान शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए एमडीपी।	मार्च 09-13, 2020	25

पीडीटी = व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण; टीईक्यूआईपी = तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम;

एनपीआईयू = राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

4. संकाय

संस्थान उच्च स्तर के और प्रभावशाली शिक्षण और अनुसंधान साख वाले संकाय सदस्यों को सक्रिय रूप से प्रस्ताव देकर अपनी भर्ती गतिविधियों में आगे रहा। आईआईएम बैंगलोर के समर्थन, मार्गदर्शन और सहयोग से, संस्थान ने संकाय भर्ती के तीसरे और चौथे दौर को पूरा किया। वित्तीय वर्ष 2019-20 में कुल आठ नए संकाय सदस्य संस्थान में शामिल हुए, जबकि एक संकाय सदस्य ने व्यक्तिगत आधार पर संस्थान छोड़ दिया। इसके साथ, संस्थान के पास वित्तीय वर्ष 2019-20 के अंत तक 20 सदस्यों की संचयी संकाय संख्या है। संस्थान की निरंतर आधार पर सक्षम शिक्षकों को नियुक्त करने और बनाए रखने की महत्वाकांक्षी योजना है।

4.1 नियुक्तियां

- डॉ. सआदत अली यावर को 20 अगस्त 2019 को उत्पादन एवं संचालन प्रबंधन क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. विवेकानंद मदुपु को 23 अगस्त, 2019 को विपणन क्षेत्र में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. नीना पांडे को 07 अक्टूबर 2019 को सूचना प्रणाली क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. अमित शंकर को 14 अक्टूबर 2019 को विपणन क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. प्रिंस डोलिया को 01 नवंबर, 2019 को वित्त एवं लेखा क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. शिवशंकर सिंह पटेल को 07 नवंबर, 2019 को निर्णय विज्ञान क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. एम वी अनुराधा को 18 नवंबर, 2019 को संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन क्षेत्र में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. चंद्रेई मुखर्जी को 18 नवंबर, 2019 को प्रबंधन संचार क्षेत्र में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।

4.2 इस्तीफे

डॉ. सादात अली यावर, सहायक प्रोफेसर, प्रोडक्शन एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट एरिया को 09-01-2020 एएन से संस्थान की सेवाओं से मुक्त कर दिया गया।

उपरोक्त के अलावा, आईआईएम बैंगलोर और अन्य प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों के कई विजिटिंग फैकल्टी ने पाठ्यक्रम पढ़ाया। संकाय सदस्यों की सूची **विवरण 3** में संलग्न है।

4.3 अतिथि व्याख्यान

संस्थान अपने उच्च गुणवत्ता वाले अतिथियों के व्याख्यान पर गर्व करता है जो उद्योग, शिक्षा और सरकार से प्राप्त प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा दिए गए हैं। अतिथि व्याख्यान कॉर्पोरेट जगत की गतिशीलता को समझने में छात्रों की सीखने की प्रक्रिया के पूरक हैं।

वर्ष के दौरान आयोजित अतिथि व्याख्यानों की सूची **विवरण 4** में संलग्न है।

4.4 संचालन और अनुसंधान और निर्णय विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओआरडीएस) -2019

संस्थान ने संचालन और अनुसंधान और निर्णय विज्ञान (आईसीओआरडीएस-2019) पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की, जो 28 दिसंबर 2019 को शुरू हुआ। आईआईटी हैदराबाद के पूर्व निदेशक और आईआईटी कानपुर के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, प्रोफेसर यू बी देसाई ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में प्रोफेसर देसाई ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के व्यापक और गहन प्रभाव पर प्रकाश डाला, जो हमारे जीने और काम करने के तरीकों में जुड़ रहे है; और जिस तरह से इंटर-डिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम्स का व्यापक कैनवास निर्णय लेने के तरीके को बदल रहा है और संसाधनों को अधिक बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जाता है। प्रोफेसर देसाई ने आगे बताया कि संचालन और डेटा विज्ञान में अनुसंधान के अवसर बहुत अधिक हैं।

सम्मेलन में 100 से अधिक प्रस्तुतियाँ देखी गईं और पूरे भारत और देश के बाहर भी 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 4 समानांतर सत्रों में प्रस्तुतियाँ दी गईं और 5 मुख्य भाषण दिए गए।

5. शोध और प्रकाशन

संस्थान के संकाय ने हमेशा अपने शोध कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अपने विस्तार के पैमाने और दायरे के साथ, संस्थान ने अपने शोध कार्यों में भी कर्षण प्राप्त किया। संस्थान के संकाय ने समय-समय पर अपने उत्कृष्ट शोध के माध्यम से विद्वानों के प्रकाशनों के बढ़ते निकाय को जोड़ा है। इसके अलावा, उन्हें परामर्श के अवसर प्राप्त हुए। उनका शोध परिणाम इस प्रकार है:

प्रकाशन - शोध पत्र

1. जेबराजकीर्ति, सी. यादव, आर., और **शंकर, ए.** (2020)। विश्व स्तर पर ग्राहकों तक पहुंचने के लिए लक्जरी खुदरा विक्रेताओं के लिए अंतर्दृष्टि। *मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग।*

2. धोचक, एम., और **डोलिया, पी.** (2020)। एक स्टार्ट-अप का मूल्यांकन: रणनीतिक दृष्टिकोण की ओर बढ़ना। *जर्नल ऑफ मल्टी-क्राइटेरिया डिसीजन एनालिसिस,* 27(1-2), 39-49

3. लहकर, आर., और **रमानी, वी.** (2020)। क्या अधूरी जानकारी से बेहतर सामाजिक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं? *मैनेजरियल एंड डिसिशन इकोनॉमिक्स*, 41(5), 771-783

4. **रमानी, वी.,** स्वामी, एस., और घोष, डी. (2019)। मूल्य प्रीमियम प्रभाव, आपूर्ति अनुबंध और पर्यावरणीय विचारों के तहत रणनीतिक निर्णय लेना। *बेंचमार्किंग: एन इंटरनेशनल जर्नल।*

5. **शंकर, ए.,** और कुमारी, पी. (2019)। प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल (टीएएम) के विस्तार का उपयोग करके भारत में मोबाइल शासन (एमजीओवी) को अपनाने के इरादे को प्रभावित करने वाले कारकों का एक अध्ययन। *साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट,* 26(4), 71-94

6. **शंकर, ए**., और दत्ता, बी. (2020)। ई-सेवा गुणवत्ता मापना: साहित्य की समीक्षा। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्विसेज टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट,* 26(1), 77-100.

7. **पटेल, एस.एस.** (2020)। सिस्टम लॉग डेटा का उपयोग करके जटिल आईटी सिस्टम के स्वास्थ्य का पूर्वानुमान लगाना। *जर्नल ऑफ़ बैंकिंग एंड फाइनेंसियल टेक्नोलॉजी,* 1-9 डीओआई: 10.1007/ञ42786-019-00011-z

8. बसु, पी., घोष, एस., और **कुमार, एम.** (2019)। आपूर्ति व्यवधान जोखिमों को कम करने के लिए आपूर्तिकर्ता रेटिंग और गतिशील सोर्सिंग रणनीतियाँ। *डिसिशन,* 46(1), 41-57

पुस्तक

1. देब, एस., सनी, ए.एम., और **मजूमदार, बी**. (2020) *डिसएडवांटेज चिल्ड्रन इन इंडिया इंपीरियल एविडेंस पॉलिसी एंड एक्शन।* स्प्रिंगर: सिंगापुर।

प्रकरण अध्ययन

1. दत्ता, डी और **मजूमदार, बी।** (2019) iimjobs.com- *इंटीग्रेटेड एनालिटिक्स फॉर टैलेंट मैनेजमेंट?* इवेय पब्लिशिंग।

2. दास, जे, जैन, एस, बसु, एस, और **मजूमदार, बी** (2019) *ऑर्गेनिक वेलनेस - इन्फ्लुएंसिंग पीपल चॉइस वाया अकाउंट मार्केटिंग पब्लिशिंग।* इवेय प्रकाशन।

6. उद्यमशीलता

संस्थान नवोदित उद्यमियों का समर्थन करने और विशेष रूप से आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना के क्षेत्रों में उद्यमिता की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऊष्मायन केंद्र के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में से एक महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप को बढ़ावा देना है।

इसे ध्यान में रखते हुए, संस्थान ने आईआईएम बैंगलोर में एन एस राघवन सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरियल लर्निंग (एनएसआरसीईएल) के साथ महिला स्टार्ट-अप कार्यक्रम (डब्ल्यूएसपी) आयोजित करने के लिए भागीदारी की। इस कार्यक्रम को आईआईएमबी द्वारा वित्त पोषित किया गया है, जिसे बदले में गोल्डमैन सैक्स, एक वैश्विक निवेश बैंक और भारत में सक्रिय निवेशक, और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा समर्थित किया जा रहा है।

संस्थान महिला उद्यमियों को ऊष्मायन सुविधा प्रदान कर रहा है। ऊष्मायन चरण के दौरान, प्रतिभागी पखवाड़े में एक बार अपनी प्रगति के बारे में बताते हैं। ये बैठकें व्यक्तिगत रूप से और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होती हैं।

ऊष्मायन के दौरान प्रदान किए गए प्रमुख संसाधनों में शामिल हैं:

1. संस्थान संकाय, पूर्व छात्रों और प्रतिष्ठित उद्योग पेशेवरों द्वारा संरचित और नियमित मेंटरशिप समर्थन।
2. आईआईएम के कई स्टार्ट-अप आकाओं (एनएसआरसीईएल), उद्योग प्रतिनिधियों, उद्यमियों और सीएक्सओ, विजिटिंग प्रोफेसरों और प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों के साथ नियमित बातचीत।
3. आईआईएमवी में ऊष्मायन की एक वर्ष की अवधि के लिए 30,000 रुपये प्रति माह रुपये।
4. एक बार प्रतिस्पर्धी प्रोटोटाइप विकास अनुदान।
5. विशाखापट्टणम और हैदराबाद दोनों में सभी आधुनिक बुनियादी ढांचे तक पहुंच के साथ कार्यालय स्थान।
6. संस्थान में व्यापक पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच (भौतिक पुस्तकालय सूची, ई-किताबें, पत्रिकाएं और डेट बेस)।
7. अत्याधुनिक वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधाओं के साथ बैठक कक्ष।
8. ऊष्मायन चरण के दौरान संरचित मेंटरशिप और बौद्धिक समर्थन।
9. मीडिया कवरेज और प्रदर्शनीय वस्तु

2018 में शुरू हुई पलटन के लिए ऊष्मायन अवधि 2019 के जून महीने में समाप्त हो गई। समापन सत्र 2 जुलाई 2019 को आयोजित किया गया था। पच्चीस महिला उद्यमियों ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इस समारोह में आईआईएमवी की सदस्य (बीओजी) सुश्री अमीता चटर्जी ने भाग लिया।

इस दौरान निदेशक (उद्यमिता विकास) प्रोफेसर चंद्रशेखर और अध्यक्ष (उद्यमिता विकास) प्रोफेसर मोहम्मद शमीम जावेद मौजूद रहे।

कुछ महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियों का चयन

के श्रीजा अपर्णा, एनविरो कामकर (विशाखापट्टनम)

एनवीरो कामकर के संस्थापक के. श्रीनिजा अपर्णा के पास पर्यावरण विज्ञान और प्रबंधन में स्नातक और मास्टर डिग्री है।

एनवीरो कामकर, एक अभिनव उद्यम है, और 1) छोटे पैमाने के क्षेत्र में उद्योगों और कंपनियों को पर्यावरण अनुपालन सेवाएं प्रदान करने के दोहरे उद्देश्यों के साथ अपनी तरह का पहला, जो अपने वेतन रोल पर पेशेवर पर्यावरण प्रबंधकों को वहन नहीं कर सकते, और 2) आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रशिक्षित पर्यावरण वैज्ञानिकों और प्रबंधकों को रोजगार सहायता प्रदान करना, जो करियर ब्रेक का लाभ उठा रहे हैं। स्टार्ट-अप द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं में शामिल हैं: (a) र्यावरण लेखा परीक्षा; (b) पर्यावरण निगरानी; (c) सुरक्षा और स्वास्थ्य कार्यक्रम; (d) पर्यावरण प्रशिक्षण; (e) कॉर्पोरेट पर्यावरण उत्तरदायित्व कार्यक्रम डिजाइन करना।

उद्यम को आधिकारिक तौर पर वर्ष 2018 में पंजीकृत किया गया था और अब तक 20 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया है।

वे सात ग्राहकों की एक टीम हैं, जिनके पास तेरह ग्राहक हैं, जो आंध्र प्रदेश में अनुपालन के लिए तीन सौ से अधिक लघु-खनन परियोजनाओं को संभालते हैं। मछली पकड़ने के बंदरगाह का अनुपालन लेखा परीक्षा; और विभिन्न कॉलेजों के लिए ग्रीन एंड एनर्जी ऑडिट उनके काम का हिस्सा थे। उद्यम केंद्रीय विश्वविद्यालय, उड़ीसा के सहयोग से एपीईएपी-आंध्र प्रदेश पर्यावरण कार्य योजना नामक एक राज्य सरकार की परियोजना पर भी काम कर रहा है।

लक्ष्मी तेजा, सत्त्व नेचुरल्स (विशाखापट्टणम)

महिला स्टार्टअप कार्यक्रम की इनक्यूबेटी, लक्ष्मी तेजा ने बी. टेक के बाद एक बिजनेस मॉडल के माध्यम से किसानों की मदद करने के अपने सपने को साकार करने में देर नहीं लगाई। प्रारंभिक समर्थन से सहायता प्राप्त, उन्होंने 23 साल की

छोटी उम्र में यह करने का फैसला किया और खेती की कला और रासायनिक मुक्त खाद्य उत्पादों के उत्पादन के विज्ञान को समझने की कोशिश में विभिन्न राज्यों की यात्रा की। कई उद्योग विशेषज्ञों के साथ-साथ संभावित अंत-ग्राहकों के साथ बातचीत ने जल्द ही आधार तैयार किया और सत्त्व नेचुरल्स को आधिकारिक तौर पर अक्टूबर 2018 में लॉन्च किया गया था। लक्ष्मी के पास शुरू करने के लिए एक ठोस व्यवसाय मॉडल नहीं था। यह आईआईएम बैंगलोर और आईआईएम विशाखापत्तनम में उनके गुरु थे जिन्होंने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया और आगे की यात्रा में सहायता प्रदान की। उनका उद्यम (स्टोर) अब किसानों से सीधे खरीदे गए जैविक उत्पादों की एक श्रृंखला को संभालता है। वह उपभोक्ताओं के साथ तालमेल बिठाने में सफल रही है। सत्त्व ने न केवल विशाखापत्तनम शहर में बाजरा के सबसे बड़े खुदरा विक्रेता के रूप में पंजीकरण कराया, बल्कि शहर में जैविक और प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के सबसे बड़े भंडार के रूप में भी उभरा। लक्ष्मी वर्तमान में सत्त्व को प्राकृतिक और जैविक उत्पादों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में काम कर रही है। उनकी योजनाओं में कुछ एकड़ खेती योग्य भूमि होने के साथ-साथ ठेके वाले खेत भी शामिल हैं।

डॉ दिशा आहूजा, प्रकृति बायोसिस्टम्स इंजीनियरिंग (हैदराबाद)

एक पीएच.डी. केमिकल और बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग में डॉ दिशा आहूजा ने हैदराबाद में प्रकृति बायोसिस्टम्स इंजीनियरिंग की स्थापना की। उनका उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन में समस्याओं को हल करने के लिए अपने इंजीनियरिंग प्रशिक्षण और विशेषज्ञता का उपयोग करना और स्वच्छ ऊर्जा के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास में योगदान करना है। उनके विचार को शेल फाउंडेशन द्वारा समर्थित एक एक्सेलेरेटर द्वारा चुना गया था, जो कि ज़ोनस्टार्टअप द्वारा संचालित नौ 'ऊर्जा उद्यमिता में महिलाओं' पुरस्कारों की चुनिंदा मान्यता के लिए 10,000 अमरीकी डालर के बीज कोष के साथ था। वह तीन वर्षों में फैले 1.80 करोड़ रुपये के सीड-फंडिंग विचार (प्रोटोटाइपिंग फंड) के लिए आईओसीएल स्टार्ट-अप फंड के लिए चुने गए 15 उपक्रमों में से एक है। प्रकृति इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर, आईआईएम बैंगलोर द्वारा इज़राइल इमर्शन प्रोग्राम के लिए चुने गए शीर्ष 10 स्टार्ट-अप्स में से एक है।

शनन सिंह, राशस ओरिजिनल (हैदराबाद)

शानन सिंह हैदराबाद के एक उद्यमी हैं। उसका स्टार्टअप - राशस ओरिजिनल - पौधों पर आधारित उत्पादों की एक श्रृंखला लाता है जो रसायनों, संश्लेषण, कृत्रिम सुगंध, रंगों और परिरक्षकों से मुक्त हैं। महिला स्टार्टअप कार्यक्रम के तहत संस्थान में अपनी ऊष्मायन अवधि के दौरान, शैनन ने एक स्थायी ब्रंड बनाने में नेटवर्किंग की शक्ति सीखी। उन्होंने खुले दिमाग रखना और आलोचना और प्रतिक्रिया को सकारात्मक रूप से लेना सीखा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अपने नैतिक व्यापार मॉडल को मजबूत करने के महत्व को समझती थी।

शानन के उत्पाद पहले ही विभिन्न ऑनलाइन स्टोर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। उन्हें इंडिया एसएमई फोरम से 'उभरती महिला उद्यमी 2020' पुरस्कार मिला। उन्हें उनके मिशन के लिए पहचाना और सराहा गया।

एला कृष्णवेनी, रेसिपी किट (विशाखापत्तनम)

स्टार्टअप के संस्थापक एला कृष्णवेनी - 'रेसिपी किट' - सस्ती कीमतों पर स्वस्थ खाने के लिए विविध विकल्प प्रदान करती है। यह किट समय-समय पर काम करने वाले पेशेवरों और कामकाजी माता-पिता के लिए एक सुविधाजनक, स्वस्थ विकल्प है। तौला हुआ भाग वानाबे शेफ को महत्वाकांक्षी भोजन में सरसराहट करने की अनुमति देता है क्योंकि सभी सामग्री कटा जाता है, मैरीनेट किया जाता है और हाइजीनिक रूप से पैक किया जाता है।

एला कृष्णवेनी विशाखापत्तनम की रहने वाली हैं। वह एक स्थायी उद्यम बनाने के लिए उसे 360-डिग्री दृश्य प्रदान करने के लिए कार्यक्रम की सराहना करती है। वह स्वीकार करती हैं कि इससे उन्हें खाद्य उद्योग में नेटवर्क बनाने, कुशलतापूर्वक समय का प्रबंधन करने और अपने व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिली। 'रेसिपी किट' ने लॉन्च के छह महीने की अवधि के भीतर 250अ घरों का ग्राहक आधार बनाया।

अवंतिका अग्रवाल, स्पेस स्टोरीज (हैदराबाद)

अवंतिका हैदराबाद की एक उद्यमी हैं और 'स्पेस स्टोरीज' की संस्थापक हैं, जो अनुकूलित कार्यालय और घरेलू स्थान समाधान प्रदान करती है। इसका उद्देश्य काम करने के लिए रिक्त स्थान को अधिक उत्पादक बनाना और रहने के लिए आरामदायक बनाना है। स्पेस स्टोरीज ग्राहकों की कार्यात्मक और भावनात्मक आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करती है और क्लाइंट को डिजाइनिंग प्रक्रिया के हर चरण में शामिल करती है। उनका विचार ग्राहक के सपनों के अनुसार लागत प्रभावी तरीके से स्थान प्रदान करना है।

तीन साल की अवधि में, उद्यम को पैंतीस परियोजनाएं मिलीं, जिनमें पंद्रह आवासीय परियोजनाएं, बारह वाणिज्यिक परियोजनाएं और बच्चों के लिए कुछ थीम-स्पेस शामिल हैं।

अवंतिका को लगता है कि डब्ल्यूएसपी ने उसे अपने उद्यम को ड्राइंग बोर्ड से बाज़ार तक ले जाने के लिए मंच दिया। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने सही टीम बनाने के लिए सही प्रतिभा चुनने के बारे में सीखा, जो कंपनी के स्वास्थ्य की कुंजी है।

एम जी कृष्णवेनी, एफवाईएसआई वर्ल्ड (राजमुंदरी)

राजमुंदरी के एम जी कृष्णवेनी एक गृहिणी हैं और उन्होंने उद्यमिता की ओर रुख किया। वह विशेष रूप से केले के रेशे से पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों को विकसित करने के बारे में बहुत भावुक हैं।

एफवाईएसआई वर्ल्ड हस्तनिर्मित प्राकृतिक परिधान और पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद प्रदान करता है जो केले के पेड़ से कचरे का उपयोग करके निर्मित होते हैं। केले-फाइबर उत्पादों और परिधानों में समृद्ध औषधीय मूल्य होते हैं जो स्वस्थ जीवन जीने में मदद करते हैं। उनके विचार की प्रेरणा उनका गृहनगर है, जहां उपज के बाद केले का ढेर सारा कचरा उपलब्ध है। इस उद्यम के माध्यम से, उनका उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन और टिकाऊ प्रथाओं के एकीकरण की खोज करना है, जिसके परिणामस्वरूप समग्र पर्यावरणीय प्रदर्शन, स्थानीय रोजगार, किसानों की आय, बुनकरों की आय, महिला सशक्तिकरण और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

एफवाईएसआई को एनआईएएम (राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान) अग्रि बिज़नेस ऊष्मायन (एनएबीआई) के आरकेवीवाई-रफ़्तार प्रोजेक्ट में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना- कृषि और संबद्ध क्षेत्र के कायाकल्प के लिए लाभकारी दृष्टिकोण के तहत स्टार्टअप एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन प्रोग्राम के एक भाग के रूप में ऊष्मायन किया गया है।

संस्थान संबद्ध उद्यमिता विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने में सबसे आगे रहा है, जिसमें शामिल हैं:

बिगशिफ्ट

बिगशिफ्ट भारत के टियर 2 स्टार्टअप्स को सक्षम, संलग्न और सशक्त बनाने के लिए इंक42 और डिजिटल ओशन द्वारा शुरू किया गया एक 6-शहर का कार्यक्रम है।

4 अक्टूबर 2019 को, यह कार्यक्रम विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया था और संस्थान पारिस्थितिकी तंत्र के भागीदारों में से एक था। कार्यक्रम में कीनोट्स, पैनल डिस्कशन और स्टार्टअप पिच शामिल थे। इस आयोजन में न केवल संस्थान के इनक्यूबेटेड उपक्रमों ने भाग लिया, बल्कि उद्यमियों, निवेशकों और पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करने वालों सहित स्थानीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सभी प्रमुख हितधारकों ने भी भाग लिया।

टाइड 2.0

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) की प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और उद्यमिता का विकास (टीआईडीई 2.0), होनहार विचारों को वित्तीय सहायता प्रदान करके तकनीकी-उद्यमिता को बढ़ावा देने की एक योजना है।

वर्ष 2019 में, संस्थान को टाइड 2.0 योजना के तहत ग्रुप 3 सेंटर (जी3सी) के रूप में मान्यता दी गई थी। जी3सी के रूप में, टाइड बेरोज़गार क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र की शुरुआत और प्रचार करता है।

स्टार्टअप्स से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं जो आदर्श या प्रोटोटाइप चरण में हैं जो अधिमानतः इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी आधारित प्रौद्योगिकियों जैसे इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ब्लॉकचैन, रोबोटिक्स का उपयोग निम्नलिखित में से किसी भी क्षेत्र में फोकस के साथ करते हैं:

- कृषि
- स्वच्छ ऊर्जा
- पढ़ाई
- पर्यावरण और स्वच्छ प्रौद्योगिकी
- डिजिटल भुगतान सहित वित्तीय समावेशन।
- स्वास्थ्य देखभाल
- बुनियादी ढांचा और परिवहन
- अन्य उभरते क्षेत्रों#

#फिनटेक, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, स्किल डेवलपमेंट, वीमेन सेफ्टी, एंड वीमेन एंड चिल्ड्रन नुट्रिशन

अनुदान और उद्यमी-इन-रेजिडेंस श्रेणियों के तहत क्रमशः आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

चयन प्रक्रिया:

आवेदन प्रक्रिया फरवरी 2020 के अंतिम सप्ताह में एक महीने की आवेदन विंडो के साथ खोली गई। हालाँकि, मूल समय सीमा से कुछ दिन पहले, देश कोविड-19 महामारी के कारण देशव्यापी तालाबंदी में चला गया। नतीजतन, समय सीमा को और बढ़ा दिया गया।

7. अवसरंचना

7.1 ट्रांजिट कैंपस

वर्ष के दौरान निम्नलिखित बुनियादी ढांचा संबंधी परियोजनाएं और सुविधाओं का उन्नयन किया गया और पूरा किया गया:

- अतिरिक्त फैकल्टी केबिन और वर्कस्टेशन का निर्माण
- वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण।
- ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के लिए एक सम्मेलन कक्ष को स्टूडियो कक्ष में बदलना।
- अतिरिक्त स्थान सृजित करने के लिए पोर्टा-केबिनों की खरीद।

7.2 हॉस्टल

जुड़वां अधिभोग के आधार पर 30 छात्रों को रहने के लिए एक छात्रावास किराए पर लिया गया था और उपयुक्त रूप से सुसज्जित किया गया था।

7.3 स्थायी परिसर

- संस्थान ने चयन पूरा किया और आर्किटेक्ट्स और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी (पीएमसी) फर्म के साथ समझौता किया।
- मास्टर प्लान, व्यक्तिगत भवन योजनाओं और डिजाइनों के लिए अनुमोदन और स्थायी परिसर के क्षेत्र विवरण प्राप्त किए गए थे।
- सूचना प्रौद्योगिकी और श्रव्य-दृश्य आवश्यकताओं को स्पष्ट किया गया।
- भूनिर्माण और बागवानी योजनाओं को अंतिम रूप दिया गया।

7.4 लाइब्रेरी

संस्थान में पुस्तकालय हाइब्रिड है, जिसमें प्रिंट और ई-संसाधन शामिल हैं। यह अपने उपयोगकर्ताओं को सेवाएं देने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म (लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, डिस्कवरी और रिमोट एक्सेस) से लैस है। ई-लाइब्रेरी पोर्टल (ण्द्यद्यद्रद्मः//ड्ढथ्ड्डद्धड्ढद्धन्.त्थ्न्.ड्ड.त्द) 24।7 आधार पर सब्स्क्राइब्ड ई-संसाधनों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करता है।

पुस्तकालय संस्थान समुदाय की विभिन्न सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने का एक केंद्र है। यह शिक्षण, सीखने और अनुसंधान गतिविधियों को सक्रिय रूप से और अभिनव रूप से समर्थन करता है और प्रिंट और डिजिटल दोनों रूपों में उच्च गुणवत्ता वाले सूचना स्रोतों तक पहुंच प्रदान करता है।

निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं:

- पुस्तकालय सामग्री का परिसंचरण
- अनुसंधान सहायता और संदर्भ सेवा
- सूचना साक्षरता
- डेटाबेस पर आवधिक प्रशिक्षण सत्र

7.4.1 परिसंचरण सांख्यिकी

जारी की गई किताबें	1061
लौटाईं गई किताबें	1000
पुस्तकों का नवीनीकरण	488
अमेज़न किंडल ई-रीडर लेनदेन	41
रिमोट एक्सेस लॉग-इन सत्र	3172

पुस्तकालय संग्रह के मुख्य अंश विवरण 5 में संलग्न हैं।

7.5 कंप्यूटर केंद्र और आईटी अवसंरचना

कंप्यूटर केंद्र की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं और आईटी अवसंरचना का विवरण इस प्रकार है:

- पीजीपी-डीजीएम कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के लिए स्टूडियो रूम सुविधा की स्थापना।
- राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए एलएमएस का प्रशिक्षण और कार्यान्वयन
- संस्थान को सुचारू रूप से और निर्बाध रूप से ऑनलाइन कक्षाओं की पेशकश करने में मदद करने के लिए सभी उपकरणों, उपकरणों और गैजेट्स (हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर) की खरीद।
- व्याख्यान-कैप्चर समाधान लागू करना
- कार्यक्रम-प्रवेश प्रक्रियाओं को स्वचालित करने के लिए एक पोर्टल का विकास

- माइक्रोसॉफ्ट कैंपस समझौते का नवीनीकरण
- अनुसंधान की सुविधा के लिए प्रासंगिक सॉफ्टवेयर पैकेजों की खरीद।
- कुशल संचालन के लिए आवश्यक कंप्यूटिंग उपकरण और आईटी संसाधनों की खरीद।
- सभी छात्र-छात्रावासों के लिए वाई-फाई, नेटवर्किंग और इंटरनेट सुविधाओं का उन्नयन।
- छात्रों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त बैंड-चौड़ाई के साथ लागत प्रभावी भूमिगत केबल समाधान के लिए एक नए सेवा प्रदाता को अनुबंधित करना।

8. पूर्व छात्र गतिविधियाँ

अकादमिक संस्थान अपने पूर्व छात्रों के आधार के सक्रिय समर्थन पर महान ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं। संस्थान की छात्र-पूर्व छात्र समिति, पूर्व छात्रों के कार्यालय के समन्वय से, छात्रों के साथ अतीत और वर्तमान के साथ एक मजबूत बंधन को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। पूर्व छात्रों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए नियमित रूप से कई सत्र आयोजित किए जाते हैं जिनमें पूर्व छात्र-छात्र बातचीत जैसे परामर्श कार्यक्रम, ज्ञान-साझाकरण वेबिनार, प्लेसमेंट से संबंधित मार्गदर्शन इत्यादि शामिल हैं। इस तरह के इंटरैक्टिव सत्र सरकार, उद्योग और समाज (जहां पूर्व छात्र आधारित हैं) में संस्थान की ब्रांड छवि और दृश्यता को मजबूत करते हैं और संस्थान परिवार के भीतर पूर्व छात्रों की नेटवर्किंग को भी बढ़ावा देते हैं।

प्रमुख गतिविधियों की सूची:

1. 'वी-यूनाइट' हैदराबाद 2019: एलुमनी सिटी-चैप्टर मीट, 25 मई 2019।
2. 'वी-यूनाइट बैंगलोर 2019: एलुमनी सिटी-चैप्टर मीट, 25 मई 2019।
3. ऑन-कैंपस एलुमनाई स्टूडेंट इंटरेक्शन: पीजीपी 2019-21 उद्घाटन कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, 25 मई 2019।
4. आईआईएमवी पूर्व छात्र पोर्टल लॉन्च, 15 अगस्त 2019

9. नीति और पहल

9.1 विकलांगता सेवाएं

संस्थान विशेष रूप से विकलांग छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्राथमिकता देना जारी रखता है। संस्थान का लक्ष्य विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए समान पहुंच प्रदान करना है ताकि उन्हें किसी भी अन्य छात्र के रूप में एक अच्छा शैक्षिक अनुभव प्राप्त हो सके। संस्थान में कार्यक्रम कार्यालय, परामर्श से संकाय और छात्रों के साथ काम करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कक्षाओं तक पहुंच, विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के बैठने की व्यवस्था आदि जैसी छात्रों की जरूरतों को विधिवत पूरा किया जाता है। संस्थान विशेष जरूरतों वाले छात्रों का स्वागत करता है और एक सक्षम वातावरण और एक गैर-भेदभावपूर्ण संस्कृति के निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

विशेष आवश्यकता वाले प्रत्येक छात्र का मूल्यांकन उसके द्वारा आवश्यक विशिष्ट आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए किया जाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत पहले से किया जाता है कि कार्यालय प्रत्येक चरण में छात्र के साथ काम कर सकता है, आवास से लेकर परिसर की पहुंच तक और किसी भी अन्य सहायता की आवश्यकता होती है।

अभिविन्यास सप्ताह के दौरान, विकलांग छात्रों के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता पैदा करने के लिए एक सत्र शामिल किया जाता है। परिसर और छात्रावास परिसर लिफ्ट, रैंप, रेलिंग के साथ स्थापित किए गए हैं और मौजूदा बुनियादी ढांचे को और अधिक सुलभ बनाने के लिए सुलभ वॉशरूम जोड़े गए हैं। छात्रों और डोमेन विशेषज्ञों से प्राप्त इनपुट के आधार पर हर साल सुधार किया जा रहा है।

विकलांग छात्रों का विवरण **विवरण 6** के रूप में संलग्न है।

9.2 आंतरिक शिकायत समिति

संस्थान अपनी छात्राओं और महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को महत्व देता है। यह एक सुरक्षित परिसर है जहां सीसीटीवी, चौबीसों घंटे सुरक्षा आदि जैसे सुरक्षा उपाय मौजूद हैं और उनकी बारीकी से निगरानी की जाती है। संस्थान के पास अपने महिला समुदाय के किसी भी सदस्य द्वारा उठाई गई किसी भी प्रकार की शिकायत को दूर करने की एक त्वरित प्रणाली है। संस्थान अच्छे आचरण के मानदंडों को लागू करने में सभी लागू कानूनी और प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों का पालन करता है। किसी भी प्रकार के लिंग-भेदभाव या उत्पीड़न के प्रति संस्थान की शून्य-सहिष्णुता नीति वेबसाइट (ध्ध्ध्.त्त्ध्.ड्डड़.त्द) पर स्पष्ट रूप से बताई गई है। यौन उत्पीड़न के खिलाफ कानून द्वारा अपेक्षित आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) है। समिति की अध्यक्षता एक वरिष्ठ महिला संकाय सदस्य करती हैं। आईसीसी पूर्ण गोपनीयता के साथ शिकायतों का त्वरित निवारण सुनिश्चित करने के लिए सुसज्जित है। ओरिएंटेशन वीक के दौरान, यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर जागरूकता और संवेदीकरण के निर्माण के लिए एक सत्र शामिल किया जाता है, जिसमें नीतियों, यौन उत्पीड़न के उदाहरणों, आईसीसी सदस्यों के विवरण, संस्थान-समुदाय की जिम्मेदारियों आदि को कवर करते हुए एक प्रस्तुति दी जाती है।

भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, संस्थान चीजों का जायजा लेने और संबंधित दिशानिर्देशों की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयारियों की समीक्षा करने के लिए आईसीसी की त्रैमासिक बैठकें आयोजित कर रहा है। संस्थान पूरे संस्थान समुदाय के लाभ के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

विचाराधीन वर्ष सहित संस्थान की स्थापना के बाद से किसी भी प्रकार के उत्पीड़न का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया था।

10. कार्मिक और प्रशासन

31 मार्च 2020 तक, 13 अधिकारी, 9 प्रशासनिक कर्मचारी, 2 पुस्तकालय प्रशिक्षु और 9 अकादमिक सहयोगी थे, संस्थान में नियमित कार्यकाल पर एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और रिटेनरशिप के आधार पर 2 व्यक्तियों को छोड़कर सभी संविदात्मक शर्तों पर थे।

विस्तृत स्थिति **विवरण 7** में दी गई है।

कर्मियों की सूची **विवरण 8** के रूप में संलग्न है।

10.1 राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान हर संभव तरीके से राजभाषा के उपयोग में ईमानदारी से प्रयास करता है। संस्थान ने साइन बोर्ड आदि में हिंदी भाषा के उपयोग को लागू किया है। संस्थान ने 'हिंदी दिवस' समारोह के दौरान हिंदी भाषणों, कविताओं और नारा प्रतियोगिताओं जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया है। संस्थान भाषा के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखता है और अपने सभी दैनिक कार्यों में हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करता है।

10.2 डिजिटल लेनदेन और ई-खरीद

संस्थान हमेशा डिजिटल तकनीकों को अपनाने में सबसे आगे रहा है। वर्ष 2019-20 में हुए कुल 6627 लेनदेन में से 6462 (97.51%) डिजिटल लेनदेन थे, जो पिछले वर्ष के रिकॉर्ड को पार कर गया। संस्थान ने जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस) पोर्टल के माध्यम से माल की खरीद भी शुरू कर दी है और भारत सरकार के सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल (सीपीपीपी) के माध्यम से माल और आपूर्ति की सोर्सिंग के लिए ई-प्रोक्योरमेंट का अनुसरण करता है।

11. वित्तीय स्थिति

वर्ष 2019-20 के लिए आय और व्यय को दर्शाने वाले संस्थान की वित्तीय स्थिति नीचे दी गई है:

	वित्तीय	रूपये. करोड़ में	
	पुनरावर्ती	**2019-20**	**2018-19**
1	आय		
	सरकार, अनुदान	15.55	8.78
	खुद का राजस्व	17.94	10.67
	कुल	33.49	19.45
2	**व्यय**	25.87	19.41
3	**अधिशेष/घाटा**	7.62	0.04
कम:	नामित निधि में स्थानांतरित किया गया	0.00	0.00
	सकल अधिशेष/घाटा	7.62	0.04
जोड़े गए	घाटे को पूरा करने के लिए उपयोग की जाने वाली निधि (गैर-आवर्ती)	0.00	0.00
4	शुद्ध बचत कार्पस/पूंजीगत निधि में अंतरित	7.62	0.04
	गैर आवर्ती		
1	**रसीद**		
	एमओई से अनुदान - अस्थायी परिसर	1.65	2.42
	एमओई से अनुदान - स्थायी परिसर	46.9	22.37
2	**व्यय**		
	खरीदी गई अचल संपत्तियां- अस्थायी परिसर	3.08	4.88
	पूंजीगत व्यय - स्थायी परिसर	3.76	0.10
	गैर-आवर्ती निधियों से प्राप्त राजस्व व्यय (जैसा कि ऊपर बताया गया है)	0.00	0.00
3	दी गई निधि (गैर-आवर्ती) से पूरा किया गया कुल व्यय	6.84	4.98

वित्त संबंधी अन्य विवरण लेखा विवरण 2019-20 में संलग्न हैं।

12. वितरण

वितरण 1

वितरण मंडल

2019-20 के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	4

बैठक संख्या	तिथि
13वीं बैठक (आईआईएम अधिनियम, 2017 के तहत बीओजी की 5वीं बैठक)	14 जून 2019
14वीं बैठक (आईआईएम अधिनियम, 2017 के तहत बीओजी की 6वीं बैठक)	29 जुलाई 2019
15वीं बैठक (आईआईएम अधिनियम, 2017 के तहत बीओजी की 7वीं बैठक)	14 सितंबर 2019
16वीं बैठक (आईआईएम अधिनियम, 2017के तहत बीओजी की 8 वीं बैठक)	20 दिसंबर 2019

सदस्य का नाम	उपस्थित बैठकों की संख्या	टिप्पणियां
हरि एस भरतिया (अध्यक्ष)	3 (13वां, 14वां और 16वां)	15 को अनुपस्थिति की छुट्टी
संजय कुमार सिन्हा	2 (13वां और 14वां)	15 को अनुपस्थिति अवकाश, 16 को प्रतिनिधि उपस्थित
राकेश भूटानी	1 (16वां)	संयुक्त सचिव (प्रबंधन) के प्रतिनिधि एमएचआरडी, भारत सरकार
जे एस वेंकटेश्वर प्रसाद, आईएएस	1 (15वां)	16 के लिए सदस्य नहीं और 13वीं और 14वीं के लिए अनुपस्थिति की छुट्टी
सतीश चंद्रा, आईएएस	-	13वीं, 14वीं और 15वीं के लिए सदस्य नहीं और 16वीं के लिए अनुपस्थिति की छुट्टी
एक सुधींद्र	4	
प्रसाद दहपुते	4	
सतीश रेड्डी	1 (15वां)	15को हुई बैठक की अध्यक्षता और 13, 14 और 16को अनुपस्थिति कीछुट्टी
नौशाद फोर्ब्स	1 (13वां)	14,15 और 16के लिए अनुपस्थितिकी छुट्टी
जी रघुराम	2 (13वां और 15वां)	14 और 16को अनुपस्थितिकी छुट्टी
राजीव कपूर, आईएएस (सेवानिवृत्त)	3 (13वां,14वां और 16)	15वें के लिए अनुपस्थितिकी छुट्टी
मलाविका मैप्स	3 (13वीं, 15वां और 16वां)	14वें के लिए अनुपस्थितिकी छुट्टी
अमीता चटर्जी	3 (13वां, 14वां और 15वां)	16के लिए अनुपस्थिति कीछुट्टी

सदस्य का नाम	उपस्थित बैठकों की संख्या	टिप्पणियां
एमचंद्रशेखर, निदेशक	4	
आमंत्रित		
वी भास्कर, आईएएस (सेवानिवृत्त)	1 (13वां)	
राजीव मिश्रा	1 (14वां)	
सुशांत बालिगा	1 (14वां)	
उपस्थिति में		
बी श्रीरंगचार्युलु	4	
दीपिका गुप्ता	3 (13वां, 15वां और 16वां))	
कलीम वी खान	4	
अमित बी चक्रवर्ती	1 (14वां)	
आर सायकृष्ण	1 (14वां)	
राजेंद्र मोहन, एनबीसीसी	1 (14वां)	
अदनान गिलानी, एनबीसीसी	1 (14वां)	
देबाशीष गुहा और टीम, आर्कॉप एसोसिएट्स (आर्किटेक्ट्स)	1 (14वां)	

भवन एवं निर्माण समिति

2019-20 के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	3

बैठक संख्या	तिथि
5वीं बैठक	29 मई 2019
छठी बैठक	04 जुलाई 2019
7वीं बैठक	25-26 अगस्त 2019

सदस्य का नाम	उपस्थित बैठकों की संख्या	टिप्पणियां
सतीश रेड्डी (अध्यक्ष)	3	
लिजी फिलिप	1 (6वां)	5वीं और 7वीं के लिए अनुपस्थिति की छुट्टी
पी सौदराज	1 (5वां)	प्रोफेसर लिगी फिलिप का प्रतिनिधित्व
राजीव मिश्रा	3	
नागदेवरा में	3	
पी बसंत कुमार, आईएएस	1 (5वां)	छठवीं और सातवीं के लिए अनुपस्थिति की छुट्टी

अमित बारां चक्रवर्ती	3	
एमचंद्रशेखर, निदेशक	3	
आर सयकृष्ण राजू	3	
आमंत्रित		
सुशांत बालिगा	2 (5वां और 6वां)	सलाहकार (भवन और निर्माण), आईआईएम विशाखापत्तनम
पद्मावती परवर	2 (5वां और 6वां)	पूर्व कुलपति, जेएन आर्किटेक्चर एंड फाइन आर्ट्स यूनिवर्सिटी
बी श्रीरंगचार्युलु	2 (5वां और 6वां)	डीन (एकेडमिक्स एंड रिसर्च), आईआईएमवी
अदनान गिलानी	2 (5वां और 6वां)	अतिरिक्त महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग),
स्मिट मल्ही	2 (5वां और 6वां)	एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड
वैभव बीवर	2 (5वां और 6वां)	एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड
देबाशीष गुहा	2 (6वां और 7वां)	आर्कोप एसोसिएट्स लिमिटेड
श्रीनिवासा चारी	1(7वां)	आर्कोप एसोसिएट्स लिमिटेड

वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति

2019-20 के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	4

बैठक संख्या	तिथि
8वीं बैठक	25 मई 2019
9वीं बैठक	14 सितंबर 2019
10वीं बैठक	16 दिसंबर 2019
11वीं बैठक	12 मार्च 2020

सदस्य का नाम	उपस्थित बैठकों की संख्या	टिप्पणियां
वी भास्करट, आईएएस (सेवानिवृत्त)	1 (8वां)	
अमीता चटर्जी	3 (9वां, 10वां और 11वां)	
जेएस एंड एफए, एमओई, जीओआई	शून्य	8वीं, 9वीं, 10वीं और 11वीं के लिए अनुपस्थिति की छुट्टी
पद्मिनी श्रीनिवासन	4	
एक राधा कृष्ण	4	
ए श्रीनिवास कुमार	1(9वां)	10वीं और 11वीं के लिए अनुपस्थिति की छुट्टी
एम चंद्रशेखर	4	

सदस्य का नाम	उपस्थित बैठकों की संख्या	टिप्पणियां
सी पी विट्ठल	4	
उपस्थिति में		
दीपिका गुप्ता	4	
जी नंदिता	2 (8वां और 9वां)	

वितरण 2

वर्ष 2019-20 में पेश की गई ऐच्छिक सूची

क्र.सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट्स	संकाय
1	उन्नत विश्लेषिकी	3.0	वी नागदेवरा
2	विज्ञापन प्रबंधन	3.0	विवेकानंद मदुपु
3	व्यवसाय और समाज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग	3.0	सुजॉय रॉयचौधरी
4	बी2बी प्रबंधन	3.0	राजेश पंडित और सूरी वल्लूरिक
5	अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए व्यापार योजना (बीपीआईएम) - सिंगापुर	3.0	अनिर्बान घटक और
6	अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए व्यापार योजना (बीपीआईएम) - श्रीलंका	3.0	भार्गब चट्टोपाध्याय
7	ब्रंड प्रबंधन	3.0	एम एस जावेद और
8	व्यापार डेटा खनन और निर्णय मॉडल	3.0	बिशाखा मजूमदारी
9	उपभोक्ता व्यवहार	3.0	जयशंकर रामनाथन
10	निगम से संबंधित शासन प्रणाली	3.0	वी नागदेवरा
11	कॉर्पोरेट मूल्यांकन	3.0	विवेकानंद मदुपु
12	व्यावसायिक निर्णयों के लिए डेटा विज्ञान	3.0	दीपिका गुप्ता
13	डिजिटल विपणन	1.5	अनिल सूद
14	ई-कॉमर्स	1.5	सुनील चंद्रन
15	व्यापार के सरकारी विनियमन का अर्थशास्त्र	3.0	बी सुंदर
16	उद्यमिता और नए उद्यम	1.5	राकेश कुमार पति
17	आर का उपयोग कर वित्तीय विश्लेषण	3.0	एम एस जावेद और के किरण कुमार
18	वित्तीय डेरिवेटिव	3.0	कावेरी कृष्णन और
19	खेल का सिद्धांत	3.0	शंकरशान बसु
20	सामान्य वाणिज्यिक ज्ञान	3.0	विनय रमानी

क्र.सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट्स	संकाय
21	जर्मन भाषा	3.0	एस शंकर
22	औद्योगिक संगठन और फर्म का प्रदर्शन	3.0	उदय कुमार
23	उद्योग और प्रतियोगी विश्लेषण	3.0	विनय रमानी
24	नवाचार, प्रौद्योगिकी और नया उत्पाद विकास	3.0	अमित बारां चक्रवर्ती
25	निवेश बैंकिंग	3.0	दीपिका गुप्ता
26	निवेश	3.0	प्रताप गिरी
27	अग्रणी डिजिटल परिवर्तन	3.0	दोस्त कृष्णन
28	विलय, अधिग्रहण और कंपनी पुनर्गठन	3.0	नीना पांडेय
29	उन्नत और उभरते देशों में मौद्रिक नीति	3.0	उत्कर्ष मजूमदार
30	भविष्यिक विश्लेषण	3.0	चरण सिंह
31	कीमत निर्धारण कार्यनीति	3.0	भार्गव चट्टोपाध्याय
32	परियोजना मूल्यांकन और वित्तपोषण	3.0	विनय रमानी
33	परियोजना प्रबंधन	3.0	प्रताप गिरी
34	विपणन निर्णयों के लिए अनुसंधान	3.0	नागदेवरा में
35	खुदरा प्रबंधन	3.0	अमित शंकर
36	जोखिम प्रबंधन	3.0	सुनील चंद्रन
37	ग्रामीण बैंकिंग और वित्तीय समावेशन	3.0	शंकरशान बसु और
38	बिक्री और वितरण प्रबंधन	3.0	दोस्त कृष्णन
39	सेवा संचालन प्रबंधन	3.0	एमएस श्रीराम
40	सेवा विपणन	3.0	अमित शंकर
41	स्पनिश भाषा	3.0	कृष्णन नटराजन
42	सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन	3.0	आनंद कस्तूरी
43	रणनीतिक विपणन	3.0	समाप्त चौधरी
44	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	3.0	बिशाखा मजूमदार

वितरण 3

31 मार्च, 2020 को संकाय सूची

नाम	संबंधन
एम चंद्रशेखर, निदेशक	आईआईएम विशाखपट्टणम
अनिर्बान घटकी	आईआईएम विशाखपट्टणम
मोहम्मद शमीम जावेद	आईआईएम विशाखपट्टणम
बी श्रीरंगचार्युलु	आईआईएम विशाखपट्टणम
अनुपमा शर्मा	आईआईएम विशाखपट्टणम
अमित बरन चक्रवर्ती	आईआईएम विशाखपट्टणम
कल्याण कोलुकुलुरिक	आईआईएम विशाखपट्टणम
कावेरी कृष्णनी	आईआईएम विशाखपट्टणम
जयशंकर रामनाथन	आईआईएम विशाखपट्टणम
मिलन कुमार	आईआईएम विशाखपट्टणम
दीपिका आर गुप्ता	आईआईएम विशाखपट्टणम
भार्गब चट्टोपाध्याय	आईआईएम विशाखपट्टणम
विनय रमानी	आईआईएम विशाखपट्टणम
बिशाखा मजूमदारी	आईआईएम विशाखपट्टणम
विवेकानंद मदुपु	आईआईएम विशाखपट्टणम
नीना पांडे	आईआईएम विशाखपट्टणम
अमित शंकर	आईआईएम विशाखपट्टणम
प्रिंस डोलिया	आईआईएम विशाखपट्टणम
शिवशंकर सिंह पटेल	आईआईएम विशाखपट्टणम
एम. वी. अनुराधा	आईआईएम विशाखपट्टणम
चंद्री मुखर्जी	आईआईएम विशाखपट्टणम
समाप्त चौधरी	अनुलग्नक
आनंद कस्तूरी	अनुलग्नक
अनिल सूद	अनुलग्नक
बी सुंदर	अनुलग्नक
चरण सिंह	अनुलग्नक
जयंती अय्यर	अनुलग्नक
के किरण कुमार	अनुलग्नक
कृष्णन नटराजन	अनुलग्नक

नाम	संबंधन
एम एस राजगोपालन	अनुलग्नक
मलाविका आर मैप्स	अनुलग्नक
एम एस श्रीराम	आईआईएम बैंगलोर
प्रताप गिरी	अनुलग्नक
राजेश पंडित	अनुलग्नक
राकेश कुमार पति	अनुलग्नक
रवि कुमार	आईआईएम बैंगलोर
एस शंकर	अनुलग्नक
शंकरशान बसु	आईआईएम बैंगलोर
सुजॉय रॉयचौधरी	अनुलग्नक
सुनील चंद्रन	अनुलग्नक
सूरी वल्सूरी	अनुलग्नक
उदय कुमार	अनुलग्नक
उत्कर्ष मजूमदार	अनुलग्नक
नागदेवरा में	अनुलग्नक
वरिशा रहमान	अनुलग्नक

वितरण 4

अतिथि व्याख्यान की सूची

क्र.सं.	नाम	संबंधन
1	प्रोफेसर अरविंद	सीनियर रिसर्च फेलो, पेकिंग यूनिवर्सिटी, चीन
2	अशोक गोपीनाथ	प्रबंध निदेशक, प्रौद्योगिकी समाधान वास्तुकला, एक्सेंचर
3	अरूप सिन्हा	क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
4	राजेश वर्मा	निदेशक, कैपजेमिनी
5	एवेलो रॉय	एमडी, कोलकाता वेंचर्स और एमडी और सीईओ, नज़दीकी
6	ध्रुव तलवार	गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड के ब्रंड रणनीति के प्रमुख।
7	विकास बंसल	वरिष्ठ निदेशक, उत्पाद प्रबंधन, फ्लिपकार्ट
8	राजीव सिंह	सीओओ, कार्वी फिनटेक
9	विजानन बाथू	प्रबंध निदेशक, जेपी मॉर्गन चेस
10	अपूर्व मांकड़	संस्थापक और सीईओ, वेबएक्सप्रेस और लोगीक्लाउड
11	रतुल घोष	प्रमुख, पूर्वी भारत, उबर

क्र.सं.	नाम	संबंधन
12	अरविंद कुमार	सीईओ, ड्यूक्स इंडिया
13	अनिल कुमार मिश्रा	सीआरओ, मैजिक ब्रिक्स
14	गोकुल नाथ एस	एचडीएफसी एएमसी
15	डॉ एन चंद्र मोहन	व्यापार और अर्थशास्त्र टिप्पणीकार और सलाहकार
16	डॉ बीके मूर्ति	वरिष्ठ निदेशक (वैज्ञानिक जी) और समूह समन्वयक आर एंड डी, एमईआईटीवाई, सरकार। भारत की
17	नवनीत सुलाखा	प्रमुख - प्रतिभा प्रबंधन, मील का पत्थर समूह
18	विद्या पुलावती	सामरिक जोखिम समाधान के प्रमुख, सिटी सिंगापुर
19	श्रीधर संरक्षित	प्रख्यात प्रेरक वक्ता
20	अहमद रहीमटोला	मार्केटिंग के प्रमुख, एलाइड डिस्टिलर्स और ब्लेंडर्स
21	शिव हर्ष के एस	मंडल संचालन प्रबंधक, रेल मंत्रालय
22	राहुल बाजोरिया	मुख्य अर्थशास्त्री, बार्कलेज
23	विवेक कालागारा और	सीईओ, डेटाफाउंड्री और चीफ एआई ऑफिसर, डेटाफाउंड्री

वितरण 5

पुस्तकालय संग्रह हाइलाइट्स

फ़ोटो:

31/3/2020 तक कुल पुस्तकालय पुस्तकें	2140
सीडी रॉम	9
कार्य-पत्र	22
पर्चे	1
सरकारी प्रकाशन	17
ई-पाठकों	2

ई-संसाधनः

वित्तीय डेटाबेस	ऐस एनालीसेर कैपिटालाइन सीएमआईई प्रोवेस आईक्यू सीएमआईई प्रोवेस डीएक्स सीएमआईई आर्थिक आउटलुक सीएमआईई कैप ईएक्स एनएसई इन्फोबेस कैपिटल आईक्यू। प्राइम म्यूचुअल फंड वेंचर इंटेलिजेंस थॉमसन रॉयटर्स ईकॉन (रेफ़िनिटिव) विश्व बैंक ई-लाइब्रेरी
उद्योग खुफिया डेटाबेस	यूरोमॉनिटर पासपोर्ट मार्केटलाइन एडवांटेज क्रिसिल रिसर्च ईएमआई इंटेलिजेंस वर्क
सांख्यिकीय डेटाबेस	ईपीएफआरएफ इंडिया टाइम सीरीज इंडियास्टेट
कानूनी सूचना डाटाबेस	लेक्सिसनेक्सिस
बिजनेस लिटरेचर डेटाबेस	प्रोक्वेस्ट एबीआई इन्फॉर्म जेएसटीओआर ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स कम्पलीट
ई-बुक्स डाटाबेस	प्रोक्वेस्ट ईबुक सेंट्रल
पत्रिकाओं की सदस्यताः	एल्सेवियर साइंस डायरेक्ट सेज टेलर और फ्रांसिस कोंपल पालग्रेव विले इन्फॉर्म्स नीलसन ईपीडब्ल्यू ऑक्सफोर्ड यूनिवरसिटि प्रेस आईईईई इंदरसाइंस ऑनलाइन
	द इकोनॉमिस्ट वॉल स्ट्रीट जर्नल फाइनेंशियल टाइम्स ऑनलाइन द प्रेस रीडर ईटी प्राइम द केनो

ऑनलाइन समाचार पत्र और पत्रिकाएंः	कोहा एलएमएस
	ग्राम्मरली टूर्निटिन एब्सको डिस्कवरी सर्विस रिमोटएक्स क्वाल्ट्रिक्स एनवीवो एसपीएसएस एसपीएसएस आमोस स्टाटा ओवरलीफ इवेंट स्टडी मैट्रिक्स मतलब स्मार्ट पीएलएस

वितरण 6

विकलांगता वाले छात्रों का विवरण - पीजीपी 2019-21

छात्रों की कुल संख्या	0
कम दृष्टि/अंधापन वाले छात्र	0
लोकोमोटर विकलांगता/सेरेब्रल पाल्सी के साथ छात्र	0

वितरण 7

संकाय और कार्मिक

अवधि	नियमित संकाय	सहायक संकाय	कुल
मार्च, 2019 तक	13	34	47
2019-20 के दौरान परिवर्धन	8	24	32
2019-20 के दौरान हटाना	1	34	35
मार्च, 2020 तक	20	24	44

अधिकारी

अवधि	संख्या (*)
मार्च, 2019 तक	13
2019-20 के दौरान परिवर्धन	0
2019-20 के दौरान हटाना	0
मार्च, 2020 तक	13

(*) = एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को छोड़कर सभी संविदा की शर्तों पर, नियमित अवधि पर

अन्य स्टाफ

अवधि	संख्या (*)
मार्च तक, 2019	24
2019-20 के दौरान परिवर्धन	1
2019-20 के दौरान हटाना	3
मार्च, 2020 तक	22

(*) = सभी संविदात्मक शर्तों पर

वितरण 8

अधिकारियों की सूची (*)

क्र.सं.	नाम	पद
1	जगदीश बी टी	परियोजना अभियंता - अवसंरचना
2	बिश्वनाथ बेहरा	कार्यक्रम प्रबंधक - शैक्षणिक कार्यक्रम
3	रमेश कुमार सेतुरमन	सहायक प्रबंधक - छात्र छात्रावास और मेस
4	सयकृष्ण राजू	प्रमुख (परियोजनाएं)
5	नवनाथ पवार	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
6	तापस रंजन पति	प्रबंधक - सीडीएस और पूर्व छात्र संबंध
7	के वी एल एन मूर्ति	विशेष कार्य अधिकारी - निदेशक कार्यालय
8	सी पी विट्ठल	प्रबंधक - वित्त और लेखा
9	कमल कीरथी	सहायक प्रबंधक - आईटी
10	गुंडाला नंदिता	सहायक प्रबंधक - वित्त और लेखा
11	वी भास्कर राम	चिकित्सा अधिकारी
12	सलादी कृष्ण कंठ	परियोजना अभियंता - सिविल
13	कलीम वी खान	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

(*) = शामिल होने की तिथि के अनुसार सूचीबद्ध। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को छोड़कर सभी संविदा की शर्तों पर, नियमित अवधि पर।

अन्य स्टाफ की सूची (*)

क्र.सं.	नाम	पद
1	सुनील कुमार सिन्हा	कार्यकारी - परियोजना प्रशासन
2	एम एस सुब्रमण्यम	परियोजना कार्यपालक - प्रशासन
3	विश्वनाथ टी	प्रोजेक्ट एग्जीक्यूटिव - लेखा
4	दीपा मोहन	सलाहकार
5	इंदु पी	कार्यकारी (पीजीसीईपी पीजीएम)
6	ए जयसिम्हा रेड्डी	परियोजना कार्यकारी
7	देवोश्री मुखर्जी	वरिष्ठ कार्यकारी (अकादमिक कार्यक्रमएस)
8	काव्या गेडेला	अकादमिक एसोसिएट
9	सुभाषश्री नायक	अकादमिक एसोसिएट
10	केशव कुमार मैडम	अकादमिक एसोसिएट
11	मोटुरु वेंकट राजा शेखर	अकादमिक एसोसिएट
12	पूनम काहनोरिया	अकादमिक एसोसिएट
13	टी सुनेथा	अकादमिक एसोसिएट
14	जेटी शिवा कुमार	अकादमिक एसोसिएट
15	श्रीनिवास दिनकर नेथी	अकादमिक एसोसिएट
16	वी शिवा शंकर	लाइब्रेरी इंटर्न
17	टी गणेश कुमार	लाइब्रेरी इंटर्न
18	कौन डाबरेल	कार्यालय सहायक
19	शशि भूषण कौशिक	सलाहकार - प्रशासन
20	कोटा वरुणा देवी	कनिष्ठ अभियंता - सिविल
21	बागड़े दिलीप कुमार	अकादमिक एसोसिएट
22	कृष्ण कुमार	परियोजना सहायक

(*) = शामिल होने की तारीख के अनुसार सूचीबद्ध। सभी संविदात्मक शर्तों पर।

13. निदेशक की रिपोर्ट

A. खंड (झ), उपखण्ड (1), धारा 26:

संस्थान की स्थितिः

संस्थान के मामलों की स्थितिः

अपने शानदार बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के मार्गदर्शन में, संस्थान ने अपनी प्रगति में तेजी से प्रगति करना जारी रखा। संस्थान को वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति (एफआईएसी) के साथ-साथ भवन और निर्माण समिति द्वारा प्रदान की गई नीति- और निर्णय समर्थन सलाह से भी लाभ हुआ।

(a) **अकादमिक और अनुसंधान**

संस्थान ने अपनी गतिविधि प्रोफ़ाइल, पैमाने और दायरे में महत्वपूर्ण रूप से विस्तार किया। निम्नलिखित हासिल की गई प्रगति का उदाहरण हैः

i. **डिजिटल गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट में एमबीए**

संस्थान ने इलेक्ट्रॉनिक और आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), सरकार द्वारा प्रायोजित और मिश्रित शिक्षण मोड में डिजिटल शासन और प्रबंधन में एक विशेष एमबीए प्रोग्राम की पेशकश (देश में पहले कार्यक्रम के रूप में) शुरू की। भारत की।

सचिव (एमईआईटीवाई) श्री अजय साहनी, आईएएस झ्रक्रः84ट के हाथों, 06/1/2020 को 26 प्रतिभागियों के साथ कार्यक्रम का पहला बैच सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था। श्री एम एस राव, आईएएस झ्एमः87ट, मुख्य सचिव, सरकार। मेघालय के एनईजीडी एमईआईटीवाई) के अध्यक्ष और सीईओ जब कार्यक्रम को मंजूरी दी गई थीट ने भी अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई और सभा को संबोधित किया।

समारोह में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया जिनमें बीओजी सदस्य शामिल थे - प्रो जी रघुराम, सुश्री उमा सुधींद्र और श्री प्रसाद दहापुते; प्रो. वी. नागदेवरा, सदस्य (बीडब्ल्यूसी) और अध्यक्ष (एफडीईसी), आईआईएम विशाखापत्तनम; श्री ए राधा कृष्ण, सदस्य (एफआईएसी)।

नामांकित 26 छात्रों में से 10, 12, 01 और 03 क्रमशः केंद्र और राज्य सरकार, सीपीएसई और निजी संगठन थे। दल में चार महिला प्रतिभागी हैं। एमईआईटीवाई ने केंद्र/राज्य सरकारों से 20 प्रतिभागियों का पूरा कार्यक्रम शुल्क प्रायोजित किया।

पहला इन-निवास भाग 22/1/2020 को समाप्त हुआ। प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया अत्यधिक उत्साहजनक थी। वर्चुअल (ऑनलाइन) कक्षाएं 01/2/2020 से शुरू हुईं।

परिसर में अपने कार्यकाल के दौरान समूह को संबोधित करने वाले विशेषज्ञों में नीति आयोग के विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय के महानिदेशक (डॉ शेखर बी, पूर्व आईएएस, आरजेः 87, और बाद में विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक के साथ) थे।

ii. **अनुभवी पेशेवरों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम**

संस्थान ने पीजी प्रोग्राम फॉर एक्सपीरियंस्ड प्रोफेशनल्स (एमबीए - इवनिंग) शुरू किया, जो पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीजीसीईपी) को अपग्रेड कर रहा था।

नई पीढ़ी के आईआईएम में यह अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है, जिसका आधार है 'कमाई करते हुए सीखें'। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री राजीव कपूर, सदस्य (बीओजी) द्वारा किया गया।

लगभग 35 छात्रों के पहले बैच ने निजी क्षेत्र से ब्लू-चिप कंपनियों और डॉ रेड्डीज लैब्स, आईबीएम, टीसीएस, इंफोसिस, इंटेल, बायोकॉन, जेएसडब्ल्यू स्टील आदि जैसे उच्च वंशावली संगठनों का प्रतिनिधित्व किया; और सरकार / सार्वजनिक क्षेत्र से राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (विजाग स्टील प्लांट), एचपीसीएल, बीपीसीएल, भारतीय नौसेना, भारतीय रेलवे, नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (डीआरडीओ), न्यू इंडिया एश्योरेंस लिमिटेड आदि।

कार्यक्रम सामग्री में समकालीन है और कठोरता और प्रासंगिकता के संदर्भ में वर्तमान है। यह कठिन कौशल और सॉफ्ट कौशल का विवेकपूर्ण मिश्रण प्रदान करता है। कार्यक्रम ज्ञान-विनिमय और अनुभव-साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है ताकि अकादमिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त हो और सफलतापूर्वक उभर सके।

श्री कपूर ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रतिभागियों से संस्थान में उपलब्ध बौद्धिक संसाधनों और सीखने के अवसरों का सर्वोत्तम उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने उन्हें अपने परिवारों के सक्रिय सहयोग और समर्थन के साथ, मांगलिक कार्य और अध्ययन कार्यक्रम में समायोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि एमबीए पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को संश्लेषण करने, संगठनों की बड़ी तस्वीर देखने, चुनौतियों की पहचान करने और समाधान खोजने में मदद करता है। अधिक बार नहीं, सही समस्या का पता लगाना समाधान खोजने की तुलना में कहीं अधिक जटिल है, उन्होंने अपने अनुभव से याद किया। वैश्वीकरण, विनिर्माण से सेवाओं में बदलाव, सहस्राब्दी कार्यबल आदि आधुनिक समय की चुनौतियां हैं जो प्रबंधकों में प्रामाणिक नेतृत्व लाने के लिए नई मानसिकता और कौशल का आह्वान करती हैं, जिसके लिए एमबीए पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम को सदस्यता लेनी चाहिए, श्री कपूर ने कहा। सामाजिक जिम्मेदारी और स्थिरता को केंद्र-स्तर पर ले जाने के साथ, बहु-हितधारक जुड़ाव और ट्रिपल बॉटम-लाइन पर अधिक ध्यान दिया जाता है। लोग, ग्रह और लाभ (1994 में ब्रिटिश लेखक और सामाजिक उद्यमी, जॉन एल्किंगटन द्वारा लोकप्रिय एक अवधारणा)। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईआईएम विशाखापत्तनम के एमबीए स्नातक व्यवसायों की अंशदायी भूमिका को फिर से परिभाषित करने में मदद करेंगे।

iii. डॉक्टरेट कार्यक्रम

संस्थान अपनी पीढ़ी के आईआईएम में पहली बार कैट बुलेटिन 2018 में ही घोषणा करने वाला था,जो अकादमिक वर्ष 2019-20 से पीएचडी पी रोगरग्राम का शुभारंभ था। संस्थान ने एक कठोर चयन प्रक्रिया के माध्यम से उत्पादन और संचालन प्रबंधन में दो छात्रों को नामांकित किया था; और वित्त और लेखांकन में एक छात्र। यह परिकल्पना की गई है कि शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में, दो क्षेत्रों के अलावा, निर्णय विज्ञान और विपणन जैसे दो और क्षेत्रों में क्रमिक निर्माण के माध्यम से छात्रों का नामांकन होगा।

पीएचडी पीरोग्राम के फायदेयह हैं कि:

(a) यह संकाय को सहायता देता है जो अपने शोध की गुणवत्ता पर अनुसंधान और अपनी पहचान बनाने के लिए उत्सुक हैं (उच्च प्रभाव कारक वाले प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशनों द्वारा साक्ष्य);

(b) पीएचडी के छात्र एक अनुसंधान-संस्कृति लाते हैं और संस्थान के अनुसंधान उत्पादन में काफी योगदान देते हैं;

(c) अनुसंधान उत्पादन में वृद्धि से संस्थान को एक ज्ञान-चालित इकाई के रूप में और बाद के वर्षों में मान्यता, रैंकिंग आदि में भी अपनी विश्वसनीयता स्थापित करने में मदद मिलती है;

(d) पीएचडी कार्यक्रम और परिणामी अनुसंधान-अभिविन्यास संस्थान को बाहरी (प्रतिस्पर्धी) अनुदान लेने और कॉर्पस बनाने में मदद करता है।

iv. व्यावसायिक विकास कार्यक्रमव्यावसायिक विकास कार्यक्रम

संस्थान ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू) द्वारा प्रशासित टीईक्यूआईपी (तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम) योजना के तहत देश भर के सरकारी और सहायता प्राप्त संस्थानों के इंजीनियरिंग संकाय के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (पीडीटी) का संचालन शुरू किया ।

V. कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम/प्रबंधन विकास कार्यक्रम

संस्थान तेजी से सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों (ईईपी) और प्रबंधन विकास कार्यक्रमों (एमडीपी) के लिए एक मांग के बाद स्रोत के रूप में उभरा। वर्ष के दौरान, संस्थान ने मध्य/वरिष्ठ स्तर के दर्शकों के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए:

क्र.सं.	कार्यक्रम शीर्षक	कार्यक्रमों की संख्या; प्रति कार्यक्रम दिन	प्रतिभागियों की संख्या	प्रायोजक / ग्राहक /
1	'तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) के तहत व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण'	4, 5	127	राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई, एमएचआरडी, जीओआई
2	सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के प्रिंसिपलों के लिए लीडरशिप लैब	1, 5	26	सीबीएसई, स्कूल शिक्षा विभाग, एमएचआरडी, जीओआई
3	शिक्षण प्रक्रियाओं को बदलना: शिक्षण और सीखने के लिए प्रभावी कोचिंग	1, 2	75	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, कोलंबो, श्रीलंका
4	वरिष्ठ संकाय और निदेशक	1, 5	29	आईओसीएल, नई दिल्ली
5	नेतृत्व विकास कार्यक्रम	1, 5	25	हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड
	कुल		**282**	

Vi. अकादमिक कार्यक्रमों से आंतरिक राजस्व उत्पादन

अकादमिक कार्यक्रमों से आंतरिक राजस्व सृजन (आईआरजी) की प्रगति और स्थिति निम्नानुसार रही है:

आंतरिक संसाधन उत्पादन (आईआरजी)		
प्रोग्राम	**2019-20 (वर्तमान)**	**2018-19 (वर्तमान)**
पीजीपी (फ्लैगशिप प्रोग्राम)	**1343.83**	**866.57**
अनुभवी पेशेवरों के लिए पीजीपी (शाम एमबीए)	**181.29**	**55.44**
पीजीपी डीजीएम (एमईआईटीवाई, भारत सरकार के तत्वावधान में)	**64.35**	**0.00**
एमडीपी, एफडीपी और कंसल्टेंसी	**84.86**	**0.66**
एमडीपी, एफडीपी और कंसल्टेंसी	**17.21**	**31.23**
कुल	**1691.54**	**953.90**

vii. डीआरडीओ के वैज्ञानिकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखपट्टणम, रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ), भारत सरकार के तहत एक प्रयोगशाला के अनुरोध के जवाब में, संस्थान ने अनुसंधान एवं विकास प्रबंधन पर अपने वैज्ञानिकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को डिजाइन और विकसित किया जिससे कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों के लिए एक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

viii. उद्यमिता विकास – प्रौद्योगिकी ऊष्मायन

संस्थान को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) की टाइड 2.0 योजना (उद्यमियों के प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और विकास) के तहत समूह -3 केंद्र (जी 3 सी) ऊष्मायन स्वीकृत किया गया था। ऊष्मायन को 1.70 करोड़ रुपये की फंडिंग मिलेगी। पांच साल से अधिक। ऊष्मायन स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन और डिजिटल भुगतान आदि जैसे सामाजिक प्रासंगिकता के क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाले स्टार्ट-अप को बौद्धिक, ढांचागत, संस्थागत, वित्तीय, प्रबंधकीय, सलाह और ज्ञान-सहायता प्रदान करेगा।

गैर-लाभकारी सोसायटी या धारा 8 कंपनी (कंपनी अधिनियम 2013 के तहत, पहले कंपनी अधिनियम 1956 के तहत धारा 25) के रूप में पंजीकृत करने के लिए योजनाएं तैयार की गई थीं। निगमित संस्था सरकारी और गैर-सरकारी निकायों और वेंचर कैपिटल फर्मों और एंजेल निवेशक समूहों सहित वित्तीय संस्थानों से धन प्राप्त कर सकती है। संस्था 2-3 साल की अवधि में स्टार्ट-अप कंपनियों को 25.0 लाख रुपये तक का सॉफ्ट लोन दे सकती है। अवधि के अंत में, लाभार्थी कंपनी को उसे दी गई वित्तीय सहायता का आधा वापस करना होगा और शेष 50s को इनक्यूबेशन सेंटर को इक्विटी के रूप में दिया जा सकता है, जिसे बाद में मूल्यांकन के समय भुनाया जा सकता है।

यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और संस्थान के लिए अपने अस्तित्व के शुरुआती चरण में इस तरह की पहल का हिस्सा बनने के लिए और पूरे भारत से अंतिम सूची में इसे बनाने वाले 41 प्रस्तावों में गिना जाता है। संस्थान केवल पांचवां आईआईएम (20 आईआईएम के बीच) है और नई पीढ़ी के आईआईएम में पहला है जिसे एमईआईटीवाई द्वारा ऊष्मायन प्रदान किया गया है।

श्री प्रसाद दाहापुते, सदस्य (शासक मंडल); प्रो. एम. चंद्रशेखर (निदेशक, आईआईएम विशाखपट्टणम), प्रो. मोहम्मद शमीम जावेद (अध्यक्ष-उद्यमिता विकास); और प्रो. दीपिका आर गुप्ता को कंपनी के गठन के साथ कार्यभार संभालने के लिए क्रमशः अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मुख्य परिचालन अधिकारी और मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में नामित किया गया था।

पंजीकृत होने वाली कंपनी का नाम इस प्रकार थाः आईआईएम विशाखपट्टणम फाउंडेशन फॉर इनक्यूबेशन, एंटरप्रेन्योरियल लर्निंग एंड डेवलपमेंट (आईआईएमवी-फ़ील्ड)।

ix. संचालन अनुसंधान और निर्णय विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

संस्थान ने 28 से 30 दिसंबर, 2019 तक संचालन अनुसंधान और निर्णय विज्ञान 2019 (आईसीओआरडीएस) पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पहली बार) का आयोजन किया। आईसीओआरडीएस सैद्धांतिक प्रगति और दोनों में रुचि रखने वाले शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, चिकित्सकों और छात्रों को एक साथ लाया। संचालन अनुसंधान और निर्णय विज्ञान के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुप्रयोग, कार्यात्मक और क्षेत्रीय प्रबंधन डोमेन की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हैं। इस कार्यक्रम ने कई प्रोफेसरों, पेशेवरों और चिकित्सकों की प्रस्तुतियों की मेजबानी की, जिन्होंने वर्तमान और उभरते अनुसंधान विषयों, अग्रणी विकास और कार्यप्रणाली से संबंधित मुद्दों को संबोधित किया। प्राप्त कागजात के सभी सार प्रोक्वेस्ट डेटाबेस द्वारा अनुक्रमित किए गए थे। उच्च गुणवत्ता वाले आईआईएम बैंगलोर प्रबंधन समीक्षा झ्एबीडीसी श्रेणी 'बी'ट में संभावित प्रकाशन के लिए पत्रों को शॉर्टलिस्ट किया गया था। शोध पत्रों का विवरण इस प्रकार थाः

- प्रतिभागियों की संख्याः 150; जिनमें से छात्रः 112
- आईआईटी और आईआईएम से प्रतिभागियों की संख्याः 39; जिनमें से, छात्रः 34
- कागजात की संख्याः 102; जिनमें से, छात्रों सेः 80
- आईआईटी और आईआईएम से पेपरों की संख्याः 30; जिनमें से, छात्रों सेः 23

संस्थान के प्रोफेसर अनिर्बान घटक (निर्णय विज्ञान) और श्रीरंगचार्युलु (पीओएम) ने सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। प्रोफेसर विनय रमानी (अर्थशास्त्र) और भार्गब चट्टोपाध्याय (निर्णय विज्ञान) कार्यक्रम समिति के सदस्य थे; और प्रोफेसर मिलन कुमार (पीओएम) और एम एस जावेद (एफएंडए) आयोजन समिति के सदस्य थे। इस प्रकार, आईसीओआरडीएस ने विशेषज्ञ वार्ताओं, मुख्य भाषणों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा पैनल चर्चा देखी, जैसेः

- प्रोफेसर टी.ई.एस. राघवन, प्रोफेसर, गणित विभाग, इलिनोइस विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर अरुणव सेन, प्रोफेसर, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली
- प्रोफेसर जी. श्रीनिवासन, प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन विभाग, आईआईटी मद्रास
- प्रोफेसर. संदीप जुनेजा, प्रोफेसर और डीन, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी और सीएस, टीआईएफआर
- प्रोफेसर तथागत बंद्योपाध्याय, प्रोफेसर, प्रोड. और क्यूएम और डीन, आईआईएम अहमदाबाद।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के इंटर-डिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम्स (आईसीपीएस) डिवीजन ने सम्मेलन के लिए 4.50 लाख रुपये मंजूर किए।

प्रोफेसर उदय बी देसाई, आईआईटी हैदराबाद के पूर्व निदेशक; और संस्थान के पूर्व सदस्य (बीओजी) ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर शिरकत की और उद्घाटन भाषण दिया।

(b) विजनिंग एक्सरसाइज

संस्थान के शैक्षणिक केंद्र और क्षेत्र और उनके द्वारा शुरू किए जाने वाले और/या पेश किए जाने वाले कार्य कार्यक्रम विभिन्न कारकों को प्रतिबिंबित करने वाले होने चाहिए जैसेः (त) उद्देश्य (जैसा कि आईआईएम अधिनियम 2017 में अनिवार्य है); (त्त) राज्य/क्षेत्र में अवसर; (त्त्त) शीर्ष बिजनेस स्कूलों में प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान प्राप्त करने का परिदृश्य; (त्द) प्रतिस्पर्धात्मक लाभ जिसका संस्थान आनंद लेना चाहेगा; (द) संस्थान अपने लिए विशिष्ट और विशिष्ट भूमिका निभाना चाहेगा; (ध्त) संस्थान का मूल्य प्रस्ताव; (ध्त्त) विभिन्न हितधारकों और जनता आदि के मन में संस्थान जिस स्थान पर कब्जा करना चाहेगा।

साथ ही, शिक्षाशास्त्र की नई प्रणालियाँ उभर रही हैं। छात्र ऐसी शिक्षण प्रणालियाँ पसंद करते हैं जो उन्हें एक तल्लीन, अनुभवात्मक और प्रभावशाली अनुभव प्रदान करती हैं। नई रणनीतियों और नवाचारों के माध्यम से व्यवसाय बाधित हो रहे हैं। आज डिजिटलाइजेशन की कुंजी है। डिजिटल तकनीक और ऑनलाइन पाठ्यक्रम की पेशकश दूरियों को सीखने के लिए अप्रासंगिक बना रही है। संस्थान को आगे छलांग लगाने और खुद को आगे बढ़ाने की जरूरत है ताकि यह न केवल पुरानी पीढ़ी के आईआईएम के साथ पकड़ बना सके बल्कि उन्हें बेहतर भी बना सके। बदलते समय के साथ प्रासंगिक बने रहना अस्तित्व, स्थिरता और सफलता के लिए अधिक महत्वपूर्ण मंत्र है।

चपलता; करने में आसानी; और लेन-देन की लागत में कमी करना सीखना हो या प्रशासनिक मामलों में प्रौद्योगिकी का उपयोग करना आवश्यक है।

उपरोक्त सभी को अनिवार्य रूप से संस्थान के विजन, मिशन और पोजिशनिंग स्टेटमेंट में प्रतिबिंबित करना चाहिए। इन पर सावधानीपूर्वक विचार करने और तैयार करने की आवश्यकता है।

विजनिंग अभ्यास के मार्गदर्शन और सुविधा के लिए और इसके साथ समन्वयित शैक्षणिक केंद्रों और क्षेत्रों पर विचार-विमर्श करने के लिए, बोर्ड ने सुश्री मालविका हरिता और श्री राजीव कपूर (बीओजी सदस्य) से संस्थान के साथ बातचीत करने और विजनिंग अभ्यास में मदद करने का अनुरोध किया। अध्यक्ष (एफडीईसी) प्रोफेसर नागदेवरा झआईआईएम बैंगलोर के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और डीनट के साथ दो बीओजी सदस्यों की समिति ने 24-25 जनवरी 2020 को आयोजित संकाय के साथ एक कार्यशाला के साथ दृष्टि अभ्यास शुरू किया। कार्यशाला ने संकाय को समझने में मदद की और प्रतिष्ठा और विशिष्टता की इकाई के रूप में संस्थान की दीर्घकालिक स्थिरता और सफलता के लिए दृष्टि, मिशन और मूल्य बयानों को तैयार करने के महत्व और प्रक्रिया की सराहना करते हैं।

(c) स्थायी परिसर निर्माण परियोजना

i. संस्थान ने परिसर-निर्माण (विकास) के मोर्चे पर कई महत्वपूर्ण हासिल की गई।

ii. उचित निविदा प्रक्रिया और चयन के बाद, संस्थान ने स्थायी परिसर के लिए मास्टर प्लान और विस्तृत डिजाइन (निर्माण चित्र के लिए अच्छा) विकसित करने के लिए आर्कोप एसोसिएट्स, आर्किटेक्ट्स के साथ 22/04/2019 को एक समझौता किया। जिसे भवन एवं निर्माण समिति और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा उचित विचार-विमर्श के बाद अनुमोदित किया गया था।

iii. इसी प्रकार, नियत प्रक्रिया के बाद, एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को 18/3/2019 को परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में चुना गया था।

iv. लगभग 3,650 वर्ग फुट के एक साइट कार्यालय का निर्माण किया गया। इसमें प्रत्येक छात्रावास कक्ष, अतिथि कक्ष और संकाय और विभागाध्यक्ष केबिन का एक पूर्ण मॉक-अप (सटीक प्रतिकृति) शामिल है। कार्यालय के पास इसके आस-पास, परिसर में लगाए जाने वाले पौधों की सटीक टाइपोलॉजी (कम से कम एक प्रत्येक) है। यह आकार लेने जा रहे बुनियादी ढांचे और वनस्पतियों का 'वास्तविक जीवन' अनुभव देता है। यह कार्यालय एक स्थायी ढांचा होगा और परिसर का एक अभिन्न अंग होगा।

v. {ारिसर के लिए विस्तृत निर्माण के लिए अच्छा (जीएफसी) चित्र पीएमसी द्वारा पुनरीक्षित किए गए थे। निर्माण एजेंसी की पहचान के लिए निविदा दस्तावेज को ड्राइंग और मात्रा के बिल (बीओक्यू) के साथ जारी करने के लिए तैयार किया गया था जैसा कि पीएमसी द्वारा मंजूरी दी गई थी। संरचनात्मक डिजाइन स्थिरता और मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और नलसाजी सेवाओं के लिए आईआईटी-दिल्ली के लिए एनआईटी-वारंगल द्वारा डिजाइनों की जांच की गई।

vi. 445.0 करोड़ रुपए की स्वीकृत राशि के लिए 60,384 वर्गमीटर के क्षेत्र के लिए स्थायी परिसर (चरण – ६) की स्था{ाना के लिए आर्किटेक्ट्स द्वारा निविदा पैकेज तैयार किया गया था। जैसा कि मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया है।

vii. {ीएमसी, बीडब्ल्यूसी और बोर्ड द्वारा अनुमोदित निविदा पैकेज 13/3/2020 को जारी किया गया था। प्री-बिड मीटिंग 23/3/2020 को आयोजित की गई थी। बोलियां 14/4/2020 को बंद होने वाली थीं, लेकिन कोविड-19 स्थिति के कारण इसे 26/5/2020 तक बढ़ा दिया गया।

(d) संस्थान का स्थापना दिवस

स्थापना दिवस 17 जनवरी 2020 को मनाया गया। सुश्री अमीता चटर्जी, सदस्य (बीओजी) और अध्यक्ष (एफआईएसी) ने स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।

(c) छात्र प्लेसमेंट

i. ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट (2019-21 बैच)

सभी 121 छात्रों ने समर इंटर्नशिप ऑफर हासिल किया था। लगभग 30 खोए हुए प्रस्तावों (महामारी के कारण) को बदल दिया गया। नियोक्ताओं की आवश्यकता के आधार पर इंटर्नशिप-अवधि (आमतौर पर 2 सप्ताह, छह सप्ताह तक) में आवश्यकता-आधारित कमी के बारे में सोचा गया था, जो कि महामारी के मद्देनजर सभी आईआईएम में सामान्य प्रवृत्ति थी।

ii. अंतिम प्लेसमेंट (2018-20 बैच)

संस्थान देश में एक शीर्ष बिजनेस स्कूल होने की अपनी प्रतिष्ठा पर खरा उतरा और अपने प्रमुख पीजीपी (एमबीए) कार्यक्रम (2018-20) के स्नातक बैच के लिए एक बार फिर से एक पूर्ण शतक के साथ अपना अंतिम प्लेसमेंट पूरा किया। मौसमी प्रतिकूलताओं को हराते हुए और अतीत के सफल रिकॉर्ड पर निर्माण करते हुए, संस्थान के छात्रों ने न केवल उद्योग के नेताओं के साथ विशिष्ट भूमिकाएँ हासिल कीं, बल्कि समृद्ध-प्रोफ़ाइल भूमिकाओं और जीते गए पैकेजों में नए रिकॉर्ड बनाने के लिए एक कदम और आगे बढ़े। रोलिंग आधार पर आयोजित, प्लेसमेंट सीज़न में 75 से अधिक कंपनियों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया और कई प्रस्ताव दिए। नीचे दी गई तालिका मामलों को परिणाम दिखाती है:

वेतन पैकेज (लाख रुपये)	**स्नातक बैच** (2018-20)	**स्नातक बैच** (2017-19)
उच्चतम	27.00	22.00
औसत बैच के शीर्ष 10% के लिए वेतन	22.00	19.35
शीर्ष चतुर्थक	18.67	17.07
शीर्ष आधा	15.73	14.82
औसत पूरे बैच के लिए	13.08	12.61
माध्य	12.00	12.00

नियोक्ता

संस्थान में छात्रों में निरंतर विश्वास और विश्वास के परिणामस्वरूप इस वर्ष भी कई शीर्ष भर्तीकर्ताओं को नियुक्त किया गया। अमेज़ॅन ने छात्रों को संचालन प्रबंधन, केपीएमजी को रणनीति और सलाहकार भूमिका के लिए काम पर रखा, जबकि फ्रैंकलिन टेम्पलटन और जीएमआर ने अपने प्रबंधन प्रशिक्षु कार्यक्रमों के लिए ऑफ़र बढ़ाए। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने डिजिटल मार्केटिंग और सामान्य प्रबंधन में क्लिक लैब्स में भूमिकाओं के लिए भर्ती की। आनंद राठी, ब्रउजरस्टैक, क्रॉम्पटन ग्रीव्स, डेल्हीवरी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, एम्फैसिस, म्यू सिग्मा, राम ग्रुप, द क्वारी, टीवीएस मोटर्स, अल्ट्राटेक और विप्रो, जो कॉरपोरेट जगत के वह कंपनी के समूह हैं, जो प्रमुख भर्तीकर्ता में गिने जाते हैं।

सेक्टर वार ब्रेक अप

आईटी/आईटीईएस ने नई प्रतिभाओं पर बड़ा दांव लगाना जारी रखा, इसके बाद बीएफएसआई (16%) का स्थान रहा। अन्य क्षेत्र शिक्षक और प्रौद्योगिकी (6%), इन्फ्रास्ट्रक्चर (6%), विनिर्माण (6%), रसद (5%), ऑट ोमोबाइल (4%), समूह (3%), आतिथ्य (3%), परामर्श (3%), विलासिता का सामान (2s); एफएमसीजी (2%), ई-कॉमर्स (2%), फार्मास्युटिकल (1%), मीडिया और विज्ञापन (1%), और भोजन (1%) थे।

फंक्शन वार ब्रेक अप

बिक्री और विपणन में 40% का योगदान है, इसके बाद संचालन (17%), रणनीति (9%), वित्त (9%), परामर्श (8%), विश्लेषिकी (7%), (5%), प्रोजेक्ट एमजीटी (3%), और जनरल एमजीटी। (2%) उत्पाद प्रबंधन का स्थान है।

कोविड-19 महामारी के बावजूद, पूरे बैच में, केवल छात्र (संयोग से निदेशक की मेरिट सूची में) है, जिसका प्रस्ताव रोक दिया गया था। चूंकि वह बैंगलोर में प्लेसमेंट की इच्छुक हैं, केवल संस्थान ही उचित सुविधा प्रदान कर रहा है।

B. खंड (ड), उप-धारा (1), धारा (26):

वह राशि जो संस्थान अपने तुलन पत्र में अधिशेष आरक्षित निधि में ले जाने का प्रस्ताव करता है।

वर्ष 2019-20 के लेखाओं के अनुसार बोर्ड द्वारा अनुमोदित और कार्यालय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षित, 31/3/2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यय से अधिक आय (761.68 लाख रुपये) प्रस्तावित की गई थी को कॉर्पस फंड में ट्रांसफर के रूप में निपटाया जाएगा।

C. खंड (ड़), उपखण्ड (1), धारा 26:

किस हद तक व्यय से अधिक आय के किसी अधिशेष या आय से अधिक व्यय की किसी भी कमी को कम या अधिक बताया गया है और इस तरह के कम या अधिक विवरण के कारणों को लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इंगित किया गया है।

वर्ष 2019-20 के लेखाओं में, सीएजी लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में व्यय से अधिक आय के किसी भी अधिशेष या आय से अधिक व्यय की किसी भी कमी का कोई कम या अधिक विवरण नहीं दर्शाया गया है। वास्तव में, एक सकारात्मक अवलोकन के रूप में, सीएजी ने वर्ष 2019-20 के लिए संस्थान के खातों की लेखापरीक्षा पर अपने एसएआर द्वारा कहा कि:

- बैलेंस शीट, आय और व्यय खाता और रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए प्राप्तियां और भुगतान खाते खातों की पुस्तकों के अनुरूप हैं;
- उनकी राय में और उनकी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और उन्हें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और इसके साथ अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन हैं। लेखा परीक्षा रिपोर्ट, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करती है:
    - जहां तक यह 31/3/2020 तक संस्थान के मामलों की स्थिति की बैलेंस शीट से संबंधित है; तथा
    - जहां तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

D. खंड (ड्ड), उपखण्ड (1), धारा 26:

संस्थान द्वारा शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाओं की उत्पादकता ऐसे मानदंडों के अनुसार मापी जाती है जो बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट किए जा सकते हैं।

(i) शोध प्रकाशन

आईआईएम अधिनियम 2017 की उप-धारा (1), धारा 28 के अनुसार, संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट में अन्य मामलों के अलावा, संस्थान द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उठाए गए कदम और परिणाम-आधारित मूल्यांकन शामिल होंगे। अनुसंधान किया जा रहा है; जिसमें, 'अनुसंधान के परिणाम-आधारित मूल्यांकन' का अर्थ है किए गए शोध का विस्तार और विश्लेषण और इसके प्रभाव कारक और सामाजिक परिणामों के साथ ऐसे शोध के गुणात्मक और मात्रात्मक परिणाम।

संकाय का शोध परिणाम प्रभावशाली रहा है **(परिशिष्ट -1)** और बोर्ड द्वारा इसकी सराहना की गई है, जिसने इस बात का समर्थन किया है कि संकाय द्वारा किए जा रहे सहकर्मी-समीक्षित प्रकाशन उन्हें अपने डोमेन ज्ञान के साथ-साथ विचार-प्रक्रिया की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करते हैं। संचार कौशल; जिसका शिक्षण पर लाभकारी प्रभाव पड़ता

है। इस प्रकार, संकाय का शोध परिणाम प्रशंसनीय रहा है। इसने युवा संकाय को लेखन की कला और अभ्यास में आने में मदद की है। इसके अलावा, यह देखते हुए कि प्रकाशनों की संख्या और प्रकृति (पत्रिका के अनुसार श्रेणी) मान्यता, संस्थानों की स्थिति (रैंकिंग) आदि से जुड़ी हुई है और इस तरह की प्रणाली की व्यापकता को देखते हुए, यह चीजों की फिटनेस में है कि संकाय के संकाय संस्थान सक्रिय रूप से प्रकाशन की संस्कृति में शामिल हो गया, जो आने वाले समय में अधिक संकीर्ण रूप से केंद्रित क्षेत्रों (यानी, एक ही विषय या डोमेन में विशेषज्ञता का निर्माण), या एक विशिष्ट उद्देश्य (वास्तविक दुनिया की समस्या से व्युत्पन्न) को संबोधित करने वाले संकाय के लिए नेतृत्व करेगा।), और अधिक प्रभाव पैदा करना। साथ ही, एक व्यावहारिक दृष्टिकोण से, संकाय अनुसंधान करने का प्रयास कर रहा है जो कक्षा में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों के साथ बेहतर संबंध रखता है या वैकल्पिक रूप से, अनुसंधान मूल्य वर्धित शिक्षा के रूप में कक्षा में लाए जाने वाले निष्कर्षों के लिए उत्तरदायी है। संस्थान इस तरह के शोध को अधिक महत्व और महत्व देता रहा है क्योंकि यह संस्थान के फोकस को तेज करता है; प्रबंधन के अभ्यासकर्ताओं के रूप में छात्रों को प्रशिक्षण देने का बेहतर काम करने में मदद करता है; और उत्पादित प्रबंधकों की गुणवत्ता को बढ़ाता है। इस दिशा में, संस्थान ऐसे तंत्र विकसित कर रहा है जो शिक्षण या प्रभाव के लिए अनुसंधान की प्रासंगिकता के आकलन में सहायता करते हैं। बोर्ड के सुझावों का पालन करते हुए, संस्थान व्यवसायियों (अनुसंधान के उपयोगकर्ताओं) द्वारा संबोधित कार्यशालाओं का संचालन करने का भी प्रयास कर रहा है, जिसमें पूर्व में प्रबंधन में वास्तविक दुनिया की समस्याओं को साझा करने वाले शोधकर्ताओं ने भाग लिया है, जिसके समाधान से महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। संस्थान का मानना है कि इस तरह का दृष्टिकोण अनुसंधान में व्यावहारिकता और उद्योग-उन्मुखता लाता है।

(ii) बाह्य अनुसंधान परियोजना

संस्थान के रणनीति क्षेत्र के प्रोफेसर अमित बी चक्रवर्ती ने भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय से एक प्रतिष्ठित शोध परियोजना जीती है, जिसका शीर्षक है 'कॉर्पोरेट का प्रदर्शनः भारत में विभिन्न स्वामित्व श्रेणियों का फर्म प्रदर्शन'।

यह शोध परियोजना इस बात की जांच करने का प्रयास करती है कि क्या और किस हद तक बहुसंख्यक केंद्रित मालिक (बाद में स्वामित्व श्रेणी के रूप में संदर्भित) की पहचान उभरते बाजार के संदर्भ में फर्म के वित्तीय प्रदर्शन को प्रभावित करती है। शोध सरकारी बनाम गैर-सरकारी फर्मों के प्रदर्शन में अंतर पर केंद्रित है। यह घरेलू बनाम बहुराष्ट्रीय फर्मों और सार्वजनिक रूप से आयोजित बनाम निजी तौर पर आयोजित फर्मों के बीच अंतर का भी अध्ययन करता है। फर्म के प्रदर्शन को बढ़ाने में सार्वजनिक बनाम निजी स्वामित्व के सापेक्ष महत्व पर सैद्धांतिक और नीतिगत बहस ने इस अध्ययन को प्रेरित किया है।

यह खोजपूर्ण अध्ययन स्टॉक लेता है और भारत में फर्मों की आबादी के बैलेंस शीट डेटा के माध्यम से प्रदर्शन पर विभिन्न स्वामित्व श्रेणियों से संबंधित फर्मों के प्रभाव का विश्लेषण करता है। फर्मों को उनके स्वामित्व के आधार पर एक व्यावसायिक समूह (बीजी) से संबद्ध फर्म, केंद्र सरकार की फर्म (यूगोवेट), राज्य सरकार की फर्म (एसजीओवीटी), बहुराष्ट्रीय (एमएनसी) की सहायक कंपनी और घरेलू स्टैंडअलोन प्राइवेट (डीएसएपी) फर्म में विभाजित किया गया है। बहुआयामी प्रदर्शन मेट्रिक्स पर इन फर्मों के प्रदर्शन से पता चलता है कि विभिन्न स्वामित्व श्रेणियों से संबंधित फर्मों के प्रदर्शन में तेज अंतर हैं, साथ ही, कुछ उपायों में अभिसरण के संकेत हैं क्योंकि फर्म का आकार बढ़ता है। यह अध्ययन हमें समय के साथ फर्म के प्रदर्शन और कई मीट्रिक के बीच समूह (स्वामित्व श्रेणी) में विविधता स्थापित करने में मदद करता है।

यह शोध एमसीए 21 डेटाबेस में उपलब्ध फर्मों की जनसंख्या पर अनुदैर्ध्य डेटा का उपयोग करता है, जिसमें 2006 से 2017 तक, 12 वर्षों में 39,557 फर्मों से संबंधित 373,870 अवलोकन शामिल हैं। फर्म प्रदर्शन एक बहुआयामी निर्माण है जिसमें लाभप्रदता उपाय, तरलता और पूंजी संरचना उपाय, परिचालन प्रदर्शन उपाय और दक्षता उपाय शामिल हैं। अध्ययन में पाया गया है कि हालांकि सार्वजनिक फर्में बड़ी हैं और उनकी दक्षता और तरलता अनुपात बेहतर है, निजी फर्मों की लाभप्रदता अधिक है। अध्ययन में यह भी पाया गया है कि हालांकि बीजी-संबद्ध फर्म और डीएसएपी फर्म भारतीय औद्योगिक परिदृश्य में अधिकांश फर्मों का गठन करते हैं, वे उच्च ऋण से परेशान हैं, और उनका प्रदर्शन अन्य स्वामित्व श्रेणियों की तुलना में कम है। अध्ययन से पता चलता है कि आश्चर्यजनक रूप से, केंद्र सरकार की फर्मों की अन्य स्वामित्व श्रेणियों की तुलना में बेहतर लाभप्रदता है। उपयुक्त नीतिगत वितरण दिए गए।

(iii) बीज अनुसंधान अनुदान

एक बीज अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "विशेष रूप से कोविड-19 की भविष्यवाणी और नियंत्रण की ओर; और सामान्य रूप से किसी भी महामारी' को प्रमुख अन्वेषक और सह-अन्वेषक के रूप में क्रमशः प्रोफेसर शिवशंकर सिंह पटेल और प्रोफेसर अनिर्बान घटक के रूप में लिया गया।

- **उद्देश्य**
  - एक ऐसा डैशबोर्ड विकसित करना जहां परीक्षण किए जा रहे लोगों के प्रतिशत, संगरोध के स्तर, अलगाव के स्तर जैसे मापदंडों में विविधता हो और भारत के विभिन्न राज्यों/जिलों में कोविड-19 की परिणामी भविष्यवाणी की कल्पना की जा सके।
  - संस्थान के वर्किंग पेपर रिपोजिटरी के लिए एक वर्किंग पेपर विकसित करना
  - उस पांडुलिपि को एबीडीसी जर्नल क्वालिटी लिस्ट, स्कोपस, या किसी अन्य मान्यता प्राप्त रिपॉजिटरी में सूचीबद्ध किसी सहकर्मी की समीक्षा की गई अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में जमा करना।
- **आउटपुट को समझना**
  - कोविड-19 प्रेडिक्टिव डैशबोर्ड - कई खातों पर एक अद्वितीय विभेदक। (http://covid-tracker.iimv.ac.in:3939/covid/ देखें)
  - आईआईएमवी भंडार के लिए एक मूल पांडुलिपि
  - एक शोध लेख 'गतिशील और स्पर्शोन्मुख जनसंख्या के साथ कोविड-19 के लिए एक सामान्यीकृत महामारी विज्ञान मॉडल' (अनिर्बान घटक, सोहम बनर्जी, सुभज्योति रॉय के साथ) 'स्टोकेस्टिक विश्लेषण और अनुप्रयोग' (टेलर और फ्रांसिस, एबीडीसी-बी) को प्रस्तुत किया गया।
- **परिणाम**
  - संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए जिला प्राधिकरण (जिले में एक केंद्रीय निर्णय लेने वाली इकाई) की मदद करने के लिए भविष्यवाणी (डैशबोर्ड की सुविधा) राज्य स्तर पर है और जिले के दानेदार स्तर पर भी है।
  - भारत में एकमात्र डैशबोर्ड जो न केवल चरम संक्रमण की भविष्यवाणी करता है, बल्कि प्रतिबंधों को बनाए न रखने पर संक्रमण की दूसरी लहर के खिलाफ चेतावनी भी देता है।
  - यह कोविड-19 प्रसार की भविष्यवाणी के साथ-साथ नियंत्रण सहायता का भी सुझाव देता है।
  - डैशबोर्ड नेविगेशन और प्रबंधकीय पहलुओं से स्व-व्याख्यात्मक है। यह ईएसआईआर (संवेदनशील-संक्रमित-हटाए गए मॉडल का विस्तार) की कई अन्य बारीकियों को समझने में मदद करता है।
  - शोध लेख कोविड -19 के लिए मानक महामारी विज्ञान मॉडल के विस्तार पर आधारित है। यह विस्तार वायरस के पूर्व-लक्षण या स्पर्शोन्मुख वाहकों के कारण संचरण को शामिल करता है। यह मॉडल एक देश के भीतर विभिन्न प्रशासनिक सीमाओं के लिए/से लोगों की आवाजाही के कारण बीमारी के प्रसार को भी दर्शाता है।
  - मॉडल (प्रारंभिक) मानव संचरण के सहवर्ती प्रभावों के कारण पुष्टि किए गए मामलों की संख्या में संभावित वृद्धि का वर्णन करता है।

E. खंड (ङ), उप-धारा (1), धारा 26

संस्थान के अधिकारियों और संकाय सदस्यों की नियुक्ति

(i) शिक्षण कर्मचारी:

संस्थान ने वर्ष के दौरान प्रभावशाली शैक्षणिक और अनुसंधान साख के साथ 8 संकाय सदस्यों की भर्ती की। उनमें से, वे शिक्षण और उद्योग के अनुभव का एक समृद्ध मिश्रण लाते हैं।

नाम (वर्षों का अनुभव)	योग्यता	स्तर (क्षेत्र)
सादात अली यावर (5)	पीएचडी, कासेल विश्वविद्यालय	सहायक प्रोफेसर (पीओएम)
शिवशंकर एस पटेल (7)	एमटेक, आईआईटीआर; पीएचडी, आईआईएससी	सहायक प्रोफेसर (डीएस)
प्रिंस डोलिया (3)	एमबीए, एनआईटीके; पीएचडी, आईआईट ीआर	सहायक प्रोफेसर (एफ एंड ए)
नीना पांडे (10)	एमएससी, आईआईटीके; एमटेक, आईआईट ीएम; पीएचडी, आईआईएमबी	सहायक प्रोफेसर (आईएस)
चंद्री मुखर्जी (2)	एमए और पीएचडी, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी	सहायक प्रोफेसर (सीओएमएमएन)
विवेकानंद, एम (17)	पीएचडी, मेंफिस यूनिवर्सिटी	सहभागी प्रोफेसर
अमित शंकर (5)	पीएचडी, आईआईटीकेजीपी	सहायक प्रोफेसर (एमकेटीजी)।
एम वी अनुराधा (9)	एफपीएम, एक्सएलआरआई	सहभागी प्रोफेसर (ओबीएचआर)

इसने प्रोफेसर-निदेशक के अलावा संकाय की संख्या को 20 तक बढ़ा दिया।

(ii) गैर-शिक्षण कर्मचारी:

छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों के लाभ और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की सुरक्षा के लिए, संस्थान ने एक योग्य और अनुभवी चिकित्सा अधिकारी को रखा।

F. खंड (ढ), उप-धारा (1), धारा 26

शिक्षण, अनुसंधान और ज्ञान के अनुप्रयोग में नवाचारों की प्रकृति सहित संस्थान द्वारा निर्धारित प्रदर्शन संकेतक और आंतरिक मानक।

- **संकाय कार्य मानदंड**

बोर्ड द्वारा अनुमोदित संकाय कार्य मानदंड संकाय को चार स्तंभों के तहत शिक्षण, अनुसंधान और संस्थान के निर्माण में समग्र रूप से योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जैसे कि शिक्षण, अनुसंधान, संस्थान की सेवा और पेशे की सेवा। कार्य मानदंडों के तहत उपलब्धियां एक संकाय सदस्य की क्षमता और अच्छी नागरिकता को प्रदर्शित करती हैं और आईआईएम अधिनियम 2017 में निहित शिक्षण, अनुसंधान और ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों में उ उत्कृष्टता के मानकों की उपलब्धि के लिए संकाय में योगदान की प्रकृति और सीमा का उदाहरण देती हैं। .

- **संकाय विकास और मूल्यांकन**

बोर्ड ने संकाय से संबंधित मुद्दों पर निर्णय लेने में निदेशक को सहायता प्रदान करने के लिए एक संकाय विकास और मूल्यांकन समिति (एफडीईसी) के गठन और संरचना को मंजूरी दी।

एफडीईसी संकाय भर्ती, संकाय विकास, परिवीक्षा के दौरान संकाय के प्रदर्शन का मूल्यांकन, परिवीक्षा की घोषणा, कैरियर की प्रगति, संकाय कार्य मानदंडों के कार्यान्वयन (संशोधन का सुझाव सहित) में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है; संकाय सदस्यों को आवश्यक फीडबैक प्रदान करना ताकि वे संस्थान के मानदंडों के अनुसार पर्याप्त स्तर के प्रदर्शन को प्राप्त कर सकें।

- **संकाय द्वारा बोर्ड के लिए प्रस्तुतीकरण**

संस्थान के संकाय, क्षेत्रवार, बोर्ड के समक्ष प्रस्तुतीकरण करते हैं, संकाय कार्य मानदंडों के चार स्तंभों के तहत अपनी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हैं।

- **शिक्षण और अनुसंधान में नवाचार**

संस्थान का संकाय एक ऐसा शिक्षणशास्त्र है जो निम्न का विवेकपूर्ण मिश्रण है:

- निर्देशः वर्ग-कक्ष चर्चाएं, भूमिका नाटक, ट्यूटोरियल, कार्यशालाएं, समूह कार्य, केस स्टडी विश्लेषण, सिमुलेशन गेम, उद्योग-इंटरैक्शन और कार्यात्मक और क्षेत्रीय प्रबंधन में आउटरीच गतिविधियोंः (त्) सरकार से नीति निर्माता; और (त्त) प्रोफेसर; उद्योग और संस्थानों के पेशेवर और व्यवसायी;
- मूल्यांकनः आश्चर्य परीक्षण, प्रश्नोत्तरी, समूह और व्यक्तिगत कार्य; केंद्रित शिक्षा और मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए छोटी और बड़ी परीक्षा आदि;
- स्टॉक-टेकिंग और लक्ष्य-निर्धारणः अनुभवों की समीक्षा, सीखों को आत्मसात करना और अगले कार्यकाल के लिए योजना बनाना।
- छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए फैकल्टी-मेंटरशिप, परिकल्पना के अनुसार प्रभावी ज्ञान-हस्तांतरण और सीखने के परिणामों की सुविधा प्रदान करना।

शिक्षण को प्रभावपूर्ण और प्रभावशाली बनाने के लिए संकाय द्वारा अपनाई गई नवीन पद्धतियों के उदाहरण हैं:

- छात्रों को बुनियादी अवधारणाओं की कल्पना करने, सिखाने, अनुकरण करने और उनकी मदद करने के लिए वेब-एप्लिकेशन तैयार करना।
- ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर पर आधारित एप्लिकेशन का उपयोग करना
- छात्रों को वास्तविक समय के वातावरण का अनुभव करने में मदद करने के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के लिए इंटरैक्टिव ऑनलाइन सिमुलेशन गेम आयोजित करना।
- छात्रों में रुचि विकसित करने के लिए एक अवधारणा शुरू करने से पहले, या सत्र के बाद, अतिरिक्त जानकारी/अवधारणाएं देने के लिए प्रतिभागियों के साथ साझा मोड में विभिन्न अवधारणाओं के लिए प्रयोगशाला सत्र या डूडल/रिकॉर्ड किए गए वीडियो का उपयोग करना।
- परीक्षा के दायरे से बाहर रखते हुए विषय के विकास की समझ में सुधार करने के लिए 'वैकल्पिक पठन श्रृंखला' की शुरुआत करना। इनमें लेखों की श्रृंखला शामिल थी; वि„ाय की गहरी समझ प्रदान करने और छात्रों में गहरी रुचि विकसित करने के लिए कुशल चिकित्सकों और शिक्षाविदों द्वारा लिखे गए शोध पत्र।
- वास्तविक जीवन की खबरों और मौलिक शोध डिजाइनों पर आधारित मिनी-केस का उपयोग करना।
- मामले के विश्लेषण में प्रश्नों को प्रस्तुत करना, जैसे कि मौजूदा मामले के बारे में इंटरनेट पर खोज करना, इसे कक्षा में पढ़ाए गए सिद्धांत से जोड़ना और समाधानों की खोज करना। छात्रों को उन वेब लिंक्स की रिपोर्ट करने की भी आवश्यकता होती है जिनसे उन्हें जानकारी मिली। इसने सुनिश्चित किया कि एक खुली किताब, गैर-संचालित परीक्षा परिदृश्य में भी, छात्रों के लिए व्यवस्थित शिक्षा हो सकती है।

G. धारा 26 की उप-धारा(2):

वित्तीय वर्ष के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक (भत्तों और ऐसे कर्मचारियों को किए गए अन्य भुगतानों सहित) प्राप्त करने वाले संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम और वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे कर्मचारियों द्वारा किए गए योगदान को दर्शाने वाला विवरण।

वितरण नीचे दिया गया है:

वर्ष 2019-20 के लिए कर्मचारी सकल वेतन					
क्र.सं.	कर्मचारी की आईडी	कर्मचारी का नाम	पद	शामिल होने की तिथि	कुल सकल
1	20001	एम चंद्रशेखर	निर्देशक	22-मार्च-17	35,00,280
2	20004	बी श्रीरंगचार्युलु	डीन (ए एंड आर)	29-नवंबर-17	33,33,622
3	20014	विनय रमानी	सहभागी प्रोफेसर	18-जनवरी-19	30,00,318
4	20006	अमित बरन चक्रवर्ती	सहायक प्रोफेसर	11-दिसंबर-17	27,52,493
5	20010	जयशंकर रामनाथन	सहायक प्रोफेसर	26-फरवरी-18	26,61,133

सितंबर 2015 में स्थापित, संस्थान वित्त वर्ष 2019-20 में अपने संचालन के पांचवें वर्ष में है।

क्रमांक (5) पर सूचीबद्ध संकाय ने तब से संस्थान छोड़ दिया है। बाकी संकाय सदस्य संस्थान के अच्छे कामकाज में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। चूंकि संस्थान प्रारंभिक वर्षों में है (प्रोजेक्ट मोड में) प्रत्येक सदस्य न केवल कई शैक्षणिक जिम्मेदारियों को संभाल रहा है, बल्कि संस्थान के विकास और वृद्धि की दिशा में अच्छे परिणाम भी दे रहा है। वे अपनी-अपनी भूमिकाओं में नेतृत्व प्रदान करते रहे हैं और अकादमिक और प्रशासनिक सहायता के मामलों को कुशलता से संबोधित कर रहे हैं। अध्यापन, अनुसंधान, संस्थान की सेवा और पेशे की सेवा और बड़े पैमाने पर संस्था निर्माण के तहत उनका प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है।

H. धारा 26 की उप-धारा (3):

उप-धारा (2) में निर्दिष्ट विवरण में यह दर्शाया जाएगा कि क्या ऐसा कोई कर्मचारी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी सदस्य का रिश्तेदार है और यदि हां, तो ऐसे सदस्य का नाम और ऐसे अन्य विवरण जो बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं।

संस्थान के सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, रिपोर्ट की तिथि के अनुसार, उच्च पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के विवरण में आने वाला कोई भी अधिकारी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी भी सदस्य का रिश्तेदार नहीं है।

I. धारा 26 की उप-धारा (4):

निदेशक भी लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में निहित प्रत्येक आरक्षण, योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी पर उप-धारा (1) में निर्दिष्ट रिपोर्ट में पूरी जानकारी और स्पष्टीकरण देने के लिए बाध्य होंगे।

सीएजी ने वर्ष 2019-20 के लिए संस्थान के खातों के लेखा परीक्षा पर, एसएआर के माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्रालय (संस्थान को एक प्रति के साथ) को अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट भेजी। यह एक 'शून्य' आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल-टिप्पणी रिपोर्ट है।

एसएआर ने अन्य बातों के साथ-साथ देखा किः

- उन्होंने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो उनकी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे;
- रिपोर्ट द्वारा निपटाई गई बैलेंस शीट और आय और व्यय खाते, प्राप्तियां और भुगतान खाते को केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों के लिए भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित खातों के संशोधित प्रारूप में तैयार किया गया है।
- उनकी राय में, संस्थान द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों का रखरखाव किया गया है, जहां तक कि ऐसी पुस्तकों की उनकी जांच से प्रतीत होता है।
- पिछले पैराग्राफ में उनकी टिप्पणियों के अधीन, वे रिपोर्ट करते हैं कि रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते और प्राप्तियां और भुगतान खाते खातों की किताबों के साथ समझौते में थे।
- उनकी राय में और उनकी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और उन्हें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन हैं। लेखा परीक्षा रिपोर्ट, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करती हैः

» जहां तक यह 31/3/2020 तक संस्थान के मामलों की स्थिति की बैलेंस शीट से संबंधित है; तथा

» जहां तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

एसएआर के अनुलग्नक में, सीएजी ने अन्य बातों के साथ-साथ कहा किः

- आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तताः आंतरिक लेखा परीक्षा एक चार्टर्ड एकाउंटेंट्स फर्म मेसर्स कोमंदूर एंड कंपनी को सौंपी गई, जिसने वर्ष 2019-20 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा पूरी की।
- आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तताः आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त थी।
- अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली वर्ष 2019-20 के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन पूरा किया गया।
- सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली वर्ष 2019-20 के लिए सूची का भौतिक सत्यापन पूरा किया गया।
- सांविधिक देय राशियों के भुगतान में नियमितताः सांविधिक देय राशियों का भुगतान नियमित रूप से किया जाता था।

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

14. लेखा विवरणियाँ

2019-2020

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च, 2020 तक का तुलन पत्र

(राशि ₹में)

निधियों के स्त्रोत	अनुसूची	2019-20	2018-19
कायिक/पूँजी निधि	1	53,61,40,302	37,94,24,412
नामित/उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ	2	2,37,12,161	2,21,73,558
वर्तमान देनदारियाँ, प्रावधान एवं ऋण	3	77,98,50,657	33,21,97,721
कुल		**1,33,97,03,120**	**73,37,95,691**
निधियों का उपयोग	**अनुसूची**	**2019-20**	**2018-19**
अचल संपत्तियाँ	**4**	**17,79,44,728**	**13,74,40,156**
-मूर्त संपत्तियाँ		14,38,30,416	12,12,04,398
-अमूर्त संपत्तियाँ		1,49,54,269	1,19,73,928
-जारी पूँजी कार्य		1,91,60,043	42,61,830
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश	**5**	**2,20,96,893**	**2,20,00,000**
-दीर्घावधिक		2,20,96,893	2,20,00,000
-अल्पावधिक		-	-
निवेश-अन्य	6	-	-
चालू संपत्तियाँ	7	1,11,16,32,229	55,51,87,376
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	2,80,29,270	1,91,68,159
कुल		**1,33,97,03,120**	**73,37,95,691**
उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ	23		
आकस्मिक देनदारियों और लेखों पर टिप्पणी	24		

वास्ते भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

हस्ताक्षरित/-	**हस्ताक्षरित/-**	**हस्ताक्षरित/-**
सी. पी. विट्ठल	**प्रो. दीपिका आर. गुप्ता**	**प्रो. एम. चंद्रशेखर**
प्रबंधक- एफ एण्ड ए	**समन्वयक (प्रशासनिक) एव मुख्य लेखा परीक्षा कार्यकारी**	**निदेशक**

दिनाँक: 11 Aug 2020
स्थानः विशाखपट्टणम

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष हेतु आय और व्यय लेखा

(राशि ₹में)

विवरण	अनुसूची	2019-20	2018-19
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियाँ	9	15,92,33,142	9,22,49,170
अनुदान / अनुवृत्ति	10	15,55,00,000	8,77,97,856
निवेशों से आय	11	1,00,04,991	1,09,66,616
अर्जित ब्याज	12	1,92,199	3,21,655
अन्य आय	13	98,86,062	7,33,156
पूर्व अवधि आय	14	34,625	7,03,043
प्रावधान प्रतिलेखन		-	17,04,968
कुल (क)		**33,48,51,019**	**19,44,76,464**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	8,88,07,889	6,71,24,702
शैक्षणिक व्यय	16	10,99,62,413	8,24,34,548
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	2,11,04,702	1,85,24,211
परिवहन व्यय	18	51,86,535	37,23,569
मरम्मत एवं रखरखाव	19	53,45,368	37,88,718
वित्तीय लागत	20	-	-
मूलह्रास	4	2,78,78,515	1,67,17,109
अन्य व्यय	21	-	-
पूर्व अवधि व्यय	22	3,98,083	18,25,987
कुल (ख)		**25,86,83,505**	**19,41,38,844**
व्यय से अधिक आय के कारण शेष (क-ख)		**7,61,67,514**	**3,37,620**
नामित निधि में/(से) स्थानांतरण		-	-
शेष राशि कायिक/पूंजी निधि में ले जाई गई अधिशेष राशि/(घाटा) है - (अनुसूची 1)		**7,61,67,514**	**3,37,620**
उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ	23		
आकस्मिक देनदारियों और लेखों पर टिप्पणी	24		

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 1 - कायिक/पूंजी निधि				
विवरण	**2019-20**		**2018-19**	
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि उ क अ ग		**37,94,24,412**		**31,80,95,972**
अचल परिसंपत्ति के लिए पूँजी कोष का अथशेष (क)	**21,04,29,832**		**16,06,29,160**	
जोड़ें: पूंजीगत व्यय में प्रयुक्त किया गया भारत सरकार से प्राप्त अनुदान	6,83,70,427		4,97,73,668	
जोड़ें: संपत्ति - दान / उपहार	6,535		27,004	
स्थायी परिसंपत्ति के लिए पूँजी कोष का इतिशेष (ख)	**27,88,06,794**		**21,04,29,832**	
कायिक निधि का अथशेष (ग)	**16,89,94,580**		**15,74,66,812**	
जोड़ें: निधि से किए गए निवेश से आय	1,21,71,414		1,11,90,148	
जोड़ें: आय एवं व्यय खाते से स्थानांतरित व्यय से अधिक आय	7,61,67,514		3,37,620	
कायिक निधि का इतिशेष (घ)	**25,73,33,508**		**16,89,94,580**	
वर्ष के अंत में शेष ख + घ		**53,61,40,302**		**37,94,24,412**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 2 - नामित/निर्धारित/अक्षय निधि						
विवरण	वर्तमान वर्ष 2019-20			पिछला वर्ष 2018-19		
	भवन	स्वर्ण पदक	कुल	भवन	स्वर्ण पदक	कुल
क.						
त. प्रारंभिक शेष	2,00,69,345	21,04,213	2,21,73,558	-	-	-
त्त. वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-	-	2,00,00,000	22,00,000	2,22,00,000
त्त्त. निधियों के निवेश से आय	-	-	-	-	-	-
त्थ. निवेश / अग्रिमों पर अर्जित ब्याज	14,54,059	1,50,889	16,04,948	69,345	7,320	76,665
कुल (क)	2,15,23,404	22,55,102	2,37,78,506	2,00,69,345	22,07,320	2,22,76,665
ख.						
निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय						
त) पूंजी व्यय	-	-	-	-	-	-
त्त) राजस्व व्यय	-	66,345	66,345	-	1,03,107	1,03,107
कुल (ख)	-	66,345	66,345	-	1,03,107	1,03,107
साल के अंत में शेष (क - ख)	**2,15,23,404**	**21,88,757**	**2,37,12,161**	**2,00,69,345**	**21,04,213**	**2,21,73,558**
स्वरूप-						
नकद और बैंक बैलेंस	-	-	-	-	96,893	96,893
निवेश	2,00,00,000	20,96,893	2,20,96,893	2,00,00,000	20,00,000	2,20,00,000
अर्जित लेकिन अप्राप्य ब्याज	15,23,404	91,864	16,15,268	69,345	7,320	76,665
कुल	**2,15,23,404**	**21,88,757**	**2,37,12,161**	**2,00,69,345**	**21,04,213**	**2,21,73,558**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 2क - अक्षय निधि

क्र. सं.	अक्षय निधि का नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान वृद्धि		कुल		वर्ष के दौरान उद्देश्य पर व्यय	अंतिम शेष		कुल (10+11)
		अक्षय निधि	संचित ब्याज	अक्षय निधि	ब्याज	अक्षय निधि (3+5)	संचित ब्याज (4+6)		अक्षय निधि	संचित ब्याज	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	वाणी रोजा फाउंडेशन - भवन कायिक	2,00,00,000	69,345	-	14,54,059	2,00,00,000	15,23,404	-	2,00,00,000	15,23,404	2,15,23,404
2	वाणी रो मेमोरियल गोल्ड मेडल - कायिक	20,96,893	7,320	-	1,50,889	20,96,893	1,58,209	66,345	20,96,893	91,864	21,88,757
	कुल	**2,20,96,893**	**76,665**	**-**	**16,04,948**	**2,20,96,893**	**16,81,613**	**66,345**	**2,20,96,893**	**16,15,268**	**2,37,12,161**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियाँ, प्रावधान और ऋण			
	विवरण	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
क.	**वर्तमान देनदारियाँ**		
	1. कर्मचारियों से प्राप्त जमा	-	-
	2. विद्यार्थियों से प्राप्त जमा	**1,06,50,385**	**65,62,133**
	क) जमानत राशि	**46,51,205**	**33,51,410**
	ट) वर्तमान छात्रों से	45,99,795	33,00,000
	ट्ट) पूर्व छात्रों से	51,410	51,410
	ख) भोजनशाला अग्रिम	**55,03,180**	**32,10,723**
	ट) वर्तमान छात्रों से	54,74,341	31,81,884
	ट्ट) पूर्व छात्रों से	28,839	28,839
	ग) अन्य जमा	**4,96,000**	**-**
	ट) पूर्व छात्र निधि	2,48,000	-
	ट्ट) दीक्षांत समारोह निधि	1,24,000	-
	ट्ट) छात्र कल्याण निधि	1,24,000	-
	3. विविध लेनदार (माल एवं सेवा)	3,75,17,256	1,62,51,090
	4. अन्य जमा (धरोहर राशि, सुरक्षा निधि सहित)	**12,78,008**	**21,29,125**
	5. सांविधिक देयताएँः (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूसी टैक्स, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस)	**49,57,390**	**49,49,416**
	क) अतिदेय	-	-
	ख) अन्य	49,57,390	49,49,416
	6. अन्य वर्तमान देनदारियाँ	**70,93,14,245**	**29,45,82,374**
	क) प्रायोजित परियोजनाओं के तहत प्राप्तियाँ	13,60,000	2,90,760
	ख) प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के तहत प्राप्तियाँ	-	-
	ग) अप्रयुक्त अनुदान	**70,38,61,010**	**28,67,08,736**
	ट) राजस्व अनुदान	-	-
	ट्ट) पूंजी अनुदान	4,97,04,894	6,39,92,416
	ट्ट्ट) पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	65,41,56,116	22,27,16,320
	घ) अग्रिम शुल्क प्राप्ति	11,25,400	39,07,969
	ङ) अन्य दायित्व	**29,67,835**	**36,74,909**
	ट विद्यार्थियों को देय	10,00,409	19,17,320
	ट्ट संकाय को देय	13,64,007	13,41,919
	ट्ट्ट कर्मचारियों को देय	1,85,066	64,601
	ट्ठ अन्य को देय	4,18,353	3,51,069
	कुल (क)	**76,37,17,284**	**32,44,74,138**
ख.	**प्रावधान**		
	1. उपदान	70,00,074	32,19,049
	2. संचित अवकाश नकदीकरण	59,42,582	30,03,137
	3. अन्य - कर्मचारियों के भुगतान के लिए बकाया देनदारियां	28,92,660	-
	कुल (ख)	**1,58,35,316**	**62,22,186**
ग.	**ऋण - एचईएफए**		
	1. ऋण	-	15,00,000
	2. ब्याज	2,98,057	1,397
	कुल (ग)	**2,98,057**	**15,01,397**
	कुल (कअखअग)	**77,98,50,657**	**33,21,97,721**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 3(क) - प्रायोजित परियोजना

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक शेष 01.04.2019 को	वर्ष के दौरान प्राप्तियां/वसूली		कुल	वर्ष के दौरान व्यय	31.03.2020 को अंतिम शेष	
		जमा	नामे				जमा	नामे
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	कॉर्पोरेट डेटा प्रबंधन	2,90,760	-	-	2,90,760	2,90,760	-	-
2	आईसीओआरडीएस	-	-	4,50,000	4,50,000	4,50,000	-	-
3	महिला स्टार्ट अप कार्यक्रम	-	-	6,17,605	6,17,605	6,17,605	-	-
4	टीआईडीई	-	-	13,60,000	13,60,000	-	13,60,000	-
	कुल	**2,90,760**	**-**	**24,27,605**	**27,18,365**	**13,58,365**	**13,60,000**	**-**

(Amount in ₹)

(राशि ₹में)

अनुसूची 3(ख) - प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति राशि

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक शेष 01.04.2019 को		वर्ष के दौरान लेन-देन		31.03.2020 को अंतिम शेष	
		जमा	नामे	जमा	नामे	जमा	नामे
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	-	-	26,25,000	26,25,000	-	-
	कुल	**-**	**-**	**26,25,000**	**26,25,000**	**-**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 3(ग) - यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त, अप्रयुक्त अनुदान		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछला वर्ष 2018-19**
क. भारत सरकार		
प्रारंभिक शेष	28,67,08,736	9,33,73,807
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	**61,42,79,708**	**32,65,00,000**
राजस्व अनुदान	15,55,00,000	8,30,00,000
पूंजी अनुदान	1,35,00,000	2,00,00,000
पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	44,52,79,708	22,35,00,000
जोड़ें: अप्रयुक्त अनुदान पर ब्याज	**2,67,42,993**	**44,06,453**
राजस्व अनुदान	-	-
पूंजी अनुदान	29,99,510	41,90,133
पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	2,37,43,483	2,16,320
कुल (अ)	**92,77,31,437**	**42,42,80,260**
घटाएँ: प्रतिदाय	-	-
घटाएँ: व्यय के लिए प्रयुक्त		
राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	15,55,00,000	8,77,97,856
पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	3,07,87,032	4,87,73,668
पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (स्थायी परिसर)	3,75,83,395	10,00,000
कुल (आ)	**22,38,70,427**	**13,75,71,524**
अप्रयुक्त आगे ले जाया गया (अ-आ) = क	**70,38,61,010**	**28,67,08,736**
अप्रयुक्त राजस्व अनुदान	-	-
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान	4,97,04,894	6,39,92,416
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	65,41,56,116	22,27,16,320
ख. यूजीसी अनुदान		
अप्रयुक्त आगे ले जाया गया = ख	-	-
ग. राज्य सरकार से अनुदान		
अप्रयुक्त आगे ले जाया गया = ग	-	-
महा योग (क+ख+ग)	**70,38,61,010**	**28,67,08,736**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4 - अचल संपत्तियाँ	
इस मद के अंतर्गत, वर्गीकरण और प्रकटीकरण निम्नानुसार होंगे:	
1. भूमि -	स्वामित्व वाली भूमि और पट्टेदार भूमि शामिल है, अलग-अलग दर्शाई जाएं।
2. स्थल का विकास	
3. भवन	संस्थान की इमारतें जैसे कॉलेज भवन, कार्यालय भवन, कर्मचारी आवासीय भवन, छात्रावास भवन, अस्थायी ढांचे और शेड शामिल हैं।
4. प्लांट एवं मशीनरी	एयर कंडीशनर, पानी / एयर कूलर, जनरेटर सेट, टीवी सेट, अग्निशामक आदि शामिल हैं।
5. विद्युत स्थापना	बिजली के जुड़नार और फिटिंग जैसे पंखे और ट्यूब, बिजली फिटिंग शामिल हैं।
6. ट्यूब वेल और जल आपूर्ति प्रणाली	टूबवेल और पानी की आपूर्ति प्रणालियों को एक विशिष्ट श्रेणी के रूप में दिखाया जा सकता है।
7. कार्यालयीन उपकरण	फ़ैक्स मशीन, फोटोकॉपीयर, ईपीएबीएक्स, टाइपराइटर, डुप्लिकेटिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर्स आदि जैसी वस्तुएं शामिल हैं।
8. प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपकरण	सूक्ष्मदर्शी, दूरबीन, विच्छेदन उपकरण, कांच के उपकरण, माप उपकरण और अन्य प्रकार की प्रयोगशाला उपकरणों के रूप में वस्तुएं शामिल हैं।
9 . ऑडियो-विडियो उपकरण	टेलीविजन सेट, ओवरहेड प्रोजेक्टर, टेप रिकार्डर, डीवीडी / वीसीडी प्लेयर, कैमरा, मूवी प्रोजेक्टर आदि शामिल हैं।
10. फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग	डेस्क / बेंच, केबिनेट, अलमारी, टेबल, कुर्सियाँ, विभाजक आदि जैसे आइटम शामिल हैं।
11. कंप्यूटर / बाह्य उपकरण	कम्प्यूटर, प्रिंटर और अन्य बाह्य उपकरण जैसे यूपीएस आदि शामिल हैं।
12. खेल उपकरण	टेबल टेनिस टेबल, जिम उपकरण जैसे आइटम शामिल हैं।
13. वाहन	बसें, लॉरी, वैन, कार, स्कूटर आदि शामिल हैं।
14. पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएं	लाइब्रेरी पुस्तकों में पुस्तकों / वैज्ञानिक पत्रिकाओं को शामिल किया गया है।
15. अमूर्त संपत्ति	कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर, पेटेंट और ट्रेडमार्क, ई पत्रिकाओं को अलग से निर्दिष्ट किया गया है।
16. चल रहे पूंजीगत कार्य	निर्माणाधीन अचल संपत्ति को तब तक इस मद के तहत दर्शाया जाना चाहिए जब तक कि वह अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार न हो। अधिग्रहित किए जा चुके संयंत्र, मशीनरी और उपकरण, जिनकी स्थापना और प्रवर्तन लंबित हो, को भी यहां शामिल किया जाना चाहिए।

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4 - अचल संपत्तिया (4क अ 4ख अ 4ग का योग)

क्र. सं.	संपत्तियों के नाम	सकल समुच्चित				2019-20 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चित	
		प्रारंभिक शेष 01.04.2019	परिवृद्धि	कटौती / समायोजन।	अंतिम शेष 31.03.2020	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए मूलह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूलह्रास	31.03.2020	31.03.2019
1	भूमि	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	स्थान का विकास	5,39,55,500	-	5,39,55,500	-	-	-	-	-	-	5,39,55,500
3	भवन	3,33,41,398	6,92,47,746	-	10,25,89,144	2,94,52,633	28,38,403	-	3,22,91,036	7,02,98,108	38,88,765
4	सड़के एवं पुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	नलकूप एवं जलापूर्ति	-	4,81,997	-	4,81,997	-	9,640	-	9,640	4,72,357	-
6	मल-जल निकासी	-	5,71,472	-	5,71,472	-	11,429	-	11,429	5,60,043	-
7	विद्युतीय स्थापना एवं उपकरण	1,25,64,189	42,49,786	49,000	1,67,64,975	1,02,37,390	10,17,434	6,125	1,12,48,699	55,16,276	23,26,799
8	प्लांट एवं मशीनें	1,03,56,951	-	-	1,03,56,951	15,90,886	5,17,848	-	21,08,734	82,48,217	87,66,065
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	कार्यालयीन उपकरण	34,97,919	4,06,458	-	39,04,377	4,68,238	2,92,829	-	7,61,067	31,43,310	30,29,681
11	ऑडियो-विडियो उपकरण	3,05,67,083	31,06,838	-	3,36,73,921	69,70,655	25,25,544	-	94,96,199	2,41,77,722	2,35,96,428
12	कंप्यूटर इत्यादि उपकरण	1,11,34,463	33,71,932	-	1,45,06,395	46,91,575	29,01,280	-	75,92,855	69,13,540	64,42,888
13	फर्निचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	2,09,28,396	74,27,028	-	2,83,55,424	39,73,394	21,26,656	-	61,00,050	2,22,55,374	1,69,55,002
14	वाहन	43,000	-	-	43,000	16,400	4,300	-	20,700	22,300	26,600
15	प्रयोगशाला पुस्तकें और वैज्ञानिक जर्नल्स	30,70,560	3,48,394	-	34,18,954	8,54,132	3,41,895	-	11,96,027	22,22,927	22,16,428
16	अल्प मूल्य संपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (क)		**17,94,59,701**	**8,92,11,651**	**5,40,04,500**	**21,46,66,852**	**5,82,55,303**	**1,25,87,258**	**6,125**	**7,08,36,436**	**14,38,30,416**	**12,12,04,398**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4 - अचल संपत्तिया (4क अ 4ख अ 4ग का योग) Contd.

17	कार्यशील पूंजी (ख)	42,61,830	1,66,57,046	17,58,833	1,91,60,043	-	-	-	-	1,91,60,043	42,61,830

क्र. सं.	संपत्तियों के नाम	सकल समुच्चित				2019-20 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चित	
		प्रारंभिक शेष 01.04.2019	परिवृद्धि	कटौती / समायोजन।	अंतिम शेष 31.03.2020	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए मूलह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूलह्रास	31.03.2020	31.03.2019
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	49,07,057	2,31,438	-	51,38,495	38,47,105	7,99,209	-	46,46,314	4,92,181	10,59,952
19	ई-बुक्स जर्नल्स	2,18,01,244	1,80,40,160	-	3,98,41,404	1,08,87,268	1,44,92,048	-	2,53,79,316	1,44,62,088	1,09,13,976
20	पेटेन्ट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (ग)		**2,67,08,301**	**1,82,71,598**	**-**	**4,49,79,899**	**1,47,34,373**	**1,52,91,257**	**-**	**3,00,25,630**	**1,49,54,269**	**1,19,73,928**
सकल योग (कअखअग)		**21,04,29,832**	**12,41,40,295**	**5,57,63,333**	**27,88,06,794**	**7,29,89,676**	**2,78,78,515**	**6,125**	**10,08,62,066**	**17,79,44,728**	**13,74,40,156**

विशेषः

जारी पूंजी कार्य मद में सकल समुच्चय के तहत 'कटौती' स्तंभ में दर्शाई गई राशि, वर्ष के दौरान जारी पूंजी कार्यों से परिसंपत्तियों में हस्तांतरित की गई राशि का प्रतिनिधित्व करती है;

परिसंपत्ति मद में सकल समुच्चय के तहत 'वर्ष के दौरान परिवृद्धि' स्तंभ में दर्शाई गई राशि में वर्ष के दौरान जारी पूंजी कार्यों से हस्तांतरित राशि और साथ ही वर्ष के दौरान अधिगृहण की राशि शामिल है;

* कटौती / समायोजन सीएजी की टिप्पणियों पर आधारित हैं।

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4 क - एमएचआरडी अनुदान से संपत्ति

क्र. सं.	संपत्तियों के नाम	सकल समुच्चित				2019-20 के लिए मूल्यह्रास					निवल समुच्चित	
		प्रारंभिक शेष 01.04.2019	परिवृद्धि	कटौती / समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2020	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	दर	वर्ष के लिए मूलह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूलह्रास	31.03.2020	31.03.2019
1	भूमि	-	-	-	-	-	00.00%	-	-	-	-	-
2	स्थान का विकास	5,39,55,500	-	5,39,55,500	-	-	00.00%	-	-	-	-	5,39,55,500
3	भवन	3,33,41,398	6,92,47,746	-	10,25,89,144	2,94,52,633	Varies	28,38,403	-	3,22,91,036	7,02,98,108	38,88,765
4	सड़के एवं पुल	-	-	-	-	-	02.00%	-	-	-	-	-
5	नलकूप एवं जलापूर्ति	-	4,81,997	-	4,81,997	-	02.00%	9,640	-	9,640	4,72,357	-
6	मल-जल निकासी	-	5,71,472	-	5,71,472	-	02.00%	11,429	-	11,429	5,60,043	-
7	विद्युतीय स्थापना एवं उपकरण	1,25,64,189	42,49,786	49,000	1,67,64,975	1,02,37,390	Varies	10,17,434	6,125	1,12,48,699	55,16,276	23,26,799
8	प्लांट एवं मशीनें	1,03,56,951	-	-	1,03,56,951	15,90,886	05.00%	5,17,848	-	21,08,734	82,48,217	87,66,065
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	-	-	-	-	-	08.00%	-	-	-	-	-
10	कार्यालयीन उपकरण	34,97,919	4,06,458	-	39,04,377	4,68,238	07.50%	2,92,829	-	7,61,067	31,43,310	30,29,681
11	ऑडियो-विडियो उपकरण	3,05,67,083	31,06,838	-	3,36,73,921	69,70,655	07.50%	25,25,544	-	94,96,199	2,41,77,722	2,35,96,428
12	कंप्यूटर इत्यादि उपकरण	1,11,34,463	33,71,932	-	1,45,06,395	46,91,575	20.00%	29,01,280	-	75,92,855	69,13,540	64,42,888
13	फर्निचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	2,09,28,396	74,27,028	-	2,83,55,424	39,73,394	07.50%	21,26,656	-	61,00,050	2,22,55,374	1,69,55,002
14	वाहन	43,000	-	-	43,000	16,400	10.00%	4,300	-	20,700	22,300	26,600

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4 क - एमएचआरडी अनुदान से संपत्ति		Contd.										
15	प्रयोगशाला पुस्तकें और वैज्ञानिक जर्नल्स	28,26,346	3,41,859	-	31,68,205	7,90,248	10.00%	3,16,820	-	11,07,068	20,61,137	20,36,098
16	अल्प मूल्य संपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (क)	**17,92,15,245**	**8,92,05,116**	**5,40,04,500**	**21,44,15,861**	**5,81,91,419**	**-**	**1,25,62,183**	**6,125**	**7,07,47,477**	**14,36,68,384**	**12,10,23,826**
17	कार्यशील पूंजी (ख)	**42,61,830**	**1,66,57,046**	**17,58,833**	**1,91,60,043**	**-**		**-**	**-**	**-**	**1,91,60,043**	**42,61,830**
क्र. सं.	**अमूर्त संपत्तियाँ**	**प्रारंभिक शेष 01.04.2019**	**परिवृद्धि**	**कटौती**	**अंतिम शेष 31.03.2020**	**मू.हा. प्रारंभिक शेष**	**दर**	**वर्ष के लिए परिशोधन**	**कटौती/ समायोजन**	**कुल परिशोधन / समायोजन**	**31.03.2020**	**31.03.2019**
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	49,07,057	2,31,438	-	51,38,495	38,47,105	40.00%	7,99,209	-	46,46,314	4,92,181	10,59,952
19	ई-बुक्स जर्नल्स	2,18,01,244	1,80,40,160	-	3,98,41,404	1,08,87,268	40.00%	1,44,92,048	-	2,53,79,316	1,44,62,088	1,09,13,976
20	पेटेन्ट्स	-	-	-	-	-	9yrs	-	-	-	-	-
	कुल (ग)	**2,67,08,301**	**1,82,71,598**	**-**	**4,49,79,899**	**1,47,34,373**		**1,52,91,257**	**-**	**3,00,25,630**	**1,49,54,269**	**1,19,73,928**
	सकल योग (क+ख+ग)	**21,01,85,376**	**12,41,33,760**	**5,57,63,333**	**27,85,55,803**	**7,29,25,792**		**2,78,53,440**	**6,125**	**10,07,73,107**	**17,77,82,696**	**13,72,59,584**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4खः परियोजनाओं / अन्य अनुदान से संपत्ति

क्र. स.	संपत्तियों के नाम	सकल समुच्चित				2019-20 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चित	
		प्रारंभिक शेष 01.04.2019	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2020	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए मूलह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूलह्रास	31.03.2020	31.03.2019
1	भूमि	कुछ नहीं									
2	स्थान का विकास										
3	भवन										
4	सड़के एवं पुल										
5	नलकूप एवं जलापूर्ति										
6	मल-जल निकासी										
7	विद्युतीय स्थापना एवं उपकरण										
8	मशीनें एवं उपकरण										
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण										
10	कार्यालयीन उपकरण										
11	ऑडियो-विडियो उपकरण										
12	कंप्यूटर एवं उपकरण										
13	फर्निचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स										
14	वाहन										
15	प्रयोगशाला पुस्तकें										
16	अल्प मूल्य संपत्तियाँ										
	कुल (क)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	**कार्यशील पूंजी कार्य (ख)**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

क्र. स.	अमूर्त संपत्तियां	प्रारंभिक शेष 01.04.2019	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2020	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौती/ समायोजन	कुल परिशोधन/ समायोजन	31.03.2020	31.03.2019
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	कुछ नहीं									
19	ई-जर्नल्स										
20	पेटेन्ट्स										
	कुल (ग)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	सकल योग (क+ख+ग)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4ग: सकल समुच्चित

क्र. स.	अमूर्त संपत्तियां	सकल समुच्चित				2019-2020 के लिए मूल्यह्रास					निवल समुच्चित	
		प्रारंभिक शेष 01.04.2019	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2020	मू.ह्रा. / परिशोधन प्रारंभिक शेष	दर	वर्ष के लिए मू.ह्रा. / परिशोधन	कटौती/ समायोजन	कुल मू.ह्रा. / परिशोधन	31.03.2020	31.03.2019
1	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	49,07,057	2,31,438	-	51,38,495	38,47,105	40.00%	7,99,209	-	46,46,314	4,92,181	10,59,952
2	ई-जर्नल्स	2,18,01,244	1,80,40,160	-	3,98,41,404	1,08,87,268	40.00%	1,44,92,048	-	2,53,79,316	1,44,62,088	1,09,13,976
3	पेटेन्ट्स एवं कॉपीराइट्स	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल	**2,67,08,301**	**1,82,71,598**	**-**	**4,49,79,899**	**1,47,34,373**		**1,52,91,257**	**-**	**3,00,25,630**	**1,49,54,269**	**1,19,73,928**

अनुसूची 4ग(i) पेटेंट और कॉपीराइट

विवरण	प्रारंभिक शेष 01.04.2019	परिवृद्धि	सकल	परिशोधन	निवल समुच्चित 2019-20	निवल समुच्चित 2018-19
क. स्वीकृत पेटेंट	-	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-	-

विवरण	प्रारंभिक शेष 01.04.2019	परिवृद्धि	सकल	स्वीकृत / अस्वीकृत पेटेंट	निवल समुच्चित 2019-20	निवल समुच्चित 2018-19
ख. आवेदित पेटेंट के संदर्भ में लंबित पेटेंट	-	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-	-
ग. सकल योग (क+ख)	-	-	-	-	-	-

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4घ - अन्य (संपत्ति-दान)

क्र.स.	संपत्तियों के नाम	सकल समुच्चित				2019-2020 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चित	
		प्रारंभिक शेष 01.04.2019	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2020	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए मूलह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूलह्रास	31.03.2020	31.03.2019
1	भूमि	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	स्थान का विकास	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	भवन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	सड़के एवं पुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	नलकूप एवं जलापूर्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	मल-जल निकासी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	विद्युतीय स्थापना एवं उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	मशीनें एवं उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	कार्यालयीन उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	(Amount in ₹)	-
11	ऑडियो-विडियो उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	कंप्यूटर एवं उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	फर्निचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	वाहन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
15	प्रयोगशाला पुस्तकें एवं विज्ञान पत्रिकाएं	2,44,214	6,535	-	2,50,749	63,883	25,075	-	88,958	1,61,791	1,80,331
16	अल्प मूल्य संपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल	**2,44,456**	**6,535**	**-**	**2,50,991**	**63,883**	**25,075**	**-**	**88,958**	**1,62,033**	**1,80,573**
17	जारी पूँजी कार्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	सकल योग	**2,44,456**	**6,535**	**-**	**2,50,991**	**63,883**	**25,075**	**-**	**88,958**	**1,62,033**	**1,80,573**

ध्यान दें:	वर्ष के दौरान परिवर्धन में निम्नलिखित परिवृद्धियां शामिल हैं:	
	उपहार	6,535
	निर्धारित निधि	-
	प्रायोजित परियोजनाएं	-
	स्वयं की पूंजी	-
	कुल	**6,535**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 5 - निर्धारित / अक्षय निधि से निवेश		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
1. बैंकों के साथ सावधि जमा		
दीर्घावधिक जमा	2,20,96,893	2,20,00,000
अल्पावधिक जमा	-	-
कुल	**2,20,96,893**	**2,20,00,000**

(राशि ₹में)

अनुसूची 5(क) - निर्धारित / अक्षय निधि से निवेश (निधि वार)		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
1. अक्षय निधि निवेश - भवन	2,00,00,000	2,00,00,000
2. अक्षय निधि निवेश - स्वर्ण पदक	20,96,893	20,00,000
कुल	**2,20,96,893**	**2,20,00,000**

(राशि ₹में)

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-	-
4. अंश	-	-
5. ऋणपत्र और बंधपत्र	-	-
6. अन्य	-	-
कुल	**-**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 7 - वर्तमान संपत्तियाँ		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
1. स्टॉक:	**8,96,258**	**4,63,544**
क) चिकित्सा	37,183	18,713
ख) विद्युत	38,806	18,965
ग) स्टेशनरी	8,20,269	4,25,866
2. विविध देनदार:	**90,43,893**	**7,87,576**
क) छह महीने से अधिक अवधि से बकाया ऋण	-	-
ख) अन्य	**90,43,893**	**7,87,576**
- आईआईएमबी	-	6,99,507
- एमडीपीस	36,56,393	-
- पीजीसीईपी	-	88,069
- पीजीपीडीजीएम	53,87,500	-
3. नकदी एवं बैंक शेष:	**1,10,15,73,870**	**55,27,39,439**
क) अनुसूचित बैंकों में:	**1,10,14,84,287**	**55,26,61,244**
- चालू खाते में	10,175	73,388
- सावधि जमा खाते में	1,08,69,65,743	54,44,47,258
- बचत खाते में	21,15,369	79,35,598
- फ्लेक्सी खाते में	1,23,93,000	2,05,000
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में:	-	-
ग) हाथ में नकद (अग्रदाय)	89,583	78,195
4. डाक घर बचत खाते	-	-
5. अन्य चालू संपत्तियाँ	**1,18,208**	**11,96,817**
क) सीजीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट	12,002	-
ख) एसजीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट	12,002	-
ग) आईजीएसटी प्राप्य/इनपुट टैक्स क्रेडिट	-	8,18,892
घ) प्राप्य टीडीएस रिफंड	94,204	3,77,925
कुल	**1,11,16,32,229**	**55,51,87,376**

(राशि ₹में)

अनुलग्नक क	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
I. बचत बैंक खाते	21,15,369	79,35,598
II. फ्लेक्सी खाते में	1,23,93,000	2,05,000
III. चालू खाते में	10,175	73,388
IV. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा	1,08,69,65,743	54,44,47,258
कुल	1,10,14,84,287	55,26,61,244

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 8 - ऋण, अग्रिम और जमा		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
1. कर्मचारियों को अग्रिमः यात्रा अग्रिम (ब्याज रहित)	2,07,525	-
2. कर्मचारियों को दीर्घावधिक अग्रिमः (ब्याज सहित)	-	-
3. नकद या वस्तु या वसूली योग्य मूल्य के रूप में प्राप्त होने वाले अग्रिम एवं अन्य राशि	4,66,348	-
4. पूर्वदत्त व्यय	**1,04,49,550**	**90,04,142**
क) बीमा	13,42,167	13,78,994
ख) शैक्षणिक व्यय	73,35,567	59,48,107
ग) प्रशासन व्यय	4,09,353	1,15,317
घ) मरम्मत और रखरखाव	13,62,463	15,61,724
5. जमा	**2,68,304**	**4,65,686**
क) टेलीफोन और इंटरनेट	16,000	10,500
ख) किराया	70,000	70,000
ग) यात्रा (मेक माय ट्रिप)	1,82,304	3,85,186
6. उपार्जित आयः	**1,66,37,543**	**96,98,331**
क) कायिक / पूँजी कोष से निवेश पर	72,73,023	75,68,275
ख) निवेशित / अक्षय निधि से निवेश पर	16,81,613	76,665
ग) अन्य निवेश पर	47,64,701	5,33,710
घ) अप्रयुक्त पूँजी अनुदान	29,18,206	15,19,681
7. अन्य - यूजीसी / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य वर्तमान संपत्ति	-	-
8. प्राप्य दावे	-	-
कुल	**2,80,29,270**	**1,91,68,159**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को आय और व्यय के खाते के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 9 - शैक्षणिक प्राप्तियाँ		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
शैक्षणिक		
1. शिक्षा शुल्क		
क) पीजीपी	13,43,82,988	8,66,56,818
ख) पीजीसीईपी	89,15,625	55,44,375
ग) पीजीपीईएक्स	92,13,000	-
घ) पीजीपीडीजीएम	64,35,000	-
2. आवेदन शुल्क और पंजीकरण शुल्क	2,02,000	16,500
कुल (क)	**15,91,48,613**	**9,22,17,693**
परीक्षाएं	-	-
कुल (ख)	-	-
अन्य शुल्क		
1. दण्ड/विविध शुल्क	84,529	31,477
कुल (ग)	**84,529**	**31,477**
प्रकाशन विक्रय	-	-
कुल (घ)	-	-
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियाँ - कार्यशालाओं के लिए पंजीकरण शुल्क	-	-
कुल (ङ)	-	-
सकल योग (क + ख + ग + घ + ङ)	**15,92,33,142**	**9,22,49,170**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को आय और व्यय के खाते के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 10 - अनुदान/अनुवृत्ति (अविकल्पी प्राप्त अनुदान)		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
प्रारंभिक शेष	28,67,08,736	9,33,73,807
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	61,42,79,708	32,65,00,000
राजस्व अनुदान	**15,55,00,000**	**8,30,00,000**
पूँजी अनुदान	1,35,00,000	2,00,00,000
पूँजी अनुदान (स्थायी परिसर)	44,52,79,708	22,35,00,000
जोड़ें: अप्रयुक्त अनुदान पर ब्याज	2,67,42,993	44,06,453
राजस्व अनुदान	-	-
पूँजी अनुदान	29,99,510	41,90,133
पूँजी अनुदान (स्थायी परिसर)	2,37,43,483	2,16,320
कुल (क)	92,77,31,437	42,42,80,260
घटाएं: व्यय में प्रयुक्त		
राजस्व व्यय में प्रयुक्त	**15,55,00,000**	**8,77,97,856**
पूंजीगत व्यय में प्रयुक्त	3,07,87,032	4,87,73,668
पूँजीगत व्यय (स्थायी परिसर) में प्रयुक्त	3,75,83,395	10,00,000
कुल (ख)	22,38,70,427	13,75,71,524
आगे ले जाया गया शेष (ग = क - ख)	70,38,61,010	28,67,08,736
अप्रयुक्त राजस्व अनुदान	-	-
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान	4,97,04,894	6,39,92,416
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	65,41,56,116	22,27,16,320

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को आय और व्यय के खाते के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 11 - निवेश से आय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछले वर्ष 2018-19		वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
	कायिक/पूँजी निधि	अक्षय निधि	कायिक/पूँजी निधि	अक्षय निधि	अन्य निवेश	
1. सावधि जमा पर ब्याज	48,98,391	-	36,21,873	-	52,40,290	1,04,32,906
2. सावधि जमा पर उपार्जित किंतु अप्राप्य आय	72,73,023	16,04,948	75,68,275	76,665	47,64,701	5,33,710
3. अन्य	-	-	-	-	-	-
कुल	**1,21,71,414**	**16,04,948**	**1,11,90,148**	**76,665**	**1,00,04,991**	**1,09,66,616**
प्रासंगिक कोष में अंतरित	1,21,71,414	16,04,948	1,11,90,148	76,665	-	-
शेष	-	-	-	-	**1,00,04,991**	**1,09,66,616**

(राशि ₹में)

अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज

विवरण	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
क) अनुसूचित बैंकों में बचत खाते पर	1,68,523	3,21,655
ख) देनदार और अन्य प्राप्य पर (टीडीएस प्राप्य)	23,676	-
कुल	**1,92,199**	**3,21,655**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को आय और व्यय के खाते के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 13 - अन्य आय		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
क. भूमि और भवन से आय	-	-
ख. संस्थान के प्रकाशनों का विक्रय	-	-
ग. कार्यक्रमों के आयोजन से आय		
1. वार्षिक समारोह / खेल कार्निवल / आईकॉर्ड से सकल प्राप्तियां	12,72,704	2,75,000
घ. अन्य		
1. प्रबंधन विकास कार्यक्रमों से आय	82,73,929	66,000
2. अनुसंधान परियोजना से आय	2,11,846	-
3. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज, आरटीआई आदि की बिक्री)	10,998	95,661
4. कमरे का किराया	28,900	1,34,116
5. स्टाफ, विक्रेताओं आदि से वसूली।	87,685	1,62,379
कुल	**98,86,062**	**7,33,156**

(राशि ₹में)

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
क) अर्जित ब्याज (आईआईएमबी)	-	6,75,551
ख) अन्य आय	34,625	27,492
कुल	34,625	7,03,043

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को आय और व्यय के खाते के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 15 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
क) वेतन और मजदूरी	**5,88,75,159**	**4,53,71,476**
1. अध्यापन	3,05,91,580	1,90,16,385
2. गैर-अध्यापन	2,82,83,579	2,63,55,091
ख) भत्ते और बोनस	**1,03,11,615**	**72,51,822**
1. अध्यापन	88,09,923	56,13,657
2. गैर-अध्यापन	15,01,692	16,38,165
ग) पीएफ में योगदान (अध्यापन)	**3,75,030**	**3,53,970**
घ) अन्य निधियों में योगदान (एनपीएस)	**50,66,942**	**23,18,995**
1. अध्यापन	38,44,451	16,06,683
2. गैर-अध्यापन	12,22,491	7,12,312
ङ) कर्मचारी कल्याण खर्च	**20,28,677**	**16,91,004**
च) सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ	**67,52,450**	**40,36,664**
छ) भर्ती और प्रशिक्षण	**37,26,252**	**33,31,649**
1. अध्यापन	28,76,794	25,75,119
2. गैर-अध्यापन	8,49,458	7,56,530
ज) अन्य - संकाय विकास व्यय	**16,71,764**	**27,69,122**
कुल	**8,88,07,889**	**6,71,24,702**

(राशि रू. में)

अनुसूची 15क- कर्मचारी सेवा-निवृत्ति और सेवांत लाभ			
विवरण	उपदान	अवकाश नगदीकरण	योग
01.04.2019 को प्रारंभिक शेष	32,19,049	30,03,137	62,22,186
परिवर्धनः अन्य संगठनों से प्राप्त योगदानों का पूंजीगत मूल्य	-	-	-
कुल (क)	32,19,049	30,03,137	62,22,186
घटाएंः वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	-	31,980	31,980
31.03.2020 को उपलब्ध शेष (ग) उ (क-ख)	32,19,049	29,71,157	61,90,206
31.03.2020 को बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार प्रावधान की आवश्यकता (घ)	**70,00,074**	**59,42,582**	**1,29,42,656**
चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग)	37,81,025	29,71,425	67,52,450
कुल	**37,81,025**	**29,71,425**	**67,52,450**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को आय और व्यय के खाते के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
क) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय (अंतर्राष्ट्रीय निमग्रम)	59,00,273	71,15,911
ख) अभ्यागत संकाय को भुगतान (यात्रा और आवास सहित)	1,00,86,260	1,60,01,156
ग) परीक्षा	7,83,527	6,54,952
घ) विद्यार्थी कल्याण व्यय	9,80,530	7,92,931
ङ) प्रवेश व्यय	21,74,077	37,51,915
च) दीक्षांत समारोह व्यय	1,21,380	16,90,038
छ) प्रकाशन/पाठ्यक्रम सामग्री	56,35,690	48,85,732
ज) वजीफा / साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति	33,15,000	33,60,000
झ) सदस्यता व्यय	1,24,39,871	85,28,130
ञ) स्थानन व्यय	27,01,255	26,78,998
ट) विद्यार्थी छात्रावास व्यय	3,40,87,969	2,48,95,847
ठ) कार्यक्रम व्यय	1,02,38,095	58,03,102
ड) अन्य कार्यक्रम व्यय	**2,14,98,486**	**22,75,836**
सम्मेलन (आईकॉर्ड्स और एआईबी)	14,10,738	-
एफपीएम / पीएचडी	30,28,757	7,07,546
एमडीपी	49,38,432	27,319
पीजीसीईपी	37,96,927	10,71,609
पीजीपीईएक्स	19,88,415	-
पीजीपीडीजीएम	60,09,602	-
डब्ल्यूएसपी	3,25,615	4,69,362
कुल	**10,99,62,413**	**8,24,34,548**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को आय और व्यय के खाते के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 17 - प्रशासनिक और सामान्य व्यय		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
क. अधोसंरचना	68,16,109	50,64,368
क) विद्युत एवं उर्जा	20,46,359	20,01,928
ख) बीमा	71,135	24,874
ग) किराया, दर एवं कर (संपत्तिकर सहित)	**30,51,268**	**15,82,674**
त) किराया	30,51,268	15,29,654
त्त) दर	-	53,020
घ) सुरक्षा शुल्क	16,47,347	14,54,892
ख. संचार	**4,96,278**	**2,87,809**
ङ) डाक शुल्क एवं स्टेशनरी	1,95,737	1,71,398
च) दुरभाष, फेक्स और इंटरनेट प्रभार	3,00,541	1,16,411
ग. अन्य	**1,37,92,315**	**1,31,72,034**
छ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री (उपभोग)	12,22,823	11,08,021
ज) यात्रा एवं वाहन व्यय	10,70,242	6,24,227
झ) लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिक	7,50,008	3,82,320
ञ) वृत्ती प्रभार	3,33,973	3,84,131
ट) विज्ञापन और प्रचार	23,76,493	23,38,462
ठ) पुस्तकें और पत्रिकाएँ	1,33,922	13,839
ठ) संस्थान कार्यक्रम	3,75,473	2,39,377
ढ) बैठक व्यय (बीओजी, बीडब्ल्यूसी, एफआईएसी और अन्य समितियाँ)	53,32,605	66,16,668
ण) कार्यालयीन व्यय	15,05,467	11,58,111
त) सदस्यता व्यय (सदस्यता)	3,82,107	1,08,470
थ) अन्य	**3,09,202**	**1,98,408**
त) बैंक शुल्क	1,65,636	1,72,308
त्त) वेबसाइट /पोर्टल व्यय	1,41,066	23,600
त्त्त) वृत्तीकर व्यय	2,500	2,500
कुल	**2,11,04,702**	**1,85,24,211**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को आय और व्यय के खाते के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
क) वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	51,86,535	37,23,569
कुल	**51,86,535**	**37,23,569**

(राशि ₹में)

अनुसूची 19 - मरम्मत एवं रखरखाव		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
क) भवन और परिसर	4,92,489	4,16,364
ख) संयंत्र और मशीनरी	40,064	31,581
ग) कार्यालय उपकरण	46,782	52,200
घ) कंप्यूटर	26,15,824	21,22,197
ङ) एवी उपकरण	14,50,463	3,11,936
च) सफाई सामग्री	2,42,567	4,05,235
छ) विद्युत और उपभोग्य वस्तुएं	4,57,179	4,49,205
कुल	**53,45,368**	**37,88,718**

(राशि ₹में)

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
क) बैंक प्रभार	-	-
कुल	-	-

(राशि ₹में)

अनुसूची 21 - अन्य व्यय		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
क) डूबत और संदेहास्पद ऋण / अग्रिम के लिए प्रावधान	-	-
ख) अपरिवर्तनीय शेष समाप्त	-	-
ग) अन्य संस्थानों / संगठनों को अनुदान / सब्सिडी...	-	-
कुल	-	-

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि के व्यय		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
क) शैक्षणिक व्यय	3,85,723	17,63,786
ख) प्रशासनिक व्यय	10,373	34,705
ग) मरम्मत और रखरखाव	1,987	27,496
कुल	**3,98,083**	**18,25,987**

अनुसूची 23

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. वित्तीय विवरणों की तैयारी का आधार

वित्तीय विवरण केंद्रीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए एमएचआरडी दिशानिर्देश और लेखा सिद्धांतों के अनुसार परंपरागत लागत परिपाटी के तहत और लेखांकन के उपार्जन आधार पर तैयार किए गए हैं।

2. राजस्व मान्यता

2.1 विद्यार्थियों से शुल्क (शिक्षा शुल्क को छोड़कर) और बचत बैंक खाते पर ब्याज का लेखांकन नकदी आधार पर किया गया है। प्रत्येक सत्र के लिए अलग से एकत्रित शिक्षा शुल्क उपार्जन के आधार पर लेखांकित किया गया है।

2.2 बैंकों में सावधि जमा पर ब्याज और प्रबंधन विकास कार्यक्रमों से आय को उपार्जन के आधार पर लेखांकित किया गया है।

3. अचल संपत्तियाँ और मूलह्रास

3.1 अचल संपत्तियों को अधिग्रहण, स्थापना, प्रवर्तन से संबंधित आवक भाड़ा, चुंगी, कर आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च सहित अधिग्रहण की लागत पर लेखांकित किया गया है। जारी पूँजी कार्य में ऐसी पूंजीगत संपत्तियों पर किए गए व्यय शामिल होते हैं जो रिपोर्टिंग की तिथि तक अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हुई हैं।

3.2 सरकारी अनुदान के रूप मे, निःशुल्क प्राप्त भूमि का मूल्यांकन आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानक 12 के सिद्धांतों के अनुसार मामूली दर पर किया गया था और पूँजी कोष में जमा द्वारा दर्शाया गया है और अचलसंपत्तियों में शामिल किया गया है।

3.3 उपहारों के रूप में प्राप्त पुस्तकों का मूल्यांकन उन पर मुद्रित विक्रय मूल्य से, और मूल्य मुद्रित नहीं होने पर पुस्तकों का मूल्यांकन उनके आकलन के आधार पर, किया गया है।

3.4 अचल संपत्तियों को लागत में से संचित मूलह्रास घटाकर लेखांकित किया गया है। अचल संपत्तियों पर मूलह्रास सीधी रेखा पद्धति (एसएलएम), एमएचआरडी अनुसूची में निर्दिष्ट अनुसार लागू दरों पर लेखांकित किया गया है (नीचे दिए अनुसार)। हालांकि, भवन और विद्युत स्थापनाओं और उपकरणों के मामले में, मूल्य का परिशोधन आंध्र विश्वविद्यालय के साथ हुए पट्टा अनुबंध के अनुरूप किया गया है।

मूर्त संपत्तियाँ:

1	भूमि	0s
2	स्थान का विकास	0s
3	भवन (पट्टाधृत भवन की नवीकरण लागत)	टीसी । - समझौते के अनुसार 5 वर्ष पीसी । - 02.00s
4	पट्टाधृत भवन में विद्युत स्थापना और उपकरण	
5	नलकूप और पानी की आपूर्ति	02.00s
6	सीवरेज और ड्रेनेज	02.00s
7	मशीनरी और उपकरण	05.00s
8	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला के उपकरण	08.00s

9	कार्यालयीन उपकरण	07.50s
10	ऑडियो-विजुअल उपकरण	07.50s
11	कंप्यूटर और पेरीफेरल्स	20.00s
12	फर्निचर, फिक्चर्स और फिटिंग्स	07.50s
13	वाहन	10.00s
14	पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक जर्नल्स	10.00s

। टीसी उ अस्थायी परिसर; पीसी उ स्थायी परिसर

अमूर्त संपत्तियाँ (परिशोधन):

1	ई-जर्नल्स	40.00s
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	40.00s

3.5 वर्ष के दौरान हुए परिवर्धन पर भी पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास लगाया गया है।

3.6 जिस परिसंपत्ति का पूर्ण मूल्यह्रास हो गया है, उसे तुलन-पत्र में रू.1 के अवशिष्ट मूल्य पर लिया गया है और आगे मूल्यह्रास नहीं गया है। इसके बाद, प्रत्येक वर्ष में परिवृद्धि पर उस संपत्ति मद के लिए लागू मूल्यह्रास दर पर मूल्यह्रास की गणना अलग से की जाएगी।

3.7 ऐसी परिसंपत्तियों, जिनमें से प्रत्येक का स्वतंत्र मूल्य रु.2000/- या उससे कम है (पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर), को अल्प मूल्य आस्तियां माना गया है। ऐसी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के समय 100s मूल्यह्रास लगाया गया है। हालांकि ऐसी परिसंपत्तियों के धारकों द्वारा उनका भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जारी रहता है।

4. अमूर्त संपत्तियाँ:

4.1 ई-जर्नल्स और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के तहत वर्गीकृत किया है।

4.2 ऑनलाइन उपलब्धता के सीमित लाभ को देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं (ई-जर्नल्स) को पुस्तकालय की किताबों से अलग रखा गया है। ई-जर्नल्स मूर्त रूप में नहीं हैं, लेकिन व्यय की मात्रा और सतत् लाभ को देखते हुए; इन्हें पूंजीकृत किया गया है। ई-जर्नल्स पर मूल्यह्रास एक अधिकतम निर्दिष्ट दर पर लगाया गया है।

4.3 सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर खर्च कंप्यूटर और पेरीफेरल्स से अलग किया गया है, क्योंकि , अमूर्त होते हुए भी, इनके संबंध में अप्रचलन की दर बहुत अधिक है। सॉफ्टवेयर पर मूलह्रास एक अधिकतम निर्दिष्ट दर से लगाया गया है।

4.4 सॉफ्टवेयर, ई-डेटाबेस, ई-जर्नल्स आदि जिनका सेवा काल 1 वर्ष या उससे कम है, को उनके उपयोग के अनुसार लेखांकन अवधियों के बीच संलग्न किया गया है और राजस्व व्यय माना गया है और सदस्यता शुल्क के तहत समूहीकृत किया गया है।

5. स्टॉक:

भंडार सामग्री की खरीद पर व्यय को राजस्व व्यय माना गया है, इसके अलावा 31 मार्च 2020 तक अंतिम स्टॉक को, संबंधित विभागों से प्राप्त जानकारी के आधार पर उन पर हुए संबंधित राजस्व व्यय को कम करके, वस्तु-सूची में शामिल किया गया है। उनका मूल्यांकन लागत पर किया गया है।

6. **सेवानिवृत्ति लाभः**

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात, न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) और भविष्य निधि मान्यता प्राप्त है और इन्हें वास्तविक देयता के आधार पर राजस्व व्यय में शामिल किया गया है।

6.2 उपदान का प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया गया है और राजस्व व्यय में शामिल किया गया है।

6.3 अवकाश नकदीकरण का प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया गया है और राजस्व व्यय में शामिल किया गया है।

7. **निवेशः**

7.1 लंबी अवधि के निवेश को, उनकी लागत या अंकित मूल्य, जो भी कम हो, पर लिया गया है। हालांकि तुलन-पत्र की तिथि को उनके मूल्य हुई किसी भी स्थायी कमी का प्रावधान किया गया है।

7.2 अल्प अवधि के निवेश को, उनके लागत या बाजार मूल्य (यदि उद्धृत हो), जो भी कम हो, पर लिया गया है।

7.3 जिस निधि का तुरंत व्यय करना आवश्यक नहीं है उसे संचालक बैंक अर्थात आंध्र बैंक में, बचत बैंक खाते में न्यूनतम शेष राशि छोड़ते हुए, अल्प अवधि के लिए फ्लेक्सी जमा के रूप में निवेशित किया गया है।

8. **कायिक/पूँजी निधिः**

पूँजी कोष को वर्ष के दौरान पूंजीकृत अचल संपत्ति की सीमा तक रखा गया है। यह कोष मुख्य रूप से भारत सरकार से प्राप्त अनुदान और अन्य अनुदानों/दानों से बनाया गया है।

शासी मंडल द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों के आधार पर, कायिक निधि का राजस्व और पूंजीगत व्यय दोनों के लिए उपयोग किया जाता है। कायिक निधि से निर्मित संपत्ति को, उनकी समतुल्य राशि को पूँजी खाते में जमा करते हुए, संस्थान की संपत्ति में मिला दिया गया है। आय और व्यय से कोई भी अधिशेष या घाटा कायिक निधि में ले जाया गया है। कायिक निधि का शेष, जिसे आगे ले जाया गया है, बैंक में सावधि जमा द्वारा दर्शाया गया है और निवेश से होने वाली आय को उपार्जन आधार पर निधि में जमा किया गया है।

9. **निर्धारित/अक्षय निधिः**

इन निधियों को विशिष्ट उद्देश्यों के लिए रखा गया है। अधिक शेष राशि वाली निधियों को बैंकों में सावधि जमा के रूप में भी निवेश किया गया है। निवेश से होने वाली आय को उपार्जन आधार पर संबंधित निधि में जमा किया गया है। व्यय और अग्रिम को कोष में नामे लिखा गया है। उद्दिष्ट निधि से बनाई गई संस्था के स्वामित्व वाली संपत्तियों का, समान राशि पूँजी कोष में जमा कर, संस्था की परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दिया गया है। संबंधित कोष की शेष राशि को आगे ले जाया गया है और बैंक, निवेश और उपार्जित ब्याज के रूप में परिसंपत्ति पक्ष में दर्शाया गया है।

10. **सरकारी अनुदान**

सरकारी अनुदान (एमएचआरडी) को उनकी प्राप्ति के आधार पर लिया गया है। तथापि, जहां वित्त वर्ष से संबंधित अनुदान की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त हो गई है और अनुदान वास्तव में अगले वित्त वर्ष में प्राप्त हुआ है, वहाँ अनुदान को उपार्जन के आधार पर लिया गया है और एक समान राशि अनुदाता से प्राप्य के रूप में दर्शायी गई है।

10.1 पूंजीगत व्यय में प्रयुक्त (उपार्जन आधार पर) सरकारी अनुदान की राशि को पूंजी निधि में स्थानांतरित किया गया है।

10.2 राजस्व व्यय की पूर्ति के लिए प्रयुक्त (उपार्जन आधार पर) सरकारी अनुदान को, उपयोग की गई सीमा तक, उनकी प्राप्ति के वर्ष में हुई आय के रूप में लिया गया है।

10.3 अप्रयुक्त अनुदान आगे ले जाया गया है और तुलन पत्र में वर्तमान दायित्व के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

11. **आय कर**

संस्थान को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10(23क) के तहत आय पर आय कर से छूट प्राप्त है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

अनुसूची : 24

आकस्मिक देनदारियां और लेखों पर टिप्पणियाँ

1. पूंजीगत प्रतिबद्धताएँ :

1.1 31 मार्च 2020 को पूँजी खाते के तहत अपूर्ण निष्पादन वाले अनुबंधों की राशि, जिनका प्रावधान नहीं किया गया है का मूल्य अग्रिमों का निवल)रू.2318.11 लाख है। (पिछले वर्ष शून्य)।

2. अचल संपत्तियाँ:

2.1 वर्ष के दौरान अचल संपत्ति में की हुई निवल परिवृद्धि की राशि रु.683.77 लाख में एमएचआरडी निधि (रू. 683.70 लाख) से खरीदी गई संपत्ति भी शामिल हैं। संपत्तियों को पूंजी निधि में जमा द्वारा दर्शाया गया है।

2.2 आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानक - 12 के सिद्धांत के अनुसार सरकारी अनुदान के रूप में प्राप्त भूमि, निःशुल्क, को नाममात्र मूल्य पर मूल्यांकित किया गया है। मूल्यांकन रु.1/- प्रति एकड़ की दर से, या उसके भाग (241.5 एकड़), किया गया है।

2.3 संस्थान ने अपने कार्यों को संचालित करने के लिए आंध्र विश्वविद्यालय के संरचित परिसर में 18360 वर्ग मीटर के कुल क्षेत्रफल को 21 सितंबर 2015 से 3 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर लेने के लिए एक समझौता किया है। उक्त पट्टे को 14/12/2017 को 20 सितंबर 2023 तक 5 साल की अवधि के लिए बढ़ाया गया था। तदनुसार, इमारतों और विद्युत स्थापनाओं और उपकरणों के लिए वर्ष के दौरान परिवर्धन को नवीनीकृत (वर्तमान) पट्टा समझौते के अनुसार 5 साल के लिए पूरी तरह से मूल्यह्रास किया गया है। बाद के वर्षों में होने वाले परिवर्धन पर मूल्यह्रास आंध्र विश्वविद्यालय के साथ किए गए विस्तारित पट्टा समझौते के अनुसार लगाया जाएगा।

2.4 सॉफ्टवेयर, ई-डेटाबेस, ई-जर्नल्स आदि जिन्हें सतत् उपयोग के लिए खरीदा गया है, उन्हें अमूर्त संपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उन्हें तदनुसार परिशोधित किया गया है।

सॉफ्टवेयर, ई-डेटाबेस, ई-जर्नल्स इत्यादि जिनका जीवन 1 वर्ष से कम या उसके बराबर होता है, को उपयोगिता के अनुसार लेखा अवधि के बीच विभाजित किया गया है। जबकि, 1 वर्ष या 1 वर्ष से कम की अवधि के नवीकरण समझौते को राजस्व व्यय माना गया है और सदस्यता शुल्क के तहत समूहीकृत किया गया है।

3. विदेशी मुद्रा में व्यय:

क्र.सं.	विवरण	राशि रू. में
1	यात्रा	39,08,735
2	अन्य (पुस्तकालय और शैक्षणिक)	1,80,26,195
	कुल	2,19,34,930

4. वर्तमान संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और जमा

4.1 वर्तमान संपत्ति, ऋण, अग्रिम और जमा राशि को सामान्य परिस्थिति में उनके वसूली योग्य मूल्य पर, कम से कम तुलन-पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर, लिया गया है।

4.2 भारत सरकार के दिशानिर्देशों और संस्थान की निवेश नीति के अनुसार,अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में लगभग रू.10,869.66 लाख सावधिक जमा किए गए थे।

5. उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ:

संस्थान को वर्ष 2018-19 के दौरान रू. 222.00 लाख का दान मिला है और अनुसूची 2क के तहत लिखा गया है।

6. सरकार और यूजीसी अनुदानः

6.1 एमएचआरडी से अनुदान तीन 'सहायता अनुदान' मदों के तहत प्राप्त होते हैं, अर्थात, जीआईए -35 (पूंजीगत संपत्तियों का निर्माण), जीआईए -31 (सामान्य) और जीआईए -36 (वेतन)।

6.2 प्राप्त पूंजी अनुदान में से, वर्ष के दौरान पूंजीगत व्यय की रू. 683.70 लाख की राशि को पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दिया गया है।

6.3 सामान्य और वेतन व्यय के लिए प्राप्त अनुदान, रू. 1,555 लाख रुपये को आय माना गया है और आय और व्यय में दर्शाया गया है।

6.4 संस्थान पूंजी और राजस्व व्यय दोनों के लिए केवल एमएचआरडी अनुदान द्वारा वित्त पोषित है।

7. बैंकों के बचत खातों, चालू खातों और सावधि जमा खातों में शेष राशि का ब्योरा वर्तमान परिसंपत्तियों के अनुच्छेद 'क' के रूप में संलग्न है।

8. स्थायी परिसर के निर्माण के लिए अनुमोदित रू.44,500 लाख के तहत, 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए एचईएफए ऋण और इस पर 2.98 लाख के ब्याज सहित,वर्तमान देयताएं, प्रावधान और ऋण अनुसूची 3 के तहत दिखाए गए हैं।

9. पिछले वर्ष के आंकड़े, जहां भी आवश्यक हो, पुनः समूहबद्ध किए गए हैं।

10. अनुसूची सं.1 से 24 को संलग्न कर दिया गया है जो 31 मार्च, 2020 के तुलन पत्र और उस तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के अभिन्न भाग का गठन करते हैं।

11. संस्थान के सभी कर्मचारी नई पेंशन योजना (एनपीएस) में शामिल किए गए हैं और उन्हें नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) - केंद्रीय रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (सीआरए) द्वारा पीआरए नंबर आवंटित किये गये है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान संस्थान द्वारा रू. 50.67 लाख एनपीएस निधि के लिए नियोक्ता योगदान स्वरूप दिए गए हैं। ग्रहणाधिकार आधार पर शामिल होने वाले कर्मचारियों के संबंध में, संस्थान के भविष्य निधि योगदान के साथ-साथ ग्रहण अवधि के दौरान कर्मचारी के योगदान को उनके संबंधित प्रधान कार्यालयों में, जहां उनके पीएफ खातों को बनाए रखा जाता है,स्थानांतरित कर दिया गया है।

12. संस्थान को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80क्र के तहत छूट का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है जो निर्धारण वर्ष 2019-20 से प्रभावी है।

वास्ते भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

हस्ताक्षरित/-	**हस्ताक्षरित/-**	**हस्ताक्षरित/-**
सी. पी. विट्ठल	**प्रो. दीपिका आर. गुप्ता**	**प्रो. एम. चंद्रशेखर**
प्रबंधक	**समन्वयक (प्रशासनिक) एवं**	**निदेशक**
(वित्त एवं लेखा)	**मुख्य लेखा परीक्षा कार्यकारी**	

दिनाँकः 11 Aug 2020
स्थानः विशाखपट्टणम

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

(राशि रू. में)

प्राप्तियाँ	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
६. प्रारंभिक शेष			I. व्यय		
क) नकद शेष	78,195	15,428	क) स्थापना व्यय	8,10,52,395	6,30,10,708
ख) बैंक बैलेंस			ख) शैक्षणिक व्यय	10,94,55,327	8,95,38,114
त) चालू खाते में	73,388	54,562	ग) प्रशासनिक व्यय	2,17,93,141	1,87,09,747
त्त) बचत खाते में	79,35,598	60,274	घ) परिवहन व्यय	51,86,535	37,23,569
त्त) फ्लेक्सी खाते में	2,05,000	1,68,53,000	घ) मरम्मत और रखरखाव व्यय	51,65,948	51,57,854
			ङ) पूर्व अवधि व्यय	3,98,083	18,25,987
६६. प्राप्त अनुदान			II. अचल परिसंपत्ति और जारी पूँची कार्य पर व्यय		
क) भारत सरकार से प्राप्त (एमएचआरडी)			क) अचल परिसंपत्ती	5,17,13,381	4,55,11,838
त) राजस्व व्यय	15,55,00,000	12,30,00,000	ख) जारी पूँजी कार्य	1,66,57,046	42,61,830
त्त) पूंजीगत व्यय	1,35,00,000	2,00,00,000	III. विविध लेनदारों, वैधानिक और अन्य देनदारियों में वृद्धि / कमी	(2,07,83,514)	4,88,41,539
त्त) पूंजीगत व्यय (स्थायी परिसर)	44,52,79,708	22,35,00,000			
ख) राज्य सरकार से	-	-			
ग) अन्य स्त्रोतों से	-	-			
III. शैक्षणिक प्राप्तियाँ	15,11,52,159	9,62,93,435	**कुल पूंजी और राजस्व भुगतान (I+II+III)**	**27,06,38,342**	**28,05,81,186**
IV. निर्धारित / अक्षय निधि के तहत प्राप्तियाँ	-	2,22,00,000	IV. निर्धारित/ अक्षय निधि के तहत भुगतान	66,345	1,03,107
V. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के तहत प्राप्तियां	24,27,605	19,64,915	V. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के तहत भुगतान	13,58,365	16,74,155
VI. प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के तहत प्राप्तियाँ	26,25,000	-	VI. प्रायोजित फैलोशिप / छात्रवृत्ति के तहत भुगतान	26,25,000	-
VII. निवेशों से आय			VII. किए गए निवेश और जमा		
क) निर्धारित / अक्षय निधि	-	-	क) निर्धारित / अक्षय निधि से	96,893	2,20,00,000
ख) अन्य निवेश	4,35,85,134	2,49,02,759	ख) स्वयं की निधियों से (निवेश - अन्य)	-	-
VIII. प्राप्त ब्याज			VIII. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमाराशि	-	53,07,14,317

(राशि ₹में)

(राशि रू. में)

प्राप्तियाँ	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
क) बैंक जमा पर	-	-			
ख) ऋण और अग्रिम, अन्य प्राप्य	23,676	-			
ग) बैंक में बचत खाते पर	1,92,479	2,97,699			
IX. नगदीकृत निवेश			IX. अनुदान वापसी	-	-
क) निर्धारित / अक्षय निधियों से	-	-	X. जमा और अग्रिम		
ख) स्वयं की निधियों से (निवेश - अन्य)	-	-	क) छात्रों को काशन जमा	12,85,205	9,39,580
X. अनुसूचित बैंकों में सावधिक जमा नगदीकृत	54,44,47,258	31,32,65,926	ख) छात्रों को भोजनशाला अग्रिम	1,37,91,660	1,23,12,025
			ग) छात्रों को अन्य भुगतान	9,16,911	8,89,686
			घ) ईएमडी / एसडी पुर्नभुगतान	10,38,891	56,05,807
			ङ) जमा और अग्रिम (छात्रों के अलावा अन्य)	4,76,491	1,95,725
XI. अन्य आय (पिछले अवधि की आय सहित)	74,90,613	7,60,648	XI. कोई अन्य भुगतान (एचईएफए ऋण)	2,40,65,088	-
XII. जमा और अग्रिम			XII. अंतिम शेष		
क) छात्रों से कॉशन जमा	25,85,000	21,00,000	क) नकद	89,583	78,195
ख) छात्रों से भोजनशाला अग्रिम	1,60,84,117	1,24,90,000	ख) बैंक शेष		
ग) छात्रों से अन्य जमा	6,20,000	-	i) चालू खातों में	10,175	73,388
घ) कर्मचारियों को प्रदत्त अग्रिम की वसूली	-	15,000	ii) सावधि जमा खातों में	1,08,69,65,743	-
ङ) प्राप्त ईएमडी / एसडी	1,87,774	40,32,726	iii) बचत खातों में	21,15,369	79,35,598
XIII. वैधानिक प्राप्ति सहित विविध प्राप्तियाँ	10,78,609	-	iv) फ्लेक्सी खातों में	1,23,93,000	2,05,000
XIV. कोई अन्य प्राप्तियाँ (एचईएफए ऋण)	2,28,61,748	15,01,397			
कुल	**1,41,79,33,061**	**86,33,07,769**	**कुल**	**1,41,79,33,061**	**86,33,07,769**

वास्ते भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

हस्ताक्षरित/-
सी. पी. विट्ठल
प्रबंधक
(वित्त एवं लेखा)

हस्ताक्षरित/-
प्रो. दीपिका आर. गुप्ता
समन्वयक (प्रशासनिक) एवं
मुख्य लेखा परीक्षा कार्यकारी

हस्ताक्षरित/-
प्रो. एम. चंद्रशेखर
निदेशक

दिनाँक: 11 Aug 2020
स्थान: विशाखपट्टणम

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद - 500 004.
OFFICE OF THE
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2019-20/2020-21/ Date: 15.02.2021
17

सेवामें,
सचिव,
भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग, शास्त्रीभवन, डॉ. राजेन्द्रप्रसादरोड
नईदिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: भारतीय प्रबंधन संस्थान, विशाखापत्तनम, के वर्ष 2019-20, लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), for the year 2019-20, Annexure thereof and one copy of the Annual Accounts for the year 2019-20, are forwarded herewith.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

Sd/-

संल:यथोपरि

Director General of Audit (Central)

Endt. No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2019-20/2020-21/ 51 Date 15.02.2021
17

Copy to Prof. M. Chandrasekhar, Director, Indian Institute of Management Visakhapatnam, Andhra Bank School of Business Building, Andhra University Campus, Visakhapatnam– 530 003, Andhra Pradesh,along with one copy of Annual Accounts for the year 2019-20(English version), with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2019-20 (2 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

Dy.DIRECTOR/ CEA

Phone Nos. : 040-23236811 to 23236819 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

(Signature 22/2 Mail copy recieved earlier, Coord (Admin)/M F&A)

जितेंद्र एस. करपे,
Jitendra S. Karape, IA&AS

सत्यमेव जयते

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)
सैफाबाद, हैदराबाद - ५०० ००४
Director General of Audit (Central)
Saifabad, Hyderabad - 500 004.

No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2019-20/2020-21/51 Date :15.02.2021

Dear Prof. Chandrasekhar,

Audit of Annual Accounts of The Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV) for the year 2019-20, was conducted in October-Novermber, 2020. Significant comments on accounts are included in the Separate Audit Report issued separately to the Government of India, Ministry of Education, New Delhi and a copy marked to you. Some of the observations, which were not included in the Separate Audit Report, meriting the attention of the Management are detailed below to enable your office to take necessary corrective action:

Expenditure under Income and Expenditure includes prepaid expenditure of ₹ 3,43,687[1] incurred towards renewal of subscription 'Trunitin-feedback studio software' for the period April 2020 to March 2021 i.e., 2020-21, which was incorrectly treated as current year expenditure under Academic expenses (Schedule-16), instead of as prepaid expenses under Loans, Advances & Deposits (Schedule-8). This resulted in overstatement of Expenditure and understatement of Loans, Advances & Deposits by ₹ 0.03 crore. Consequently, Surplus was also understated by ₹0.03 crore.

With Best Regards,

Yours sincerely,

Prof. M. Chandrasekhar,
Director,
Indian Institute of Management,Visakhapatnam

[1] Subscription expenses amounting to Rs.1,24,39,871/- shown under Schedule-16, includes an amount of Rs.3,43,.687

Off. Phone No.: 040-23232069 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

(Signature 22/2 Mail copy recieved earlier, Coord (Admin)/M F&A)

Separate Audit Report on the Accounts of Indian Institute of Management, Visakhapatnam for the year ended 31 March 2020

We have audited the attached Balance Sheet of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2020, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipts & Payment Account dealt with by this Report have been drawn in the Revised Format of Accounts, prescribed by Government of India, Ministry of Education, for Central Educational Institutions.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Institute, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

A. Grants-in-aid: Out of total grants-in-aid of ₹ 61.43 crore received during the year from Government of India (Revenue Grant ₹ 15.55 crore, capital grant ₹1.35 crore and ₹ 44.53 crore towards capital grant for construction of new premises-escrow account for HEFA loan), together with opening balance of ₹.28.67 crore and interest earned ₹ 2.67 crore, totaling to ₹ 92.77 crore. The institute utilized ₹ 22.39 crore (Revenue ₹ 15.55 crore & capital ₹ 3.08 crore and HEFA loan ₹ 3.76 crore) leaving a balance of ₹ 70.38 crore.

B. Management letter

Deficiencies which have not been included in this Report have been brought to the notice of the Institute through a Management Letter issued separately for remedial/corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2020; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the ***Surplus*** for the year ended on that date.

Director General of Audit (Central)

ANNEXURE

1. **Adequacy of Internal Audit System:** Internal Audit was entrusted to M/s Komandoor and Co, a Chartered Accountants firm, which completed the internal audit for the year 2019-20.

2. **Adequacy of Internal Control System:** Internal Control System was adequate.

3. **System of Physical verification of fixed assets:** Physical verification of fixed assets was completed for the year 2019-20.

4. **System of Physical verification of inventory:** Physical verification of Inventory was completed for the year 2019-20.

5. **Regularity in payment of statutory dues:** Statutory dues were paid regularly.

Dy. DIRECTOR/ CEA

विद्या परं दैवतम्

IIM
भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

Indian Institute of Management Visakhapatnam

5th Annual Report 2019-20

Contents

Chairperson's Message		2
Director's Message		3
1.	Governing Bodies	4
2.	Programs	6
3.	Executive Education	14
4.	Faculty	15
5.	Research and Publications	16
6.	Entrepreneurship	17
7.	Infrastructure	20
8.	Alumni Activities	21
9.	Policy and Initiatives	22
10.	Personnel and Administration	23
11.	Financial Position	24
12.	Statements	25
13.	Director's Report	36
14.	Statement of Accounts	49

Chairperson's Message

Hari S. Bhartia

Dear Stakeholders & Patrons,

The Institute witnessed many important milestones being crossed, in its path of rapid progress. The various initiatives of the Institute are well thought-through and are being supported by a discerning Board of Governors.

The Institute has come to be acknowledged as distinct in many ways and as first-mover on many fronts, maintaining a good lead in the comity of its peers. The Director and his team of teaching and non-teaching staff deserve compliments for their efforts in building IIMV as a fine institution.

With a bouquet of programs in management education and research that address the needs of aspirants, young as well as experienced, the Institute is walking the extra-mile, in building managerial talent endowed with the right mix of topical content and contemporary practice.

With regional balance and inclusivity in the student and faculty cohort, the Institute has come to represent diversity and national character in true sense and spirit.

The permanent campus of the Institute, expected to be fully ready for occupation by 2022, would be a future-proof, energy-efficient and water-positive campus with ambience and aesthetics of global standards. It is envisaged that the campus would be a legendary landmark.

The Central and State Governments continue to contribute significantly to the smooth functioning of the Institute. We are grateful to them for the enabling autonomy and encouraging support they have been extending for the impressive growth of the Institute.

I am positive, the goodwill that the Institute earned over the past five years in the government, business and the society at large will stand it in good stead, as it rededicates itself to achieving the objects set out in the IIM Act 2017, with sincerity of purpose and a deep sense of commitment.

Hari S. Bhartia

Chairperson, Board of Governors
IIM Visakhapatnam

Date: 05 Jul. 2021

Director's Message

Prof. M. Chandrasekhar

Dear Sir / Madam,

The Institute continued its rapid stride and closed the fifth year of operations with a flourish, under the able guidance of its illustrious Board of Governors. Benefitting from the policy- and financial support from the Ministry of Education (MoE); Government of India (GOI); as well as the wise counsel and enabling advice from the Finance, Investment and Audit Committee (FIAC) and the Building & Works Committee (BWC), the Institute significantly expanded its activity profile, in scale and scope.

Among the important achievements during the year are: commencement of a specialized MBA Program in Digital Governance & Management in blended learning mode, under the aegis of and sponsored by the Ministry of Electronics & IT (MeitY), GOI; launching a PG Program for Experienced Professionals (MBA – evening); commencing the PhD Program; starting a series of Professional Development Programs (PDTs) for the engineering faculty from government and aided institutions under the Scheme of TEQIP (Technical Education Quality Improvement Programs) administered by the National Project Implementation Unit (NPIU) of the MoE, GOI.

The Institute also emerged as a sought-after source for executive education programs (EEPs) for the Government and the Public Sector. As a result, the Internal Resources Generation of the Institute witnessed a 77% increase, from about Rs.10.0 Cr. in FY 19 to about Rs.17.0 Cr.in FY 20.

Another unique achievement of the Institute is establishing a TIDE (Technology Incubation and Development of Entrepreneurship) Centre under MeitY, GOI. The Incubator is well set to provide intellectual, infrastructural, institutional, financial, managerial, mentoring and knowledge-support to start-ups that use digital technologies in the fields of socio-economic relevance like health, education, agriculture, financial inclusion and payment systems etc.

The Institute organized a prestigious three-day International Conference (first-ever) on Operations Research and Decision Sciences 2019 (ICORDS) in Dec. 2019 that witnessed wide participation from researchers, faculty members, practitioners and students.

On the infrastructure front, the Institute crossed several important milestones as regards appointment of architects and project management consultants for campus-construction. The tendering process reached advanced stage for identification of a suitable construction agency.

The Institute recruited seven faculty members during the year, with impressive academic and research credentials, who have a rich blend of teaching and industry experience. This brought the faculty-strength to 20. The faculty continued to contribute in a holistic manner to teaching, research and institution building, demonstrating competence, commitment and good citizenship.

The faculty have been adopting innovative pedagogies for making the learning interesting, immersive and therefore impactful. The high outcomes are reflected in the summer and final placements that broke all previous records.

Research by the faculty too has been of high order. Deserving special mention is a project titled "Towards Prediction and Control of COVID-19 in particular; and any Pandemic in General" the Institute developed a dashboard for prediction of the Coronavirus pandemic in various states/districts of India, which was a unique effort on many counts and was well appreciated.

With a view to charting a strategy for being counted among the top business schools within a defined timeframe, the Institute commenced a structured visioning exercise, ably guided by a sub-committee of the Board.

In conclusion, it is a matter of pride that every member of the Institute's family has been contributing significantly to the good functioning of the Institute. They have been delivering good results towards the development and growth of the institution, aiding achievement of standards of excellence as enshrined in the IIM Act, 2017.

And, for another year marked by success, gratitude is due, to all the stakeholders, for their continued patronage and partnership in the progress of the Institute.

Prof. M. Chandrasekhar
Director, IIM Visakhapatnam

Date: 05 Jul. 2021

1. Governing Bodies (updated as on the date of publication)

1.1 Board of Governors

Chairperson
Hari S Bhartia
Co-Chairman and Founder, Jubilant Bhartia Group

Members

Neeta Prasad, IIS Joint Secretary (Mgt, ICC & Policy), Ministry of Education, Govt. of India	Satish Chandra, IAS Spl. Chief Secretary, Higher Education, Govt. of Andhra Pradesh
Uma Sudhindra Security Strategist and Founder & Managing Partner Go Magic Trails; Co-Founder, I'm Every Woman	Prasad Dahapute Managing Director The Varhad Group
Satish Reddy Chairman Dr. Reddy's Laboratories	Naushad D Forbes Co-Chairman Forbes Marshall Group of Companies
G Raghuram Former Director Indian Institute of Management Bangalore	Rajeev Kapoor, IAS (Retd.) Former Secretary to the Govt. of India & Former Director, LBSNAA
Malavika Harita Distinguished Alumna, IIM Bangalore Founder, Brand Circle	Ameeta Chatterjee Managing Trustee, Ekam Foundation Mumbai
B Srirangacharyulu Associate Professor, IIMV	Deepika Gupta Assistant Professor, IIMV

M Chandrasekhar
Director
Indian Institute of Management Visakhapatnam

Kaleem V Khan, Secretary of the Board, IIM Visakhapatnam

1.2 Building & Works Committee

Chairperson
Satish Reddy
Chairman, Dr Reddy's Labs & Member (BoG), IIM Visakhapatnam

Members

Ligy Philip Professor, Dept. of Civil Engineering & Dean (Planning), IIT Madras	Rajiv Mishra Principal, Sir J J School of Architecture University of Mumbai
V Nagadevara Formerly Professor, Dean & Chairman, Building Committee; IIM Bangalore	P. Koteswara Rao, IAS Metropolitan Commissioner, Visakhapatnam Metropolitan Region Development Authority
M Chandrasekhar Director, IIM Visakhapatnam	Amit Baran Chakrabarti Assistant Professor, IIM Visakhapatnam

Sayikrishna Raju Head (Projects), IIM Visakhapatnam (Member-Convenor)	Invitees: Sushant Baliga (Formerly: Addl. Director General, CPWD) Advisor (Building & Works), IIM Visakhapatnam Prof. B. Srirangacharyulu, IIM Visakhapatnam

1.3 Finance, Investment & Audit Committee

Chairperson

Ameeta Chatterjee

Managing Trustee, Ekam Foundation Mumbai & Member (BoG), IIM Visakhapatnam

Members

Darshana M Dabral Joint Secretary & Financial Advisor Ministry of HRD, Govt. of India	Padmini Srinivasan Associate Professor (Finance & Accounts) IIM Bangalore
A Radha Krishna Financial Controller & Company Secretary Barclay's Shared Services	Srinivas Kumar Alamuru, IA&AS (Retd.) Former Accountant General (A&E), Andhra Pradesh
Prasad Dahapute Managing Director The Varhad Group	M Chandrasekhar Director IIM Visakhapatnam
Deepika Gupta Chief Audit Executive IIM Visakhapatnam	Nandita Gundala Superintendent (Finance & Accounts) IIM Visakhapatnam (Member-Convenor)

The details of the meetings of the Board of Governors, Building & Works Committee and Finance, Investment & Audit Committee are appended in **Statement 1.**

2. Programs

Overview

The Indian Institute of Management Visakhapatnam currently offers four long-duration programs – the Post Graduate Program in Management (PGP), the PhD Program, the Post Graduate Program for Experienced Professional (PGPEx) and Post-Graduate Program in Digital Governance & Management (PGP-DGM).

2.1 PhD Program

As an addition to its bouquet of programs, IIM Visakhapatnam launched the PhD Program. It is a research-intensive doctoral Program that aims at imparting high-quality training in research.

The first batch of PhD Program was inaugurated on June 24, 2019. A total of 3 students were admitted into the Program.

2.1.1 Academics

Areas of Specialisation

The PhD Program commenced with two areas of specialisation i.e., Finance & Accounting (1 student) and Production & Operations Management (2 students).

Structure of the PhD Program

The Program comprises two phases, i.e., Coursework and Thesis.

Phase 1 - Coursework

This phase covers the first two years of the PhD Program. This phase includes coursework and

independent study. Successful completion of the first phase requires passing the Comprehensive

Examination (Written & Viva) at the end of the second academic year.

Phase 2 - Thesis Work

On completion of Phase 1, the students begin thesis work consisting of a thesis proposal and a final thesis-evaluation and defence.

2.1.2 Institutional Support

The Institute provides substantial financial and infrastructural support. PhD Program students in good standing will receive a stipend of Rs. 30,000 per month in the first year with a 10% annual increment up to a maximum of five years in addition to the tuition fee waiver.

Other financial support available to students include:

- Contingency Grant of Rs. 75,000/- (in Year 1) and Rs 25,000/- (annually from Year 2 to Year
- HRA for students with families who live off-campus, monthly Rs. 7,500/ or equivalent rent.
- International Conference grants of up to Rs. 3,00,000/- and National Conference grants of up to Rs. 60,000/- towards accepted papers.

2.2 Post Graduate Program for Experienced Professionals (PGPEx)

The Post Graduate Program for Experienced Professionals (PGPEx) leading to the award of Master of Business Administration (MBA) degree is a non-residential weekend program. It is an excellent opportunity for experienced professionals located in and around the City of Visakhapatnam to acquire new knowledge and skills and advance their careers.

The overarching goal of the Program is to help the participants enhance their managerial competencies and leadership skills for professional growth and development; and through that advanced learning, contribute more effectively to their organizations.

About IIM Visakhapatnam - PGPEx (MBA) Program

a) PGPEx leading to the award of MBA degree

b) 2-year (non-residential) weekend program

c) Classes are held on Friday evenings and Weekends

d) Value-added Course Pack (25 courses)

e) Capstone Project

f) IIM Visakhapatnam Alumni Status

The first batch inaugurated on October 19, 2019. 24 students were admitted in PGPEx 2019-21 batch.

2.2.1 Academics

The curriculum at IIMV is benchmarked against the best in the world to ensure that best-in--class business education is imparted based on dynamic pedagogic practices while focusing on the Indian context. Due importance is attached to improving the course curriculum constantly, that helps nurture and transform an exceptional pool of students into dynamic business leaders under the guidance of distinguished faculty.

Courses are delivered and evaluated through a combination of lectures, classroom discussions, case- studies, individual and group projects, term papers, role plays, business (simulation) games, etc. Guest lectures by various academicians, industrialists, and eminent personalities also enrich the student experience.

2.3 Post Graduate Program in Digital Governance and Management (PGP-DGM)

Post Graduate Program in Digital Governance and Management (PGP-DGM), leading to the award of Master of Business Administration (MBA) degree was launched by in 2019, under the aegis of the National e-Governance Division (NeGD), Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), Govt. of India (GOI).

This customized Program is designed with a view to enhancing the digital-management capacities in participants. It is envisaged that the graduating candidates would catalyse the footprint and impact of Digital India growing more pervasive and profound, thereby contributing to quantitative and qualitative transformation in the delivery of services to end-users. Classes for the first batch of PGP-DGM started in Jan. 2020.

2.3.1 Academics

The Program is spread over 4 semesters over two years. It is a blended-learning model with a judicious combination of traditional and virtual class-room modes. This is in tune with the importance and rising trend of such (on-line) programs being offered by educational institutions nationally and internationally. Blended-mode of course-delivery addresses the constraints of working professionals in having to be away from work for extended durations of time, typically necessitated by fully on-campus, residential programs.

The Program is designed for an immersive and active learning experience for participants. The selected candidates will be required to complete the 'Domestic component' as well as the 'International component' of about 2 weeks at an international institution/university.

In addition, participants would be required to carry out a Capstone Project of practical importance, with potential for implementation in the Digital Governance & Management space.

A total of 26 students were admitted into the PGP-DGM Program in the batch of 2019-21.

2.4 Post Graduate Program in Management (PGP)

The flagship two-year full-time residential Post Graduate Program, leading to a Master of Business Administration (MBA) degree, is designed to equip students to take up leadership roles in an increasingly complex and dynamic global scenario. Spread over three terms in a year with a summer internship between the two years, the Program lays the foundation for conceptual and analytical reasoning and gives students an insight into the dynamics of the business environment.

2.4.1 Academics

The curriculum of MBA is benchmarked against the best in the world to ensure that best-in-class business education is imparted based on dynamic pedagogic practices, while focusing on the Indian context. Due emphasis is laid on formulating a course curriculum that helps nurture and transform an exceptional pool of students into dynamic business leaders under the guidance of faculty with impressive academic and research credentials. Guest lectures by various renowned academicians, industrialists, and eminent personalities also enrich the student-experience.

Courses are delivered and evaluated through a combination of lectures, classroom discussions, case studies, individual and group projects, term papers, role plays, business (simulation) games etc.

A total of 125 students were admitted to the PGP batch of 2019-21. A snapshot of the class profile indicates that there were 13 SC students, 45 women students, 64 students with work experience, and 71 students with an engineering background.

During 2019-20, 44 elective courses were offered. The list of courses is appended as **Statement 2.**

2.4.2 International Immersion Program

The International Immersion Program is designed to provide students with insights into the economic, social and cultural spheres of emerging/advanced economies. As a part of the elective course 'Business Planning for International Markets' in the second year of the Program, students attend lectures with specific focus on business and industry. In addition, during their study visit to Singapore, Sri Lanka and Dubai they familiarized themselves with local challenges and opportunities. The visit was organized during the term break for seven days in October 2019 (PGP – Singapore and Sri Lanka) and November 2019 (PGCEP – Dubai). It is fully funded by the Institute. This visit also included interaction with academia and industry, visit to historical sites and other academics-related activities. On returning from the visit, each student submitted a report and made a presentation on key learnings.

2.4.3 Director's Merit List

The top 5% students in the batch, on the basis of academic performance (Cumulative Grade Point Average) at the end of the first year, are included in the Director's Merit List. Seven students of PGP 2019-21 were selected for the Director's Merit List. Each student is eligible for a book grant of INR 10,000 and a Certificate of Merit.

2.4.4 Merit Certificate

Students who are ranked first on the basis of academic performance (Term GPA) at the end of Terms 1, 2 and 3 are included in Merit Certificate List. Seven students of each term of PGP 2019-21 are selected for Merit Certificates. Each student is eligible a book grant of INR 6000/- and a Certificate of Merit.

2.4.5 Financial Aid

The Institute extends aid to students in need of financial assistance. The objective of the Financial Aid Policy is to ensure that no student is deprived of education at the Institute for financial reasons. All students whose annual household income is below INR 6,00,000/- are eligible to apply. Other students with financial difficulties are also considered.

The Financial Aid Committee undertakes a two-step process for deciding the number of awardees and quantum of aid. In the first stage, the applicants are rated on two criteria – income (family income + personal income before joining IIMV) and outstanding loans (provided they were not taken for conspicuous consumption). Based on this rating, they are called for a personal interaction with the faculty panel.

During these interactions, the faculty panel evaluates each applicant's liquidity, credit worthiness and financial situation to arrive at a rank order of applicants. Based on the weighted average scores of these parameters, applicants are provided financial aid as per the Committee's recommendations.

During the academic year 2019-20, an amount of INR 42.15 Lakh was made available to 7 students as financial aid in terms of waiver of program fees and living assistance.

The break-up of beneficiaries is appended below:

Financial Aid 2019-20			
Category	Applied	Sanctioned	Amount Sanctioned
EWS	4	2	INR 42,15,000/-
General	3	0	
NC-OBC	5	3	
SC	0	0	
ST	2	2	
DAP	0	0	
Total	14	7	

2.4.6 Award of Degrees

The 4th Annual Convocation was scheduled to be held on 28th March 2020. Due to rapid spread of COVID-19 pandemic and the resulting lockdown, the Institute deferred the Convocation. The Institute granted Provisional Certificates to the graduating students immediately; and decided to grant the Degrees/Certificates in the next Annual Convocation.

Grant of Degrees: PGP 2018-20:

101 students of PGP 2018-20 batch are eligible to receive their MBA Degrees.

Grant of Academic Distinctions: PGP 2018-20

a. Award of IIM Visakhapatnam Gold Medal for Securing FIRST RANK in the Post Graduate Program (MBA) of the 2018-20 Batch, to Ms. Mansi Gupta (Roll No.1810084);

b. Award of IIM Visakhapatnam Gold Medal for Securing SECOND RANK in the Post Graduate Program (MBA) of the 2018-20 Batch, to Ms. Rituparna Banerjee (Roll No. 1810039);

c. Award of Vani Row Memorial Gold Medal for Securing FIRST RANK among Girls in the Post Graduate Program (MBA) of the 2018-20 Batch, to Ms. Mansi Gupta (Roll No. 1810084):

d. Award of the Best All-Round Performance Gold Medal in the Post Graduate Program (MBA) of the 2018-20 Batch, to Ms. Rituparna Banerjee (Roll No: 1810039), based on a holistic assessment of all-round performance during the PGP Program in academic, co- and extra-curricular activities.

Grant of PG Certificates: PGCEP 2018-19

Thirty-two students of PGCEP 2018-19 batch are eligible to receive the Post Graduate Certificate in Business Management.

Academic Distinctions: PGCEP 2018-19

α) Award of IIM Visakhapatnam Gold Medal for Securing FIRST RANK in the Post Graduate Certificate Program in Business Management for Experienced Professionals of the PGCEP 2018 Batch, to Ms. Prerna Baid (Roll No. 1831021);

β) Award of IIM Visakhapatnam Gold Medal for Securing SECOND RANK in the Post Graduate Certificate Program in Business Management for Experienced Professionals of the PGCEP 2018 Batch, to Mr. Hari Annepu (Roll No. 1831011)

2.4.7 Placements

The Office of Career Development Services (CDS) in coordination with the Students' Placement Committee facilitated the Summer and Final placements during the year.

2.4.8 Summer Internship – PGP 2019-21

The Summer Placement Season for the fifth batch (PGP Class of 2019-21) successfully concluded with top companies offering summer internships to all the participating students. All the 121 students received the summer internship offers, the highest stipend clocking a whopping INR. 2.0 Lakh. The average stipend of the top 10% is INR. 1,25,500/- and top quartile is INR. 98,482/-, while the average of the entire batch stood at INR.51,726/-, breaking all previous records.

Sector-wise spread of the offers are as follows: BFSI (28%), IT/ITES (25%), Consulting (9%), E-Commerce (6%), Telecom (5%), FinTech (3%) among others.

Leading Consulting firm Deloitte recruited students for their Advisory role. The who's who of the BFSI Sector such as HDFC Bank, Yes Bank, ICICI Lombard, Aditya Birla Capital, Bajaj Capital, and AU Small Finance Bank and SIDBI offered roles across Finance, Investment Banking, Customer Relationship Management, Wholesale Marketing, under-writing and Business Development. Multinational conglomerate Bosch, L&T and Adani Group offered roles in General Management, Sales, Marketing, HR and Product Management. OPPO mobiles offered roles in the areas of payments and product development.

2.4.9 Final Placements – PGP 2018-20

The Institute lived up to its expectation of being a top-notch business school in the country and completed its final placements with a perfect century yet again, for the graduating batch of its flagship PGP (MBA) Program (2018-20 Batch). Beating the seasonal headwinds and building on the successful record of the past, the Institute's students not only bagged niche roles with industry leaders, but also went a step further to create a new record in the rich profile roles and packages won. The unmatched strengths of the Institute and its students were thus in full display yet again.

Key Highlights:

Highest Salary	: INR. 27.00 LPA (Lakhs per Annum)
Salary of Top 25%	: INR. 18.67 LPA
Salary of Top 50%	: INR. 15.73 LPA
Average Salary	: INR. 13.08 LPA

Median Salary	: INR. 12.00 LPA
Total no. of Companies participated	: 75
New Recruiters	: 40
Students Placed	: 100%

The Institute always values the support and patronage of its recruiters and for opportunities they provide to the students. The Institute is proud of the relationships that it shares with its esteemed recruiters and works actively towards building on the goodwill, year on year. This year has been no different. Not only did the Institute manage to bring in more recruiters than last year, but also expanded its portfolio in terms of the roles being offered to the students. Held on a rolling basis, the placement season witnessed more than 75 companies participating in the process and making multiple offers. Amazon, Anand Rathi, Browser Stock, Crompton, Delhivery, Franklin Templeton, GMR Group, HDFC Bank, ICICI Lombard, KPMG, Mphasis, MuSigma, Raam Group, The Quarry, TVS Motors, UltraTech, Wipro counted among the who's who of the corporate world, were the prime recruiters. Firms like Infosys, FIITJEE and Amara Raja also participated in the process.

The majority of the roles which were offered to the students were from the IT/ITES sector which comprised 39% of the total pie of roles, followed by BFSI (16%). Roles from other sectors included Manufacturing (6%), EdTech (6%), Infrastructure (6%), Logistics (5%), Automobile (4%) among others. Looking at the function-wise breakup, the field that dominated was Sales & Marketing, accounting for 40% of the total roles, followed by Operations (17%), Strategy (9%), Finance (9%), Consulting (8%) and Analytics (7%).

2.4.10 Student Achievements

1. Vemuri KC, Ganadeep Appari and Sravan Kumar emerged National Finalists in Consilium – IIM Kashipur.
2. Baibhav Kumar and Anubhav Chaturvedi emerged Winners in WallStreet Challenge – BITS Pilani.
3. Mohit G, Rahul Prasad and Bharti Goyal emerged Runners-Up in EntrØe-Preneurship -IIM Nagpur.
4. Joydeep Dutta and Abhishek Kumar emerged National Winners in Parivaishak-2019 by IIM Raipur.
5. Sayali Batle, Baibhav Kumar and Anubhav Chaturvedi emerged National Finalists in KJ Somaiya and Vipanan – IFMR.
6. Joydeep Dutta and Abhishek Kumar emerged National Winners in Blackcoffer Insights 8.0, ThinkTank Special Edition.
7. Sree Sai Ganesh, Lakshmi Priya SJ and Suthesh K emerged National Finalists in Consulting Czars – IIM Trichy.
8. Joydeep Dutta claimed Bronze level in World Quant Challenge LLC.

9. Joydeep Dutta advanced to the 'Investment Pitch' round of Credit Suisse HOLT valuation Challenge 2019.

10. Mahima Chauhan emerged Winner of Kathan, The HR Article Writing Competition - IIM Udaipur.

11. Tanvir Singh emerged Best Intern of the year - BookingJini.

12. Tanvir Singh emerged Winner in Article Writing Competition - Samvad by Welingkar Institute of Management.

13. Satya Sravya & Anubhav Chaturvedi were Winners in Debate Competition organized by Income Tax Department, Visakhapatnam.

14. Rahul Prasad, Adish Bhandari, Debdeep Nanda, and Rohit Rastogi cleared CFA level - 1.

15. Joydeep Datta and Anwer Adnan have emerged as the national finalist for Dattansh 2019 (Data Analytics Competition) organised by MANAGE, Hyderabad.

16. Arijit Ghosh, Baibhav Kumar Singh and Sayali Batle got selected for the IMLEAP'19 Workshop and emerged as national finalists for SIEMENS IMLEAP competition.

17. Joydeep Datta was felicitated with a silver certificate in the renowned World Quant Challenge 2019 organised by Virtual Research Center LLC.

18. 6 Student Teams of PGP [Yashwanthi P, Swetha S, Chaitanya B], [Rohan Pansare, Namita Singh, Sooraj James], [Arijit Ghosh, Joydeep Dutta, Answer Adnan], [Darshan Shukla, Harshit Agarwal, Rukhsar Choudhary], [BG Surya Sai, Harish Mohan, GovindJee Anandjee] and [Swetha Sabu, Shubham Gupta, Sarvesh Patidar] emerged National Finalist in V Guard Big Idea Contest.

19. Two PGP student Teams of Rama Naidu, Pratyusha and Shaivlini & Kishore S, Dainel Winston J and Hariharan S emerged National Finalist in UltraTech Next event.

20. Nishtha Kathuria, Vaishali Chandani, and Sumit Chaudhary emerged Winners in event Aagaz at IIM Ahmedabad.

21. Sanyukta Sahi and Vedant Bhalerao emerged Winners in the event HRmony at IIM Ahmedabad

22. Harish Mohan and Anoop G Nair got selected for Novartis Bio Camp.

23. Abhishek Kumar emerged Winner of the Virtusa Business Cipher.

24. Preksha Paliwal, Joydeep Dutta and Rituparna Banerjee emerged National Runner Ups in AGS Campus Connect.

25. Vidyasagar, B G Surya Sai and Arpit Purohit emerged as finalists in the L&T OutThink competition.

26. Abhijeet Singh, Divya Gupta and Shivika Sinha emerged National Finalists in TVS Credit E.P.I.C. Challenge.

27. Anwer Adnan and Arijit Ghosh emerged National Finalists in Berger InnoVision by Berger Paints Limited.

28. Adish Bhandari, Rohit Rastogi, G. Mohit, Divyanshu Sekhar and Karthik Subramaniam emerged Zonal Finalists in CFA Institute Competition.

29. Biplav, Divyanshu Sekhar & Karthik Subramaniam, emerged as Winner in Valuemeter event at IIM Indore Mumbai Campus.

30. Tarun Chintam emerged as Runner Up in 'Uno Y Cero' challenge by Indian School of Business.

31. Kanchan Krishan, Vani Khurana, and Rupal Bhatt emerged as Runner-Up in Consilium - Case Study Challenge by Indian School of Business

32. Somya Sneh and Debdeep Nanda emerged as the national winners in MCX IPF Comquest 2020.

33. Three students of PGP: Kanchan Krishan, Sagar Mukherjee and Vani Khurana emerged as the national finalist in KPMG Ideation Challenge 2020.

34. One of the IIM-V team (Team Matrix-Girija Sankar Dey, Aarshee Senapati, Hilal Mohammed, Dakshita Bhagat, Sachu S, Jaskirat Singh Bindra of PGP) emerged as national finalist of UBER-Transit 2020.

35. Two teams of IIM-V Team (Team-1: Rupal Bhatt, Neha Abraham, Arzoo Jaiswal, Somya Sneh, Ravi Anand of and K Bhargava) and (Team-2: Sagar Mukherjee, Girija Dey,

Himanshu yadav, Arpit Purohit, Viraj Trivedi and Lohit GS) secured first and second place in UBER Live Project.

36. Team Viking - Deepika Dutta, Anubhav Chaturvedi and Baibhav Kumar Singh of PGP, emerged as runner up of Clepsydra, conducted by IIM Rohtak.

37. Rukhsar Choudhary, Darshan Shukla and Ashutosh Kumar Singh secured second position in Marketing Ace organized by IIM Rohtak.

38. Harshit Agarwal emerged as winner in Sierra Space Quiz organized by IIM Sirmaur.

39. Itisha Tyagi, Kanav Mehra and Anoop Nair of PGP won the zonal level of Numero Yono Quiz organized by SBI Bank and has been selected for the national finals.

40. Sagar Mukherjee, Akshay Valate and Namit Chhatbar of PGP secured third place in Numero Yono Quiz organized by SBI Bank.

41. Girija Sankar Dey and Rukhsar Choudhary of PGP won first place in Leaders Challenge (Purvodya) organised by IIT Kharagpur.

42. Darshan Shukla and Rukhsar Choudhary emerged as second runner up in Prabhav Case Study Competition conducted by IIM Nagpur.

43. Rubhavan Moida, Anuj Suneja and Drashty Mehta of PGP emerged as second runner up in XLRI Triathlon.

44. Harshit Agarwal of PGP bagged first place in GoCrackit Challenge 6 and Challenge 7.

45. Rukhsar Choudhary of PGP Secured first place in Sphinx- Article Writing competition 2020 and Tales & Musings: Poetry/Sonnet Writing organised by IIM Lucknow.

46. Aryan Agarwal, Shubham Gupta and Ankur of PGP emerged as winners of Ranniti-Confluencia conducted by IIT Roorkee.

47. Team RJ - Jaskrit Singh Bindra and Ruchit Soni of PGP bagged first place in Get Set Analyze 2020 organised by Goa Institute of Management.

2.4.11 Activities organised by various Student Clubs

HRIDAYA

The HR flagship event of the Institute is HRidaya 4.0. The event started with an inaugural speech by Professor Deepika Gupta, Admin Coordinator of the Institute, followed by candle-lighting ceremony by the speakers. The theme of the conclave was 'Strategic HRM: Align it Right'. The keynote speaker Mr. Pradeep Chavda, Director HR India, Sodexo, introduced the topic "Gearing up for Gig Mavericks" and provided his insights on the topic followed by a panel discussion on the same.

The panellists in Panel 1 included:

- Mr. Rajesh Lele, General Manager e-HR Projects, Tata Motors
- Mr. Collin Mendes, General Manager & Head, HR & Administration, Voltas Beko
- Mr. Kshitij Bhusari, Deputy General Manager, Schindler University, Schindler India
- Mr. Anil Kumar Misra, CHRO Magicbricks.
- The panel which was moderated by Prof. Bisakha Majumdar of IIM Visakhapatnam, touched upon the genesis of gig economy and reasons behind its transpiring presence and growth.

Keynote address on "Social Media - a Frenemy of HR" was delivered by Mr. Rajesh Lele, General Manager e-HR Projects, Tata Motors. He delineated how social media has amplified the information acquisition, learning, development and employee engagement process and spelled out the boons and banes that social media poses for both the recruiters and recruits.

The second panel discussion was on "Social Media: A Frenemy of HR". The panellists included:

- Mr. Sridhar Sarathy, Senior VP- HR, Tata Capital
- Ms Shruti Jaiswal, Head: Talent & Development, Refinitiv
- Mr. Yogesh Kumar Sharma, Director, ScaleOn Technologies Inc
- Mr. Ankush Arora, Senior Vice President & Head, Grofers.

- The panel was moderated by Rashmi Mansharamani, CHRO, The Wave Group.

VRIDDHI

The first annual business conclave of the Institute, VRIDDHI, was hosted with a complement of 18 esteemed business leaders from across the industries to enlighten the students and help them become ready for their future in corporate life.

Markadz - Marketing Club of the Institute organized a conclave with the sub-theme 'Customer Delight is the ultimatum for Retention and Customer Lifetime value'.

- Mr Gaurav Shitak, VP Head - Digital Marketing, Sharekhan spoke about changing marketing dynamics in the VUCA (Volaitility, Uncertainty, Complexity and Ambiguity) world. He also explained the reasons why business, brand and behaviour need to be aligned.

- Dr Anvitha Prabhakara, Ex VP - Marketing, Aditya Birla Group delivered her address on Mechanics of Marketing with customer, content and strategy as 3 key things. Referring to content as the new buzz word she explained how marketing differs with industries. She emphasized the importance of influencers as the key people in Business and Brand Value Chain. She also spoke about the mechanics of the Corporate world and introduced students some key tactics to excel in their career.

Prakriya - Operations Club of the Institute organized VRIDDHI 1.0 with the sub-theme 'Supply Chain Redefining'.

- Capt. Aditya Singh, VP - Supply Chain Operations, Delhivery talked about problems of Optimization and inventory maintenance and ways of optimizing inventory. He explained the 3 things an obsolescence inventory can face, namely, Technology, Quality and Velocity.

The Consulting Club of the Institute organized its flagship event Conflux at VRIDDHI 1.0 with the sub-theme 'Strategy & Channelling Growth in the Volatile Global Ec

- Mr Rahul Mukherji, Vice President – Accenture Interactive Operations, talked about different types of Innovations in modern era & their implications. He also addressed the areas of intervention of various companies in terms of disruption by employing the business model canvass and explained how success comes from transforming the existing business while innovating and scaling the new.

- Mr Ashish Goel, CFO - Intellero, explained about how Globalization, Outsourcing and Digitalization are making our lives easier day-by-day. He explained how disruptive businesses like Airbnb, Tesla, Uber and WeWork are changing the market and the skills required for competitive businesses and how fortune 500 companies leverage disruption in their path to growth.

- Mr Ankur Seth, Director – PWC India, talked about volatility in India and how to channel the growth in a volatile global economy. He motivated students and advised them to look at any recession as an opportunity for new businesses and to help shape up the new world. He emphasized the importance of AI and Machine Learning in the future by predicting Global GDP in 2030 will be equivalent to $15.7 trillion making it the biggest commercial opportunity.

- Mr Mantosh Roy, VP & Head – Retail Operations, Nykaa.com talked about Phygital or Omnichannel approach and how bots will be facilitating the customer in choosing the items by maintaining & updating cohorts of customers. Tracking the customer and its activities is of the utmost importance in the current scenario. He talked about MVP (Minimal Viable Product) and how to adapt by listening to the needs of the customers.

- As a part of the Thought Leadership series, Ms Vidisha Baliyan, Miss Deaf World 2019 addressed the gathering and shared her life journey. She advised students to be bold and encouraged them to discover their abilities.

EPIC (Entrepreneurial Passion and Innovation Club) of the Institute organized its flagship summit Exordia at VRIDDHI 1.0 with the sub-theme 'Entrepreneurship vs Intrapreneurship in the event of Global Slowdown'. The keynote speech was delivered by:

- Mr Varun Sridhar, CEO, Oppo India Financial Services.

Later a panel discussion on the given sub-theme was conducted with the panellists being:

- Sanketh Sheth, Founder & MD, Elixia Tech
- Ankit Aggarwal, Founder & CEO, Dare2Compete
- Pawanjit Singh, Strategy Consultant, Ex - McDonald's
- Suhas Dutta, Founder, 3nayan.

The Finance and Economics Club of the Institute organized a panel discussion on 'Banking and Regulatory Reforms: Need for Economic Growth and Revival' with:

- Mr Nimesh Kampani, Senior Vice President, Kotak Mahindra Bank
- Mr Naveen Rajdev
- Mr Sarang Bhutada Director, CRISIL as the panellists.

In this stirring panel discussion, major banking reforms, the problem of escalating NPAs and the ripple effect of the US-China Trade war were discussed. The key highlights were MSME liquidity crunch and the effects of corporate tax cuts. The panel also touched upon the positive impact of PSU Mergers.

The Leadership Series

The Institute hosted its first edition of Leadership Series on 7th March 2020, where esteemed business leaders enlightened the students on leadership issues. The event started with a Panel discussion on the theme "Disruption in Retail Sector" - how the changing landscape of retail impacts Consumer Behaviour and Market Dynamics. The Panellists discussed the changing expectations of consumers, how retail marketing is driven towards enhancing customer experience, digital technologies that are impacting the retail space, and predictions for the evolution of retail over the next five years. The panel also touched upon how brands are engaging with the customers at different levels and influencing the latter's purchase behaviour, and how to factor sustainability in the supply chain while ensuring efficiency.

Among the panellists were:

- Shri. Ravi Khushwani, Founder, Green Soul Ergonomics, spoke about the challenges in the retail sector and how important creating creative listing of products for easier customer acquisition.
- Shri. Subhajit Mazumder, Director, KPMG, addressed on how online retail is successful in India despite the infrastructure challenges. He also emphasized the importance of supply chain risk assessment in running a retail business.
- Shri. Himanshu Sirohi, Lead, Digital Marketing, JLL India, talked about how e-Commerce giants use data in engaging the customers and invest a large sum of money in research and development to come up with different products to satisfy the dynamic needs of the consumer. He also provided insights on how to distribute value in the supply chain.

The discussion ended with the panellists making their concluding remarks. The guests were then felicitated by Prof. M Chandrasekhar, Director of the Institute. The event concluded with an inspiring speech from him, motivating the students to gain knowledge and experience to accelerate their careers.

3. Executive Education

The Institute has ambitious plans of offering a variety of custom- and open- executive education programs. As enshrined in the IIM Act 2017, the objectives of the Institute, *inter alia*, are to educate and support leaders who can contribute as professional managers, entrepreneurs, and stewards of existing and emerging enterprises in the private, public, and social sectors; to provide management education of high quality and to promote allied areas of knowledge as well as interdisciplinary studies; to support and develop programs promoting social and gender equity; to develop educational programs and faculties that advance the cause of education, teaching and learning, across disciplines. Following are some the programs conducted during this period:

S. No.	Name of the Program	Dates	No. of Participants
1	PDTs under TEQIP-III for NPIU	Jul 15-19, 2019	37
2	PDTs under TEQIP-III for NPIU	Aug 26-30, 2019	33
3	PDTs under TEQIP-III for NPIU	Dec 09-13, 2019	32
4	Transforming Teaching Processes: Effective Coaching for Teaching and Learning for the Senior Faculty & Directors of the National Institute of Business Management, Sri Lanka	Jan 3-4, 2020	75
5	Leadership Lab for School Principals for CBSE	Jan 27-31, 2020	26
6	Leadership Program for Indian Oil Corporation Limited	Feb 5-7, 2020	29
7	PDTs under TEQIP-III for NPIU	Mar 02-06, 2020	25
8	MDP for Hindustan Shipyard Pvt. Ltd.	Mar 09-13, 2020	25

PDT=Professional Development Training; TEQIP=Technical Education Quality Improvement Program;

NPIU=National Project Implementation Unit, Ministry of Education, Govt. of India.

4. Faculty

The Institute stood tall in its recruitment activities by actively making offers to faculty members with high standing and impressive teaching and research credentials. With the support, guidance and hand-holding of IIM Bangalore, the Institute completed the 3rd and 4th rounds of faculty recruitment. A total of eight new faculty joined the Institute in the year FY 2019-20, while one faculty member left the Institute on personal grounds. With this, the Institute has a cumulative faculty strength of 20 members as at the end of the FY 2019-20. The Institute has ambitious plans to hire and retain competent faculty on an ongoing basis.

4.1 Appointments

- Dr. Sadaat Ali Yawar was appointed as Assistant Professor on August 20, 2019, in the Production and Operations Management area.
- Dr. Vivekananda Madupu was appointed as Associate Professor on August 23, 2019, in the Marketing area.
- Dr. Neena Pandey was appointed as Assistant Professor on October 07, 2019, in the Information Systems area.
- Dr. Amit Shankar was appointed as Assistant Professor on October 14, 2019, in the Marketing area.
- Dr. Prince Doliya was appointed as Assistant Professor on November 01, 2019, in the Finance & Accounting area.
- Dr. Shivshanker Singh Patel was appointed as Assistant Professor on November 07, 2019, in the Decision Sciences area.
- Dr. M V Anuradha was appointed as Associate Professor on November 18, 2019, in the Organizational Behavior & Human Resources Management area.
- Dr. Chandreie Mukherjee was appointed as Associate Professor on November 18, 2019, in the Management Communication area.

4.2 Resignations

Dr. Sadaat Ali Yawar, Assistant Professor, Production & Operations Management Area was relieved from the services of the Institute with effect from 09-01-2020 AN.

Apart from the above, a number of visiting faculty of IIM Bangalore and other reputed business schools taught courses. A list of faculty members is appended as **Statement 3.**

4.3 Guest Lectures

The Institute takes pride in its high-quality guest lectures delivered by eminent personalities drawn from the industry, academia and the government. Guest lectures complement the learning process of the students in understanding the dynamics of the corporate world.

The list of Guest lectures conducted during the year is appended as **Statement 4.**

4.4 International Conference on Operations and Research and Decision Sciences (ICORDS) -2019

The Institute hosted a three-day International Conference on Operations and Research and Decision Sciences (ICORDS-2019), which began on 28 December 2019. Former Director of IIT Hyderabad and Distinguished Alumnus of IIT Kanpur, Prof. U. B. Desai, inaugurated the event. In his address, Prof. Desai highlighted the pervasive and profound impact that emerging technologies like Artificial Intelligence, Machine Learning, Natural Language Processing, Robotic Process Automation, Internet of Things are having on the way we live and work; and the manner in which the wide canvas of Inter-disciplinary Cyber Physical Systems is transforming the way decisions are taken and resources are managed more optimally. The opportunities for research in Operations and Data Sciences are therefore immense, Professor Desai observed.

The Conference witnessed over 100 presentations and was attended by over 150 delegates from all over India and outside the country as well. Presentations were made in 4 parallel sessions and there were 5 keynote speeches.

5. Research and Publications

Faculty at the Institute always excelled in their research pursuits. With its expanding scale and scope, the Institute gained traction in its research pursuits also. The Institute's faculty have added to the expanding body of scholarly publications through their outstanding research from time to time. Apart from this, they bagged consulting opportunities. Their research output is as follows:

Publications - Research Papers

1. Jebarajakirthy, C., Yadav, R., & **Shankar, A.** (2020). Insights for luxury retailers to reach customers globally. *Marketing Intelligence & Planning.*
2. Dhochak, M., & **Doliya, P.** (2020). Valuation of a start-up: Moving towards strategic approaches. *Journal of Multi-Criteria Decision Analysis,* 27(1-2), 39-49.
3. Lahkar, R., & **Ramani, V.** (2020). Can incomplete information lead to better social outcomes? *Managerial and Decision Economics,* 41(5), 771-783.
4. **Ramani, V.**, Swami, S., & Ghosh, D. (2019). Price premium effect, supply contracts and strategic decision making under environmental considerations. *Benchmarking: An International Journal.*
5. **Shankar, A.**, & Kumari, P. (2019). A Study of Factors Affecting Mobile Governance (mGov) Adoption Intention in India using an Extension of the Technology Acceptance Model (TAM). *South Asian Journal of Management,* 26(4), 71-94.
6. **Shankar, A.**, & Datta, B. (2020). Measuring e-service quality: a review of literature. *International Journal of Services Technology and Management,* 26(1), 77-100.
7. **Patel, S. S.** (2020). Forecasting health of complex IT systems using system log data. *Journal of Banking and Financial Technology,* 1-9. DOI:10.1007/s42786-019-00011-z
8. Basu, P., Ghosh, S., & **Kumar, M.** (2019). Supplier ratings and dynamic sourcing strategies to mitigate supply disruption risks. *Decision,* 46(1), 41-57

Book

1. Deb, S., Sunny, A.M., & **Majumdar, B.** (2020). *Disadvantaged Children in India: Empirical Evidence, Policies, and Actions.* Springer: Singapore.

Case Studies

1. Dutta, D. & **Majumdar, B.** (2019). *iimjobs.com-Integrated Analytics for Talent Management?* Ivey Publishing.

2. Das, J., Jain, S., Basu, S., & **Majumdar, B.** (2019). *Organic Wellness – Influencing People's Choice via Cause Marketing.* Ivey Publishing.

6. Entrepreneurship

The Institute is committed towards supporting budding entrepreneurs and encouraging the spirit of entrepreneurship, particularly, in the regions of Andhra Pradesh and Telangana. One of the major focus areas of the incubation centre is to promote women-led start-ups.

With this in view, the Institute partnered with the N S Raghavan Centre for Entrepreneurial Learning (NSRCEL) at IIM Bangalore, to conduct the Women Start-up Program (WSP). This Program is funded by IIMB, which in turn is being supported by Goldman Sachs, a global investment bank and active investor in India, and the Department of Science & Technology (DST), Government of India.

The Institute is providing incubation facility to the women entrepreneurs. During the incubation phase, the participants report their progress once in a fortnight. These meetings happen both in-person and through Video Conferencing.

Key resources provided during the incubation included:

1. Structured and regular Mentorship Support by the Institute faculty, alumni and distinguished industry professionals.

2. Regular interaction with many start-up mentors (NSRCEL), industry delegates, entrepreneurs & CXOs, visiting Professors and distinguished alumni of IIMs.

3. INR 30,000/- per month for a period of one year of incubation at IIMV.

4. A one-time competitive Prototype Development Grant.

5. Office Space with access to all the modern infrastructure both at Visakhapatnam and Hyderabad.

6. Access to comprehensive library resources at the Institute (physical library catalogue, e-books, journals and databases).

7. Meeting room with state-of-the-art video conferencing facilities.

8. Structured Mentorship & Intellectual Support during the incubation phase.

9. Media Coverage & Exhibits.

The incubation period for the cohort, that commenced in 2018, ended in the month of June 2019. The valedictory session was held on 2nd July 2019. Twenty-Five women entrepreneurs successfully graduated from the Program. The function was graced by Ms. Ameeta Chatterjee, Member (BoG), IIMV.

Prof. M Chandrasekhar, Director and Prof. Mohammad Shameem Jawed, Chair (Entrepreneurship Development) were present.

Some select success stories of women entrepreneurs

K. Srinija Aparna, ENVIRO KAMKAR (Visakhapatnam)

K. Srinija Aparna, the founder of ENVIRO KAMKAR has a bachelor's and master's degree in Environmental Science and Management.

ENVIRO KAMKAR, is an innovative venture, and first of its kind with twin objectives of 1) providing Environmental Compliance services to the industries and companies in the small-scale sector which cannot afford professional environmental managers on their pay roll, and 2) providing employment support to the trained environmental scientists and managers in different districts of Andhra Pradesh, who are availing a career break. The services being provided by the start-up include: (a) Environmental Audit; (b) Environmental Monitoring; (c) Safety and Health Programs; (d) Environmental Training; (e) Designing Corporate Environmental Responsibility Programs.

The venture was officially registered in the year 2018 and generated Rs.20 lakh revenue so far.

They are a team of seven having thirteen clients, who handle over three hundred small-mining projects for compliance in Andhra Pradesh. Compliance audit of a fishing harbour; and Green and Energy audit for various colleges were part of their work. The venture is also working on a state government project called APEAP-Andhra Pradesh Environmental Action Plan, in association with Central University, Orissa.

Lakshmi Teja, Sattva Naturals (Visakhapatnam)

An incubatee of the Women Startup Program, Lakshmi Teja did not take long after B.Tech to actualize her dream of helping farmers through a business model. Aided by initial support, she hit the road at a young age of 23 and travelled to different states trying to comprehend the art of cultivation and the science of producing chemical-free food products. Interactions with several industry experts as well as potential end-customers soon laid the basis and Sattva Naturals was officially launched in October 2018. Lakshmi did not have a concrete business model in hand to begin with. It was her mentors at IIM Bangalore and IIM Visakhapatnam who bolstered her confidence and provided support along her journey ahead. Her venture (store) now handles a range of organic products procured directly from the cultivators. She has been successful in striking a chord with the consumers. Not only did Sattva register to be the largest retailer of millets in the city of Visakhapatnam, but also emerged as the largest repository of organic and natural foods in the city. Lakshmi is currently working towards making Sattva a one-stop destination for natural and organic products. Her plans also include contracting farms while having a few acres of cultivated land.

Dr. Disha Ahuja, Prakriti Biosystems Engineering (Hyderabad)

A Ph.D. in Chemical and Biological Engineering, Dr. Disha Ahuja founded the Prakriti Biosystems Engineering in Hyderabad. Her aim is to use her engineering training and expertise to solve problems in waste management and contribute towards development of technologies for clean energy. Her idea was selected by an Accelerator, supported by the Shell Foundation, for a select recognition of nine 'women in energy entrepreneurship' awards powered by ZoneStartups with a seed fund of USD 10,000. She is one among 15 ventures selected for the IOCL start-up fund for seed-funding consideration (prototyping fund) of INR 1.80 Cr., spread over three years. Prakriti is one of the top 10 start-ups selected for an Israel Immersion Program by the Innovation and Entrepreneurship Centre, IIM Bangalore.

Shanan Singh, Rashas's Originals (Hyderabad)

Shanan Singh is a Hyderabad based entrepreneur. Her Startup - Rashas's Originals - brings out a range of plant-based products which are free from chemicals, synthesis, artificial fragrance, colours and preservatives. During her incubation period at the Institute under the Women Startup Program, Shanan learnt the power of networking in building a sustainable brand. She also learnt to keep an open mind and take criticism and feedback positively. More importantly, she understood the importance of strengthening her ethical business model.

Shanan's products have already made their presence in various online stores. She received the 'Emerging Women Entrepreneur 2020 ' award from the India

SME Forum. She was recognised and appreciated for her mission.

Ella Krishnaveni, Recipe Kit (Visakhapatnam)

Ella Krishnaveni, founder of the startup – 'Recipe Kit' - offers diverse options for healthy eating at affordable prices. The Kit is a convenient, healthy alternative for time-poor professionals and working parents. Weighed portions allow wannabe chefs to rustle up ambitious meals as all the ingredients are chopped, marinated and hygienically packed.

Ella Krishnaveni hails from Visakhapatnam. She hails the Program for providing her with a 360-degree view of what it takes to build a sustainable venture. She acknowledges that it helped her build networks in the food industry, manage time efficiently and scale her business. 'Recipe Kit' built a client base of 250+ households within a span of six months of the launch.

Avantika Agarwal, Space Stories (Hyderabad)

Avantika is a Hyderabad -based entrepreneur and is the founder of 'Space Stories', that provides customised office and home space solutions. Its aim is to make spaces more productive to work in and comfortable to live in. Space Stories focuses on the functional and emotional requirements of the clients and involves the client in every step of designing process. Their idea is to provide the space as per client's dreams in a cost-effective manner.

In a span of three years, the venture bagged thirty-five projects which include fifteen residential projects, twelve commercial projects and a couple of few themed-spaces for kids.

Avantika feels that WSP gave her the platform to move her venture from the drawing board to the marketplace. During the Program, she learnt about choosing the right talent to build the right team, key for the health of a company.

M. G. Krishnaveni, FYSI World (Rajahmundry)

M. G. Krishnaveni from Rajahmundry is a home-maker and turned towards entrepreneurship. She is very passionate about developing eco-friendly products, especially from banana fibre.

FYSI World offers handmade natural apparel and eco-friendly products which are manufactured using waste from a banana tree. Banana-fibre products and apparels have rich medicinal values that help in leading a healthy life. Inspiration for her idea is her hometown, where there is a lot of banana waste available after the yield. Through this venture, she aims at exploring the integration of waste management and sustainable practices, resulting in improvements in overall environmental performance, local employment, farmers' income, weavers' income, women empowerment and quality of life.

After graduating from the Institute, FYSI is incubated at RKVY-RAFTAAR Project of NIAM (National Institute of Agriculture Marketing) AGRI BUSINESS INCUBATOR (NABI), as a part of Startup Agri-Business Incubation Program under Rashtriya Krishi Vikas Yojana- Remunerative Approaches for Agriculture and Allied sector Rejuvenation (RKVY-RAFTAAR).

The Institute has been at the forefront of promoting allied entrepreneurship development activities, which include:

BIGShift

BIGShift is a 6-city event initiated by Inc42 and Digital Ocean to enable, engage and empower India's tier 2 startups.

On 4th October 2019, this event was held at Visakhapatnam and the Institute was one of the ecosystem partners. The Program included keynotes, panel discussions and startup pitches. The event witnessed participation not only by the incubated ventures of the Institute, but also by all the key stakeholders from the local startup ecosystem including entrepreneurs, investors, and ecosystem enablers.

TIDE 2.0

Technology Incubation and Development of Entrepreneurship (TIDE 2.0) of the Ministry of Electronics & Information Technology (MeitY), Government of India, is a scheme to promote tech-entrepreneurship by providing financial support to promising ideas.

In the year 2019, the Institute was recognised as a Group 3 Centre (G3C) under the TIDE2.0 scheme. As a G3C, TIDE initiates and evangelizes innovation and entrepreneurship ecosystems in unexplored regions.

Applications are invited from the startups which are at ideation or prototype stage that preferably use Electronics & IT based technologies such as Internet of Things (IoT), Artificial Intelligence and Machine Learning, Blockchain, Robotics with focus in any of the following areas:

- Agriculture
- Clean Energy
- Education
- Environment and Clean Technology
- Financial Inclusion including digital payments.
- Healthcare
- Infrastructure and Transportation
- Other emerging areas#

Fintech, Electric Mobility, Skill Development, Women Safety, and Women & Children Nutrition

Applications were invited under the Grants and the Entrepreneur-in-Residence categories, respectively.

Selection Process:

The application process opened in the last week of February 2020 with a month-long application window. However, days before the original deadline, the country went into the nation-wide lockdown due to the COVID-19 pandemic. As a result, the deadline was extended further.

7. Infrastructure

7.1 Transit campus

The following infrastructure-related projects and facilities-upgrade were taken up and completed during the year:

- Creation of additional faculty cabins and workstations
- Construction of a rainwater harvesting structure.
- Conversion of one of the conference room into a Studio Room for conducting online classes.
- Procurement of porta-cabins for creating additional space.

7.2 Hostel

A hostel to house 30 students on twin-occupancy basis was hired and suitably furnished.

7.3 Permanent campus

- The Institute completed the selection and entered into agreements with Architects and Project Management Consultancy (PMC) firm.
- Approvals for Master Plan, individual Building Plans and Designs and the Area statement of permanent Campus were obtained.
- Information Technology and Audio-Visual requirements were crystallized.
- Landscaping and Horticulture plans were finalized.

7.4 Library

Library at the Institute is hybrid, comprising and catering to print and e-resources. It is equipped with state-of-the-art technology platforms (Learning Management Systems, Discovery, and Remote Access) to deliver services to its users. e-Library portal (https://elibrary.iimv.ac.in) offers seamless access to the subscribed e-resources on 24*7 basis. The Library is a hub to meet the varied information needs of the Institute community. It proactively and innovatively supports teaching, learning and

research activities and provides access to high quality information sources both in print and digital form.

Following services are offered:

- Circulation of library material
- Research assistance and reference service
- Information literacy
- Periodical training sessions on databases

7.4.1 Circulation Statistics

Books issued	1061
Books returned	1000
Books renewed	488
Amazon Kindle e-reader transactions	41
Remote Access log-in Sessions	3172

Library collection highlights are appended at **Statement 5.**

7.5 Computer Centre & IT Infrastructure

The highlights of the activities of the Computer Centre and details of IT infrastructure are:

- Establishment of a Studio Room facility to conduct online classes for the PGP-DGM Program.
- Training and implementing the LMS provided by the National e-Governance Division (NeGD), Ministry of Electronics & IT (MeitY), GOI
- Procurement of all tools, devices and gadgets (hardware and software) to help the Institute offer online classes, smoothly and seamlessly.
- Implementing a Lecture-Capture Solution
- Development of a Portal for automating the Program-Admissions processes
- Renewal of the Microsoft Campus Agreement
- Purchase of relevant software packages to facilitate research.
- Purchase of computing equipment and IT resources required for efficient operations.
- Upgrade of Wi-Fi, networking and Internet facilities for all student-hostels.
- Contracting a new service provider for a cost-effective underground cable solution with sufficient band-width to meet the increasing needs of students.
- Additional Internet connection at the Institute campus for high-availability of the Internet to conduct online classes by way of 100 Mbps wired and 50 Mbps Wireless (Radio-Frequency) based solutions.
- Implementing Internet Link-Load Balancer mechanism to maintain multiple Internet connections and achieve an auto failover facility.
- Renewal of IT-support services contracts like Lecture Capture Systems, Student Attendance Management System, Learning Management System, Anti-virus solution etc.
- Implementing the IT-based solutions and audio-visual aids for the Project Management Office at the permanent campus
- Finalizing the designs of IT and audio-visual aids for the permanent campus, in consultation with the PMC.

8. Alumni Activities

Academic institutions reach great heights on the active support of their alumni base. The Student-alumni Committee of the Institute, in coordination with alumni office, strives to foster a strong bond with the students, past and present. Numerous sessions involving alumni-student interaction such as mentorship programs, knowledge-sharing webinars, placement-related guidance, etc. are held on regular basis to actively engage with the alumni. Such interactive sessions strengthen the brand image and visibility of Institute in the government, industry and the society at large (where the alumni are based) and also promote networking of the alumni within the Institute family.

List of Major Activities:

1. "V-Unite" Hyderabad 2019: Alumni City-Chapter Meet, 25th May 2019.
2. "V-Unite Bangalore 2019: Alumni City-Chapter Meet, 25th May 2019.
3. On-Campus Alumni Student Interaction: As part of the PGP2019-21 Inauguration Program, 29th June 2019.
4. IIMV Alumni Portal Launch, 15th August 2019

9. Policy and Initiatives

9.1 Disability Services

The Institute continues to give priority to addressing the needs of specially-abled students. The goal of the Institute is to provide equal access for students with special-needs so that they get as good an educational experience as any other student. The Programs Office at the Institute, in consultation works with the faculty and students to ensure that the needs of the students like accessibility to classrooms, seating arrangements for students with special requirements etc. are duly met. The Institute welcomes students with special needs and is committed to the continuing development of an enabling environment and a non-discriminatory culture.

Every student with special needs is taken through an assessment to identify the specific needs required by him or her. This is done well in advance to ensure that the office can work with the student at each step, starting from accommodation to accessibility of campus and any other support required.

During the Orientation Week, a session is included to build awareness and sensitization towards students with disabilities. Campus and hostel premises are installed with lifts, ramps, railings and accessible washrooms have been added to make the existing infrastructure more accessible. Improvements are being made every year based on inputs received from students and domain experts.

Details of students with disability are appended as **Statement 6**.

9.2 Internal Complaints Committee

The Institute gives importance to the safety of its girl students and women staff. It is a secure campus where safety measures, such as CCTVs, round-the clock security, etc. are in place and monitored closely. The Institute has a prompt system of addressing any form of grievance raised by any member of its female community. The Institute follows all applicable legal and procedural guidelines in enforcing norms of good conduct. The Institute's zero-tolerance policy towards any kind of gender-discrimination or harassment is clearly stated on the website (www.iimv.ac.in). There is an Internal Complaints Committee (ICC), as required by the law, against sexual harassment. The Committee is headed by a senior woman faculty member.

The ICC is equipped to ensure prompt redressal of grievances with complete confidentiality. During the Orientation Week, a session is included to build awareness and sensitization on prevention of sexual harassment, wherein, a presentation is made covering policies, examples of sexual harassment, details of ICC members, responsibilities of the Institute-community, etc.

As per the Government of India guidelines, the Institute has been convening quarterly meetings of the ICC to take stock of things and review preparedness to fulfil all requirements of the relevant guidelines. The Institute also conducts sensitization programs for the benefit of the entire Institute Community.

No case of harassment of any kind was reported since the inception of the Institute, including in the year under consideration.

10. Personnel and Administration

As on 31 March 2020, there were 13 officers, 9 administrative staff, 2 Library Interns and 9 Academic Associates, all on contractual terms except for one Senior Administrative Officer on regular term and 2 persons (in consulting/advisory) on retainership basis at the Institute.

The detailed status is given in **Statement 7.**

The list of personnel is appended as **Statement 8.**

10.1 Official Language Implementation

The Institute makes sincere endeavours in the usage of official language in every way possible. The Institute has implemented use of Hindi language in sign boards etc. The Institute has also conducted activities like Hindi speeches, poems and slogan competitions during the 'Hindi Day' celebrations. The Institute continues its endeavours on an ongoing basis to build greater awareness of the language and encourages use of Hindi in all its day-to-day operations.

10.2 Digital Transactions and e-procurement

The Institute has always been at the forefront in embracing the digital technologies. Out of 6627 total transactions that took place in the Year 2019-20, 6462 (97.51%) were digital transactions, which surpassed the previous year record. The Institute has also embarked on purchase of goods through GeM (Government e-Market Place) portal and follows e-Procurement for sourcing of goods and supplies through Central Public Procurement Portal (CPPP) of the GOI.

11. Financial Position

The financial position of the Institute showing the income and expenditure for the year 2019-20, is given below:

Particulars		Rs. In Crores	
	RECURRING	**2019-20**	**2018-19**
1	**Income**		
	Govt, Grants	15.55	8.78
	Own Revenue	17.94	10.67
	Total	33.49	19.45
2	**Expenditure**	25.87	19.41
3	**Surplus / Deficit**	7.62	0.04
Less:	Transferred to/(from) Designated Fund	0.00	0.00
	Gross Surplus/Deficit	7.62	0.04
Add:	Fund (non-recurring) utilized to meet deficit	0.00	0.00
4	Net Savings transferred to Corpus/Capital Fund	7.62	0.04
	NON-RECURRING		
1	**Receipts**		
	Grants from MoE - Temporary Campus	1.65	2.42
	Grants from MoE - Permanent Campus	46.9	22.37
2	**Expenditure**		
	Fixed Assets procured- Temporary Campus	3.08	4.88
	Capital Expenditure - Permanent Campus	3.76	0.10
	Revenue expenses met from Funds Non-recurring (as stated above)	0.00	0.00
3	**Total Expenditure met from Funds (Non-recurring) granted**	6.84	4.98

Other finance related details are appended in Statement of Accounts 2019-20.

12. Statements

Statement 1

Board of Governors

No. of meetings held during 2019-20	4

Meeting Number	Date
13th Meeting (5th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	14 June 2019
14th Meeting (6th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	29 July 2019
15th Meeting (7th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	14 September 2019
16th Meeting (8th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	20 December 2019

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
Hari S Bhartia (Chairperson)	3 (13th, 14th and 16th)	Leave of absence for 15th
Sanjay Kumar Sinha	2 (13th and 14th)	Leave of absence for 15th, representative attended for 16th
Rakesh Bhutani	1 (16th)	Representative of JS (Management) MHRD, Govt. of India
J S Venkateswara Prasad, IAS	1 (15th)	Not a Member for 16th and Leave of absence for 13th and 14th
Satish Chandra, IAS	-	Not a Member for 13th, 14th and 15th and Leave of absence for 16th
Uma Sudhindra	4	
Prasad Dahapute	4	
Satish Reddy	1 (15th)	Chaired the Meeting for 15th and Leave of absence for 13th, 14th and 16th
Naushad Forbes	1 (13th)	Leave of absence for 14th, 15th and 16th
G Raghuram	2 (13th and 15th)	Leave of absence for 14th and 16th
Rajeev Kapoor, IAS (Retd.)	3 (13th,14th and 16th)	Leave of absence for 15th
Malavika Harita	3 (13th,15th and 16th)	Leave of absence for 14th
Ameeta Chatterjee	3 (13th, 14th and 15th)	Leave of absence for 16th
M Chandrasekhar, Director	4	
Invitees		
V Bhaskar, IAS (Retd.)	1 (13th)	
Rajiv Mishra	1 (14th)	

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
Sushant Baliga	1 (14th)	
In attendance		
B Srirangacharyulu	4	
Deepika Gupta	3 (13th, 15th and 16th)	
Kaleem V Khan	4	
Amit B Chakrabarti	1 (14th)	
R Sayikrishna Raju	1 (14th)	
Rajender Mohan, NBCC	1 (14th)	
Adnan Gilani, NBCC	1 (14th)	
Debasish Guha and Team, Arcop Associates (Architects)	1 (14th)	

Building & Works Committee

No. of meetings held during 2019-20	3

Meeting Number	Date
5th Meeting	29 May 2019
6th Meeting	04 July 2019
7th Meeting	25-26 Aug 2019

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
Satish Reddy (Chairman)	3	
Ligy Philip	1 (6th)	Leave of absence for 5th and 7th
P Soundararaj	1 (5th)	Representing Prof. Ligy Philip
Rajiv Mishra	3	
V Nagadevara	3	
P Basanth Kumar, IAS	1 (5th)	Leave of absence for 6th and 7th
Amit Baran Chakrabarti	3	
M Chandrasekhar, Director	3	
R Sayikrishna Raju	3	
Invitees		
Sushant Baliga	2 (5th and 6th)	Advisor (Building & Works), IIM Visakhapatnam

Padmavathi Pervar	2 (5th and 6th)	Former Vice Chancellor, JN Architecture & Fine Arts University
B Srirangacharyulu	2 (5th and 6th)	Dean (Academics & Research), IIMV
Adnan Gilani	2 (5th and 6th)	Addl. General Manager (Engg.), NBCC (India) Limited
Smit Malhi	3	Arcop Associates Ltd.
Vaibhav Bobra	2 (5th and 6th)	Arcop Associates Ltd.
Debashish Guha	2 (6th and 7th)	Arcop Associates Ltd.
Sreenivasa Chary	1 (7th)	Arcop Associates Ltd.

Finance, Investment & Audit Committee

No. of meetings held during 2019-20	4

Meeting Number	Date
8th Meeting	25 May 2019
9th Meeting	14 September 2019
10th Meeting	16 December 2019
11th Meeting	12 March 2020

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
V Bhaskart, IAS (Retd.)	1 (8th)	
Ameeta Chatterjee	3 (9th, 10th and 11th)	
JS&FA, MoE, GOI	Nil	Leave of Absence for 8th, 9th, 10th and 11th
Padmini Srinivasan	4	
A Radha Krishna	4	
A Srinivas Kumar	1 (9th)	Leave of Absence for 10th and 11th
M Chandrasekhar	4	
C P Vittal	4	
In Attendance		
Deepika Gupta	4	
G Nandita	2 (8th and 9th)	

Statement 2

List of electives offered in the year 2019-20

S. No	Course Title	Credits	Faculty
1	Advanced Analytics	3.0	V Nagadevara
2	Advertising Management	3.0	Vivekananda Madupu
3	Applications of Artificial Intelligence in Business and Society	3.0	Sujoy Roychowdhury
4	B2B Management	3.0	Rajesh Pandit & Suri Valluri
5	Business Planning for International Markets (BPIM) – Singapore	3.0	Anirban Ghatak & Bhargab Chattopadhyay
6	Business Planning for International Markets (BPIM) – Sri Lanka	3.0	M S Jawed & Bishakha Majumdar
7	Brand Management	3.0	Jayashankar Ramanathan
8	Business Data Mining & Decision Models	3.0	V Nagadevara
9	Consumer Behaviour	3.0	Vivekananda Madupu
10	Corporate Governance	3.0	Deepika Gupta
11	Corporate Valuation	3.0	Anil Sood
12	Data Science for Business Decisions	3.0	Shivshanker Singh Patel
13	Digital Marketing	1.5	Malavika R Harita
14	E-Commerce	1.5	Sunil Chandran
15	Economics of the Government Regulation of Business	3.0	B Sundar
16	Entrepreneurship & New Ventures	1.5	Rakesh Kumar Pati
17	Financial Analytics using R	3.0	M S Jawed & K Kiran Kumar
18	Financial Derivatives	3.0	Kaveri Krishnan & Sankarshan Basu
19	Game Theory	3.0	Vinay Ramani
20	General Commercial Knowledge	3.0	S Shanker
21	German Language	3.0	Uday Kumar
22	Industrial Organization & Firm Performance	3.0	Vinay Ramani
23	Industry & Competitor Analysis	3.0	Amit Baran Chakrabarti
24	Innovation, Technology and New Product Development	3.0	Deepika Gupta
25	Investment Banking	3.0	Pratap Giri
26	Investments	3.0	Kaveri Krishnan
27	Leading Digital Transformations	3.0	Neena Pandey

S. No	Course Title	Credits	Faculty
28	Mergers, Acquisition & Corporate Restructuring	3.0	Utkarsh Majmudar
29	Monetary Policy in Advanced and Emerging Countries	3.0	Charan Singh
30	Predictive Analytics	3.0	Bhargab Chattopadhyay
31	Pricing Strategy	3.0	Vinay Ramani
32	Project Appraisal and Financing	3.0	Pratap Giri
33	Project Management	3.0	V Nagadevara
34	Research for Marketing Decisions	3.0	Amit Shankar
35	Retail Management	3.0	Sunil Chandran
36	Risk Management	3.0	Sankarshan Basu & Kaveri Krishnan
37	Rural Banking and Financial Inclusion	3.0	MS Sriram
38	Sales & Distribution Management	3.0	Amit Sankar
39	Service Operations Management	3.0	Krishnan Natarajan
40	Services Marketing	3.0	Anand Kasturi
41	Spanish Language	3.0	Aboli Chowdhary
42	Strategic Human Resource Management	3.0	Bishakha Majumdar
43	Strategic Marketing	3.0	Vivekananda Madupu
44	Supply Chain Management	3.0	Milan Kumar

Statement 3

Faculty List as on March 31, 2020

Name	Affiliation
M Chandrasekhar, Director	IIM Visakhapatnam
Anirban Ghatak	IIM Visakhapatnam
Mohammad Shameem Jawed	IIM Visakhapatnam
B. Srirangacharyulu	IIM Visakhapatnam
Anupama Sharma	IIM Visakhapatnam
Amit Baran Chakrabarti	IIM Visakhapatnam
Kalyan Kolukuluri	IIM Visakhapatnam
Kaveri Krishnan	IIM Visakhapatnam

Name	Affiliation
Jayasankar Ramanathan	IIM Visakhapatnam
Milan Kumar	IIM Visakhapatnam
Deepika R Gupta	IIM Visakhapatnam
Bhargab Chattopadhyay	IIM Visakhapatnam
Vinay Ramani	IIM Visakhapatnam
Bishakha Majumdar	IIM Visakhapatnam
Vivekananda Madupu	IIM Visakhapatnam
Neena Pandey	IIM Visakhapatnam
Amit Shankar	IIM Visakhapatnam
Prince Doliya	IIM Visakhapatnam
Shivshanker Singh Patel	IIM Visakhapatnam
M. V. Anuradha	IIM Visakhapatnam
Chandreie Mukherjee	IIM Visakhapatnam
Aboli Chowdhary	Adjunct
Anand Kasturi	Adjunct
Anil Sood	Adjunct
B Sundar	Adjunct
Charan Singh	Adjunct
Jayanthi Iyer	Adjunct
K Kiran Kumar	Adjunct
Krishnan Natarajan	Adjunct
M S Rajagopalan	Adjunct
Malavika R Harita	Adjunct
M S Sriram	IIM Bangalore
Pratap Giri	Adjunct
Rajesh Pandit	Adjunct
Rakesh Kumar Pati	Adjunct
Ravi Kumar	IIM Bangalore
S Shanker	Adjunct
Sankarshan Basu	IIM Bangalore
Sujoy Roychowdhury	Adjunct
Sunil Chandran	Adjunct
Suri Valluri	Adjunct

Name	Affiliation
Uday Kumar	Adjunct
Utkarsh Majmudar	Adjunct
V Nagadevara	Adjunct
Varisha Rehman	Adjunct

Statement 4

List of Guest Lectures

S.No.	Name	Affiliation
1	Prof. Aravind	Senior Research Fellow, Peking University, China
2	Ashok Gopinath	Managing Director, Technology Solution Architecture, Accenture
3	Arup Sinha	Regional Executive Director, Indian Oil Corporation Ltd.
4	Rajesh Varma	Director, Capgemini
5	Avelo Roy	MD, Kolkata Ventures and MD & CEO, Nearify
6	Dhruv Talwar	Head of Brand Strategy, Godrej Properties Ltd.
7	Vikas Bansal	Senior Director, Product Management, Flipkart
8	Rajeev Singh	COO, Karvy FinTech
9	Vijnan Batchu	Managing Director, JPMorgan Chase
10	Apurva Mankad	Founder & CEO, WebXpress and LogiCloud
11	Ratul Ghosh	Head, East India, Uber
12	Arvind Kumar	CEO, Dukes India
13	Anil Kumar Misra	CHRO, Magic Bricks
14	Gokul Nath S	HDFC AMC
15	Dr. N. Chandra Mohan	Business & Economics Commentator and Consultant
16	Dr. B K Murthy	Senior Director (Scientist G) and Group Coordinator R&D, MeitY, Govt. of India
17	Navneeth Sulakhe	Head - Talent Management, Landmark Group
18	Vidya Pulavarti	Head of Strategic Risk Solutions, Citi Singapore
19	Sreedhar Bevara	Eminent Motivational Speaker
20	Ahmed Rahimtoola	Head of Marketing, Allied Distillers and Blenders
21	Shiva Harsha K S	Divisional Operations Manager, Ministry of Railways
22	Rahul Bajoria	Chief Economist, Barclays
23	Vivek Kalagara & Raj Ramesh	CEO, DataFoundry & Chief AI Officer, DataFoundry

Statement 5

Library Collection Highlights

Print:

Total library books as on 31/3/2020	2140
CD-ROM	9
Working papers	22
Pamphlets	1
Government publications	17
E-readers	2

E-resources:

Financial Databases	Ace Analyser Capitaline CMIE Prowess IQ CMIE Prowess DX CMIE Economic Outlook CMIE Cap EX NSE Infobase Capital IQ. Prime Mutual Fund Venture Intelligence Thomson Reuters Eikon (Refinitiv) World Bank e-Library
Industry Intelligence Databases	Euromonitor Passport MarketLine Advantage CRISIL research EMIS Intelligence WARC
Statistical Databases	EPWRF India Time Series IndiaStat
Legal Information Database	LexisNexis
Business Literature Databases	ProQuest ABI Inform JSTOR EBSCO Business Source Complete
E-books Database	ProQuest eBook Central
Journals subscription:	Elsevier Science Direct SAGE Taylor and Francis Springer Palgrave Wiley INFORMS Neilson

	EPW Oxford University Press IEEE InderScience Online
Online Newspapers and Magazines:	The Economist The Wall Street Journal Financial Times Online The Press Reader ET Prime The Ken
Library Management Software:	Koha LMS
Research software	Grammarly Turnitin EBSCO Discovery Service RemoteXs Qualtrics NVivo SPSS SPSS AMOS Stata Overleaf Event Study Metrics MATLAB SMART PLS

Statement 6

Details of students with Disability – PGP 2019-21

Total No. of Students	0
Students with low vision/blindness	0
Students with locomotor disability/cerebral palsy	0

Statement 7

Faculty & Personnel

Period	Regular Faculty	Adjunct Faculty	Total
As of March, 2019	13	34	47
Additions during 2019-20	8	24	32
Deletions during 2019-20	1	34	35
As of March, 2020	20	24	44

Officers

Period	Strength (*)
As of March, 2019	13
Additions during 2019-20	0
Deletions during 2019-20	0
As on March, 2020	13

(*) = All on contractual terms, except for one Senior Administrative Officer, on regular term

Other Staff

Period	Strength (*)
As of March, 2019	24
Additions during 2019-20	1
Deletions during 2019-20	3
As on March, 2020	22

(*) = All on contractual terms

Statement 8

List of Officers (*)

S. No.	Name	Designation
1	Jagadeesha B T	Project Engineer - Infrastructure
2	Biswanath Behera	Program Manager - Academic Programs
3	Ramesh Kumar Sethuraman	Assistant Manager - Student Hostel & Mess
4	Sayikrishna Raju	Head (Projects)
5	Navnath Pawar	Assistant Librarian
6	Tapas Ranjan Pati	Manager - CDS & Alumni Relations
7	K V L N Murty	Officer on Special Duty - Director's Office
8	C P Vittal	Manager - Finance & Accounts
9	Kamal Keerthi	Assistant Manager - IT
10	Gundala Nandita	Assistant Manager - Finance & Accounts
11	V Bhaskar Ram	Medical Officer
12	Saladi Krishna Kanth	Project Engineer - Civil
13	Kaleem V. Khan	Senior Administrative Officer

(*) = Listed as per date of joining. All on contractual terms except for the Senior Administrative Officer, on regular term.

List of other Staff (*)

S. No.	Name	Designation
1	Sunil Kumar Sinha	Executive - Project Administration
2	M S Subrahmanyam	Project Executive - Administration
3	Viswanath T	Project Executive - Accounts
4	Deepa Mohan	Counsellor
5	Indu P	Executive (PGCEP Pgm)
6	A. Jayasimha Reddy	Project Executive
7	Devoshri Mukherjee	Senior Executive (Academic Programs)
8	Kavya Gedela	Academic Associate
9	Subhasree Nayak	Academic Associate
10	Kesava Kumar Madam	Academic Associate
11	Moturu Venkata Raja Sekhar	Academic Associate
12	Poonam Kahnoria	Academic Associate
13	T Suneetha	Academic Associate
14	Jetti Siva Kumar	Academic Associate
15	Srinivas Dinakar Nethi	Academic Associate
16	V Siva Sankar	Library Intern
17	T Ganesh Kumar	Library Intern
18	Kush Dabral	Office Assistant
19	Shashi Bhushan Kaushik	Advisor - Administration
20	Kota Varuna Devi	Junior Engineer - Civil
21	Bagde Dilip Kumar	Academic Associate
22	Krishan Kumar	Project Assistant

(*) = Listed as per date of joining. All on contractual terms.

13. Director's Report

Clause (a), Sub-section (1), Section 26:

The State of Affairs of the Institute:

Under the guidance of its illustrious Board of Governors, the Institute continued to make rapid strides in its progress. The Institute also benefitted from the policy- and decision support advice provided by the Finance, Investment and Audit Committee (FIAC) as well as the Building & Works Committee.

(a) **Academics and Research**

The Institute significantly expanded its activity profile, in scale and scope. The following exemplify the progress achieved:

i. MBA in Digital Governance & Management

The Institute commenced offering (as the first-ever program in the country) a specialized MBA Program in Digital Governance & Management in blended learning mode, under the aegis of and sponsored by the Ministry of Electronics & IT (MeitY), Govt. of India.

The first batch of Program was successfully launched with 26 participants, on 06/1/2020, at the hands of the Secretary (MeitY) Shri Ajay Sawhney, IAS [AP:84]. Shri M S Rao, IAS [AM:87], Chief Secretary, Govt. of Meghalaya [President & CEO of NeGD (MeitY) when the program was approved] also graced the occasion with his presence and addressed the gathering.

A number of dignitaries attended the function that included BoG Members – Prof. G Raghuram, Ms Uma Sudhindra and Shri Prasad Dahapute; Prof. V. Nagadevara, Member (BWC) & Chair (FDEC) at IIM Visakhapatnam; Shri A Radha Krishna, Member (FIAC).

Of the 26 enrolled students, 10, 12, 01 and 03 were Central and State government, CPSE and private organizations, respectively. The cohort has four women participants. MeitY sponsored the full program Fee of 20 participants from Central/State Governments.

The first in-residence part ended on 22/1/2020. The feedback from the participants was highly encouraging. The virtual (online) classes began on 01/2/2020.

Among the experts who addressed the cohort during their stint on the campus was the Director General of Development Monitoring & Evaluation Office of NITI Aayog (Dr Sekhar B, formerly IAS, RJ:87, and later with the World Bank and the Asian Development Bank).

ii. Post-Graduate Program for Experienced Professionals

The Institute launched the PG Program for Experienced Professionals (MBA – evening), upgrading the Post Graduate Certificate Program in Management (PGCEP) that it was conducting.

The Program, first-of-its kind among the new generation IIMs, has the underpinning of "learn while you earn". The Program was inaugurated by Shri Rajeev Kapoor, Member (BoG).

The first batch of about 35 students represented blue-chip companies and high pedigree organisations such as Dr Reddy's Labs, IBM, TCS, Infosys, Intel, Biocon, JSW Steel etc. from the Private Sector; and Rashtriya Ispat Nigam Ltd. (Vizag Steel Plant), HPCL, BPCL, Indian Navy, Indian Railways, Naval Science & Technological Lab (DRDO), New India Assurance Ltd. etc. from the Govt. / Public Sector.

The Program is contemporary in content and current with context in terms of rigour and relevance. It offers a judicious blend of hard skills and soft skills. The Program provides a platform for knowledge-exchange and experience-sharing for the cohort to excel academically and emerge successfully.

Shri Kapoor, in his inaugural address, urged the participants to make best use of the intellectual resources and learning opportunities available in the Institute. He exhorted them to adjust to the demanding work and study schedules, with active cooperation and support of their families. The MBA course helps the participants to synthesize, see the big picture of organizations, identify challenges and find solutions, he stated. More often than not, finding the right problem is far more complex than finding a solution, he recalled from his experience. Globalization, shift from manufacturing to services, millennial workforce etc. are modern-day challenges that call for new mindset and skills in managers to bring out authentic leadership in them, to which the MBA curricula and syllabi should subscribe, opined Shri Kapoor. With social responsibility and sustainability taking centre-stage, there is focus on multi-stakeholder engagement and greater attention to the triple bottom-line viz. people, planet and profits (a concept popularized by the British Author & Social Entrepreneur, John Elkington in 1994). He expressed confidence that the MBA graduates of IIM Visakhapatnam would help in redefining the contributory role of businesses itself.

iii. Doctoral Program

The Institute was the first among its generation of IIMs to announce in the CAT Bulletin 2018 itself, the launch of the PhD Program from the Academic Year 2019-20. The Institute had enrolled, through a rigorous selection process, two students in Production & Operations Management; and one student in Finance & Accounting. It is envisaged that in the Academic Year 2020-21, in addition to the cited two Areas, two more Areas viz. Decision Sciences and Marketing would be enrolling students, by way of gradual build-up.

The advantages of the PhD Program are that:

a. It aids faculty who are keen on research and building their identity on the quality of their research (evidenced by publications in reputed journals with high impact factor);

b. PhD students bring in a research-culture and contribute substantially to the research output of the Institute;

c. Increased research output helps the Institute establish its credibility as a knowledge-driven entity and also in accreditation, rankings etc. in subsequent years;

d. The PhD Program and the resultant research-orientation help the Institute seek external (competitive) grants and build corpus.

iv. Professional Development Programs

The Institute commenced the conduct of Professional Development Programs (PDTs) for the engineering faculty from government and aided institutions from across the country, under the Scheme of TEQIP (Technical Education Quality Improvement Programs) administered by the National Project Implementation Unit (NPIU) of the Ministry of Education, Government of India.

v. Executive Education Programs / Management Development Programs

The Institute steadily emerged as a sought-after source for executive education programs (EEPs) and management development programs (MDPs), by the Government and the Public Sector. During the year, the Institute conducted the following programs for middle/ senior level audience:

Sl. No.	Title of the Program	No. of Programs; Days per Program	No. of Participants	Sponsor / Client / Under the aegis of:
1	Professional Development Training under "Technical Education Quality Improvement Program (TEQIP)"	4, 5	127	National Project Implementation Unit, MHRD, GOI
2	Leadership Lab for Principals of CBSE-affiliated Schools	1, 5	26	CBSE, Dept. of School Education, MHRD, GOI
3	Transforming Teaching Processes: Effective Coaching for Teaching and Learning for the Senior Faculty & Directors	1, 2	75	National Institute of Business Management, Colombo, Sri Lanka
4	Leadership Development Program	1, 5	29	IOCL, New Delhi
5	Management Development Program	1, 5	25	Hindustan Shipyard Ltd.
	Total		282	

vi. Internal Revenue Generation from Academic Programs

The progress and position of Internal Revenue Generation (IRG) from academic programs has been as follows:

₹.in Lakh

Internal Resource Generation (IRG)		
Program	**2019-20 *(Actual)***	**2018-19 *(Actual)***
PGP (Flagship Program)	1343.83	866.57
PGP for Experienced Professionals (evening MBA)	181.29	55.44
PGP DGM *(under the aegis of MeitY, GOI)*	64.35	0.00
MDP, FDP & Consultancies	84.86	0.66
Others *(viz. Application and Registration Fee for Institute events etc.)*	17.21	31.23
Total	1691.54	953.90

vii. Capacity Building Programs for Scientists of DRDO

In response to the request from Naval Science & Technological Laboratory (NSTL), Visakhapatnam, a laboratory under the Defence Research Development Organization (DRDO), GOI, the Institute designed and developed capacity building programs for their scientists on R&D Management, leading to the award of a certificate for the participants successfully completing the program.

viii. Entrepreneurship Development - Technology Incubator

The Institute was sanctioned a Group-3 Centre (G3C) Incubator under the TIDE 2.0 Scheme (Technology Incubation and Development of Entrepreneurs) of the Ministry of Electronics & IT (MeitY). The Incubator will receive a funding of Rs.1.70 Cr. over five years. The Incubator would be providing intellectual, infrastructural, institutional, financial, managerial, mentoring and knowledge-support to start-ups that use emerging technologies in fields of social relevance like health, education, agriculture, Financial Inclusion and Digital Payments etc.

Plans were drawn up to register the as a not-for-profit Society or Section 8 company (under Companies Act 2013, earlier Section 25 under Companies Act 1956). The incorporated entity can receive funds from the Government and Non-Government bodies and financial institutions including Venture Capital firms and Angel Investor Groups. The entity can give soft loans up to Rs.25.0 lakh to start-up companies over a period of 2-3 years. At the end of the period, the beneficiary company will need to return half of the financial support given to it and the remaining 50% can be given as equity to the Incubation Centre, which can be encashed by the latter at the time of valuation.

This is a significant achievement and a matter of great pride for the Institute to be part of such an initiative at such an early stage of its existence and to be counted among the 41 proposals that made it to the final list from across India. The Institute is only the fifth IIM (among 20 IIMs) and the first amongst the new generation IIMs to be granted an Incubator by MeitY.

Shri Prasad Dahapute, Member (Board of Governors); Prof. M Chandrasekhar (Director, IIM Visakhapatnam), Prof. Mohammad Shameem Jawed (Chair -Entrepreneurship Development); and Prof. Deepika R Gupta were designated as Chairman, Managing Director & Chief Executive Officer, Chief Operating Officer, and Chief Finance Officer respectively, to assume charge with the formation of the Company.

The Company to be registered was named as: IIM Visakhapatnam Foundation for Incubation, Entrepreneurial Learning & Development (IIMV-FIELD).

ix. International Conference in Operations Research & Decision Sciences

The Institute organized a three-day International Conference (first-ever) on Operations Research and Decision Sciences 2019 (ICORDS) from Dec. 28 to 30, 2019. ICORDS brought together researchers, faculty members, practitioners and students interested in both theoretical advances and practical applications in the field of operations research and decision sciences covering a wide gamut of functional and sectoral management domains. The event hosted presentations from several professors, professionals and practitioners who addressed issues related to current and emerging research topics, leading-edge developments and methodologies. All abstracts of papers received were indexed by ProQuest database. Papers were shortlisted for potential publication in the high-quality IIM Bangalore Management Review [ABDC Category “B”]. The details of research papers were as follows:

- No. of participants: 150; Of whom, students: 112
- No. of participants from IITs and IIMs: 39; Of whom, students: 34
- No. of papers: 102; Of which, from students: 80
- No. of papers from IITs and IIMs: 30; Of which, from students: 23

From the Institute, Professors Anirban Ghatak (Decision Sciences) and Srirangacharyulu (POM) co-chaired the Conference. Professors Vinay Ramani (Economics) and Bhargab Chattopadhyay (Decision Sciences) were members of the Program Committee; and

Professors Milan Kumar (POM) and M S Jawed (F&A) were members of the Organizing Committee. Thus, ICORDS witnessed expert talks, keynote addresses, and panel discussions by eminent personalities such as:

- Prof. T.E.S. Raghavan, Professor, Dept. of Mathematics, University of Illinois
- Prof. Arunava Sen, Professor, Indian Statistical Institute, Delhi
- Prof. G. Srinivasan, Professor, Department of Management Studies, IIT Madras
- Prof. Sandeep Juneja, Professor and Dean, School of Technology and CS, TIFR
- Prof. Tathagata Bandyopadhyay, Professor, Prod. and QM & Dean, IIM Ahmedabad.

The Inter-disciplinary Cyber Physical Systems (ICPS) Division of the Department of Science & Technology (DST), GOI sanctioned Rs.4.50 lakh for the Conference.

Professor Uday B Desai, former Director of IIT Hyderabad; and former Member (BoG) of the Institute graced the occasion as Chief Guest and delivered the inaugural talk.

(b) **Visioning Exercise**

The academic Centres and Areas of the Institute and the work programs they should take up and/or offer should be reflective of a variety of factors such as: (i) the Objectives (as mandated in the IIM Act 2017); (ii) the opportunities in the state/region; (iii) the scenario of management education and research obtaining in top-notch business schools; (iv) the competitive advantage that the Institute would like to enjoy; (v) the distinctive and niche role that the Institute would like to carve out for itself; (vi) the value proposition of the Institute; (vii) the position the Institute would like to occupy in the minds of the various stakeholders and public at large etc.

Also, new systems of pedagogy are emerging. Students prefer learning systems that give them an immersive, experiential and impactful experience. Businesses are getting disrupted through new strategies and innovations. Today digitalization is the key. Digital technologies and online course offerings are making distances irrelevant for learning. The Institute needs to leap forward and push itself to the frontier so that it not only catches up with the older generation IIMs but also betters them. Staying relevant with moving times is the more important mantra for survival, stability and success.

Agility; ease of doing; and reduction of transaction costs be it imparting learning or in administrative matters using technology are a must.

All the above should essentially reflect in the Vision, Mission and Positioning Statements of the Institute. These need to be carefully thought-through and crafted.

To guide and facilitate the Visioning exercise and deliberate on the academic Centres and Areas that are in sync therewith, the Board requested Ms. Malavika Harita and Shri Rajeev Kapoor (BoG Members) to interact with and help the Institute in the Visioning exercise. The Committee of two BoG Members along with the Chair (FDEC) Professor Nagadevara [Retired Professor & Dean of IIM Bangalore] commenced the visioning exercise with a Workshop with the faculty held on 24-25 Jan. 2020. The Workshop helped the faculty understand and appreciate the importance and process of drawing up the vision, mission and value statements for the long-term stability and success of the Institute as an entity of eminence and distinction.

(c) **Permanent Campus Construction Project**

(i) The Institute crossed several important milestones on the campus-construction (development) front.

(ii) After due tendering process and selection, the Institute executed an agreement on 22/04/2019 with Arcop Associates, Architects, for developing Master Plan and detailed

designs (Good for Construction drawings) for the permanent campus, which were approved after due deliberations by the Building & Works Committee and the Board of Governors.

(iii) Similarly, after due process, NBCC (India) Ltd. were selected as Project Management Consultants (PMC) on 18/3/2019.

(iv) A Site Office of about 3,650 square feet was constructed. It includes a complete mock-up (exact replica) each of the Hostel Room, Guest Room and Faculty and Head of the Department cabin. The Office has around it, the exact typology of plants (at least one each) as are going to be planted in the campus. This gives 'real-life' feel of the infrastructure and flora that are going to take shape. This Office would be a permanent structure and would be an integral part of the campus.

(v) The detailed good-for-construction (GFC) drawings for the campus were vetted by the PMC. The tender document for identifying the Construction Agency was readied for released along with the drawings and Bill of Quantities (BoQ) as cleared by the PMC. The designs were vetted by NIT-Warangal for structural design stability; and IIT-Delhi for Mechanical, Electrical and Plumbing services.

(vi) The tender package was readied by the Architects, for the establishment of permanent campus (Phase - I) for an area of 60,384 sqm for a sanctioned amount of Rs.445.0 Cr. as approved by the Ministry.

(vii) The tender package, as approved by the PMC, BWC and the Board was floated on 13/3/2020. The pre-bid meeting was held on 23/3/2020. The bids were due for closure on 14/4/2020 but extended up to 26/5/2020 due to the COVID-19 situation.

(d) **Institute's Foundation Day**

The Foundation Day was celebrated on 17 Jan. 2020. Ms. Ameeta Chatterjee, Member (BoG) and Chairperson (FIAC) delivered the Foundation Day Lecture.

(e) **Student Placements**

i. Summer Placements (2019-21 Batch)

All 121 students had secured summer internship offers. About 30 lost offers (because of the pandemic) were replaced. A need-based reduction in the internship-duration (typically by 2 weeks, to six weeks) was thought of, based on the requirement of the employers, which was the common trend among all IIMs, in view of the pandemic.

ii. Final Placements (2018-20 Batch)

The Institute lived up to its reputation of being a top-notch business school in the country and completed its final placements with a perfect century, yet again, for the graduating batch of its flagship PGP (MBA) Program (2018-20). Beating the seasonal headwinds and building on the successful record of the past, the Institute's students not only bagged niche roles with industry leaders, but also went a step further to create new records in the rich-profile roles and packages won. Held on a rolling basis, the placement season witnessed more than 75 companies participating in the process and making multiple offers. The table below show cases the outcome:

Salary Packages (Rs. Lakh)	Graduating Batch (2018-20)	Graduating Batch (2017-19)
Highest	27.00	22.00
Avge. salary for the top 10% of the batch	22.00	19.35
Top quartile	18.67	17.07
Top half	15.73	14.82
Avge. for the entire batch	13.08	12.61
Median	12.00	12.00

Recruiters

The continued trust and confidence reposed in the students at the Institute resulted in several top-notch recruiters hiring this year too. Amazon hired the students for Operations Management, KPMG for Strategy & Advisory role, while Franklin Templeton and GMR extended offers for their Management Trainee programs. ICICI Prudential recruited for roles in digital marketing and Click Labs in General Management. Anand Rathi, BrowserStack, Crompton Greaves, Delhivery, HDFC Bank, ICICI Lombard, Mphasis, Mu Sigma, Raam Group, The Quarry, TVS Motors, Ultratech and Wipro, which count among the who-is-who of the corporate world, were among the prime recruiters.

Sector wise break up

With 39%, IT/ITES continued to bet big on new talent, followed by BFSI (16%). The other sectors were Education and Technology (6%), Infrastructure (6%), Manufacturing (6%), Logistics (5%), Automobile (4%), Conglomerate (3%), Hospitality (3%), Consulting (3%), Luxury Goods (2%); FMCG (2%), e-commerce (2%), Pharmaceutical (1%), Media & Advertising (1%), and Food (1%).

Function wise break up

Sales & Mktg. accounted for 40%, followed by Operations (17%), Strategy (9%), Finance (9%), Consulting (8%), Analytics (7%), Product Mgt. (5%), Project Mgt. (3%), and General Mgt. (2%).

Despite the COVID-19 pandemic, in the entire batch, there is only student (incidentally on Director's Merit List), whose offer was kept on hold. Since she is keen on placement in Bangalore only the Institute is extending due facilitation.

B. Clause (b), Sub-section (1), Section (26):

The Amounts the Institute proposes to carry to Surplus Reserves in its Balance Sheet.

In accordance with the Accounts for the Year 2019-20 approved by the Board and audited by the Office of the Controller & Auditor General, the excess of Income over Expenditure for the year ending 31/3/2020 (Rs.761.68 lakh) was proposed to be disposed of as transfer to the Corpus Fund.

C. *Clause (c), Sub-section (1), Section 26:*

The extent to which understatement or overstatement of any surplus of income over expenditure or any shortfall of expenditure over income has been indicated in the auditor s report and the reasons for such understatement or overstatement.

In the Accounts for the Year 2019-20, no understatement or overstatement of any surplus of income over

expenditure or any shortfall of expenditure over income has been indicated in the CAG auditor's report. In fact, as a positive observation, the CAG, vide their SAR upon audit of the Accounts of the Institute for Year 2019-20 stated that:

- The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by the Report are in agreement with the books of accounts;
- In their opinion and to the best of their information and according to the explanations given to them, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:
    - In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Institute, as at 31/3/2020; and
    - In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

D. Clause (d), Sub-section (1), Section 26:

The productivity of research projects undertaken by the Institute measured in accordance with such norms as may be specified by the Board.

(i) Research Publications

In terms of Sub-section (1), Section 28 of the IIM Act 2017, the annual report of the Institute shall include, among other matters, steps taken by the Institute towards the fulfilment of its objects and an outcome-based assessment of the research being undertaken; wherein, "outcome-based assessment of research" means an elaboration and analysis of the research conducted and the qualitative and quantitative outcomes of such research along with its impact factor and social outcomes.

The research output of the faculty has been impressive (**Appendix-1**) and has been appreciated by the Board which endorsed that the peer-reviewed publications being undertaken by the faculty help them improve their domain knowledge as well as the quality of thought-process and communication skills; that have a salutary effect on teaching. Thus, the research output of the faculty has been compliment-worthy. It has helped young faculty to get into the art and practice of writing. Also, given that the number and nature of publications (category of journal wise) are linked to accreditation, positioning of institutions (ranking) etc. and given the prevalence of such a system, it is in the fitness of things that the faculty of the Institute got actively into the culture of publishing, which in due course would lead to faculty researching in more narrowly focused areas (i.e., building expertise in the same theme or domain), or, addressing a specific purpose (derived from a real-world problem), and creating more impact. Also, from a practical standpoint, faculty has been endeavouring to carry out research that has better connect with the courses taught in the class or alternatively, the research is amenable to the findings being brought into the class as value-added learning. The Institute has been giving higher importance and weightage to such research because it sharpens the focus of the Institute; helps it do a better job of training the students as practitioners of management; and enhances the quality of managers produced. Towards this end, the Institute is developing mechanisms that aid assessment of the relevance of research for teaching or impact. Following the suggestions of the Board, the Institute has also been endeavouring to conduct workshops addressed by practitioners (users of research) and attended by researchers, with the former sharing the real-world problems in management, addressing of which would yield significant benefits. The Institute believes that such an approach brings practicality and industry-orientation into research.

(ii) Extramural Research Project

Prof. Amit B Chakrabarti from the Strategy Area of the Institute has won a prestigious research project from the Ministry of Corporate Affairs, Government of India, titled "Performance of Corporates: Firm Performance of different Ownership Categories in India".

This research project seeks to inquire whether and to what extent the identity of the majority concentrated owner (hereinafter referred to as the ownership category) influences firm financial performance in an emerging market context. The research focuses on the differences in government versus non-government firms' performance. It also studies differences between domestic versus multinational firms and publicly held versus privately held firms. The theoretical and policy debate over the relative importance of public versus private ownership in enhancing firm performance has motivated this study.

This exploratory study takes stock and analyses the impact of firms belonging to different ownership categories on performance through the balance sheet data of the population of firms in India. The firms are divided based on their ownership into a business group (BG) affiliated firm, union government firm (UGovt), state government firm (SGovt), multinational (MNC) subsidiary, and domestic standalone private (DSAP) firm. The performance of these firms on multidimensional performance metrics reveals that while there are sharp differences in the performance of firms belonging to the different ownership categories, at the same time, there are signs of convergence in some of the measures as the size of the firm increases. This study helps us establish across the group (ownership category) heterogeneity among firm performance over time and multiple metrics.

The research uses longitudinal data on the population of firms available in the MCA21 database consisting of 373,870 observations belonging to 39,557 firms over 12 years, from 2006 to 2017. Firm performance is a multidimensional construct comprising profitability measures, liquidity and capital structure measures, operational performance measures, and efficiency measures. The study finds that though the public firms are larger and have better efficiency and liquidity ratios, the private firms' profitability is higher. The study also finds that although the BG-affiliated firms and DSAP firms constitute most firms in the Indian industrial landscape, they are saddled with high debt, and their performance is lower than that of other ownership categories. The study finds that surprisingly, the Union Government firms have better profitability than the other ownership categories. Suitable policy prescriptions were given.

(iii) Seed Research Grant

A Seed Research Project titled "Towards Prediction and Control of COVID-19 in particular; and any Pandemic in General" with Principal Investigator and Co-Investigator as Prof. Shivshanker Singh Patel and Prof. Anirban Ghatak respectively was taken up.

- **Objectives**
  - To develop a dashboard where parameters like percentage of people being tested, level of quarantine, level of isolation can be varied and the resultant prediction of COVID-19 in various states/districts of India could be visualized.
  - To develop a working paper for the Institute's working paper repository
  - To submit that manuscript to a peer-reviewed International Journal listed in either the ABDC Journal Quality List, Scopus, or any other recognized repository.
- **Outputs Realized**
  - COVID-19 Predictive Dashboard - a unique differentiator on many accounts. (Refer http://covid-tracker.iimv.ac.in:3939/covid/)
  - An original manuscript to IIMV repository
  - A research article "A Generalized Epidemiological Model for COVID-19 with Dynamic and

Asymptomatic Population" (with Anirban Ghatak, Soham Bonnerjee, Subhrajyoty Roy) submitted to "Stochastic Analysis and Application" (Taylor & Francis, ABDC-B)

- **Outcomes**
  - The prediction (that the Dashboard facilitates) is at the state level and also to the granular level of a district to help the district authority (a central decision-making unit at District) containing the spread of infection.
  - The only dashboard in India that not only predicts the peak infection, but also warns against a second wave of infection if restrictions are not maintained.
  - It also suggests control assistance alongside prediction of COVID-19 spread.
  - The Dashboard is self-explanatory from navigation and managerial aspects. It helps understand many other nuances of the eSIR (extension of the Susceptible-Infected-Removed) model.
  - The research article draws upon the extension of standard epidemiological models for COVID-19. This extension incorporates the transmission due to pre-symptomatic or asymptomatic carriers of the virus. The model also captures the spread of the disease due to the movement of people to/from different administrative boundaries within a country.
  - The model describes the probabilistic rise in the number of confirmed cases due to the concomitant effects of (incipient) human transmission.

E. Clause (e), Sub-section (1), Section 26

Appointments of the Officers and Faculty Members of the Institute

(i) **Teaching Staff:**

The Institute recruited 8 faculty during the year, with impressive academic and research credentials. Among them, they bring a rich blend of teaching and industry experience.

Name (Yrs. of Exp)	Qualifications	Level (Area)
Sadaat Ali Yawar (5)	PhD, Kassel University	Asst. Prof. (POM)
Shivshanker S Patel (7)	MTech, IITR; PhD, IISc	Asst. Prof. (DS)
Prince Doliya (3)	MBA, NITK; PhD, IITR	Asst. Prof. (F&A)
Neena Pandey (10)	MSc, IITK; MTech, IITM; PhD, IIMB	Asst. Prof. (IS)
Chandreie Mukherjee (2)	MA & PhD, Pondicherry Uni.	Asst. Prof. (Commn.)
Vivekanada, M (17)	PhD, Univ. of Memphis	Asso. Prof. (Mktg.)
Amit Shankar (5)	PhD, IITKgp	Asst. Prof. (Mktg.)
M V Anuradha (9)	FPM, XLRI	Asso. Prof. (OBHR)

This made the faculty-strength rise to 20, apart from the Professor-Director.

(ii) **Non-Teaching Staff:**

With a view to safeguarding the well-being and healthcare needs of the students, staff and faculty, the Institute brought on board, a well-qualified and experienced Medical Officer.

F. Clause (f), Sub-section (1), Section 26

Performance indicators and internal standards set by the Institute, including the nature of innovations in teaching, research and application of knowledge.

- **Faculty Work Norms**

  The faculty work norms approved by the Board encourage the faculty to contribute in a holistic manner to teaching, research and institution building under four pillars viz. Teaching, Research, Service to the Institute and Service to the Profession. Achievements under the work norms demonstrate the competence and the good citizenship a faculty member and exemplify the nature and extent of contribution to the faculty to the achievement of standards of excellence in teaching, research and allied areas of knowledge, as enshrined in the IIM Act, 2017.

- **Faculty Development & Evaluation**

  The Board approved the constitution and composition of a Faculty Development & Evaluation Committee (FDEC) to provide support to the Director in decision-making on faculty-related issues.

  The FDEC plays an important role in faculty recruitment, faculty development, evaluating faculty performance during probation, declaration of probation, career progression, implementation (including suggesting revisions) of faculty work norms; providing necessary feedback to faculty members to enable them to achieve adequate levels of performance as per the norms of the Institute.

- **Presentations to the Board by the Faculty**

  The faculty of the Institute make presentations to the Board, Area-wise, highlighting their accomplishments under the four pillars of the faculty work norms.

- **Innovations in Teaching & Research**

  The faculty of the Institute a pedagogy that is a judicious mix of:

  - Instruction: Class-room discussions, role plays, tutorials, workshops, group work, case study analyses, simulation games, industry-interaction and outreach activities in functional and sectoral management by: (i) Policy Makers from the Government; and (ii) Professors; Professionals & Practitioners from the Industry and Institutions;
  - Evaluation: Surprise tests, quizzes, group and individual assignments; minor and major exams etc. to ensure focused learning and assessment;
  - Stock-taking and goal-setting: Review of experiences, imbibing learnings and planning for the next term.
  - Faculty-mentorship for students to provide guidance, handholding and facilitating effective knowledge-transfer and learning outcomes as envisaged.

  Examples of innovative practices adopted by faculty towards making the learning immersive and impactful are:

  - Preparing web-applications to teach, simulate and help students visualize basic concepts.
  - Using applications that are based on open-source software
  - Conducting interactive online simulation games for the elective courses to help the students experience a real-time environment.
  - Using lab sessions or doodle/recorded videos for various concepts in shared mode with the participants either before introducing a concept to develop interest in the students, or after the session, to give additional information/concepts.

- Introducing "optional reading series" to improve the understanding of the developments in the subject while keeping it out of the purview of the examinations. These included series of articles; research papers written by accomplished practitioners and academicians to provide a much deeper understanding of the subject and for students to develop deeper interest.
- Using Mini-cases based on real-life news and seminal research designs.
- Introducing questions in case analysis to simulate scenarios such as searching the Internet about the case at hand, link it to the theory taught in class and exploration of solutions. Students are also required to report the web links from which they found the information. It ensured that in an open book, non-proctored exam scenario too, there could be orderly learning for the students.

G. Sub-section (2) of Section 26:

Statement showing the names of the five officers including faculty members and other employees of the Institute who received the highest remuneration (including allowances and other payments made to such employees) during the financial year and the contributions made by such employees during the financial year.

The statement is as given below:

Employee Gross Salary for the Year 2019-20					
S No	**Emp ID**	**Employee Name**	**Designation**	**Date of Joining**	**Total Gross Annual Salary (Rs.)**
1	20001	M Chandrasekhar	Director	22-Mar-17	35,00,280
2	20004	B. Srirangacharyulu	Dean (A&R)	29-Nov-17	33,33,622
3	20014	Vinay Ramani	Asso. Prof.	18-Jan-19	30,00,318
4	20006	Amit Baran Chakrabarti	Asst. Prof.	11-Dec-17	27,52,493
5	20010	Jayasankar Ramanathan	Asst. Prof.	26-Feb-18	26,61,133

Established in Sep. 2015, the Institute is in the fifth year of its operation in FY 2019-20.

The faculty listed at Sl. No. (5) has since left the Institute. The rest of the faculty members have been contributing significantly to the good functioning of the Institute. Since the Institute is in the formative years (in project mode) each of the members is not only handling multiple academic responsibilities, but also delivering good results towards the development and growth of the institution. They have been providing leadership in their respective roles and are ably addressing matters of academic and administrative support. Their performance under teaching, research, service to the Institute and service to the profession and to institution building at large, has been note-worthy.

H. Sub-section (3) of Section 26:

The statement referred to in sub-section (2) shall indicate whether any such employee is a relative of any member of the Board or Academic Council of the Institute and if so, the name of such member; and such other particulars as may be determined by the Board.

To the best of knowledge and belief of the Institute, as on the date of the report, none of the officers figuring in the statement of employees receiving high remuneration is a relative of any member of the Board or Academic Council of the Institute.

I. Sub-section (4) of Section 26:

The Director shall also be bound to give the complete information and explanations in the report referred to in sub-section (1) on every reservation, qualification or adverse remark contained in the auditors' report.

The CAG communicated the Separate Audit Report to the Ministry of HRD (with a copy to the Institute) vide the SAR, upon audit of the Accounts of the Institute for Year 2019-20. It is a "Nil" reservation, qualification and adverse-remark report.

The SAR, inter alia, observed that:

- They have obtained all the information and explanations which to the best of their knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- The Balance Sheet and Income & Expenditure A/c, Receipts & Payment A/c dealt with by the Report have been drawn in the Revised Format of Accounts, prescribed by Government of India, Ministry of Human Resource Development, for Central Educational Institutions.
- In their opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Institute, in so far as it appears from their examination of such books.
- Subject to their observations in the preceding paragraphs, they report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by the Report were in agreement with the books of accounts.
- In their opinion and to the best of their information and according to the explanations given to them, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to the Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:
    - In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Institute, as at 31/3/2020; and
    - In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

In the Annexure to the SAR, the CAG stated, *inter alia,* that:

- Adequacy of Internal Audit System: Internal Audit was entrusted to M/s Komandoor & Co, a chartered Accountants firm, which completed the internal audit for the year 2019-20.
- Adequacy of Internal Control System: Internal Control System was adequate.
- System of physical verification of fixed assets: Physical verification of fixed assets was completed for the year 2019-20.
- System of physical verification of inventory: Physical verification of Inventory was completed for the year 2019-20.
- Regularity in payment of statutory dues: Statutory dues were paid regularly.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

14. Statement of Accounts

2019-2020

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SOURCES OF FUNDS	Schedule	2019-20	2018-19
CORPUS/CAPITAL FUND	1	53,61,40,302	37,94,24,412
DESIGNATED/EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	2	2,37,12,161	2,21,73,558
CURRENT LIABILITIES, PROVISIONS & LOANS	3	77,98,50,657	33,21,97,721
TOTAL		**1,33,97,03,120**	**73,37,95,691**
APPLICATION OF FUNDS	**Schedule**	**2019-20**	**2018-19**
FIXED ASSETS	**4**	**17,79,44,728**	**13,74,40,156**
Tangible Assets		14,38,30,416	12,12,04,398
Intangible Assets		1,49,54,269	1,19,73,928
Capital Works-In-Progress		1,91,60,043	42,61,830
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	**5**	**2,20,96,893**	**2,20,00,000**
Long Term		2,20,96,893	2,20,00,000
Short Term		-	-
INVESTMENTS - OTHERS	6	-	-
CURRENT ASSETS	7	1,11,16,32,229	55,51,87,376
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	2,80,29,270	1,91,68,159
TOTAL		**1,33,97,03,120**	**73,37,95,691**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	23		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS	24		

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-	Sd/-	Sd/-
C.P.Vittal	**Prof. Deepika R Gupta**	**Prof. M. Chandrasekhar**
Manager-F & A	**Coordinator (Admn.)**	**Director**

Date: 11 Aug 2020
Place: Visakhapatnam

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Income and Expenditure Account for the Year ended 31st March 2020

(Amount in ₹)

Particulars	Schedule	2019-20	2018-19
INCOME			
Academic Receipts	9	15,92,33,142	9,22,49,170
Grants / Subsidies	10	15,55,00,000	8,77,97,856
Income from Investments	11	1,00,04,991	1,09,66,616
Interest earned	12	1,92,199	3,21,655
Other Income	13	98,86,062	7,33,156
Prior Period Income	14	34,625	7,03,043
Provisions written back		-	17,04,968
TOTAL (A)		**33,48,51,019**	**19,44,76,464**
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment Expenses)	15	8,88,07,889	6,71,24,702
Academic Expenses	16	10,99,62,413	8,24,34,548
Administrative and General Expenses	17	2,11,04,702	1,85,24,211
Transportation Expenses	18	51,86,535	37,23,569
Repairs and Maintenance	19	53,45,368	37,88,718
Finance Costs	20	-	-
Depreciation	4	2,78,78,515	1,67,17,109
Other Expenses	21	-	-
Prior Period Expenses	22	3,98,083	18,25,987
TOTAL (B)		**25,86,83,505**	**19,41,38,844**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		**7,61,67,514**	**3,37,620**
Transfer to/(from) Designated Fund		-	-
Balance Being Surplus / (Deficit) Carried to Corpus/ Capital Fund (Sch-1)		**7,61,67,514**	**3,37,620**
Significant Accounting Policies	23		
Contingent Liabilities and Notes to Accounts	24		

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-	Sd/-	Sd/-
C.P.Vittal	**Prof. Deepika R Gupta**	**Prof. M. Chandrasekhar**
Manager-F & A	**Coordinator (Admn.)**	**Director**

Date: 11 Aug 2020
Place: Visakhapatnam

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE - 1 CORPUS/CAPITAL FUND				
Particulars	**2019-20**		**2018-19**	
Balance at the beginning of the year = A + C		**37,94,24,412**		**31,80,95,972**
Opening balance of Capital Fund for Fixed Assets (A)	**21,04,29,832**		**16,06,29,160**	
Add: Grants from Government of India to the extent utilized for capital expenditure	6,83,70,427		4,97,73,668	
Add: Assets - Donations/Gifts	6,535		27,004	
Closing balance of Capital Fund for Fixed Assets (B)	**27,88,06,794**		**21,04,29,832**	
Opening balance of Corpus Fund (C)	**16,89,94,580**		**15,74,66,812**	
Add: Income from Investments made out of the funds	1,21,71,414		1,11,90,148	
Add: Excess of Income over expenditure transferred from Income & Expenditure Account	7,61,67,514		3,37,620	
Closing balance of Corpus Fund (D)	**25,73,33,508**		**16,89,94,580**	
Balance at the end of the year = B + D		**53,61,40,302**		**37,94,24,412**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE-2 DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS						
Particulars	**Current Year 2019-20**			**Previous Year 2018-19**		
	Building	**Gold Medal**	**Total**	**Building**	**Gold Medal**	**Total**
A.						
a) Opening balance	2,00,69,345	21,04,213	2,21,73,558	-	-	-
b) Additions during the year	-	-	-	2,00,00,000	22,00,000	2,22,00,000
c) Income from investments made of the funds	-	-	-	-	-	-
d) Accrued Interest on Investments/Advances	14,54,059	1,50,889	16,04,948	69,345	7,320	76,665
Total (A)	2,15,23,404	22,55,102	2,37,78,506	2,00,69,345	22,07,320	2,22,76,665
B.						
Utilisation/Expenditure towards objectives of funds						
i) Capital Expenditure	-	-	-	-	-	-
ii) Revenue Expenditure	-	66,345	66,345	-	1,03,107	1,03,107
Total (B)	-	66,345	66,345	-	1,03,107	1,03,107
Closing balance at the year end (A - B)	**2,15,23,404**	**21,88,757**	**2,37,12,161**	**2,00,69,345**	**21,04,213**	**2,21,73,558**
Represented by						
Cash and Bank Balances	-	-	-	-	96,893	96,893
Investments	2,00,00,000	20,96,893	2,20,96,893	2,00,00,000	20,00,000	2,20,00,000
Interest accrued but not due	15,23,404	91,864	16,15,268	69,345	7,320	76,665
Total	**2,15,23,404**	**21,88,757**	**2,37,12,161**	**2,00,69,345**	**21,04,213**	**2,21,73,558**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 2A ENDOWMENT FUNDS

Sr. No.	Name of the Endowment	Opening Balance		Additions during the Year		Total		Expenditure on the Object during the year	Closing Balance		Total (10+11)
		Endowment	Accumulated Interest	Endowment	Interest	Endowment (3+5)	Accumulated Interest (4+6)		Endowment	Accumulated Interest	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	Vani Roja Foundation - Building Corpus	2,00,00,000	69,345	-	14,54,059	2,00,00,000	15,23,404	-	2,00,00,000	15,23,404	2,15,23,404
2	Vani Row Memorial Gold Medal - Corpus	20,96,893	7,320	-	1,50,889	20,96,893	1,58,209	66,345	20,96,893	91,864	21,88,757
	Total	**2,20,96,893**	**76,665**	**-**	**16,04,948**	**2,20,96,893**	**16,81,613**	**66,345**	**2,20,96,893**	**16,15,268**	**2,37,12,161**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3 CURRENT LIABILITIES, PROVISIONS & LOANS			
	Particulars	Current Year 2019-20	Previous Year 2018-19
A.	**CURRENT LIABILITIES**		
	1. Deposits from staff	-	-
	2. Deposits from students	**1,06,50,385**	**65,62,133**
	a) Caution Deposits	**46,51,205**	**33,51,410**
	i) From current students	45,99,795	33,00,000
	ii) From former students	51,410	51,410
	b) Mess advance	**55,03,180**	**32,10,723**
	i) From current students	54,74,341	31,81,884
	ii) From former students	28,839	28,839
	c) Other deposits	**4,96,000**	**-**
	i) Alumni Fund	2,48,000	-
	ii) Convocation Fund	1,24,000	-
	ii) Student Welfare Fund	1,24,000	-
	3. Sundry Creditors (Goods & Services)	3,75,17,256	1,62,51,090
	4. Deposit-Others (including EMD, Security Deposit)	**12,78,008**	**21,29,125**
	5. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC TAX, CPF, GIS, NPS)	**49,57,390**	**49,49,416**
	a) Overdue	-	-
	b) Others	49,57,390	49,49,416
	6. Other Current Liabilities	**70,93,14,245**	**29,45,82,374**
	a) Receipts against sponsored Projects	13,60,000	2,90,760
	b) Receipts against sponsored fellowships & scholarships	-	-
	c) Unutilised Grants	**70,38,61,010**	**28,67,08,736**
	i) Revenue Grants	-	-
	ii) Capital Grants	4,97,04,894	6,39,92,416
	iii) Capital Grants (Permanent Campus- HEFA Loan repayment)	65,41,56,116	22,27,16,320
	d) Fee received in Advance	11,25,400	39,07,969
	e) Other liabilities	**29,67,835**	**36,74,909**
	i) Payable to Students	10,00,409	19,17,320
	ii) Payable to Faculty	13,64,007	13,41,919
	iii) Payable to Staff	1,85,066	64,601
	iv) Payable - Others	4,18,353	3,51,069
	Total (A)	**76,37,17,284**	**32,44,74,138**
B.	**PROVISIONS**		
	1. Gratuity	70,00,074	32,19,049
	2. Accumulated Leave Encashment	59,42,582	30,03,137
	3. Others - Outstanding liabilities for staff payments	28,92,660	-
	Total (B)	**1,58,35,316**	**62,22,186**
C.	**LOAN - HEFA**		
	1. Loan	-	15,00,000
	2. Interest	2,98,057	1,397
	Total (C)	**2,98,057**	**15,01,397**
	Total (A+B+C)	**77,98,50,657**	**33,21,97,721**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE - 3 (a) SPONSORED PROJECTS

Sr. No.	Name of the Project	Opening Balance as on 01.04.2019	Receipts/ Recoveries during the year		Total	Expenditure during the year	Closing Balance as on 31.03.2020	
		Credit	Debit				Credit	Debit
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Corporate Data Management	2,90,760	-	-	2,90,760	2,90,760	-	-
2	ICORDS	-	-	4,50,000	4,50,000	4,50,000	-	-
3	Women Startup Program	-	-	6,17,605	6,17,605	6,17,605	-	(Amount in ₹)
4	TIDE	-	-	13,60,000	13,60,000	-	13,60,000	-
	Total	**2,90,760**	**-**	**24,27,605**	**27,18,365**	**13,58,365**	**13,60,000**	**-**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3 (b) SPONSORED FELLOWSHIPS AND SCHOLARSHIPS

Sr. No.	Name of Sponsor	Opening Balance as on 01.04.2019		Transactions During the year		Closing Balance as on 31.03.2020	
		Credit	Debit	Credit	Debit	Credit	Debit
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Ministry of Social Justice and Empowerment	-	-	26,25,000	26,25,000	-	-
	Total	**-**	**-**	**26,25,000**	**26,25,000**	**-**	**-**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3 (c) UNUTILISED GRANTS FROM UGC, GOVERNMENT OF INDIA AND STATE GOVERNMENTS		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
A. Government of India		
Balance B/F	28,67,08,736	9,33,73,807
Add: Receipts during the year	**61,42,79,708**	**32,65,00,000**
Revenue Grants	15,55,00,000	8,30,00,000
Capital Grants	1,35,00,000	2,00,00,000
Capital Grants (Permanent Campus)	44,52,79,708	22,35,00,000
Add: Interest on Unutilised Grants	**2,67,42,993**	**44,06,453**
Revenue Grants	-	-
Capital Grants	29,99,510	41,90,133
Capital Grants (Permanent Campus)	2,37,43,483	2,16,320
Total (a)	**92,77,31,437**	**42,42,80,260**
Less: Refunds	-	-
Less: Utilized for Expenditure		
Utilised for Revenue expenditure	15,55,00,000	8,77,97,856
Utilized for Capital Expenditure	3,07,87,032	4,87,73,668
Utilized for Capital Expenditure (Permanent Campus)	3,75,83,395	10,00,000
Total (b)	**22,38,70,427**	**13,75,71,524**
Unutilized carried forward (a-b) = A	**70,38,61,010**	**28,67,08,736**
Unutilised Revenue Grants	-	-
Unutilised Capital Grants	4,97,04,894	6,39,92,416
Unutilised Capital Grants (Permanent Campus)	65,41,56,116	22,27,16,320
B. UGC grants		
Unutilized carried forward = B	-	-
C. Grants from State Govt.		
Unutilized carried forward = C	-	-
Grand Total (A+B+C)	**70,38,61,010**	**28,67,08,736**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

SCHEDULE 4 -FIXED ASSETS	
Under this head, classification and disclosures shall be as follows:	
1. Land	Includes freehold land and leasehold land, to be shown distinctly
2. Site Development	
3. Buildings	Include Institution's buildings like college buildings, office buildings,staff residential buildings, hostel buildings, temporary structures and sheds.
4. Plant and machinery	Include air conditioners, water/air coolers, generator sets, television sets, fire extinguishers, etc.
5. Electrical Installation	Include electrical fixtures and fittings such as fans, and tube light fittings
6. Tube wells & water supply system	Tubewells and water supply systems may be shown as a distinct category
7. Office equipment	Include such items as fax machines, photocopiers, EPABX, typewriters, duplicating machines, Refrigerators etc.
8. Laboratory & Scientific Equipment	Include such items as microscopes, telescopes, dissection equipment, glass apparatus,measurement instruments and other types of laboratory equipment,
9 . Audio Visual Equipment	Include Television sets, overhead projector, Tape Recorders. DVD/ VCD Player, Camera,Movie Projectors etc
10. Furniture, fixtures and Fittings	Include items such as desks/benches, cabinets, almirahs, tables, chairs, partitions, etc
11. Computers/Peripherals	Include computers, printers and other peripherals like , UPS etc.
12. Sports Equipment	Include items such as table tennis table, gym equipment.
13. Vehicles	Include Buses, lorries, vans, Cars, scooters, etc.
14. Library Books and Scientific Journals	Library books will include books/ Scientific Journals
15. Intangible assets	Include computer software, patents & trade marks, E Journals specified separately.
16. Capital Work-In-Progress	Fixed assets in the course of construction should be shown against this head till they are ready for their intended use. Plant, machinery and equipment acquired and pending installation and commissioning should also be included here.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4 FIXED ASSETS (Total of 4A + 4B + 4D)

S.No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2019-20				Net Block	
		Op Balance 01.04.2019	Additions	Deductions/ Adjustments*	Cl Balance 31.03.2020	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments*	Total Depreciation	31.03.2020	31.03.2019
1	Land	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	Site Development	5,39,55,500	-	5,39,55,500	-	-	-	-	-	-	5,39,55,500
3	Buildings	3,33,41,398	6,92,47,746	-	10,25,89,144	2,94,52,633	28,38,403	-	3,22,91,036	7,02,98,108	38,88,765
4	Roads & Bridges	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Tubewells & Water Supply	-	4,81,997	-	4,81,997	-	9,640	-	9,640	4,72,357	-
6	Sewerage & Drainage	-	5,71,472	-	5,71,472	-	11,429	-	11,429	5,60,043	-
7	Electrical Installation and equipment	1,25,64,189	42,49,786	49,000	1,67,64,975	1,02,37,390	10,17,434	6,125	1,12,48,699	55,16,276	23,26,799
8	Plant and Machinery	1,03,56,951	-	-	1,03,56,951	15,90,886	5,17,848	-	21,08,734	82,48,217	87,66,065
9	Scientific & Laboratory Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	Office Equipment	34,97,919	4,06,458	-	39,04,377	4,68,238	2,92,829	-	7,61,067	31,43,310	30,29,681
11	Audio Visual Equipment	3,05,67,083	31,06,838	-	3,36,73,921	69,70,655	25,25,544	-	94,96,199	2,41,77,722	2,35,96,428
12	Computers & Equipment	1,11,34,463	33,71,932	-	1,45,06,395	46,91,575	29,01,280	-	75,92,855	69,13,540	64,42,888
13	Furniture, Fixtures & Fittings	2,09,28,396	74,27,028	-	2,83,55,424	39,73,394	21,26,656	-	61,00,050	2,22,55,374	1,69,55,002
14	Vehicles	43,000	-	-	43,000	16,400	4,300	-	20,700	22,300	26,600
15	Library books & Scientific Journals	30,70,560	3,48,394	-	34,18,954	8,54,132	3,41,895	-	11,96,027	22,22,927	22,16,428
16	Small Value Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Total (A)		**17,94,59,701**	**8,92,11,651**	**5,40,04,500**	**21,46,66,852**	**5,82,55,303**	**1,25,87,258**	**6,125**	**7,08,36,436**	**14,38,30,416**	**12,12,04,398**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4 FIXED ASSETS (Total of 4A + 4B + 4D) Contd.

17	**Capital Work In Progress (B)**	**42,61,830**	**1,66,57,046**	**17,58,833**	**1,91,60,043**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,91,60,043**	**42,61,830**

S.No	Intangible Assets	Op Balance 01.04.2019	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2020	Dep Opening Balance	Amortization for the year	Deductions/ Adjustments	Total Amortization/ Adjustments	31.03.2020	31.03.2019
18	Computer Software	49,07,057	2,31,438	-	51,38,495	38,47,105	7,99,209	-	46,46,314	4,92,181	10,59,952
19	E-Journals	2,18,01,244	1,80,40,160	-	3,98,41,404	1,08,87,268	1,44,92,048	-	2,53,79,316	1,44,62,088	1,09,13,976
20	Patents	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Total (C)		**2,67,08,301**	**1,82,71,598**	**-**	**4,49,79,899**	**1,47,34,373**	**1,52,91,257**	**-**	**3,00,25,630**	**1,49,54,269**	**1,19,73,928**
Grand Total (A+B+C)		**21,04,29,832**	**12,41,40,295**	**5,57,63,333**	**27,88,06,794**	**7,29,89,676**	**2,78,78,515**	**6,125**	**10,08,62,066**	**17,79,44,728**	**13,74,40,156**

Note:

1. The figure in coloumn "Deductions" under Gross Block against the head Capital Work in Progress represents the transfer from Work in Progress to Assets during the year;
2. The figures in coloumn "Additions during the year" under the Gross Block against Assets include transfer from Work in Progress during the year, as well as further acquisitions during the year.

* Deductions/Adjustments are based on CAG observations.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4A - Assets from MHRD Grants

S.No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2019-20					Net Block	
		Op Balance 01.04.2019	Additions	Deductions/ Adjustments	Cl Balance 31.03.2020	Dep Opening Balance	Rate	Depre-ciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2020	31.03.2019
1	Land	-	-	-	-	-	00.00%	-	-	-	-	-
2	Site Development	5,39,55,500	-	5,39,55,500	-	-	00.00%	-	-	-	-	5,39,55,500
3	Buildings	3,33,41,398	6,92,47,746	-	10,25,89,144	2,94,52,633	Varies	28,38,403	-	3,22,91,036	7,02,98,108	38,88,765
4	Roads & Bridges	-	-	-	-	-	02.00%	-	-	-	-	-
5	Tubewells & Water Supply	-	4,81,997	-	4,81,997	-	02.00%	9,640	-	9,640	4,72,357	-
6	Sewerage & Drainage	-	5,71,472	-	5,71,472	-	02.00%	11,429	-	11,429	5,60,043	-
7	Electrical Installation and equipment	1,25,64,189	42,49,786	49,000	1,67,64,975	1,02,37,390	Varies	10,17,434	6,125	1,12,48,699	55,16,276	23,26,799
8	Plant and Machinery	1,03,56,951	-	-	1,03,56,951	15,90,886	05.00%	5,17,848	-	21,08,734	82,48,217	87,66,065
9	Scientific & Laboratory Equipment	-	-	-	-	-	08.00%	-	-	-	-	-
10	Office Equipment	34,97,919	4,06,458	-	39,04,377	4,68,238	07.50%	2,92,829	-	7,61,067	31,43,310	30,29,681
11	Audio Visual Equipment	3,05,67,083	31,06,838	-	3,36,73,921	69,70,655	07.50%	25,25,544	-	94,96,199	2,41,77,722	2,35,96,428
12	Computers & Equipment	1,11,34,463	33,71,932	-	1,45,06,395	46,91,575	20.00%	29,01,280	-	75,92,855	69,13,540	64,42,888
13	Furniture, Fixtures & Fittings	2,09,28,396	74,27,028	-	2,83,55,424	39,73,394	07.50%	21,26,656	-	61,00,050	2,22,55,374	1,69,55,002
14	Vehicles	43,000	-	-	43,000	16,400	10.00%	4,300	-	20,700	22,300	26,600

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4A - Assets from MHRD Grants Contd.

15	Library Books	28,26,346	3,41,859	-	31,68,205	7,90,248	10.00%	3,16,820	-	11,07,068	20,61,137	20,36,098
16	Small Value Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total (A)	**17,92,15,245**	**8,92,05,116**	**5,40,04,500**	**21,44,15,861**	**5,81,91,419**	**-**	**1,25,62,183**	**6,125**	**7,07,47,477**	**14,36,68,384**	**12,10,23,826**
17	**Capital Work In Progress (B)**	**42,61,830**	**1,66,57,046**	**17,58,833**	**1,91,60,043**	**-**		**-**	**-**	**-**	**1,91,60,043**	**42,61,830**

S.No	Intangible Assets	Op Balance 01.04.2019	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2020	Dep Opening Balance	Rate	Amortization for the year	Deductions/ Adjustments	Total Amortization/ Adjustments	31.03.2020	31.03.2019
18	Computer Software	49,07,057	2,31,438	-	51,38,495	38,47,105	40.00%	7,99,209	-	46,46,314	4,92,181	10,59,952
19	E-Books	2,18,01,244	1,80,40,160	-	3,98,41,404	1,08,87,268	40.00%	1,44,92,048	-	2,53,79,316	1,44,62,088	1,09,13,976
20	Patents	-	-	-	-	-	9yrs	-	-	-	-	-
	Total (C)	**2,67,08,301**	**1,82,71,598**	**-**	**4,49,79,899**	**1,47,34,373**		**1,52,91,257**	**-**	**3,00,25,630**	**1,49,54,269**	**1,19,73,928**
	Grand Total (A+B+C)	**21,01,85,376**	**12,41,33,760**	**5,57,63,333**	**27,85,55,803**	**7,29,25,792**		**2,78,53,440**	**6,125**	**10,07,73,107**	**17,77,82,696**	**13,72,59,584**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4B Assets from Projects/ Other Grants

S.No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2019-20				Net Block	
		Op Balance 01.04.2019	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2020	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2020	31.03.2019
1	Land										
2	Site Development										
3	Buildings										
4	Roads & Bridges										
5	Tubewells & Water Supply										
6	Sewerage & Drainage										
7	Electrical Installation and equipment										
8	Plant and Machinery										
9	Scientific & Laboratory Equipment										
10	Office Equipment										
11	Audio Visual Equipment										
12	Computers & Equipment										
13	Furniture, Fixtures & Fittings										
14	Vehicles										
15	Library Books										
16	Small Value Assets										
	Total (A)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	**Capital Work In Progress (B)**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

NIL

S.No	Intangible Assets	Op Balance 01.04.2019	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2020	Dep Opening Balance	Amortization for the year	Deductions/ Adjustments	Total Amortization/ Adjustments	31.03.2020	31.03.2019
18	Computer Software	NIL									
19	E-Journal										
20	Patents										
	Total (C)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Grand Total (A+B+C)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4C - INTANGIBLE ASSETS

SL No.	Asset Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2019-20					Net Block	
		Op Balance 01.04.2019	Additions	Ded-uctions	Cl Balance 31.03.2020	Depreciation/ Amortizations Opening Balance	Rate	Depreciation/ Amortization for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation/ Amortization	31.03.2020	31.03.2019
1	Computer Software	49,07,057	2,31,438	-	51,38,495	38,47,105	40.00%	7,99,209	-	46,46,314	4,92,181	10,59,952
2	E - Journals	2,18,01,244	1,80,40,160	-	3,98,41,404	1,08,87,268	40.00%	1,44,92,048	-	2,53,79,316	1,44,62,088	1,09,13,976
3	Patents & Copyrights	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total	**2,67,08,301**	**1,82,71,598**	**-**	**4,49,79,899**	**1,47,34,373**		**1,52,91,257**	**-**	**3,00,25,630**	**1,49,54,269**	**1,19,73,928**

SCHEDULE 4(C) (i) PATENTS AND COPYRIGHTS

Particulars	Op Balance 01.04.2019	Addition	Gross	Amortization	Net Block 2019-20	Net Block 2018-19
A. Patents Granted	-	-	-	-	-	-
Total	-	-	-	-	-	-

Particulars	Op Balance 01.04.2019	Addition	Gross	Patents Granted/ Rejected	Net Block 2019-20	Net Block 2018-19
B. Patents Pending in respect of Patents applied for	-	-	-	-	-	-
Total	-	-	-	-	-	-
C. Grand Total (A+B)	-	-	-	-	-	-

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4D Others (Assets-Donations)

S.No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2019-20				Net Block	
		Op Balance 01.04.2019	Additions	Ded_ uctions	Cl Balance 31.03.2020	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2020	31.03.2019
1	Land	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	Site Development	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	Buildings	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	Roads & Bridges	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Tubewells & Water Supply	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	Sewerage & Drainage	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	Electrical Installation and equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	Machinery & Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	Scientific & Laboratory Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	Office Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	Audio Visual Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	Computers & Peripherals	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	Furniture, Fixtures & Fittings	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	Vehicles	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
15	Lib. Books & Scientific Journals	2,44,214	6,535	-	2,50,749	63,883	25,075	-	88,958	1,61,791	1,80,331
16	Small Value Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total	**2,44,456**	**6,535**	**-**	**2,50,991**	**63,883**	**25,075**	**-**	**88,958**	**1,62,033**	**1,80,573**
17	Capital Work In Progress	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Grand Total	**2,44,456**	**6,535**	**-**	**2,50,991**	**63,883**	**25,075**	**-**	**88,958**	**1,62,033**	**1,80,573**

Note:	The additions during the Year include additions from:	
	Gifted	6,535
	Earmarked Funds	-
	Sponsored Projects	-
	Own Funds	-
	Total	**6,535**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 5 INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
1. Term Deposits with Banks		
Long Term	2,20,96,893	2,20,00,000
Short Term	-	-
Total	**2,20,96,893**	**2,20,00,000**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 5 (A) INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS (FUND WISE)		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
1. Endowment Fund Investments - Building	2,00,00,000	2,00,00,000
2. Endowment Fund Investments - Gold Medal	20,96,893	20,00,000
Total	**2,20,96,893**	**2,20,00,000**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 6 INVESTMENTS-OTHERS		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
1. In Central Government Securities	-	-
2. In State Government Securities	-	-
3. Other approved Securities	-	-
4. Shares	-	-
5. Debentures and Bonds	-	-
6. Others	-	-
Total	**-**	**-**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 7 CURRENT ASSETS		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
1. Stock	**8,96,258**	**4,63,544**
a) Medical	37,183	18,713
b) Electrical	38,806	18,965
c) Stationery	8,20,269	4,25,866
2. Sundry Debtors	**90,43,893**	**7,87,576**
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months	-	-
b) Others	**90,43,893**	**7,87,576**
- IIMB	-	6,99,507
- MDPs	36,56,393	-
- PGCEP	-	88,069
- PGPDGM	53,87,500	-
3. Cash and Bank Balances	**1,10,15,73,870**	**55,27,39,439**
a) With Scheduled Banks	**1,10,14,84,287**	**55,26,61,244**
- In Current Accounts	10,175	73,388
- In Term Deposit Accounts	1,08,69,65,743	54,44,47,258
- In Savings Accounts	21,15,369	79,35,598
- In Flexi Accounts	1,23,93,000	2,05,000
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) Cash in Hand (Imprest)	89,583	78,195
4. Post Office Savings Accounts	-	-
5. Other Current Assets	**1,18,208**	**11,96,817**
a) CGST Receivable (Input Tax Credit)	12,002	-
b) SGST Receivable (Input Tax Credit)	12,002	-
c) IGST Receivable (Input Tax Credit)	-	8,18,892
d) TDS Refund Receivable	94,204	3,77,925
Total	**1,11,16,32,229**	**55,51,87,376**

(Amount in ₹)

ANNEXURE A	Current Year 2019-20	Previous Year 2018-19
I. Savings Bank Accounts	21,15,369	79,35,598
II. Flexi Account	1,23,93,000	2,05,000
III. Current Account	10,175	73,388
IV. Term Deposits with Scheduled Banks	1,08,69,65,743	54,44,47,258
Total	**1,10,14,84,287**	**55,26,61,244**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 8 LOANS, ADVANCES & DEPOSITS		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
1. Advances to employees: Travel Advance (Non-interest bearing)	2,07,525	-
2. Long Term Advances to employees: (Interest bearing)	-	-
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received: to suppliers	4,66,348	-
4. Prepaid Expenses	**1,04,49,550**	**90,04,142**
a) Insurance	13,42,167	13,78,994
b) Academic Expenses	73,35,567	59,48,107
c) Administration Expenses	4,09,353	1,15,317
d) Repairs & Maintenance	13,62,463	15,61,724
5. Deposits	**2,68,304**	**4,65,686**
a) Telephone & Internet	16,000	10,500
b) Rent	70,000	70,000
c) Travel (Make My Trip)	1,82,304	3,85,186
6. Income Accrued	**1,66,37,543**	**96,98,331**
a) On Investments from Corpus/Capital Fund	72,73,023	75,68,275
b) On Investments from Earmarked/ Endowment Funds	16,81,613	76,665
c) On Investments-Others	47,64,701	5,33,710
d) Unutilised Capital Grants	29,18,206	15,19,681
7. Others - Current assets receivable from UGC/sponsored projects	-	-
8. Claims Receivable	-	-
TOTAL	**2,80,29,270**	**1,91,68,159**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 9 ACADEMIC RECEIPTS		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
Academic		
1. Tuition fee		
a) PGP	13,43,82,988	8,66,56,818
b) PGCEP	89,15,625	55,44,375
c) PGPEx	92,13,000	-
d) PGPDGM	64,35,000	-
2. Application fee & Registration Fee	2,02,000	16,500
Total (A)	**15,91,48,613**	**9,22,17,693**
Examinations	-	-
Total (B)	-	-
Other Fees		
1. Fine/Miscellaneous fee	84,529	31,477
Total (C)	**84,529**	**31,477**
Sale of Publications	-	-
Total (D)	-	-
Other Academic Receipts - Registration fee for workshops	-	-
Total (E)	-	-
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)	**15,92,33,142**	**9,22,49,170**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 10 GRANTS/SUBSIDIES (IRREVOCABLE GRANTS RECEIVED)		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
Balance B/F	28,67,08,736	9,33,73,807
Add: Receipts during the year	61,42,79,708	32,65,00,000
Revenue Grants	**15,55,00,000**	**8,30,00,000**
Capital Grants	1,35,00,000	2,00,00,000
Capital Grants (Permanent Campus)	44,52,79,708	22,35,00,000
Add: Interest on Unutilised grants	2,67,42,993	44,06,453
Revenue Grants	-	-
Capital Grants	29,99,510	41,90,133
Capital Grants (Permanent Campus)	2,37,43,483	2,16,320
Total (A)	92,77,31,437	42,42,80,260
Less: Utilised for Expenditure		
Utilised for Revenue Expenditure	**15,55,00,000**	**8,77,97,856**
Utilized for Capital Expenditure	3,07,87,032	4,87,73,668
Utilized for Capital Expenditure (Permanent Campus)	3,75,83,395	10,00,000
Total (B)	22,38,70,427	13,75,71,524
Balance C/F (C = A - B)	70,38,61,010	28,67,08,736
Unutilised Revenue Grants	-	-
Unutilised Capital Grants	4,97,04,894	6,39,92,416
Unutilised Capital Grants (Permanent Campus)	65,41,56,116	22,27,16,320

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 11 INCOME FROM INVESTMENTS

Particulars	Current Year 2019-20		Previous Year 2018-19		Current Year 2019-20	Previous Year 2018-19
	Corpus/ Capital fund	Endowment fund	Corpus/ Capital fund	Endowment fund	Other Investments	
1. Interest on Term Deposits	48,98,391	-	36,21,873	-	52,40,290	1,04,32,906
2. Income accrued but not due on Term Deposits	72,73,023	16,04,948	75,68,275	76,665	47,64,701	5,33,710
3. Others	-	-	-	-	-	-
Total	**1,21,71,414**	**16,04,948**	**1,11,90,148**	**76,665**	**1,00,04,991**	**1,09,66,616**
Transferred to Respective Funds	1,21,71,414	16,04,948	1,11,90,148	76,665	-	-
Balance	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,00,04,991**	**1,09,66,616**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 12: INTEREST EARNED

Particulars	Current Year 2019-20	Previous Year 2018-19
a) On Savings Accounts with scheduled banks	1,68,523	3,21,655
b) On Debtors and other receivables (TDS Receivable)	23,676	-
Total	**1,92,199**	**3,21,655**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 13 OTHER INCOME		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
a) Income from Land & Buildings	-	-
b) Sale of Institute's Publications	-	-
c) Income from holding events		
1. Gross Receipts from annual function/ sports carnival/ ICORDS	12,72,704	2,75,000
d) Others		
1. Income from Management Development Programs	82,73,929	66,000
2. Income from Research Project	2,11,846	-
3. Misc. receipts (Sale of tender form, waste paper, RTI etc.)	10,998	95,661
4. Room Rent	28,900	1,34,116
5. Recovery from Staff, Vendors etc.	87,685	1,62,379
Total	**98,86,062**	**7,33,156**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 14 PRIOR PERIOD INCOME		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
a) Interest earned (IIMB)	-	6,75,551
b) Other Income	34,625	27,492
Total	**34,625**	**7,03,043**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 15- STAFF PAYMENTS & BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES)		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
a) Salaries and Wages	**5,88,75,159**	**4,53,71,476**
1. Teaching	3,05,91,580	1,90,16,385
2. Non Teaching	2,82,83,579	2,63,55,091
b) Allowances and Bonus	**1,03,11,615**	**72,51,822**
1. Teaching	88,09,923	56,13,657
2. Non Teaching	15,01,692	16,38,165
c) Contribution to PF (Teaching)	**3,75,030**	**3,53,970**
d) Contribution to Other Fund (NPS)	**50,66,942**	**23,18,995**
1. Teaching	38,44,451	16,06,683
2. Non Teaching	12,22,491	7,12,312
e) Staff Welfare Expenses	**20,28,677**	**16,91,004**
f) Retirement and Terminal Benefits	**67,52,450**	**40,36,664**
g) Recruitment & Training	**37,26,252**	**33,31,649**
1. Teaching	28,76,794	25,75,119
2. Non Teaching	8,49,458	7,56,530
h) Others - Faculty Development Expenses	**16,71,764**	**27,69,122**
Total	**8,88,07,889**	**6,71,24,702**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 15 A- EMPLOYEES RETIREMENT AND TERMINAL BENEFITS			
Particulars	**Gratuity**	**Leave Encashment**	**Total**
Opening Balance as on 01-04-2019	32,19,049	30,03,137	62,22,186
Addition : Capitalized value of Contributions Received from other Organizations	-	-	-
Total (a)	32,19,049	30,03,137	62,22,186
Less: Actual Payment during the Year (b)	-	31,980	31,980
Balance Available on 31.03.2020 (c) = (a-b)	32,19,049	29,71,157	61,90,206
Provision required on 31.03.2020 as per Actuarial Valuation (d)	**70,00,074**	**59,42,582**	**1,29,42,656**
Provision to be made in the Current year (d-c)	37,81,025	29,71,425	67,52,450
Total	**37,81,025**	**29,71,425**	**67,52,450**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 16 ACADEMIC EXPENSES		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
a) Expenses on seminars/workshops (International Immersion)	59,00,273	71,15,911
b) Payment to visiting faculty (including travel & accomodation)	1,00,86,260	1,60,01,156
c) Examination	7,83,527	6,54,952
d) Student Welfare Expenses	9,80,530	7,92,931
e) Admission Expenses	21,74,077	37,51,915
f) Convocation Expenses	1,21,380	16,90,038
g) Publications/Course Materials	56,35,690	48,85,732
h) Stipend/merit scholarship-Financial Aid	33,15,000	33,60,000
i) Subscription Expenses	1,24,39,871	85,28,130
j) Placement Expenses	27,01,255	26,78,998
k) Students Hostel Expenses	3,40,87,969	2,48,95,847
l) Programme Expenses	1,02,38,095	58,03,102
m) Other Programme Expenses	**2,14,98,486**	**22,75,836**
Conferences (ICORDS & AIB)	14,10,738	-
FPM/PhD	30,28,757	7,07,546
MDP	49,38,432	27,319
PGCEP	37,96,927	10,71,609
PGPEx	19,88,415	-
PGPDGM	60,09,602	-
WSP	3,25,615	4,69,362
TOTAL	**10,99,62,413**	**8,24,34,548**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 17 ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES		
Particulars	Current Year 2019-20	Previous Year 2018-19
A Infrastructure	68,16,109	50,64,368
a) Electricity and power	20,46,359	20,01,928
b) Insurance	71,135	24,874
c) Rent, Rates and Taxes (including property tax)	**30,51,268**	**15,82,674**
i) Rent	30,51,268	15,29,654
ii) Rates	-	53,020
d) Security Charges	16,47,347	14,54,892
B Communication	**4,96,278**	**2,87,809**
e) Postage and Stationery	1,95,737	1,71,398
f) Telephone, Fax and Internet Charges	3,00,541	1,16,411
C Others	**1,37,92,315**	**1,31,72,034**
g) Printing and Stationery (consumption)	12,22,823	11,08,021
h) Travelling and Conveyance Expenses	10,70,242	6,24,227
i) Auditors Remuneration	7,50,008	3,82,320
j) Professional Charges	3,33,973	3,84,131
k) Advertisement and Publicity	23,76,493	23,38,462
l) Magazines & Journals	1,33,922	13,839
m) Institution Functions	3,75,473	2,39,377
n) Meeting Expenses (BOG,BWC,FIAC & other Committees)	53,32,605	66,16,668
o) Office Expenses	15,05,467	11,58,111
p) Membership Expenses (Subscription)	3,82,107	1,08,470
q) Others	**3,09,202**	**1,98,408**
i) Bank Charges	1,65,636	1,72,308
ii) Website/Portal Expenses	1,41,066	23,600
iii) Professional Tax	2,500	2,500
TOTAL	**2,11,04,702**	**1,85,24,211**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 18 TRANSPORTATION EXPENSES		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
a) Vehicle (Taxi) hiring expenses	51,86,535	37,23,569
Total	**51,86,535**	**37,23,569**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 19 REPAIRS & MAINTENANCE		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
a) Buildings & Campus	4,92,489	4,16,364
b) Plant & Machinery	40,064	31,581
c) Office Equipment	46,782	52,200
d) Computers	26,15,824	21,22,197
e) AV Equipment	14,50,463	3,11,936
f) Cleaning Material	2,42,567	4,05,235
g) Electricals & Consumables	4,57,179	4,49,205
Total	**53,45,368**	**37,88,718**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 20 FINANCE COSTS		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
a) Bank Charges	-	-
Total	**-**	**-**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 21 OTHER EXPENSES		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances	-	-
b) Irrecoverable Balances Written- off	-	-
c) Grants/Subsidies to other institutions/organizations	-	-
Total	**-**	**-**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2020

(Amount in ₹)

SCHEDULE 22 PRIOR PERIOD EXPENSES		
Particulars	**Current Year 2019-20**	**Previous Year 2018-19**
a) Academic expenses	3,85,723	17,63,786
b) Administrative expenses	10,373	34,705
c) Repairs & Maintenance	1,987	27,496
Total	**3,98,083**	**18,25,987**

SCHEDULE-23

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. BASIS FOR PREPARATION OF ACCOUNTS

The Financial Statements are prepared under the historical cost convention method and on the accrual basis of accounting, in accordance with the MHRD Guidelines and Accounting Principles for Central Higher Educational Institutions.

2. REVENUE RECOGNITION

2.1 Fees from students (except Tuition Fees) and Interest on Savings Bank Account are accounted on cash basis. Tuition Fees collected separately for each semester is accounted on accrual basis.

2.2 Interest on term deposits with banks and Income from Management Development Programs are accounted on accrual basis.

3. FIXED ASSETS AND DEPRECIATION

3.1 Fixed Assets are stated at cost of acquisition including inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition, installation and commissioning. Capital work-in-progress comprises the costs incurred on capital assets that are not ready for their intended use at the reporting date.

3.2 Land received as government grant, free of cost, was valued at a nominal value as per principles of Accounting Standard - 12 issued by the ICAI and is set up by credit to the Capital Fund and included under Fixed Assets.

3.3 Books received as gifts are valued at selling prices printed on the books, where prices are not printed, the value is based on assessment.

3.4 Fixed assets are valued at cost, less accumulated depreciation. Depreciation on fixed assets is provided on straight line method (SLM), at the applicable rates as specified in MHRD prescribed schedule (given below). However, in the case of Building and Electrical Installations & Equipment, the value is amortised in consonance with lease agreement entered into, with Andhra University.

Tangible Assets:

1	Land	0%
2	Site Development	0%
3	Buildings (Refurbishment cost of leasehold building)	TC* - 5 Years as per agreement PC* – 02.00%
4	Electrical Installation & Equipment on leasehold building	
5	Tube Wells & Water Supply	02.00%
6	Sewerage & Drainage	02.00%
7	Machinery & Equipment	05.00%
8	Scientific & Laboratory Equipment	08.00%
9	Office Equipment	07.50%
10	Audio Visual Equipment	07.50%
11	Computers & Peripherals	20.00%
12	Furniture, Fixtures & Fittings	07.50%
13	Vehicles	10.00%

14	Library Books & Scientific Journals	10.00%

*TC = Transit Campus; PC = Permanent Campus

Intangible Assets (Amortization):

1	E- Journals	40.00%
2	Computer Software	40.00%

3.5 Depreciation is provided for the whole year on additions during the year.

3.6 Where an asset is fully depreciated, it is carried at a residual value of ₹ 1/- in the Balance Sheet and is not further depreciated. Thereafter, depreciation is calculated on the additions of each year separately at the rate of depreciation applicable for that asset head.

3.7 Assets, the individual value of each of which is ₹ 2000/- or less (except library books) are treated as Small Value Assets. 100% depreciation is provided in respect of such assets at the time of their acquisition. However physical accounting and control are continued by the holders of such assets.

4. INTANGIBLE ASSETS:

4.1 E-Journals and Computer Software are grouped under Intangible Assets.

4.2 Electronic Journals (E-Journals) are separated from Library Books in view of the limited benefit that could be derived from the on-line access provided. E-Journals are not in a tangible form, but capitalized in view of the magnitude of expenditure and the benefits derived from these assets being perpetual in nature. Depreciation is provided in respect of E-journals at the prescribed higher rate.

4.3 Expenditure on acquisition of software has been separated from computers and peripherals, as apart from being intangible assets, the rate of obsolescence in respect of these is very high. Depreciation is provided in respect of software at the prescribed higher rate.

4.4 The Software, E-Databases, E-Journals etc. whose life is equal to or less than 1 year, is apportioned between the accounting periods as per utilisation and are considered as revenue expenditure and grouped under subscription fee.

5. STOCK:

Expenditure on purchase of stores is accounted as revenue expenditure, except that the value of closing stocks as on 31st March 2020 is set up as inventories by reducing the corresponding revenue expenditure on the basis of information obtained from the departments concerned. They are valued at cost.

6. RETIREMENT BENEFITS:

6.1 Contributions to retirement benefits i.e. New Pension Scheme (NPS) and Provident Fund are recognised and charged to Revenue on the basis of actual liability.

6.2 Provision for Gratuity is made on the basis of actuarial valuation and charged to Revenue.

6.3 Provision for Leave Encashment is made on the basis of actuarial valuation and charged to Revenue.

7. **INVESTMENTS:**

7.1 Long term investments are carried at their cost or face value, whichever is lower. However any permanent diminution in their value as on the date of the Balance Sheet is provided for.

7.2 Short Term investments are carried at their cost or market value (if quoted), whichever is lower.

7.3 Funds which are not immediately required for expenditure are invested as flexi deposits on short-term basis with the operating bank i.e. Andhra Bank, leaving a minimum balance in Savings Bank Account.

8. CORPUS/CAPITAL FUND:

Capital Fund is created to the extent of Fixed Assets capitalized during the year. The Fund is created mainly out of Grant from Government of India, and other Grants/Donations.

The Corpus Fund is utilized for both Revenue and Capital expenditure based on the guidelines by the BoG from time to time. The assets created out of the Corpus Fund are merged with the assets of the Institute by crediting an equal amount to the Capital Fund. Any surplus or deficit from Income & Expenditure is carried to the Corpus Fund. The balance in the Corpus Fund which is carried forward is represented by the Fixed Deposits with the bank and the income from investments on accrual basis is credited to the Fund.

9. EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS:

These funds are earmarked for specific purposes. Those with large balances also have investments in Term Deposits with banks. The income from investments on accrual basis is credited to the respective Funds. The expenditure and advances are debited to the Fund. The assets created out of Earmarked Funds where the ownership vests in the Institution, are merged with the assets of the Institution by crediting an equal amount to the Capital Fund. The balance in the respective Funds is carried forward and is represented on the assets side by the balance at Bank, Investments and Accrued interest.

10. GOVERNMENT GRANTS

10.1 Government Grants (MHRD) are accounted on realisation basis. However, where a sanction for release of grant pertaining to the financial year is received before 31st March and the grant is actually received in the next financial year, the grant is accounted on accrual basis and an equal amount is shown as recoverable from the Grantor.

10.2 To the extent utilised towards Capital Expenditure (on Accrual Basis), Government Grants are transferred to the Capital Fund.

10.3 Government Grants for meeting Revenue Expenditure (on Accrual Basis) are treated, to the extent utilised, as income of the year in which they are realised.

10.4 Unutilised grants are carried forward and exhibited as a current liability in the Balance Sheet.

11. INCOME TAX

The income of the Institute is exempt from Income Tax under Section 10(23c) of the Income Tax Act, 1961. No provision for tax is therefore made in the accounts.

SCHEDULE: 24

CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS

1. CAPITAL COMMITMENTS :

1.1 The Value of contracts remaining to be executed on Capital Account and not provided for (Net of Advances) amounted to ₹ 2318.11 lakh as on 31st March 2020 (Previous year ₹ NIL).

2. FIXED ASSETS:

2.1 Net Additions in the year to Fixed Assets of ₹ 683.77 lakh include Assets purchased out of MHRD Funds (₹ 683.70 lakh). The Assets have been set up by credit to Capital Fund.

2.2 Land received as government grant, free of cost, was valued at a nominal value as per principles of Accounting Standard-12 issued by the ICAI. The valuation was at the rate of ₹ 1/- per acre or part thereof (241.5 Acres)

2.3 The Institute has entered into an MoU with Andhra University to take a part of its campus on lease for a period of 3 years, with total area measuring about 18360 Sq. ft. w.e.f. 21st September 2015 for its operations. The said lease was extended on 14th December 2017 for a further period of 5 years up to 20th September 2023. Additions made during the year for Buildings and Electrical Installation & Equipment are depreciated over 5 years as per the renewed (current) lease agreement. Additions from subsequent years will be depreciated in consonance with the extended lease agreement entered into, with Andhra University.

2.4 The Software, E-Databases, E-Journals etc. bought for perpetual use are classified as Intangible Assets and they are amortized accordingly.

Software, E-Databases, E-Journals etc. whose life is equal to or less than 1 year have been apportioned between the accounting periods as per utilisation, whereas, renewal agreements for a period of 1 year or less than 1 year were considered as revenue expenditure and grouped under subscription fee.

3. EXPENDITURE IN FOREIGN CURRENCY:

Sl. No.	Particulars	Amount in ₹
1	Travel	39,08,735
2	Others (Library & Academic)	1,80,26,195
	Total	**2,19,34,930**

4. CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES AND DEPOSITS

4.1 Current assets, Loans, Advances and Deposits have a value on realisation in the ordinary course, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

4.2 Term Deposits were made as per GOI Guidelines and the Institute's Investment Policy, in scheduled commercial banks to the tune of ₹ 10,869.66 lakh.

5. EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS:

The Institute has received a Donation of ₹ 222.00 Lakh during the year 2018-19 and the same is disclosed under Schedule 2A.

6. GOVERNMENT AND UGC GRANTS:

6.1 Grants are received from MHRD under three 'Grants-in-Aid' heads, viz. GIA-35 (Creation of Capital Assets), GIA-31 (General) and GIA-36 (Salaries).

6.2 Out of the Capital Grant received, the amount incurred during the year towards Capital Expenditure is for ₹ 683.70 lakh and is transferred to Capital Fund.

6.3 Grant received towards General and Salary expenditure of ₹ 1,555 lakh is considered as income and shown in Income and Expenditure Account.

6.4 The Institute is funded by MHRD grants only, for meeting both capital and revenue expenditure.

7. The details of balances in Savings Bank Accounts, Current Accounts and Fixed Deposit Accounts with banks are enclosed as Annexure 'A' to the Schedule of Current Assets.

8. Current Liabilities, Provisions & Loans including HEFA Loan and its interest of ₹ 2.98 lakh for the year ending 31st March 2020, against the sanction of ₹ 44,500 lakh towards construction of Permanent Campus, are shown under Schedule 3.

9. Previous year's figures have been regrouped wherever necessary.

10. Schedule 1 to 24 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet at 31st March 2020 and the Income & Expenditure Account for the year ended on that date.

11. All the employees of the Institute are covered by New Pension Scheme (NPS) and were allotted PRA numbers by the National Securities Depository Limited (NSDL) – Central Record Keeping Agency (CRA). During the Year 2019-20, ₹ 50.67 lakh has been contributed by the Institute towards contribution of employer for NPS fund. In respect of employees who joined on lien basis, the Institute's Provident Fund contribution along with employee's contribution during the lien period has been transferred to their respective principal offices, where the PF account is maintained.

12. The Institute has been granted Certificate of Exemption u/s 80G of Income Tax Act,1961 with effect from the Assessment Year 2019-20.

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-	Sd/-	Sd/-
C.P.Vittal	**Prof. Deepika R Gupta**	**Prof. M. Chandrasekhar**
Manager	**Coordinator (Admn.) &**	**Director**
(Finance & Accounts)	**Chief Audit Executive**	

Date: 11 Aug 2020
Place: Visakhapatnam

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM Receipts and Payments Account for the year ended 31st March 2020

(Amount in ₹)

Receipts	2019-20	2018-19	Payments	2019-20	2018-19
I. Opening Balance			I. Expenses		
a) Cash Balances	78,195	15,428	a) Establishment Expenses	8,10,52,395	6,30,10,708
b) Bank Balances			b) Academic Expenses	10,94,55,327	8,95,38,114
i) In Current Accounts	73,388	54,562	c) Administrative Expenses	2,17,93,141	1,87,09,747
ii) In Savings Accounts	79,35,598	60,274	d) Transportation Expenses	51,86,535	37,23,569
iii) In Flexi Accounts	2,05,000	1,68,53,000	e) Repairs & Maintenance Expenses	51,65,948	51,57,854
			f) Prior Period Expenses	3,98,083	18,25,987
II. Grants Received			II. Expenditure on Fixed Assets and Capital Works - in - Progress		
a) From Government of India (MHRD)			a) Fixed Asset	5,17,13,381	4,55,11,838
i) Revenue Expenses	15,55,00,000	12,30,00,000	b) Capital Works - in - Progress	1,66,57,046	42,61,830
ii) Capital Expenses	1,35,00,000	2,00,00,000	III. Increase/Decrease in Sundry Creditors, Statutory & other liabilities	(2,07,83,514)	4,88,41,539
iii) Capital Expenses (Permanent Campus)	44,52,79,708	22,35,00,000			
b) From State Government	-	-			
c) From other sources	-	-			
III. Academic Receipts	15,11,52,159	9,62,93,435	**Total Capital and Revenue payments (I+II+III)**	**27,06,38,342**	**28,05,81,186**
IV. Receipts against Earmarked/ Endowment Funds	-	2,22,00,000	IV. Payments against Earmarked/ Endowment Funds	66,345	1,03,107
V. Receipts against Sponsored Projects /Schemes	24,27,605	19,64,915	V. Payments against Sponsored Projects/Schemes	13,58,365	16,74,155
VI. Receipts against sponsored Fellowships/ Scholarships	26,25,000	-	VI. Payments against Sponsored Fellowships/Scholarships	26,25,000	-
VII. Income on Investments from			VII. Investments and Deposits made		
a) Earmarked/Endowment funds	-	-	a) Out of Earmarked/Endowments funds	96,893	2,20,00,000
b) Other Investments	4,35,85,134	2,49,02,759	b) Out of own funds (Investments - Others)	-	-
VIII. Interest received on			VIII. Term Deposits with Scheduled Banks	-	53,07,14,317

(Amount in ₹)

Receipts	2019-20	2018-19	Payments	2019-20	2018-19
a) Bank Deposits	-	-			
b) Loans and Advances, Other receivables	23,676	-			
c) Savings Bank Accounts	1,92,479	2,97,699			
IX. Investments encashed			IX. Refunds of Grants	-	-
a) Out of Earmarked/Endowments funds	-	-	X. Deposits and Advances		
b) Out of own funds (Investments - Others)	-	-	a) Caution Deposit to Students	12,85,205	9,39,580
X. Term Deposits with scheduled Banks encashed	54,44,47,258	31,32,65,926	b) Mess Advance to Students	1,37,91,660	1,23,12,025
			c) Other Payments to students	9,16,911	8,89,686
			d) EMD/SD Refund	10,38,891	56,05,807
			e) Deposits and advances made (other than students)	4,76,491	1,95,725
XI. Other income (including Prior Period Income)	74,90,613	7,60,648	XI. Any other Payments (HEFA LOAN)	2,40,65,088	-
XII. Deposits and Advances			XII. Closing Balances		
a) Caution Deposit from Students	25,85,000	21,00,000	a) Cash Balances	89,583	78,195
b) Mess Advance from Students	1,60,84,117	1,24,90,000	b) Bank Balances		
c) Other Deposits from students	6,20,000	-	i) In Current Accounts	10,175	73,388
d) Staff Advances recovery	-	15,000	ii) In Term Deposit Accounts	1,08,69,65,743	-
e) EMD/SD received	1,87,774	40,32,726	iii) In Savings Accounts	21,15,369	79,35,598
XIII. Miscellaneous Receipts including Statutory Receipts	10,78,609	-	iv) In Flexi Accounts	1,23,93,000	2,05,000
XIV. Any other Receipts (HEFA Loan)	2,28,61,748	15,01,397			
Total	**1,41,79,33,061**	**86,33,07,769**	**Total**	**1,41,79,33,061**	**86,33,07,769**

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-	Sd/-	Sd/-
C.P.Vittal	**Prof. Deepika R Gupta**	**Prof. M. Chandrasekhar**
Manager	**Coordinator (Admn.) &**	**Director**
(Finance & Accounts)	**Chief Audit Executive**	

Date: 11 Aug 2020
Place: Visakhapatnam

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद - 500 004.
OFFICE OF THE
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2019-20/2020-21/ Date: 15.02.2021
17

सेवामें,
सचिव,
भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग, शास्त्रीभवन, डॉ. राजेन्द्रप्रसादरोड
नईदिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: भारतीय प्रबंधन संस्थान, विशाखापत्तनम, के वर्ष 2019-20, लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन
******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), for the year 2019-20, Annexure thereof and one copy of the Annual Accounts for the year 2019-20, are forwarded herewith.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

Sd/-

संल:यथोपरि

Director General of Audit (Central)

Endt. No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2019-20/2020-21/ 51 Date 15.02.2021
17

Copy to Prof. M. Chandrasekhar, Director, Indian Institute of Management Visakhapatnam, Andhra Bank School of Business Building, Andhra University Campus, Visakhapatnam– 530 003, Andhra Pradesh,along with one copy of Annual Accounts for the year 2019-20(English version), with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2019-20 (2 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

Dy.DIRECTOR/ CEA

Phone Nos. : 040-23236811 to 23236819 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

(Signature 22/2 Mail copy recieved earlier, Coord (Admin)/M F&A)

जितेंद्र एस. करपे,
Jitendra S. Karape, IA&AS

सत्यमेव जयते

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)
सैफाबाद, हैदराबाद - ५०० ००४
Director General of Audit (Central)
Saifabad, Hyderabad - 500 004.

No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2019-20/2020-21/51 Date :15.02.2021

Dear Prof. Chandrasekhar,

Audit of Annual Accounts of The Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV) for the year 2019-20, was conducted in October-Novermber, 2020. Significant comments on accounts are included in the Separate Audit Report issued separately to the Government of India, Ministry of Education, New Delhi and a copy marked to you. Some of the observations, which were not included in the Separate Audit Report, meriting the attention of the Management are detailed below to enable your office to take necessary corrective action:

Expenditure under Income and Expenditure includes prepaid expenditure of ₹ 3,43,687[1] incurred towards renewal of subscription 'Trunitin-feedback studio software' for the period April 2020 to March 2021 i.e., 2020-21, which was incorrectly treated as current year expenditure under Academic expenses (Schedule-16), instead of as prepaid expenses under Loans, Advances & Deposits (Schedule-8). This resulted in overstatement of Expenditure and understatement of Loans, Advances & Deposits by ₹ 0.03 crore. Consequently, Surplus was also understated by ₹0.03 crore.

With Best Regards,

Yours sincerely,

Prof. M. Chandrasekhar,
Director,
Indian Institute of Management,Visakhapatnam

[1] Subscription expenses amounting to Rs.1,24,39,871/- shown under Schedule-16, includes an amount of Rs.3,43,.687

Off. Phone No.: 040-23232069 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

(Signature 22/2 Mail copy recieved earlier, Coord (Admin)/M F&A)

Separate Audit Report on the Accounts of Indian Institute of Management, Visakhapatnam for the year ended 31 March 2020

We have audited the attached Balance Sheet of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2020, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipts & Payment Account dealt with by this Report have been drawn in the Revised Format of Accounts, prescribed by Government of India, Ministry of Education, for Central Educational Institutions.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Institute, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

A. Grants-in-aid: Out of total grants-in-aid of ₹ 61.43 crore received during the year from Government of India (Revenue Grant ₹ 15.55 crore, capital grant ₹1.35 crore and ₹ 44.53 crore towards capital grant for construction of new premises-escrow account for HEFA loan), together with opening balance of ₹.28.67 crore and interest earned ₹ 2.67 crore, totaling to ₹ 92.77 crore. The institute utilized ₹ 22.39 crore (Revenue ₹ 15.55 crore & capital ₹ 3.08 crore and HEFA loan ₹ 3.76 crore) leaving a balance of ₹ 70.38 crore.

B. Management letter

Deficiencies which have not been included in this Report have been brought to the notice of the Institute through a Management Letter issued separately for remedial/corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2020; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the ***Surplus*** for the year ended on that date.

Director General of Audit (Central)

ANNEXURE

1. **Adequacy of Internal Audit System:** Internal Audit was entrusted to M/s Komandoor and Co, a Chartered Accountants firm, which completed the internal audit for the year 2019-20.

2. **Adequacy of Internal Control System:** Internal Control System was adequate.

3. **System of Physical verification of fixed assets:** Physical verification of fixed assets was completed for the year 2019-20.

4. **System of Physical verification of inventory:** Physical verification of Inventory was completed for the year 2019-20.

5. **Regularity in payment of statutory dues:** Statutory dues were paid regularly.

Dy. DIRECTOR/ CEA

IIM

विद्या परं दैवतम्

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
आंध्रा बैंक स्कूल ऑफ बिजनेस बिल्डिंग, आंध्र विश्वविद्यालय कैम्पस, विशाखपट्टणम 530 003.
आंध्र प्रदेश, भारत वेबसाइट: www.iimv.ac.in

Indian Institute of Management Visakhapatnam
Andhra Bank School of Business Building, Andhra University Campus, Visakhapatnam 530 003
Andhra Pradesh, India Website: www.iimv.ac.in